

# Rajasthāna Purātana Granthamalā

Published by the Government of Rajasthan

A series devoted to the Publication of Sanskrit, Prakrit, Apabhramsha,  
Old Rajasthani-Gujarati and Old Hindi works pertaining to India  
in general and Rajasthan in particular



GENERAL EDITOR

**Acharya JINA VIJAYA MUNI, Puratattvacharya**

Honorary Director, Rajasthan Oriental Research Institute,  
(Honorary Member of the German Oriental Society (Germany);  
Bhandarkar Oriental Research Institute, Poona; Gujarat Sahitya  
Sabha, Ahmedabad; and Vishveshvaranand Vaidic Research  
Institute, Hoshiarpur, Punjab.)

\* \* \*

No. 45

## VASTURATNAKOŚA

(A short samskrit treatise containing one hundred and one topics  
of the general culture).

\* \* \*

EDITED BY

**Prof. Dr. PRIYA BALA SHAH**

M. A., Ph. D. (Bombay), D. Litt. (Paris)

(Head of the Department of Ancient Indian Culture,  
Ramanand Arts College, Ahmedabad)



PUBLISHED BY

THE DIRECTOR

RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE  
JODHPUR (RAJASTHAN)

# व स्तु र ल को श

(नानावस्तुप्रतिपादक - एकोत्तरशतसंख्यासमुच्चयात्मक)

बहुसंख्यक-प्राचीन-आदर्शोपलब्ध-विविधपाठमेदादिसमन्वित  
शब्दानुक्रमादियुक्त प्रथमवार प्रकाशित ।

\*

सम्पादिका

डॉ० प्रियवाला शाह

एम्. ए. पीएच्. डी. (बम्बई), डि. लिट्. (पेरिस)

(प्राध्यापिका, रामानन्द आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद)

\*

प्रकाशक

राजस्थान-राज्याज्ञानुसार

संचालक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान

(Rajasthan Oriental Research Institute, Jodhpur)

जोधपुर (राजस्थान)

\*

— प्रथमावृत्ति —

वि. सं. २०१५ ]

राजकीयनियमानुसार सर्वाधिकार सुरक्षित

४)

[ ई. स. १९५९ ]

---

- प्रकाशक -

संचालक, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर के आदेशानुसार, गोपाल नारायण बोहरा.

- मुद्रक -

लक्ष्मीबाई नारायण चौधरी, निर्णयसागर प्रेस, २६-२८, कोलभाट स्ट्रीट, बम्बई, नं. २.

---

# CONTENTS.

	Pages	Pages	
Introduction	1 to 7		
Text	9-66		
1 त्रीणि भुवनानि	७	32 चत्वारो नायकाः	४०
2 त्रिविधं लोकासंस्थानम्	७	33 द्वात्रिंशद्गुणयुतो नायकः	४०
3 त्रिविधा भूमिः	७	34 त्रिविधा महानायिकाः	४१
4 त्रिविधाः पुरुषाः	८	35 अष्टौ नायिकाः	४२
5 त्रयः पदार्थाः	८	36 द्वात्रिंशत्त्रयिकानां गुणाः	४२
6 चत्वारः पुरुषार्थाः	८	37 त्रिविधं सौख्यम्	४३
7 पद्मत्रिशद् राजवंशाः	८	38 चत्वारि सौख्यकारणानि	४४
8 सप्ताङ्गं राज्यम्	१०	39 नवविधो गन्धोपयोपः	४४
9 षण्णवती राजगुणाः	१०	40 दशविधं शौचम्	४४
10 पद्मत्रिशद् राजपात्राणि	१३	41 द्विविधः कामः	४५
11 पद्मत्रिशद् राजविनोदाः	१५	42 दश कामावस्थाः	४५
12 अष्टादशविधं आस्थानम्	१६	43 विंशती रक्तस्त्रीणां लक्षणानि	४५
13 चतस्रो राजविद्याः	१७	44 एकविंशतिर्विरक्तस्त्रीणां लक्षणानि	४७
14 चतस्रो राजनीतयः	१७	45 द्वाविंशतिः कामिनीनां विकारेक्षितानि	४८
15 पद्मत्रिशद् आयुधानि	१७	46 चतुर्विंशतिरसतीनां लक्षणानि	४९
16 सप्तविंशतिः शास्त्राणि	१९	47 षोडश दुष्टस्त्रीणां लक्षणानि	५०
17 द्विपञ्चाशद् तत्त्वानि	२०	48 अष्टौ स्त्रीगामविश्वासकारणानि	५१
18 द्विसप्ततिः कलाः	२१	49 अष्टौ नार्योऽगम्याः	५३
19 चतुरश्रीतिर्विज्ञानानि	२४	50 अष्टविधो मूर्खः	५३
20 चतुरश्रीतिर्देशाः	२७	51 चतुर्विंशतिविधं नागरिकवर्णनम्	५३
21 द्वात्रिंशलक्षणस्थानानि	३०	52 त्रिविधं रूपम्	५४
22 चतुर्विंशतिविधं गृहम्	३१	53 त्रिविधं स्वरूपम्	५५
23 अष्टोत्तरशतं भद्रलानि	३३	54 द्वादशविधः प्रमदोपचारः	५५
24 त्रिविधं दानम्	३६	55 पञ्चविधः परिचयः	५६
25 पञ्चविधं यशः	३६	56 दश पुरुषाः स्त्रीगामनिष्ठा भवन्ति	५७
26 सप्तविधा कीर्तिः	३७	57 दशभिः कारणैः स्त्रियो विरज्यन्ते	५७
27 नव रसाः	३७	58 त्रिभिः कारणैः कामिन्यः संवर्धन्ते	५८
28 एकोनपञ्चाशद् भाषाः	३८	59 सप्तविधाः कामुकानां धुरतारम्भाः	५८
29 चत्वारोऽभिनयाः	३९	60 अष्टविधं विदग्धानां धुरतम्	५८
30 चतस्रो वृत्तयः	३९	61 नवविधं धुरतावसानम्	५९
31 चत्वारो महानायकाः	४०	62 नव शयनगुणाः	५९
		63 दशविधः पार्थिवानां प्रमोदः	६०
		64 चतुर्विधः प्रबोधः	६१
		65 चतुर्विधा बुद्धिः	६१

	Pages		Pages
66 अष्टौ युद्धिगुणाः	६१	86 पञ्चविधं चरितम्	७१
67 चतुर्विधं गान्धर्वम्	६२	87 पञ्चविधं पार्ष्णिवाणां पालनम्	७१
68 त्रिविधं गीतम्	६२	88 सप्तविधा प्राप्तिः	७१
69 पदत्रिशद् गीतगुणाः	६२	89 चतुर्विंशतिविधं शौर्यम्	७१
70 चतुर्विधं वाद्यम्	६४	90 दशविधं मलयम्	७२
71 द्विविधं (१ द्विप्रकारं) नृत्यम्	६४	91 दशविधः सङ्गदः	७३
72 षोडशविधं काव्यम्	६४	92 दशविधो जयः	७३
73 दशविधं वक्तृत्वम्	६५	93 पञ्चविधः परिच्छेदः	७३
74 पङ्क्तिविधं भाषालक्षणम्	६५	94 पञ्चविधं प्रभुत्वम्	७४
75 पञ्चविधं पाण्डित्यम्	६६	95 सप्तविधमुत्तमत्वम्	७४
76 चतुर्विंशतिविधं वादलक्षणम्	६६	96 नवविधा शक्तिः	७४
77 पङ्क्तिविधं दर्शनम्	६७	97 सप्तविधा भुक्तिः	७५
78 अष्टविधं माहेश्वरम्	६७	98 अष्टविधमभिमानलक्षणम्	७५
79 दशविधं ब्राह्म्यम्	६८	99 चतुर्विधं वात्सल्यम्	७५
80 चतुर्विधं साहूपम्	६८	100 पञ्चविधो महोत्सवः	७६
81 सप्तविधं जैनम्	६८	101 अष्टौ लब्धियोगः	७६
82 दशविधं बौद्धम्	६९	Appendix A	७७
83 चतुर्विधं चार्वाकम्	६९	Appendix B	७८-८०
84 चतुर्विंशतिविधं विचारकृतम्	७०	अकारादिकमेण शब्दानामनुक्रमणी १-६१	
85 दशविधं गुरुत्वम्	७०		

## प्रधान संपादकीय किंचित् प्रास्ताविक

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला के ४५ वें अंकके रूपमें प्रस्तुत, वस्तुतः राजकोश की एक प्राचीन प्रति, हमको जेसलमेरके जैन ग्रन्थ भंडारोंका अवलोकन करते समय, सन् १९४२ में, दृष्टिगोचर हुई। उस प्रतिका केवल अन्तिम पत्र नहीं मिला था, जिसमें शायद लेखकके समय आदिका निर्देश किया गया होगा। बाकी कृतिका ग्रन्थपाठ प्रायः पूर्ण था। ग्रन्थका विषय उपयोगी और नूतन माध्यम दिया, इस लिये हमने उसकी प्रतिलिपि करवा ली। बादमें, जब राजस्थान पुरातत्त्व मन्दिर (अब नूतन नाम 'प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान') के लिये, राजस्थानमें प्राप्त प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थोंका संग्रह कार्य हमारे निर्देशनमें आरंभ हुआ, तो उसमें दो-तीन और हस्तलिखित पुरानी प्रतियां इसकी संग्रहीत हो गईं।

यह रचना अभी तक कहीं प्रकाशित नहीं ज्ञात हुई थी और विषयकी दृष्टिसे विद्वानोंके लिये एक विशेष अम्यसनीय रचना माध्यम दी, अतः हमने, राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला द्वारा, इसका प्रकाशन करना निश्चित किया; और ऐसे ग्रन्थों के संपादन कार्यमें पूर्ण उत्साह और प्रावीण्य रखने वाली विदुषी कुमारी डॉ. प्रियवाला शाहाको इसका संपादन कार्य दिया गया।

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठानके संग्रहके अतिरिक्त, अहमदाबादकी गुजरात विद्या सभाके संग्रहमें तथा डमोईके मुक्ताबाई जैन ग्रन्थ संग्रहमें भी, इसकी प्राचीन प्रतियां उपलब्ध हुईं। इस तरह ७ प्राचीन प्रतियोंके आधार पर, संपादिका विदुषीने बहुत परिश्रम करके इसका उत्तम संपादन किया है जो तज्ज्ञ विद्वानोंको प्रस्तुत ग्रन्थ दृष्टिगोचर होते ही ज्ञात हो सकेगा।

ग्रन्थगत वस्तु नामसे ही ज्ञात होती है। साहित्यकारों, कथाकारों, प्रवचनकारों और उपदेशकोंको वारंवार उपयोगमें आने लायक ऐसे सौ विषयोंके मेदोपमेद और नामावलिका समुचित संग्रह इसमें किया गया है। इस तरह वस्तुविज्ञानका यह एक संक्षिप्त कोश ही है अतः रचनाकारने इसका नाम वस्तुतः राजकोश ऐसा उचित नाम दिया ज्ञात होता है। पर संक्षेपमें इसका नाम रत्नकोश भी बहुतसी प्रतियोंमें लिखा हुआ मिलता है।

इसका मुद्रणकार्य पूरा हो जाने पर, बादमें हमें पाटणके भंडारोंमें भी इसकी कुछ प्राचीन प्रतियां देखनेमें आईं जिनमें दो प्रतियां उल्लेखनीय हैं।

(१) तपागच्छवाले पाटणके भंडारमें एक ७ पत्रोंकी प्रति है जिसका अन्तिम पुष्पिकारूप लेख निम्न प्रकार है—

“संवत् १५१५ वर्षे कार्तिके श्रीचित्रकूटे व्यलेखि । शुभं भूयात् ॥”

(२) दूसरी प्रति भी इसी भंडारमें सुरक्षित है जिसके १२ पत्रे हैं और निम्न प्रकार पुष्पिकालेख है—

“इति धीवस्तुषिचाररत्नकोशासूत्रशतवस्तुविवरणं समाप्तं ॥

संवत् १५२६ वर्षे मागशीर्षवदि ७ कुजे लेखि ब्रह्मदासकेन ॥”

इन पुष्पकालेखोंसे ज्ञात होता है कि यह रचना ५००-६०० वर्ष जितनी प्राचीन तो अवश्य है ही; और इसके जो अनेकानेक पाठभेद मिलते हैं उनसे ज्ञात होता है कि अम्पासियोंमें इसके पठन-पाठनका प्रचार भी बहुत ही रहा है।

इसका रचयिता कौन है यह निश्चित रूपसे तो नहीं कहा जा सकता—पर केवल एक प्रतिमें, जैसा कि संपादिका विदुषीने अपने प्रास्ताविकमें सूचित किया है, कोई पृथ्वीधराचार्यका नाम लिखा मिलता है; सो अवश्य विचारणीय एवं विशेष अन्वेषणका विषय है। जबतक किसी कर्ताका निश्चय नहीं हो जाय तब तक हमने इसे अज्ञात विद्वत्कृत के विशेषणसे ही प्रसिद्ध करना उचित समझा है।

इसके साथ कुछ प्रतियोंके पत्रोंके ग्लान वनवा कर उनके प्रतिचित्र भी दिये जा रहे हैं।

अन्तमें हम विदुषी संपादिका श्रीमती कुमारी डॉ. प्रियवाला शाहाके प्रति अपना आभार भाव प्रदर्शित करना चाहते हैं कि जिनने अत्यन्त परिश्रम पूर्वक इस रचनाका सुसंपादन कर, प्रस्तुत ग्रन्थमालाकी शोभावृद्धिके लिये सुन्दर पुष्प समर्पित किया।

प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर  
माघ शुद्ध १४, संवत् २०१६  
— ११. फरवरी, १९६० —

}

मु नि जि न वि ज य

एतन्नि  
 आशुपि  
 पेशुमि  
 पशुमि  
 शकादि  
 लक्षणा  
 विविध  
 मनीषेव  
 यमादि  
 छपदि  
 अद्वान  
 सिरका  
 दुर्गादि  
 रणपद  
 खनादि  
 अशु  
 मोदि  
 एतन्नि  
 अशु  
 अशु  
 (माशु)

‘डी’ संज्ञक प्रतिका प्रथम पत्र





# VASTURĀTNakośA

## INTRODUCTION

### I

Ratnakośa or Vasturatnakośa :- .

Aufrecht in his *Catalogus Catalogorum* has several entries referring to Ratnakośa. In the entry on page 490 he describes a ms. thus—"Ratnakośa or Vastuvijñānaratnakośa—enumeration of things supposed to exist in a definite number, written by a Jain author." This description exactly applies to the contents of our work. :- ||

There are, however, at least three other kinds of Ratnakośas mentioned by Aufrecht from which this Ratnakośa is to be distinguished. One Ratnakośa is a work of Vaiśeṣika philosophy, another is a work on Advaita philosophy bearing the name Advaita-Ratnakośa and there is a third Ratnakośa which is a lexicon.

Ratnakośa literally means a treasure of jewels. In fact it is a short treatise on various subjects which a cultured man was supposed to know in the Indian society of old times. The larger variety of such works is represented by treatises like *Yuktikalpataru* of Bhoja, *Caturvargacintāmaṇi* of Hemādri and also *Abhilāṣitārthacintāmaṇi* of Someśvara. *Bṛhatsaṃhitā* of Varāhamihira though predominantly an astronomical work also discusses many miscellaneous topics.

Our Ratnakośa consists of two parts. The first part consists of Sūtras containing the topics with their aggregate numbers, while the second, *Vivaraṇa* mentioning each item of the topics by name. The total number of Sūtras in different mss. varies from 100 to 104.

The subject-matter of these topics is mostly secular giving general knowledge about social and political matters. If we classify these according to the four *Puruṣārthas*, we would find that most of them fall under *Artha* and *Kāma*; while some are of a general literary nature. Thus, for example the following topics would come under *Artha*:-

श्रीणि सुवनानि, त्रिविधं लोकस्थानं, त्रिविधा भूमिः, सहास्रं राज्यं, पञ्चवटी राज्ञां गुणाः, षट्त्रिंशद् राजपात्रानि etc.

The following fall under *Kāma*:-

द्वित्रिंशतिः कामिनीनां विकारकृतानि, अष्टौ नार्योऽपगम्याः, दशभिः कारणैः स्त्रियो विरज्यन्ते, त्रिभिः कारणैः कामिन्यः संवध्यन्ते, सहास्रिधाः कामुकानां सुरतारम्भाः, जट्टदिग्धं सिद्धयानां सुरतम्, नवविधं सुरतावसानम् etc.

1 07 11 03 26V

**Description of the manuscripts :-**

The present text is based upon the following seven mss.; six of which are complete. All the seven are in a well preserved state. They are named A, B, C, D, E, F and G.

**Ms. A :**

**Source :** Muni Jinavijayaji's collection, Rajasthan.

**No. :** 57

**Material :** paper.

**Folios :** 4

**Size :** 10½ × 5½ inches

**Number of lines :** 19 lines per page.

**Number of letters :** 50 to 53 per line.

**Age :** not mentioned; appears to be about three hundred years old.

**Author :** not mentioned.

**Script :** Devanāgarī.

**Begins :** ॐ नमो वीराय । अथातो वस्तुविज्ञानं रत्नकोशं व्याख्यास्यामः ।

सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् । स्वल्पमर्थं सुबोधार्थं रत्नकोशं तमभ्यसेत् ॥ १ ॥  
तत्र शतेन सूत्राणां संप्रहो यथा ॥ तत्रादौ श्रीणि भवनानि etc.

**Ends :** पंचविधं प्रभुत्वं कुलप्रभुत्वं ज्ञानप्रभुत्वं दानप्रभुत्वं स्थानप्रभुत्वं ॥ १०० ॥

**Colophon :** इति रत्नकोशसूत्रसप्तत्यायानं समाप्तम् ॥

**Ms. B**

**Source :** Śrī Muktabāi Jñānamandira, Dabhoi.

**No. :** ?

**Folios :** 6

**Material :** paper.

**Size :** 10 × 4.25 inches.

**Area of writing :** 8 × 3 inches.

**Number of lines :** 15 to 16 lines.

**Number of letters :** 43 to 45 in each line.

**Age :** not mentioned; appears to be not later than 16th cent. A. D.

**Author :** not mentioned.

**Script :** Devanāgarī.

**Begins :** अथातो वस्तुविज्ञानं । रत्नकोशं । व्याख्यास्यामः ॥

सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् ।

स्वल्पमर्थं सुबोधार्थं रत्नकोशं तमभ्यसेत् ॥

तत्र शतेन सूत्राणां संप्रहो यथा । तत्रादौ श्रीणि भवनानि ॥ etc.

Ends: पञ्चविधं प्रभुत्वं । कुलप्रभुत्वं । दानप्रभुत्वं । स्थानप्रभुत्वं । उभयप्रभुत्वं ॥ १०० ॥

Colophon: इति रत्नकोशसूत्रशतव्याख्यानं समाप्तम् ॥ लोलाढाग्रामे । पं. धनसागर मुनिविरचितम् ।  
वा. पुन्यमंडणताणिकोम्यं । श्रीः । श्रीरस्तुः । कल्याणमस्तु ।

Ms. C

Source: Gujarat Vidya Sabha, Ahmedabad.

No.: 2165

Material: paper.

Folios: 12

Size: 8 x 4.5 inches.

Area of writing: 6.5 x 3.75 inches.

Number of lines: 11 lines per page.

Number of letters: 31 to 33.

Age: Samvat 1755 (i. e. 1699 A. D.)

Author: Pṛthvīdharācārya.

Script: Devanāgarī.

Begins: श्रीहरिः । सर्वज्ञानमयं रम्यं सर्वबुद्धिप्रकाशकम् ।

स्वस्वप्रसंगं सुशोभाय रत्नकोशं समभ्यसेत् ॥

तत्रादौ त्रीणि भुवनानि । त्रिविधं लोकस्थानं । पञ्चविधं प्रभुत्वं ॥ १०० ॥

इत्यनुक्रमणिका ॥ गणराजं नमस्कृत्य गजतुण्डं सुरोत्तमम् ।

समस्तविघ्नहंतारं रत्नकोशं उदीर्यते ॥ १ ॥

Ends: अष्टौ लक्षयोग । अणिमा । महिमा । लघिमा । गरिमा । प्राप्ति । प्रक्षम्यं । ईशत्वं । वशित्वं ।

Colophon: इति श्रीपृथ्वीधराचार्यकृत रत्नकोशः संपूर्णम् । शुभं भवतु । कल्याणमस्तु । संवत् १७५५ वर्षे  
पाल्गुनमासे शुक्लपक्षे लिखितं गिरिनारायणज्ञातीय भट्टवालकृष्णमुत भट्टरामकृष्णेन लिखितं ।  
श्रीरस्तु । श्री । हरिर्जयति । श्री । श्री । श्री ।

Ms. D

Source: Muni Jinavijayaji's collection, Rajasthan.

No.: ?

Material: Kashmirian paper.

Folios: 3 (incomplete)

Size: 9.45 x 4.5 inches.

Number of lines: 21

Number of letters: 61

Age: not mentioned; appears to be not later than 15th cent. A. D.

Author: not mentioned.

Script: Devanāgarī.

Begins : अहं । श्रीणि भुवनानि । १ । त्रिविधं लोकस्थानं । २ । etc.

Ends : दशविधं बौद्धं । समता । परिमिता । पारमिता । विहार । प्रमाणं । सौत्रांतिकं । त्रिराशकं । योगोपचार । मोक्षपर्यंतं ॥ १० छ ॥ चतु

Ms. E

Source : Muni Jinavijayaji's Collection, Rajasthan, 1 / 3.

No. ?

Material : paper.

Folios : 9. 1 to 8a Ratnakōśa; 8a to 9 Rāgotpatti.

Size : 10 × 4.5 inches.

Number of lines : 15 lines.

Number of letters : 38 to 40.

Age : not mentioned, appears to be about 150 years old.

Script : Devanāgarī.

Begins : श्री गुरुभ्यो नमः । रत्नकोशं व्याख्यास्यामः । य(व)स्तुविज्ञानं । सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकं । स्वल्पग्रन्थं सुबोधार्थं रत्नकोशं समभ्यसेत् ॥ १ ॥ तत्र शतेन सूत्राणां कर्तव्यः संप्रहो यथा ॥ २ ॥ अथ इति मंगलार्थं ॥ ग्रंथतु कर्ता श्रीवेदव्यास कहिच्छि etc.

Ends : लघिमा । इशत्व । वरित्व । प्राप्ति । प्रकाम्यमेव ।

Colophon : इति श्रीरत्नकोशः संपूर्णः ॥ श्रीरस्तुः । कल्याणमस्तुः ।

Ms. F

Source : Jesalmere Grantha Bhaṇḍāra, Jesalmere.

No. : 315

Material : paper.

Folios : 8

Size : 9½ × 4¼ inches.

Number of lines . 14 lines.

Number of letters : 48 letters.

Age : Śaṃvat 1709 (i. e. 1653 A. D.)

Author : not mentioned.

Script : Devanāgarī.

Begins : ॐ अहं नमः । अथ रत्नकोशो लिख्यते । सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् । स्वल्पग्रन्थं सुबोधार्थं रत्नकोशं समभ्यसेत् । तत्र सर्वेन सूत्राणां कर्तव्यः संप्रहो यथा ॥ तत्रादौ श्रीणि भुवनानि । १ । त्रिविधं लोकस्थानम् । २ । ...etc.

Ends : ...वरित्वम् । प्रकाम्यम् । चेति ॥

Colophon : इति श्री रत्नकोशः[ः] समाप्तः[ः]

श्रीसंवत् १७०९ वर्षे वैशाखाऽश्विन पटी दिने रेवतीभवे वारे श्री महेश्वरानगरेऽलीलिख्यत् ।

धीस्वात् कल्याणं भूयात् ।

केसरपाठकयोः ऋद्धिः सदैव धीस्वात् मांगल्यं महोच्छवं धी धातिजिनप्रसादत् ॥ श्री ४

Ms. G

A copy prepared under the supervision of Muni Jināvijāyaji from a ms. of Jesalmere Grantha Bhaṇḍāra, Jesalmere.

Begins : ॐ नमो वीतरागाय । अथातो वस्तुविज्ञानं रत्नकोशं व्याख्यासामः ।

सर्वशास्त्रमयं रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् ।

सख्यप्रसन्नं सुबोधार्थं रत्नकोशं तमभ्यसेत् ॥

तत्र शतेन सूत्राणां सङ्ग्रहो यथा ॥ तत्रादौ त्रीणि भवनानि etc.

Ends : पञ्चविधं प्रभुत्वं । कुलप्रभुत्वम् । ज्ञानप्रभुत्वम् । दानप्रभुत्वम् । स्थानप्रभुत्वम् । उभयप्रभुत्वम् ।

Colophon : इति रत्नकोशसूत्रशतव्याख्यानं समाप्तम् ॥ ७ ॥

### III

Method of editing :-

A comparative study of the seven mss. available to me showed that even though the main substance of the text is common it has considerable variations. So the possibility of discovering the original text became remote. Under the circumstances, I adopted the following procedure in presenting this text.

Of the seven mss. D seems to be the oldest, though incomplete, while A, B, G. seem to belong to one proto-type. I have taken D as the basis of the text upto sūtra 85 and for the remaining portion of the text I have taken ms. A, which is next in age. The readings of D and A, however, have not been adopted in the text where they were corrupt or unsatisfactory.

Variants of other mss. have been noted in the footnotes.

In presenting the Vivaraṇa, mss. A, B and G have been adopted as the basis, because they together yield, on the whole a satisfactory text. Where, however, the readings of other mss. seemed better, they have been given in the text.

As however, the different mss. give at several places different informations, I have thought it proper to give below the main text, the texts of other mss. in full. Thus the reader will have before him more or less complete texts of the Vivaraṇa of all the mss.

In appendix A, are given the additional Sūtras of ms. E as well as the old Gujarati 'Tabbo' contained in it. In appendix B similar matter gathered from some other works is given.

In the Index, I have included important variations from the texts of Vivaraṇa given in the footnote.

## IV

Authorship and Age :-

Of the seven mss. only one, namely C mentions the name of the author as Pṛthvidharācārya and one, namely E mentions Vedavyāsa as the author in its Gujarati 'Tabot'. As we have seen above Aufrecht attributes the authorship of Ratnakośa to a Jain, though he does not mention the proper name. It appears that Aufrecht was led to regard this as a Jain work on account of the mention of 'ई' etc. at the beginning of his manuscript. We have seen that four, namely A, D, F, and G, of our seven mss. also begin in the Jain way. B starts directly with the text without any maṅgala, C starts with श्री हरिः and E with श्रीगुरुभ्यो नमः, while one ms. belonging to the Oriental Institute, Baroda, not used by me being very corrupt starts with श्री गणेशाय नमः. We cannot say definitely, whether श्री गुरुभ्यो नमः can be taken as a Jain or Brahmanical way of beginning.

We, however, cannot draw any conclusion about the author being a Jain or non-Jain from the way in which the mss. begin, because it depends upon the religion of the scribe or the patron who got the ms. copied.

The absence of reference to the name of the author in five mss. and mention of Vedavyāsa in one make us hesitate in attributing our Ratnakośa to Pṛthvidharācārya on the authority of the ms. C. The only thing that we can do for the present is to accept him provisionally as the author of our work.

The acceptance of Pṛthvidharācārya as the author of Ratnakośa, however, does not help us in fixing the age of the work. Aufrecht has mentioned several Pṛthvidharācāryas<sup>1</sup>. We do not know which one wrote the Ratnakośa given in the ms. C.

Hemādri in his Caturvargacintāmanī quotes Ratnakośa, at least twice, once in the Vratākhaṇḍa and second time in the Pariśeṣākhaṇḍa as follows:

ताम्बूलमुखवास्योर्लक्षणमुक्तं रत्नकोशे-

महापिप्पलयत्राणि व्रतमुक्तस्य फलानि च ।

शुक्तिक्षारेण संयुक्तं ताम्बूलमिति संज्ञितम् ॥

1 Aufrecht in addition to Ratnakośa has the following entries about the works of Pṛthvidharācārya. —

(1) सुवनेश्वरीस्तोत्र, (2) लघुसप्तशतीस्तोत्र (3) सरस्वतीस्तोत्र, (4) कातन्त्रविस्तरविदग्ध, (5) the commentary on Mṛcchakatika, (6) Vāśīśika Ratnakośa and (7) सुवनेश्वर्यचंद्रपद्धति.

क्षेतपत्रय पूर्णञ्च कमुकस्य फलानि च ।

नारिकेलफलोपेतं मातुलुङ्गसमायुतम् ॥ Ad. 1 (page 242) Vratakhanda.

पुंनक्षत्रानि च रत्नकोशे दर्शितानि ।

हस्तो मूलं श्रवणः पुनर्वसुर्दृगगिरास्तथा पुष्यः ।

पुंसंशितेषु कार्येष्वेतानि शुभानि विष्ण्वानि ॥ (page 732) Pariseṣakhanda.

Here it may be pointed out that from the nature of the topics, one can expect these verses 'in our Ratnakośa, but in fact we do not find them in any one of our mss. This implies that there may be other versions of the Ratnakośa which might have contained these verses. But as the verses mentioned by Hemādri do not occur in our text, his reference to Ratnakośa cannot help us to settle the date of our Ratnakośa.

So the only thing that we can say is that it is older than our oldest Ms. D which appears to belong to the 15th cent. A. D. The names mentioned in the 'Rajavaṃśas' vary so much that they cannot help us in settling the earlier limit of the age.

The work may be supposed to belong to an age later than the 10th cent. A. D.

\* \* \* \* \*

Before concluding, I must not omit to tender my most sincere thanks to the revered Āchārya Śrī Muni Jinavijayaji, the Honorary Director of Rajasthan Puratattva Mandir, Jaipur (now Jodhpur), for not only accepting this work for publication in Rajasthan Purātana Granthamālā but also for being kind enough to spare time to go over the greater portion of the text with me and make several important suggestions which have been mostly acted upon.

I take this opportunity of expressing my sincere thanks to my painstaking teacher in Ancient Indian Culture and guide in the preparation of my thesis for the Ph. D. degree, Prof. R. C. Parikh, Director, B. J. Institute, Gujarat Vidya Sabha, Ahmedabad, for giving much of his valuable time for discussing with me several problems connected with my research work and especially the preparation of the present text.

Ahmedabad, }  
12-4-1959.

PRIYABALA SHAH





# व स्तु र त्त को शः ।

अथातो वस्तुविज्ञानं रत्नकोशं व्याख्यास्यामः<sup>1</sup> ।  
सर्वशास्त्रमयं<sup>2</sup> रम्यं सर्वज्ञानप्रकाशकम् ।  
स्वल्पग्रन्थं सुबोधार्थं<sup>3</sup> रत्नकोशं समभ्यसेत्<sup>4</sup> ॥ १ ॥  
तत्र शतेन<sup>5</sup> सूत्राणां कर्तव्यः<sup>6</sup> सद्ब्रह्मो यथा ।

तत्रादौ—

- १ त्रीणि<sup>7</sup> भुवनानि ।
- २ त्रिविधं<sup>8</sup> लोकसंस्थानम् ।
- ३ त्रिविधा भूमिः ।
- ४ त्रिविधाः पुरुषाः ।
- ५ त्रयः पदार्थाः ।
- ६ चत्वारः पुरुषार्थाः<sup>10</sup> ।
- ७ षट्त्रिंशद् राजवंशाः<sup>11</sup> ।
- ८ सप्ताह्नं<sup>12</sup> राज्यम् ।
- ९ षण्णवती<sup>13</sup> राजगुणाः ।
- १० षट्त्रिंशद् राजपात्राणि ।
- ११ षट्त्रिंशद् राजविनोदाः ।
- १२ अष्टादशविधमांस्थानम् ।
- १३ चतस्रो राजविद्याः ।
- १४ चतस्रो राजनीतयः ।

1 E puts अथ(व)स्तुविज्ञानं after व्याख्यास्यामः ।; CP drop from अथातो to  
स्यामः ।; D drops from अथातो to तत्रादौ । 2 C °ज्ञानमयं । 3 C सर्वबुद्धि° ।  
4 C सुबोधाय । 5 AB तमभ्यसेत् । 6 F मर्त्येन । 7 ABD drop कर्तव्यः ।  
8 E त्रिभुव° । 9 CP लोकाः । 10 AB° पुरुषाणामर्थो । 11 E राजविनोदाः ।  
12 E °सायरा° । 13 F षट्त्रिंशद् राजां गुणाः । १ । १ । १ । १ । १ । १ । १ । १ । १ । १ ।  
विधं स्था° ।; C °विधमा ( म )हास्थानम् ।; E धं आ ।

- १५ पद्त्रिंशदायुधानि ।  
 १६ सप्तविंशतिः शास्त्राणि ।  
 १७ द्विपञ्चाशत् तत्त्वानि ।  
 १८ द्विसप्ततिः कलाः<sup>१७</sup> ।  
 १९ चतुरशीतिर्विज्ञानानि ।  
 २० चतुरशीतिर्देशाः ।  
 २१ द्वात्रिंशल्लक्षणस्थानानि<sup>१८</sup> ।  
 २२ चतुर्विंशतिविधं गृहम् ।  
 २३ अष्टोत्तरशतं मङ्गलानि ।  
 २४ त्रिविधं दानम् ।  
 २५ पञ्चविधं यशः<sup>१९</sup> ।  
 २६ सप्तविधा कीर्तिः ।  
 २७ नव रसाः<sup>२०</sup> ।  
 २८ एकोनपञ्चाशद् भावाः ।  
 २९ चत्वारोऽभिनयाः ।  
 ३० चतस्रो वृत्तयः ।  
 ३१ चत्वारो महानायकाः ।  
 ३२ चत्वारो नायकाः<sup>२१</sup> ।  
 ३३ द्वात्रिंशद्गुणयुतो नायकः ।  
 ३४ त्रिविधा महानायिकाः<sup>२२</sup> ।  
 ३५ अष्टो नायिकाः<sup>२३</sup> ।

15 ABCDEFG दण्डायुधानि । 16 DE 'तिश' १; AG 'तिश' १; O 'स्वप्न' १. 17 ABCD 'तिक' १; E 'द्विसप्तति' १. 18 ABCD त्रिभिः १; E द्विभिः १. 19 ABCDE 'तिदे' १. 20 CF लक्ष्ययानि । 21 ABO तम १, D परं परं मंगलानां १; E मंगलानां स्थानं १. 22 'यय' १. 23 O गत इत्ययः १; अष्टौ गता १, B writes नव upon अष्टौ १; ADG अष्टौ रसाः १. 24 D 'रो नायका' १. 25 D महाना १; A puts here अष्टौ नायिकाः १; O drops this sūtra १. 26 A puts here त्रिविधं मङ्गलम् १, BD बहुगुणनायका १, O 'दशगुणनायकाः' १; E 'सप्तगुणो नायकाः' १; O drops this sūtra. 27 ABCDE write नायका for नायिकाः १; A omits the sūtra त्रिविधा महानायिकाः १. 28 O drops this sūtra.

- \*३६ द्वात्रिंशत्त्रायिकानां गुणाः ।  
 ३७ त्रिविधं सौख्यम्<sup>२८</sup> ।  
 ३८ चत्वारि<sup>२९</sup> सौख्यकारणानि ।  
 ३९ नवविधो गन्धोपयोगः ।  
 ४० दशविधं<sup>३०</sup> शौचम् ।  
 ४१ द्विविधः<sup>३१</sup> कामः ।  
 ४२ दश<sup>३२</sup> कामावस्थाः ।  
 ४३ विंशती<sup>३३</sup> रक्तस्त्रीणां लक्षणानि ।  
 ४४ एकविंशतिर्विरक्तस्त्रीणां लक्षणानि ।  
 ४५ द्वाविंशतिः<sup>३४</sup> कामिनीनां विकारेङ्गितानि ।  
 ४६ चतुर्विंशतिरसतीनां लक्षणानि ।  
 ४७ षोडश दुष्टस्त्रीणां लक्षणानि ।  
 ४८ अष्टौ स्त्रीणामंविश्वासकारणानि ।  
 ४९ अष्टौ नार्योऽगम्याः ।  
 ५० अष्टविधो मूर्खः ।  
 ५१ चतुर्विंशतिविधं नागरिकवर्णनम् ।  
 ५२ त्रिविधं रूपम् ।  
 ५३ त्रिविधं स्वरूपम् ।  
 ५४ द्वादशविधः प्रमदोपचारः ।

\* G alone gives this sūtra but all the mss. give its Vivaraṇa.  
 28 E द्वात्रिंशद् नायकानां गुणाः । त्रिविधं सौख्यम् ।; F त्रिगद्गुणयुक्ता नायिकाः । त्रिविधं सौख्यम् । 29 D सौख्यस्य च<sup>२८</sup> ।; E सौख्यकारणानि । 30 A द्विविधं । 31 A omits this sūtra. 32 BE दशविधः कामावस्थाः ।; F दशविधाः कामावस्थाः । 33 ABCDE चतुर्विधं । 34 ABDE 'दशतिविर' ।; F drops the sūtra, AB put first our sūtra 46 and then give this sūtra as 43 35 ABCD दशिका ।; E drops the sūtra; F drops द्वा । 36 ABCD दशविधं ।; E drops the sūtra. 37 AEG अष्टलक्षणानि । 38 AEG 'मभिचारकानि' । 39 E चतुर्विंशतिविधं । 40 AEG कलक्षणम् ।; C 'कवनेनम् । 41 F drops the sūtra. 42 AEG प्रमदोपचारः ।; D प्रमादोपचारः ।; F दशविधः प्रमदोपचारः ।

- ५५ पञ्चविधैः परिचयः ।  
 ५६ दश पुरुषाः " स्त्रीणामनिष्ठा भवन्ति ।  
 ५७ दशभिः कारणैः स्त्रियो विरज्यन्ते ।"  
 ५८ त्रिभिः " कारणैः " कामिन्यः " संबध्यन्ते ।  
 ५९ सप्तविधाः " कामुकानां " सुरतारम्भाः " ।  
 ६० अष्टविधं विदग्धानां " सुरतम् ।  
 ६१ नवविधं सुरतावसानम् ।  
 ६२ नवं शयनगुणाः ।  
 ६३ दशविधः पार्थिवानां प्रमोदः ।  
 ६४ चतुर्विधः प्रबोधः ।  
 ६५ चतुर्विधा बुद्धिः ।  
 ६६ अष्टौ बुद्धियुगाः ।  
 ६७ चतुर्विधं गान्धर्वम् ।  
 ६८ त्रिविधं गीतम् ।  
 ६९ पदत्रिंशद् गीतगुणाः ।  
 ७० चतुर्विधं वाद्यम् ।  
 ७१ द्विविधं नृत्यम् ।  
 ७२ षोडशविधं काव्यम् ।  
 ७३ दशविधं वक्तृत्वम् ।†  
 ७४ षड्विधं भाषालक्षणम् ।  
 ७५ पञ्चविधं पाण्डित्यम् ।

43 D पंचत्रिंशद्विधः ।, F पंचत्रिंशद्विधिः । 44 G नराः ।; F drops the sūtra.  
 45 F द्वादशभिः कारणैः स्त्रियोऽभिरज्यन्ते । 46 ABG दशभिः । 47 E प्रकारैः । 48 D  
 कामिनीनां; E स्त्रियं । 49 ABCDEF विधः । 50 OE कामिना । 51 ABCDEF रम्भाः ।  
 52 D सुरतावसानं विदग्धानां; E दग्धानां; F अष्टविधो विदग्धानां सुरतारम्भः । 53 ABG नवविधाः ।  
 54 A drops पार्थिवानां । 55 ABG प्रमोदः । 56 A नृत्यम् । 57 AG वादलक्षणं ।  
 58 D द्वादशं ।; ABG त्रिंशद्विधं ।, E षोडशविधं । 59 C वक्तृत्वं; F वक्तृत्वम् । † E has  
 विद्वत्विधं वक्तृत्वं between 73 and 74. 60 E षोडशविधं ।

- ७६ चतुर्विंशतिविधं वादलक्षणम् ।  
 ७७ पञ्चविधं दर्शनम् ।  
 ७८ अष्टविधं माहेश्वरम् ।  
 ७९ दशविधं ब्राह्मणम् ।  
 ८० चतुर्विधं साङ्ख्यम् ।  
 ८१ सप्तविधं जैनम् ।  
 ८२ दशविधं बौद्धम् ।  
 ८३ चतुर्विधं चार्वाकम् ।  
 ८४ चतुर्विंशतिविधं विचारकत्वम् ।  
 ८५ दशविधं गुरुत्वम् ।  
 ८६ पञ्चविधं चरितम् ।  
 ८७ पञ्चविधं पार्थिवानां पालनम् ।  
 ८८ सप्तविधा प्राप्तिः ।  
 ८९ चतुर्विंशतिविधं शौर्यम् ।  
 ९० दशविधं बलम् ।  
 ९१ दशविधः सङ्ग्रहः ।  
 ९२ दशविधो जयः ।  
 ९३ पञ्चविधः परिच्छेदः ।  
 ९४ पञ्चविधं प्रभुत्वम् ।  
 ९५ सप्तविधमुत्तमत्वम् ।  
 ९६ नवविधा शक्तिः ।  
 ९७ सप्तविधा भुक्तिः ।  
 ९८ अष्टविधमभिमानलक्षणम् ।

61 AG चतुर्विधं ।; E °निवाद° । 62 E पद्द° । 63 C दर्शनलक्षणम् ।; E दर्शनानि । 64 F अष्टविधा माहेश्वरी । 65 D ब्राह्मण्यम् ।; E ब्राह्मणम् । 66 E सप्तविंशतिविधं जैन्यम् । 67 ABG धं चारकवं; F °धं वा लक्षणम् । 68 E चतुर्विधं । 69 AB चारित्रं । 70 AG drop पार्थिवानां, C पार्थिव्या । 71 G चतुर्विधं । 72 G सप्तविधं ।

९९ चतुर्विधं वात्सल्यम् ।

१०० पंचविधो महोत्सवः<sup>†</sup> ।

१०१ अष्टौ लब्धियोगाः ।\*

†इति सूत्राणां शतमेकोत्तरम् ॥ १०१ ॥

\*

॥ इति वस्तुसंख्यासंग्रहः समाख्यातः ॥



73 AB १०० छ १; C १०० इत्यनुक्रमणिका १; D चेति १०० छ १; E १०० इति सूत्राणि समूहे समाख्यातः १; F १०२ १. \* B gives चतुर्विधा गतिश्च १ after sūtra १६०. † From इति to स्मात् is given only by B.

## वस्तुरत्नकोश-विवरणम् ।

अथातो वस्तुविवरणं समाख्यायते ।

\*गणराजं नमस्कृत्य गजतुण्डं सुरोत्तमम् ।  
समस्तविघ्नहन्तारं रत्नकोशमुदीर्यते ॥ १ ॥

यथा—

१. तत्रादौ त्रीणि भुवनानि कथ्यन्ते । तद् यथा—

१ सुरभुवनम् । २ नरभुवनम् । ३ नागभुवनम् । इति ।

२. त्रिविधं लोकसंस्थानम् ।

१ देवलोकसंस्थानम् । २ दानवलोकसंस्थानम् ।

३ मानवलोकसंस्थानम् । इति ।

- २) A १ देवसंस्थानम् । २ मानवसंस्थानम् । ३ दानवसंस्थानम् ।  
B १ देवसंस्थानम् । २ दानवसंस्थानम् । ३ मानवसंस्थानम् ।  
C १ देवलोकस्थानम् । २ मनुष्यलोकस्थानम् । ३ दानवलोकस्थानम् ।  
D १ दानवसंस्थानम् । २ मानवसंस्थानम् । ३ गंधर्वसंस्थानम् ।  
E देवदानवमानवानां संस्थानम् ।  
F १ देवस्थानं । २ दानवस्थानं । ३ मानवस्थानं चेति ।

३. त्रिविधा भूमिः ।

१ उन्नतप्रदेशा । २ निम्नप्रदेशा । ३ समप्रदेशा । इति ।

- ३) AG १ उन्नतप्रदेशः । २ निम्नप्रदेशः । ३ समप्रदेशः ।  
E १ उच्चा । २ नीचा । ३ समा ।  
F १ उन्नतप्रदेशा । २ नीचप्रदेशा । ३ समप्रदेशा ।

† अथानी...यथा is given only by B.

\*G alone gives this śloka after

इत्यनुक्रमणिका । 1 BCE तत्र त्रीणि । 2 G भवनानि । 3 ABCDEFG omit कथ्यन्ते ।  
4 ABCDEFG omit तद् यथा । 5 ABG मानव । 6 ABEG omit क्षेत्र । 7 CEY  
स्थानम् । 8 G omits क्षेत्र ।



## ४. त्रिविधाः पुरुषाः ।

१ उत्तमाः । २ मध्यमाः । ३ अधमाः । इति ।

- ४) ABG १ उत्तम । २ मध्यम । ३ अधम ।  
 C १ उत्तम २ मध्यम ३ अधमाश्चेति ।  
 E १ उत्तमा । २ अधमा । ३ मध्यमा ।

## ५. त्रयः पदार्थाः ।

१ धातुपदार्थः । २ जीवपदार्थः । ३ मूलपदार्थः । इति ।

- ५) C धातुमूलजीवाश्चेति  
 E १ धातु । २ मूल । ३ जीवा ।  
 F १ मूलगतपदार्थाः । २ धातुगतपदार्थाः । ३ जीवगतपदार्थाः ।

## ६. चत्वारः पुरुषार्थाः ।

१ धर्मः । २ अर्थः । ३ कामः । ४ मोक्षः । इति ।

- ६) ABG १ धर्म । २ अर्थ । ३ काम । ४ मोक्ष ।  
 CF धर्मार्थः । काम मोक्षः ।  
 D १ धर्म । २ अर्थ । ३ काम । ४ मोक्षरूपाः ।

## ७. पट्टत्रिंशद् राजवंशाः ।

१ सूर्यवंशः । २ सोमवंशः । ३ यादववंशः । ४ कदम्बवंशः ।  
 ५ परमारवंशः । ६ इक्ष्वाकुवंशः । ७ चाहुआणवंशः । ८ चौलुक्यवंशः ।  
 ९ मौरिकवंशः । १० शिलारवंशः । ११ सैन्धववंशः । १२ छिन्दक-  
 वंशः । १३ चापोत्कटवंशः । १४ प्रतीहारवंशः । १५ मुडुकवंशः ।  
 १६ राष्ट्रकूटवंशः । १७ शकटवंशः । १८ करटवंशः । १९ करटपाल-  
 वंशः । २० चन्दिह्ववंशः । २१ गुहिलवंशः । २२ गुहिलपुत्रवंशः ।  
 २३ पोतिकपुत्रवंशः । २४ मंकाणकवंशः । २५ धान्यपालवंशः ।  
 २६ राजपालवंशः । २७ अनङ्गवंशः । २८ निकुम्भवंशः । २९ दधि-  
 करवंशः । ३० कलचुरवंशः । ३१ कालमुखवंशः । ३२ दायिकवंशः ।  
 ३३ हूणवंशः । ३४ हरिणवंशः । ३५ डोडिवंशः । ३६ मारववंशः ।  
 इति ।

७) A १ ब्रह्मवंश । २ सूर्यवंश । ३ सोमवंश । ४ यादववंश । ५ कुडुम्बवंश । ६ परमारवंश । ७ इक्ष्वाकु । ८ बाह्लीक । ९ चौलुम्य । १० छन्दिक । ११ सिलार । १२ सैन्धव । १३ डामी । १४ चापोत्कट । १५ पडीहार । १६ लडुक । १७ राष्ट्रकूट । १८ शक । १९ करटपाल । २० कोटपाल । २१ वंदिह । २२ गुहिल । २३ गुहिल-पुत्र । २४ पौतिक । २५ मोरी । २६ मंकुयाण । २७ धान्यपाल । २८ राजपाल । २९ अनङ्ग । ३० निकुम्भ । ३१ दाडिम । ३२ कलिचुर । ३३ दधिमुख । ३४ हूण । ३५ हरितड । ३६ डोड । ३७ परमार ।

७) B १ ब्रह्मवंश । २ सूर्यवंश । ३ सोमवंश । ४ यादववंश । ५ कदम्बवंश । ६ इक्ष्वाकु । ७ बाह्लीक । ८ चौलुम्य । ९ छन्दिक । १० सिलार । ११ सैन्धव । १२ डामी । १३ चापोत्कट । १४ पडीहार । १५ लडुक । १६ राष्ट्रकूट । १७ शक । १८ करटपाल । १९ कोटपाल । २० चन्दिह । २१ गुहिल । २२ गुहिलपुत्र । २३ मौदिक । २४ मोरी । २५ मंकुयाण । २६ धान्यपाल । २७ राजपाल । २८ अनङ्ग । २९ निकुम्भ । ३० दाडिम । ३१ कलिचुर । ३२ दधिमुख । ३३ हूण । ३४ हरितड । ३५ डोड । ३६ परमार ।

७) C १ रवि । २ सोम । ३ यादव । ४ कदम्ब । ५ परमार । ६ इक्ष्वाकु । ७ चहुआण । ८ रोरीच । ९ सिलर । १० करण्ड । ११ चण्डिल । १२ गोहिल । १३ मकुआण । १४ पौलक । १५ राजपाल । १६ धानपाल । १७ देव । १८ निकुम्भ । १९ दधिकर । २० कोकिल । २१ तरुष्क । २२ दधिपक । २३ हूण । २४ हरिअड । २५ कोवोलिक । २६ कलानुर । २७ हरित । २८ सेभट । २९ राठोऊड । ३० शौलंक । ३१ जोधिम । ३२ कलध्व ।

७) E १ सूर्यवंश । २ सोमवंश । ३ यादव । ४ इक्ष्वाकु । ५ कदंब । ६ परमार । ७ चौहाण । ८ चौलुम्य । ९ छिदक । १० मोरी । ११ शेलार । १२ सैन्धव । १३ चापो-त्कट । १४ प्रतीहार । १५ लकुट । १६ कराट । १७ काल । १८ पाल । १९ टाक । २० चंडेल । २१ राष्ट्रकूट । २२ शंकु । २३ फरंड । २४ गोहिलपुत्र । २५ गहिलुत्र । २६ पौतिक । २७ मुष्कायण । २८ मकूआणा । २९ पौलक । ३० राजपालक । ३१ धनपालक । ३२ धान्यपाल । ३३ अनङ्ग । ३४ निकुम्भ । ३५ धिधिम । ३६ दधि-कर । ३७ कोल । ३८ कोलानुर । ३९ दधिपक । ४० सिंहिलक-जातिमेद । ४१ सोलंकी । ४२ दापिक । ४३ हूण । ४४ हरिअड । ४५ लोड । ४६ डोडीआ । ४७ राष्ट्रकूट । जातिमेद । ४८ मारु राठुडा । ४९ माखवा । ५० पातिकर । ५१ जेलार । ५२ लुङ्क । ५३ फराट । ५४ कोल । ५५ चिन्दिनु । ५६ मुष्का-यण । ५७ डोडीआकाश्चेति जातिमेदाः अनेककोटिदाः ॥ ३६ ॥

७) F १ सूर्यवंश । २ सोमवंश । ३ यादववंश । ४ कदम्बवंश । ५ चहुआण । ६ चौलिम्य । ७ छन्दिक । ८ सिलार । ९ सैन्धव । १० चाउडा । ११ पडिहार । १२ तुडक । १३ राठउड । १४ करटवाल । १५ चन्दिह । १६ गुहिल । १७ गड-लोत्त । १८ पौमिक । १९ मोरी । २० मकूआणा । २१ अनंग । २२ राजपाल । २३ वारड । २४ दहीया । २५ डामी । २६ हरीयडा । २७ टाक । २८ मीदा । २९ माया । ३० हूण । ३१ निकुन्दम । ३२ कोल । ३३ दधिपक । ३४ डेडिया । ३५ सुरिमा । ३६ परमारवंशाश्चेति ।

७) G १ ब्रह्मवंश । २ सूर्यवंश । ३ सोमवंश । ४ यादववंश । ५ कुटुम्बवंश ।  
 ६ परमारवंश । ७ इक्ष्वाकु । ८ बाह्लीक । ९ चौलुक्य । १० छन्दिक । ११ सिलार ।  
 १२ सैन्यव । १३ डामी । १४ चापोत्कट । १५ पडिहार । १६ लडुक । १७ राष्ट्रकूट ।  
 १८ शक । १९ करटपाल । २० कोटपाल । २१ बंदिह । २२ गुहिल । २३ गुहिल-  
 पुत्र । २४ पौतिक । २५ मोरी । २६ मंकुयाण । २७ धान्यपाल । २८ राजपाल ।  
 २९ अतङ्ग । ३० निकुम्भ । ३१ दाडिम । ३२ कलिच्छुर । ३३ दधिमुख । ३४ हूण ।  
 ३५ हरितड । ३६ डोड । ३७ परमार ।

### ८. ससाङ्गं राज्यम् ।

१ स्वामि । २ अमात्य । ३ जनपद । ४ भाण्डागार । ५ दुर्ग ।  
 ६ बल । ७ मित्राङ्ग । इति<sup>१</sup> ।

८) G स्वामी । जनपद । अमात्य । कोश । दुर्ग । बल । मुहृदिति ।

F स्वामी । अमात्य । दुर्ग । राष्ट्र । भण्डार । सैन्य । मित्राङ्गं चेति ।

### ९. पण्णवती राजगुणाः ।

१ वंशगुण । २ विद्यागुण । ३ विनयगुण । ४ विजयगुण । ५ विवेक-  
 गुण । ६ विचारगुण । ७ विस्तारगुण । ८ सदाचारगुण । ९ सत्यगुण ।  
 १० शौचगुण । ११ सन्मानगुण । १२ समाधानगुण । १३ सौख्यगुण ।  
 १४ सौजन्यगुण । १५ सौभाग्यगुण । १६ रूपगुण । १७ स्वरूपगुण ।  
 १८ संयोगगुण । १९ वियोगगुण । २० विभागगुण । २१ साङ्गत्यगुण ।  
 २२ संपूर्णत्वगुण । २३ सौम्यत्वगुण । २४ सकलत्वगुण । २५ सलज्जत्व-  
 गुण । २६ डसनत्वगुण । २७ प्रभुत्वगुण । २८ प्राञ्जलत्वगुण । २९ पावक-  
 त्वगुण । ३० पाण्डित्यगुण । ३१ प्रणयिमानत्वगुण । ३२ प्रामाणिकत्वगुण ।  
 ३३ शरणप्रदत्वगुण । ३४ प्रमोदगुण । ३५ प्रतापगुण । ३६ प्रारंभगुण ।  
 ३७ परिच्छेदगुण । ३८ संग्रहगुण । ३९ विग्रहगुण । ४० सदाग्रहगुण ।  
 ४१ निग्रहगुण । ४२ अनुग्रहगुण । ४३ तुष्टिगुण । ४४ पुष्टिगुण ।  
 ४५ प्रीतिगुण । ४६ प्रशंसागुण । ४७ प्रतिष्ठागुण । ४८ स्वैर्यगुण ।  
 ४९ धैर्यगुण । ५० शौर्यगुण । ५१ चातुर्यगुण । ५२ बुद्धिगुण । ५३ बल-  
 गुण । ५४ सामर्थ्यगुण । ५५ आक्षेपगुण । ५६ विरोधगुण । ५७ आदर-  
 गुण । ५८ दोषगुण । ५९ विशेषगुण । ६० विनोदगुण । ६१ वृद्धिगुण ।

६२ सिद्धिगुण । ६३ कान्तिगुण । ६४ कीर्तिगुण । ६५ विस्फूर्तिगुण ।  
 ६६ व्युत्पत्तिगुण । ६७ वात्सल्यगुण । ६८ माङ्गल्यगुण । ६९ महोत्सव-  
 गुण । ७० मन्त्रगुण । ७१ रसिकत्वगुण । ७२ भावकत्वगुण । ७३ गुरुत्व-  
 गुण । ७४ स्मृतिगुण । ७५ शक्तिगुण । ७६ अशक्तिगुण । ७७ युक्तिगुण ।  
 ७८ अयुक्तिगुण । ७९ अनुक्रमगुण । ८० अभिमानगुण । ८१ दानगुण ।  
 ८२ मानगुण । ८३ कारुण्यगुण । ८४ दाक्षिण्यगुण । ८५ दर्शनगुण ।  
 ८६ श्रवणगुण । ८७ घ्राणगुण । ८८ रसनगुण । ८९ मर्यादागुण ।  
 ९० मदनगुण । ९१ उदारगुण । ९२ उत्साहगुण । ९३ हर्षगुण ।  
 ९४ क्रोधगुण । ९५ लोभगुण । ९६ उत्तमगुणश्चेति ।

९) A १ विद्या । २ विनय । ३ विवेक । ४ विस्तार । ५ सदाचार । ६ सत्य ।  
 ७ शौच । ८ सन्मान । ९ संस्थान । १० समाधान । ११ सौख्य । १२ सौजन्य ।  
 १३ सौभाग्य । १४ रूपगुण । १५ स्वरूपगुण । १६ संयोग । १७ वियोग ।  
 १८ विभाग । १९ सांगत्य । २० संपूर्णत्व । २१ सोमत्व । २२ सकलत्व । २३ सल-  
 ज्जत्व । २४ प्रसन्नत्व । २५ प्रभुत्व । २६ प्राञ्जलत्व । २७ पालकत्व । २८ पाण्डित्य ।  
 २९ प्रणयित्व । ३० प्रमाण । ३१ शरण । ३२ प्रमोद । ३३ प्रसाद । ३४ प्रताप ।  
 ३५ प्रारंभ । ३६ प्रभाव । ३७ परिछद् । ३८ संग्रह । ३९ सदाग्रह । ४० निग्रह ।  
 ४१ विग्रह । ४२ अनुग्रह । ४३ तुष्टि । ४४ पुष्टि । ४५ प्रीति । ४६ प्राप्ति ।  
 ४७ प्रशंसा । ४८ प्रतिष्ठा । ४९ प्रतिज्ञा । ५० स्वैर्य । ५१ धैर्य । ५२ शौर्य ।  
 ५३ चातुर्य । ५४ गांभीर्य । ५५ बुद्धि । ५६ बल । ५७ अध्यक्ष । ५८ विरोध ।  
 ५९ विषय । ६० विदोष । ६१ विनोद । ६२ वृद्धि । ६३ सिद्धि । ६४ कान्ति ।  
 ६५ कीर्त्ति । ६६ विस्फूर्ति । ६७ व्युत्पत्ति । ६८ वात्सल्य । ६९ माङ्गल्य । ७० महो-  
 त्सव । ७१ मन्त्र । ७२ रसिकत्व । ७३ भावकत्व । ७४ गुरुत्व । ७५ स्मृति ।  
 ७६ शक्ति । ७७ भुक्ति । ७८ युक्ति । ७९ आसक्ति । ८० अनुक्रम । ८१ अभिमान ।  
 ८२ दान । ८३ कारुण्य । ८४ दर्शन । ८५ स्पर्शन । ८६ रसन । ८७ श्रवण ।  
 ८८ घ्राण । ८९ मर्यादा । ९० मंडन । ९१ उदात्त । ९२ उदय । ९३ उत्साह ।  
 ९४ उत्तमगुणाः ।

९) B १ विद्या । २ विनय । ३ विवेक । ४ विजय । ५ विस्तार । ६ सदाचार ।  
 ७ सत्य । ८ शौच । ९ सन्मान । १० संस्थान । ११ समाधान । १२ सौख्य ।  
 १३ सौजन्य । १४ सौभाग्य । १५ रूप । १६ स्वरूप । १७ संयोग । १८ वियोग ।  
 १९ विभाग । २० सांगत्य । २१ संपूर्णत्व । २२ सोमत्व । २३ सकलत्व । २४ सल-  
 ज्जत्व । २५ प्रसन्नत्व । २६ प्रभुत्व । २७ प्राञ्जलित्व । २८ पालकत्व । २९ पाण्डित्य ।  
 ३० प्रणयित्व । ३१ प्रमाण । ३२ शरण । ३३ प्रमोद । ३४ प्रसाद । ३५ प्रताप ।  
 ३६ प्रारंभ । ३७ प्रभाव । ३८ परिछद् । ३९ संग्रह । ४० सदाग्रह । ४१ निग्रह ।  
 ४२ विग्रह । ४३ अनुग्रह । ४४ तुष्टि । ४५ पुष्टि । ४६ प्रीति । ४७ प्राप्ति ।  
 ४८ प्रशंसा । ४९ प्रतिष्ठा । ५० प्रतिज्ञा । ५१ स्वैर्य । ५२ धैर्य । ५३ शौर्य ।

५४ चानुर्य । ५५ गांभीर्य । ५६ वृद्धि । ५७ बल । ५८ अधीन । ५९ विरोध ।  
 ६० विषय । ६१ विशेष । ६२ विनोद । ६३ वृद्धि । ६४ सिद्धि । ६५ कान्ति ।  
 ६६ कीर्त्ति । ६७ विस्फूर्ति । ६८ व्युत्पत्ति । ६९ वात्सल्य । ७० महोत्सव । ७१ मन्त्र ।  
 ७२ रसिकत्व । ७३ भावकत्व । ७४ गुणत्व । ७५ स्मृति । ७६ मुक्ति । ७७ युक्ति ।  
 ७८ आसक्ति । ७९ अनुक्रम । ८० अनुराग । ८१ अभिमान । ८२ दान । ८३ कारु-  
 ण्य । ८४ दर्शन । ८५ स्पर्शन । ८६ रसन । ८७ श्रवण । ८८ घ्राण । ८९ मर्यादा ।  
 ९० मण्डन । ९१ उदात्त । ९२ उदय । ९३ उत्साह । ९४ उत्तमगुणाः ।

९) D १ वंश । २ विद्या । ३ विनय । ४ विजय । ५ विवेक । ६ विचार ।  
 ७ सदाचार । ८ विस्तार । ९ सत्य । १० शौच । ११ सन्मान । १२ समाधान ।  
 १३ संस्थान । १४ सौख्य । १५ सौजन्य । १६ सौभाग्य । १७ रूप । १८ स्वरूप ।  
 १९ संयोग । २० वियोग । २१ सांगत्य । २२ संपूर्णत्व । २३ सोमत्व । २४ सक-  
 लत्व । २५ प्रसन्नत्व । २६ प्रभुत्व । २७ प्राञ्जलत्व । २८ पालकत्व । २९ पाण्डित्य ।  
 ३० प्रणयित्व । ३१ प्रसरण । ३२ प्रमोद । ३३ प्रताप । ३४ प्रारंभ । ३५ प्रभाव ।  
 ३६ परिच्छेद । ३७ संग्रह । ३८ निग्रह । ३९ अनुग्रह । ४० सदाग्रह । ४१ निग्रह ।  
 ४२ तुष्टि । ४३ पुष्टि । ४४ प्रीति । ४५ प्राप्ति । ४६ प्रशंसा । ४७ प्रतिष्ठा ।  
 ४८ प्रतिष्ठा । ४९ स्वैर्य । ५० धैर्य । ५१ शौर्य । ५२ गांभीर्य । ५३ चानुर्य ।  
 ५४ यशोवंत । ५५ सदोदित । ५६ सर्वोत्सह । ५७ धर्मचर । ५८ वृद्धि । ५९ बल ।  
 ६० अन्धश्रु । ६१ निरोध । ६२ विनोद । ६३ वृद्धि । ६४ सिद्धि । ६५ कान्ति ।  
 ६६ कीर्त्ति । ६७ विस्फूर्ति । ६८ व्युत्पत्ति । ६९ वात्सल्य । ७० माङ्गल्य । ७१ महो-  
 त्सव । ७२ मन्त्र । ७३ रसिकत्व । ७४ भावकत्व । ७५ गुणत्व । ७६ स्मृति ।  
 ७७ शक्ति । ७८ भक्ति । ७९ युक्ति । ८० अनुराग । ८१ अनुक्रम । ८२ अभिमान ।  
 ८३ दान । ८४ कारुण्य । ८५ दाक्षिण्य । ८६ दर्शन । ८७ स्पर्शन । ८८ श्रवण ।  
 ८९ रसन । ९० घ्राण । ९१ मर्यादा । ९२ मण्डन । ९३ उदय । ९४ उदारता ।  
 ९५ उत्साह । ९६ उत्तमत्व । गुणाश्चेति ।

९) E १ वंश । २ विद्या । ३ विनय । ४ विजय । ५ विवेक । ६ विचार ।  
 ७ विस्तार । ८ सदाचार । ९ सत्य । १० शौच । ११ सन्मान । १२ संस्थान ।  
 १३ समाधान । १४ सौजन्य । १५ सौख्य । १६ सौभाग्य । १७ सावधान ।  
 १८ रूप । १९ स्वरूप । २० संयोग । २१ सांगत्य । २२ विभाग । २३ संपूर्णत्व ।  
 २४ स्वजनत्व । २५ प्रसन्नत्व । २६ प्रभुत्व । २७ प्राञ्जलत्व । २८ पालकत्व ।  
 २९ पाण्डित्य । ३० प्रणयित्व । ३१ प्रमाणत्व । ३२ शरण । ३३ प्रमोद । ३४ प्रताप ।  
 ३५ प्रारंभ । ३६ प्रभाव । ३७ परिच्छेद । ३८ संग्रह । ३९ निग्रह । ४० अनुग्रह ।  
 ४१ विग्रह । ४२ आग्रह । ४३ पुष्टि । ४४ तुष्टि । ४५ प्रीति । ४६ प्राप्ति ।  
 ४७ प्रशंसा । ४८ प्रतिष्ठा । ४९ स्वैर्य । ५० धैर्य । ५१ शौर्य । ५२ चानुर्य ।  
 ५३ गांभीर्य । ५४ वृद्धि । ५५ बल । ५६ आक्षेप । ५७ निरोध । ५८ विषय ।  
 ५९ विशेष । ६० विनोद । ६१ क्रुद्धि । ६२ वृद्धि । ६३ सिद्धि । ६४ कान्ति ।  
 ६५ कीर्त्ति । ६६ विस्फूर्ति । ६७ वात्सल्य । ६८ माङ्गल्य । ६९ महोत्सव । ७० मन्त्र ।  
 ७१ रसिकत्व । ७२ गुणत्व । ७३ भावुकत्व । ७४ स्मृति । ७५ शक्ति । ७६ मुक्ति ।  
 ७७ युक्ति । ७८ मुक्ति । ७९ अनुराग । ८० अनुयास । ८१ उपकृति । ८२ अभिमान ।  
 ८३ दान । ८४ करुणा । ८५ दाक्षिण्य । ८६ दर्शन । ८७ स्पर्शन । ८८ रसन ।  
 ८९ श्रवण । ९० श्रावण । ९१ मर्यादा । ९२ मंडन । ९३ घ्राण । ९४ उदय ।  
 ९५ ग्रहण । ९६ उदात्त । ९७ उत्साह । ९८ उत्तमत्व । गुणाश्चेति । ।

१) F १ वंदा । २ विद्या । ३ विजय । ४ विनय । ५ विवेक । ६ विचार । ७ विस्तार । ८ सदाचार । ९ सत्य । १० शौच । ११ सन्मान । १२ संस्थान । १३ समाधान । १४ सौख्य । १५ सौजन्य । १६ सौभाग्य । १७ रूप । १८ स्वरूप । १९ संयोग । २० विभाग । २१ संगति । २२ संपूर्ण । २३ सौमत्य । २४ सलज्जत्व । २५ सकलत्व । २६ प्रसन्नत्व । २७ प्राञ्जलत्व । २८ प्रागल्भ्य । २९ पालकत्व । ३० पाण्डित्य । ३१ प्रणयत्व । ३२ प्रणाम । ३३ प्रसरण । ३४ प्रमोद । ३५ प्रताप । ३६ प्रारम्भ । ३७ प्रभाव । ३८ परिच्छेद । ३९ संग्रह । ४० सदाग्रह । ४१ आग्रह । ४२ निग्रह । ४३ विग्रह । ४४ तुष्टि । ४५ पुष्टि । ४६ प्रीति । ४७ प्राप्ति । ४८ प्रशंसा । ४९ प्रतिष्ठा । ५० प्रतिज्ञा । ५१ स्वैर्य । ५२ धैर्य । ५३ शौर्य । ५४ चानुर्य । ५५ गांभीर्य । ५६ वृद्धि । ५७ बल । ५८ अधिकांक्षा । ५९ निरोध । ६० वियोध । ६१ वेप । ६२ विशेष । ६३ विनोद । ६४ सिद्धि । ६५ कान्ति । ६६ कीर्त्ति । ६७ विस्फूर्ति । ६८ व्युत्पत्ति । ६९ वात्सल्य । ७० माङ्गल्य । ७१ महोत्सव । ७२ मन्त्र । ७३ रसिकत्व । ७४ पावकत्व । ७५ गुरुत्व । ७६ स्मृति । ७७ शक्ति । ७८ मुक्ति । ७९ युक्ति । ८० अशक्ति । ८१ अनुक्रम । ८२ अनुवश । ८३ अनुराग । ८४ अभिमान । ८५ चदान्य । ८६ कारुण्य । ८७ दाक्षिण्य । ८८ दर्शन । ८९ स्पर्शन । ९० रसन । ९१ ध्रुवण । ९२ ग्रहण । ९३ मर्यादा । ९४ मण्डन । ९५ उदय । ९६ उदात्त । ९७ उत्साह । ९८ उत्तमत्व । गुणाश्चेति ।

२) G १ विद्या । २ विनय । ३ विवेक । ४ विस्तार । ५ सदाचार । ६ सत्य । ७ शौच । ८ सन्मान । ९ संस्थान । १० समाधान । ११ सौख्य । १२ सौजन्य । १३ सौभाग्य । १४ रूपगुण । १५ स्वरूपगुण । १६ संयोग । १७ वियोग । १८ विभाग । १९ सांगत्य । २० संपूर्णत्व । २१ सौमत्व । २२ सकलत्व । २३ सलज्जत्व । २४ प्रसन्नत्व । २५ प्रभुत्व । २६ प्राञ्जलत्व । २७ पालकत्व । २८ पाण्डित्य । २९ प्रणयित्व । ३० प्रमाण । ३१ शरण । ३२ प्रमोद । ३३ प्रसाद । ३४ प्रताप । ३५ प्रारम्भ । ३६ प्रभाव । ३७ परिच्छन्द । ३८ संग्रह । ३९ सदाग्रह । ४० निग्रह । ४१ विग्रह । ४२ अनुग्रह । ४३ तुष्टि । ४४ पुष्टि । ४५ प्रीति । ४६ प्राप्ति । ४७ प्रशंसा । ४८ प्रतिष्ठा । ४९ प्रतिज्ञा । ५० स्वैर्य । ५१ धैर्य । ५२ शौर्य । ५३ चानुर्य । ५४ गांभीर्य । ५५ वृद्धि । ५६ बल । ५७ अध्यक्ष । ५८ विरोध । ५९ विषय । ६० विशेष । ६१ विनोद । ६२ वृद्धि । ६३ सिद्धि । ६४ कान्ति । ६५ कीर्त्ति । ६६ विस्फूर्त्ति । ६७ व्युत्पत्ति । ६८ वात्सल्य । ६९ माङ्गल्य । ७० महोत्सव । ७१ मन्त्र । ७२ रसिकत्व । ७३ भावकत्व । ७४ गुरुत्व । ७५ स्मृति । ७६ शक्ति । ७७ मुक्ति । ७८ युक्ति । ७९ आसक्ति । ८० अनुक्रम । ८१ अभिमान । ८२ दान । ८३ कारुण्य । ८४ दर्शन । ८५ स्पर्शन । ८६ रसन । ८७ ध्रुवण । ८८ घ्राण । ८९ मर्यादा । ९० मण्डन । ९१ उदात्त । ९२ उदय । ९३ उत्साह । ९४ उत्तमगुणाः ।

१० षट्त्रिंशद् राजपात्राणि ।

१ धर्मपात्रं । २ अर्थपात्रं । ३ कामपात्रं । ४ विनोदपात्रं । ५ विद्यापात्रं । ६ विलासपात्रं । ७ विज्ञानपात्रं । ८ विचारपात्रं । ९ क्रीडापात्रं । १० हास्यपात्रं । ११ शृङ्गारपात्रं । १२ वीरपात्रं । १३ दर्शनपात्रं । १४ सत्पात्रं ।

१५ देवपात्रं । १६ राजपात्रं । १७ मानपात्रं । १८ मन्त्रिपात्रं । १९ संधि-  
पात्रं । २० महत्तमपात्रं । २१ अमात्यपात्रं । २२ प्रधानपात्रं । २३ अध्यक्ष-  
पात्रं । २४ सेनापात्रं । २५ नागरपात्रं । २६ पूज्यपात्रं । २७ मान्यपात्रं ।  
२८ पदस्थपात्रं । २९ देशीपात्रं । ३० राज्ञीपात्रं । ३१ कुलपुत्रिकापात्रं ।  
३२ पुनर्भूपात्रं । ३३ वेद्यापात्रं । ३४ प्रतिचारिकापात्रं । ३५ गुणपात्रं ।  
३६ दासीपात्रं । इति ।

१०) A १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ विनोदपात्र । ४ कामपात्र । ५ विलासपात्र ।  
६ विज्ञानपात्र । ७ श्रीडापात्र । ८ हास्यपात्र । ९ शृङ्गारपात्र । १० वीरपात्र ।  
११ देवपात्र । १२ दानवपात्र । १३ कर्मपात्र । १४ मंत्रिपात्र । १५ महत्तमपात्र ।  
१६ अमात्यपात्र । १७ अध्यक्षपात्र । १८ सेनापालपात्र । १९ नागरपात्र । २० प्रधा-  
नपूजापात्र । २१ मान्यपात्र । २२ राजमान्यपात्र । २३ पदस्थपात्र । २४ देवीपात्र ।  
२५ राज्ञीपात्र । २६ कुलपुत्रिकापात्र । २७ पुनर्भूपात्र । २८ देशीपात्र । २९ प्रतिसार-  
कापात्र । ३० दासीपात्र । ३१ देशपात्र । ३२ गुणपात्राणि ।

१०) B १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ विनोदपात्र । ४ कामपात्र । ५ विलासपात्र  
६ विद्यापात्र । ७ विज्ञानपात्र । ८ श्रीडापात्र । ९ हास्यपात्र । १० शृङ्गारपात्र ।  
११ वीरपात्र । १२ देवपात्र । १३ दानवपात्र । १४ कर्मपात्र । १५ मंत्रिपात्र ।  
१६ संधिपात्र । १७ महत्तमपात्र । १८ अमात्यपात्र । १९ अध्यक्षपात्र । २० सेना-  
पात्र । २१ सेनापालपात्र । २२ प्रधानपूजापात्र । २३ मान्यपात्र । २४ राजमान्यपात्र ।  
२५ पदस्थपात्र । २६ देवीपात्र । २७ राज्ञीपात्र । २८ कुलपुत्रिकापात्र । २९ पुनर्भू-  
पात्र । ३० वेद्यापात्र । ३१ प्रतिसारकापात्र । ३२ दासीपात्र । ३३ देशपात्र ।  
३४ गुणपात्राणि ।

१०) C १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ कामपात्र । ४ विनोदपात्र । ५ विद्यापात्र ।  
६ विलासपात्र । ७ विज्ञानपात्र । ८ ज्ञानपात्र । ९ श्रीडापात्र । १० हास्यपात्र ।  
११ शृङ्गारपात्र । १२ वीरपात्र । १३ क्रोहपात्र । १४ राजमानपात्र । १५ मंत्रिपात्र ।  
१६ संधिपात्र । १७ महापात्र । १८ गंधपात्र । १९ अध्यक्षपात्र । २० सेनापात्र ।  
२१ नागरपात्र । २२ पुण्यपात्र । २३ मान्यपात्र । २४ पदस्थपात्र । २५ कुतूहलपात्र ।  
२६ स्तारिकापात्र । २७ सेवकापात्र । २८ धेष्टपात्र ।

१०) E १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ कामपात्र । ४ विनोदपात्र । ५ विलासपात्र ।  
६ विशालपात्र । ७ विद्यापात्र । ८ विज्ञानपात्र । ९ श्रीदा । १० हास्य । ११ शृङ्गार ।  
१२ वीर । १३ अभिनय । १४ देव । १५ दानव । १६ मानव । १७ ध्वज । १८ रथ ।  
१९ कर्म । २० क्रोह । २१ मंत्री । २२ सिद्धिस्थान । २३ संधि । २४ महामात्य ।  
२५ जमान्य । २६ प्रधान । २७ अप्यय । २८ सेना । २९ नगर । ३० पूज्य ।  
३१ जागरी । ३२ मान्य । ३३ द्वारपदस्थ । ३४ राज्यमान्य । ३५ देवी । ३६ राज्ञी ।  
३७ कुलपुत्रिका । ३८ पुनर्भू । ३९ वेद्या । ४० अभिचारिका । ४१ दासी ।  
४२ दास । ४३ परिचारिका । ४४ देश । ४५ गुणपात्राणि । इति ।

१०) F १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ कामपात्र । ४ विनोदपात्र । ५ विद्यापात्र । ६ विशालपात्र । ७ ज्ञानपात्र । ८ विज्ञानपात्र । ९ क्रीडापात्र । १० हास्यपात्र । ११ शृङ्गारपात्र । १२ वीरपात्र । १३ स्नेहपात्र । १४ राजपात्र । १५ मान्यपात्र । १६ देवपात्र । १७ दानपात्र । १८ मानपात्र । १९ कर्मपात्र । २० मंत्रपात्र । २१ संधिपात्र । २२ अमात्यपात्र । २३ प्रधानपात्र । २४ अक्षरपात्र । २५ सेनापात्र । २६ नागरपात्र । २७ पुष्पपात्र । २८ पदच्छेदिपात्र । २९ राक्षीपात्र । ३० पुनर्भूपात्र । ३१ वेद्यापात्र । ३२ दासीपात्र । ३३ पूज्यपात्र । ३४ अभिचारिकापात्राणीति ।

१०) G १ धर्मपात्र । २ अर्थपात्र । ३ विनोदपात्र । ४ कामपात्र । ५ विलासपात्र । ६ विज्ञानपात्र । ७ क्रीडापात्र । ८ हास्यपात्र । ९ शृङ्गारपात्र । १० वीरपात्र । ११ देवपात्र । १२ दानवपात्र । १३ कर्मपात्र । १४ मंत्रिपात्र । १५ महत्तमपात्र । १६ अमात्यपात्र । १७ अध्यक्षपात्र । १८ सेनापालपात्र । १९ नागरपात्र । २० प्रधानपूजापात्र । २१ मान्यपात्र । २२ राजमान्य । २३ पदस्थपात्र । २४ देवीपात्र । २५ राक्षीपात्र । २६ कुलपुत्रिकापात्र । २७ पुनर्भूपात्र । २८ वेसापात्र । २९ प्रतिसारकापात्र । ३० दासीपात्र । ३१ देशपात्र । ३२ गुणपात्राणि ।

### ११. षट्त्रिंशद् राजविनोदाः ।

१ दर्शनविनोदः । २ श्रवणविनोदः । ३ कृत्रिमविनोदः । ४ गीतविनोदः । ५ वाद्यविनोदः । ६ नृत्यविनोदः । ७ शुद्धलिखितविनोदः । ८ सख्यविनोदः । ९ वक्तृत्वविनोदः । १० कवित्वविनोदः । ११ शास्त्रविनोदः । १२ करविनोदः । १३ विबुध्यविनोदः । १४ अक्षरविनोदः । १५ गणितविनोदः । १६ शास्त्रविनोदः । १७ राजविनोदः । १८ तुरगविनोदः । १९ पक्षिविनोदः । २० आखेटकविनोदः । २१ जलविनोदः । २२ यंत्रविनोदः । २३ मंत्रविनोदः । २४ महोत्सवविनोदः । २५ फलविनोदः । २६ गणितविनोदः । २७ पठितविनोदः । २८ पत्रविनोदः । २९ पुष्पविनोदः । ३० कलाविनोदः । ३१ कथाविनोदः । ३२ केशविनोदः । ३३ प्रहेलिकाविनोदः । ३४ चित्रविनोदः । ३५ चलचित्रविनोदः । ३६ स्तवविनोदः । इति ।

११) A १ दर्शन । २ श्रवण । ३ गीत । ४ नृत्य । ५ वाद्य । ६ नृत्तपाठ । ७ लेख्य । ८ वक्तृत्व । ९ कवित्ववाद । १० शास्त्र । ११ युद्ध । १२ नियुद्ध । १३ गणित । १४ गज । १५ तुरग । १६ पक्षि । १७ आखेटक । १८ द्यूत । १९ जल । २० यंत्र । २१ मंत्र । २२ महोत्सव । २३ पत्र । २४ फल । २५ पुष्प । २६ कला । २७ कथा । २८ प्रहेलिका । २९ पदार्थकरण । ३० तत्त्व । ३१ घल । ३२ चित्र । ३३ द्यूत ।



( ११ ). B १ दर्शन । २ गीत । ३ नृत्य । ४ वृत्त । ५ पाठ । ६ लेख्य । ७ कवित्व । ८ शास्त्र । ९ युद्ध । १० विनोद । ११ नियुद्ध । १२ वार्जिन्नविनोद । १३ गज । १४ तुरग । १५ पक्षि । १६ आखेटक । १७ द्यूत । १८ जल । १९ यंत्र । २० महोत्सव । २१ पत्र । २२ फल । २३ पुष्प । २४ कला । २५ कथा । २६ प्रहेलिका । २७ पदार्थकरण । २८ तत्त्व । २९ बल । ३० चित्र । ३१ सूत्रविनोद ।

( ११ ) C १ गीत । २ वाद्य । ३ लिखित । ४ लेख्य । ५ वक्तव्य । ६ कवित्व । ७ शास्त्र । ८ युद्ध । ९ नियुद्ध । १० गज । ११ तुरग । १२ पक्षि । १३ आखेटक । १४ द्यूत । १५ जल । १६ यंत्र । १७ मंत्र । १८ महोत्सव । १९ फल । २० पुष्प । २१ चित्रगुण । २२ कथा । २३ प्रहेलिका । २४ सूत्रविनोदाश्चेति ।

( ११ ) E १ दर्शनविनोद । २ ध्रुवण । ३ नृत्य । ४ गीत । ५ वाद्य । ६ नृत्य । ७ पाठ्य । ८ आख्यान । ९ वक्तव्य । १० लेख्य । ११ कवित्व । १२ वाद । १३ शास्त्र । १४ शास्त्रशास्त्र । १५ युद्धकार । १६ नियुद्धकार । १७ गणित । १८ गज । १९ तुरग । २० पक्षी । २१ आखेटक । २२ द्यूत । २३ जल । २४ यंत्र । २५ मंत्र । २६ महोत्सव । २७ पत्र । २८ पुष्प । २९ फल । ३० कला । ३१ कथा । ३२ प्रहेलिका । ३३ पदार्थ । ३४ तत्त्व । ३५ बल । ३६ चित्रसूत्र । इति विनोदाः ।

( ११ ) F १ गीतविनोद । २ वाद्यविनोद । ३ दर्शनविनोद । ४ ध्रुवणविनोद । ५ नृत्यविनोद । ६ लिखित । ७ लेख्य । ८ वक्तृत्व । ९ कवित्व । १० वादिशास्त्र । ११ युद्ध । १२ नियुद्ध । १३ गणित । १४ गज । १५ तुरग । १६ पक्षि । १७ आखेटक । १८ द्यूत । १९ जलक्रीडा । २० यंत्र । २१ मंत्र । २२ महोत्सव । २३ पुष्प । २४ फल । २५ कला । २६ कथा । २७ प्रहेलिका । २८ पदार्थ । २९ तत्त्व । ३० बल । ३१ वित्त । ३२ सूत्र । ३३ खेलन । ३४ चित्रविनोदश्चेति ।

( ११ ) G १ दर्शनविनोद । २ ध्रुवणविनोद । ३ गीतविनोद । ४ नृत्य । ५ वाद्य । ६ वृत्त । ७ पाठ । ८ लेख्य । ९ वक्तृत्व । १० कवित्व । ११ वादशास्त्र । १२ युद्धविनोद । १३ नियुद्ध । १४ गणित । १५ गज । १६ तुरग । १७ पक्षि । १८ आखेटक । १९ द्यूत । २० जल । २१ यंत्र । २२ मंत्र । २३ महोत्सव । २४ पत्र । २५ फल । २६ पुष्प । २७ कला । २८ कथा । २९ प्रहेलिका । ३० पदार्थकरण । ३१ तत्त्व । ३२ बल । ३३ चित्र । ३४ सूत्रविनोद ।

## १२. अष्टादशविधेमास्थानम् ।

१ महत्तम । २ आत । ३ हित । ४ स्निग्ध । ५ मंत्रि । ६ महत्तम । ७ अमात्य । ८ बुद्धि । ९ सुख । १० उभयसुख । ११ आम्नायिक । १२ देशीपुरुष । १३ धर्मपुरुष । १४ धनपुरुष । १५ धान्यपुरुष । १६ काम्यपुरुष । १७ विज्ञानपुरुष । १८ राजपुरुष । इति ।

( ११ ) AB १ महत्स्थानं । २ आतस्थानं । ३ हितस्थानं । ४ स्निग्धस्थानं । ५ मंत्रि । ६ महत्तम । ७ अमात्य । ८ बुद्धि । ९ सुख । १० उभयसुख । ११ आरायिक । १२ संप्रायिक । १३ आम्नायिक । १४ देशीपुरुष । १५ धर्मपुरुष । १६ धनपुरुष । १७ काम्यपुरुष । १८ राजपुरुष । विमानविनोदपात्राणि च ।

१२) C १ महत् । २ आत् । ३ हित । ४ क्षिग्ध । ५ महत्तम । ६ अमात्य । ७ प्राधान्य । ८ बुद्धिसुख । ९ विवाद । १० उभयसुख । ११ आम्नाइक । १२ संग्रामिक । १३ देशीय । १४ कामिक । १५ विज्ञान । १६ विचारिक । १७ संतोष । १८ प्रशंसा चेति ।

१२) E १ महत् । २ आत् । ३ हित । ४ क्षिग्ध । ५ मंत्रि । ६ अमात्य । ७ महत्तम । ८ बुद्धि । ९ सुख । १० उभयसुख । ११ आम्नायिक । १२ संग्रामिक । १३ देशीयपुरुष । १४ धर्मपुरुष । १५ धनपुरुष । १६ काम । १७ विज्ञान । १८ राज्य । १९ राजमान्य । २० विनोद । इति पात्र आस्थानम् ।

१२) F १ महत् । २ आत्हित । ३ क्षिग्ध । ४ मंत्रि । ५ महत्तम । ६ अमात्य । ७ प्रधान । ८ बुद्धिसुख । ९ उदयसुख । १० आम्नायिक । ११ सांग्रामिक । १२ देशीयपुरुष । १३ धर्मपुरुष । १४ अर्थपुरुष । १५ कामपुरुष । १६ ज्ञानपुरुष । १७ विज्ञानपुरुष । १८ राजपुरुषश्चेति ।

१२) G १ महत्स्थानं । २ आत्स्थानं । ३ हितस्थानं । ४ क्षिग्धस्थानं । ५ मंत्रि । ६ महत्तम । ७ अमात्य । ८ बुद्धिसुख । ९ उभयसुख । १० आरामिक । ११ संग्रामिक । १२ आम्नायिक । १३ देशीयपुरुष । १४ धर्मपुरुष । १५ धनपुरुष । १६ कामपुरुष । १७ राजपुरुष । १८ विज्ञानविनोदपात्राणि च ।

\*

१३. चतस्रो राजविद्याः ।

१ आन्वीक्षिकी । २ त्रयी । ३ वार्त्ता । ४ दण्डनीतिश्चेति विद्याः ।

1 G अथ चतस्रो राजविद्याम् ।

१३) ABD आन्वीक्षिकी । E अन्वेपिकी । F आन्वेपिकी ।

\*

१४. चतस्रो राजनीतयः ।

१ साम । २ दान । ३ भेद । ४ दण्ड । इति ।

1 E चतस्र राजनीतयः ।

१४) C सामदानविधिभेदनिग्रहश्चेति ।

१४) D सामनीति उपप्रदाननीति भेदनीति दण्डनीति ।

१४) F साम दानं भेदः दण्डश्चेति ।

\*

१५. पटत्रिंशद् आयुधानि ।

१ चक्र । २ धनुः । ३ वज्र । ४ खड्ग । ५ क्षुरिका । ६ तोमर । ७ कुन्त । ८ शूल । ९ त्रिशूल । १० शक्ति । ११ पाश । १२ अङ्कुश । १३ मुद्गर । १४ मक्षिका । १५ भल्ल । १६ भिडमाल । १७ मुसुंठि ।

1 A B E F G पटत्रिंशद् आयुधानि ।

१८ लुंठि । १९ गदा । २० शंख । २१ परशु । २२ पट्टिस । २३ रिष्टि ।  
 २४ कणय । २५ संपन्न । २६ हल । २७ मुशाल । २८ पुलिका ।  
 २९ कर्त्तरि । ३० करपत्र । ३१ तरवारि । ३२ कोदाल । ३३ दुस्फोट ।  
 ३४ गोफण । ३५ डाह । ३६ डवूस । इति ।

१५) AB १ चक्र । २ धनुष । ३ खड्ग । ४ तोमर । ५ कुंत । ६ त्रिशूल । ७ शक्ति ।  
 ८ पाश । ९ अंकुश । १० मुद्गर । ११ मक्षिका । १२ भल्ल । १३ भिडिमाल ।  
 १४ मुपंडि । १५ गदा । १६ शक्ति । १७ परशु । १८ पट्टिसु । १९ छष्टि ।  
 २० करणक । २१ कंपन । २२ हल । २३ मुशाल । २४ कुलिका । २५ करपत्र ।  
 २६ कर्त्तरि । २७ कोपूल । २८ तरवारि । २९ दुस्फोट । ३० गोफणि । ३१ डाह ।  
 ३२ डवूस । ३३ लुंठि । ३४ दंडशास्त्राणि ।

१५) C चक्र । २ पाश । ३ चाप । ४ वज्र । ५ खड्ग । ६ छुरिका । ७ तोमर ।  
 ८ कुंतल । ९ शूल । १० शक्ति । ११ अंकुश । १२ मुद्गर । १३ भिडिमाल ।  
 १४ मुपंडी । १५ परिघ । १६ गदा । १७ परशु । १८ पट्टिस । १९ इष्टि । २० यष्टि ।  
 २१ कणय । २२ कंपन । २३ हल । २४ मुशाल । २५ करपत्र । २६ कर्त्तरि ।  
 २७ कोदाल । २८ डवूस । २९ नाराच । ३० खेटक । ३१ कुठार । ३२ दंड ।  
 ३३ पाश । ३४ चर्म । ३५ कुलिश । ३६ दुस्फोट । ३७ डाह ।

१५) E १ चक्र । २ धनुष । ३ वज्र । ४ खड्ग । ५ छुरिका । ६ तोमर । ७ नाराच ।  
 ८ कुंत । ९ शूल । १० शक्ति । ११ पास । १२ मुडु । १३ भल्ल । १४ मक्षिका ।  
 १५ भिडिमाल । १६ मुपंडी । १७ लुंठि । १८ दंड । १९ गदा । २० फांकु ।  
 २१ परशु । २२ पट्टिस । २३ रिष्टि । २४ कणय । २५ कणय । २६ कंपन । २७ हल ।  
 २८ मुशाल । २९ आगलिका । ३० कर्त्तरि । ३१ करपत्र । ३२ तरवारि । ३३ कोदाल ।  
 ३४ अंकुश । ३५ करवाल । ३६ दुस्फोट । ३७ गोफिणि । ३८ दाहड । ३९ डमरु ।  
 इति ।

१५) F १ चक्र । २ धनुः । ३ वज्र । ४ अंकुश । ५ खड्ग । ६ छुरिका । ७ तोमर ।  
 ८ कुन्त । ९ शूल । १० त्रिशूल । ११ शक्ति । १२ पाश । १३ मुद्गर । १४ कुदाल ।  
 १५ दुस्फोट । १६ गोफण । १७ यन्त्रगोलिका । १८ मसंडि । १९ लुण्ठि ।  
 २० गदा । २१ शङ्खु । २२ परशु । २३ पट्टिस । २४ रिष्टि । २५ कणाय । २६ कंपन ।  
 २७ कर्त्तरि । २८ हल । २९ मुशाल । ३० गुहिलका । ३१ करपत्र । ३२ तरवारि ।  
 ३३ डाय । ३४ ढाल । ३५ डस्थूर । ३६ कुठार । ३७ दण्डशेति ।

१५) G १ चक्र । २ धनुष । ३ खड्ग । ४ तोमर । ५ कुन्त । ६ त्रिशूल ।  
 ७ शक्ति । ८ पाश । ९ अंकुश । १० मुद्गर । ११ मक्षिका । १२ भल्ल । १३ भिण्डि-  
 माला । १४ मुपण्डि । १५ गदा । १६ शक्ति । १७ परशु । १८ पट्टिसु । १९ छष्टि ।  
 २० करणक । २१ कंपन । २२ हल । २३ मुशाल । २४ छुलिका । २५ परपत्र ।  
 २६ कर्त्तरि । २७ कोपूल । २८ तरवारि । २९ दुस्फोट । ३० गोफणि । ३१ डोह ।  
 ३२ डवूस । ३३ लुण्ठि । ३४ दण्डशास्त्राणि ।

१६. सप्तविंशतिः शास्त्राणि ।

१ शब्दशास्त्र । २ छंदःशास्त्र । ३ अलंकारशास्त्र । ४ काव्यशास्त्र ।  
 ५ कथाशास्त्र । ६ नाटकशास्त्र । ७ वाचशास्त्र । ८ निर्घंट । ९ धर्मशास्त्र ।  
 १० अर्थ । ११ काम । १२ मोक्षशास्त्र । १३ वाद । १४ विद्या ।  
 १५ वास्तुशास्त्र । १६ विज्ञान । १७ कलाशास्त्र । १८ कृत्यशास्त्र ।  
 १९ कल्पशास्त्र । २० शिक्षा । २१ लक्षणशास्त्र । २२ पुराण ।  
 २३ मंत्रशास्त्र । २४ तर्कशास्त्र । २५ गणित । २६ गांधर्व । २७ सिद्धान्त-  
 शास्त्र । इति ।

१६) AB १ शब्दशास्त्र । २ छंदशास्त्र । ३ अलंकारशास्त्र । ४ काव्यशास्त्र ।  
 ५ कथाशास्त्र । ६ नाट्यशास्त्र । ७ नाटकशास्त्र । ८ निर्घंट । ९ धर्म । १० अर्थ ।  
 ११ काम । १२ मोक्ष । १३ तर्क । १४ गणित । १५ गांधर्व । १६ मंत्र । १७ वैद्यक ।  
 १८ वास्तु । १९ विज्ञान । २० विनोद । २१ कृत्य । २२ कला । २३ कल्प ।  
 २४ शिक्षा । २५ लक्षण । २६ पुराण । २७ सिद्धान्तशास्त्राणि ।

१६) E १ शब्द । २ छंद । ३ अलंकार । ४ काव्य । ५ कथा । ६ नाट्य ।  
 ७ नाटक । ८ निर्घंट । ९ निर्णय । १० धर्म । ११ अर्थ । १२ काम । १३ मोक्ष ।  
 १४ तर्क । १५ गणित । १६ गांधर्व । १७ मंत्र । १८ विद्या । १९ वास्तु ।  
 २० विज्ञान । २१ विनोद । २२ नृत्य ।

१६) F १ शब्दशास्त्र । २ छंदःशास्त्र । ३ अलंकारशास्त्र । ४ काव्यशास्त्र । ५ कथा ।  
 ६ नाटकशास्त्र । ७ निर्घण्टु । ८ धर्मशास्त्र । ९ अर्थशास्त्र । १० कामशास्त्र ।  
 ११ मोक्षशास्त्र । १२ तर्कशास्त्र । १३ वाद । १४ वैद्यक । १५ वास्तु । १६ व्याख्यान ।  
 १७ गणित । १८ गान्धर्व । १९ मंत्र । २० विनोद । २१ कला । २२ कल्प ।  
 २३ शिक्षा । २४ पुराण । २५ सिद्धान्त । २६ नीतिशास्त्र । २७ वेद । इति शास्त्राणि ।

१६) G १ शब्दशास्त्र । २ छन्दशास्त्र । ३ अलङ्कारशास्त्र । ४ काव्यशास्त्र ।  
 ५ कथाशास्त्र । ६ नाट्यशास्त्र । ७ नाटकशास्त्र । ८ निर्घण्ट । ९ धर्म । १० अर्थ ।  
 ११ काम । १२ मोक्ष । १३ तर्क । १४ गणित । १५ गान्धर्व । १६ मंत्र ।  
 १७ वैद्यक । १८ वास्तु । १९ विज्ञान । २० विनोद । २१ कृत्य । २२ कला ।  
 २३ कल्प । २४ शिक्षा । २५ लक्षण । २६ पुराण । २७ सिद्धान्तशास्त्राणि ।

१७. द्विपञ्चाशत् तत्त्वानि ।

१ पृथ्वी । २ अप । ३ तेज । ४ वायु । ५ आकाश । ६ शब्द ।  
७ रूप । ८ रस । ९ गंध । १० स्पर्श । ११ रसन । १२ स्पर्शन ।  
१३ प्राण । १४ चक्षुः । १५ श्रोत्र । १६ वाक् । १७ पाणि । १८ पाद ।  
१९ गुद । २० उपस्थ । २१ मन । २२ बुद्धि । २३ अहंकार । २४ प्रकृति ।  
२५ पुरुष । २६ रक्त । २७ मांस । २८ मेद । २९ मज्जा ।  
३० अस्थि । ३१ शुक्र । ३२ वात । ३३ पित्त । ३४ कफ । ३५ मल ।  
३६ काम । ३७ क्रोध । ३८ लोह । ३९ मात्सर्य । ४० राग । ४१ नियति ।  
४२ कालविद्या । ४३ शुद्धविद्या । ४४ माया । ४५ शक्ति । ४६ नाद ।  
४७ विंदु । ४८ कला । ४९ ज्योतिः । ५० ईश्वर । ५१ श्लेष्म ।  
५२ सदाशिव । इति ।

१७) ΔB १ पृथ्वीतत्त्व । २ अपतत्त्व । ३ तेजस्तत्त्व । ४ वायुतत्त्व । ५ आकाशतत्त्व ।  
६ शब्द । ७ स्पर्श । ८ रस । ९ रूप । १० गंध । ११ रसन । १२ स्पर्शन ।  
१३ घ्राण । १४ चक्षुः । १५ श्रोत्र । १६ त्वक् । १७ पाणि । १८ पाद । १९ गुद ।  
२० उपस्थ । २१ मन । २२ बुद्धि । २३ अहंकार । २४ प्रकृति । २५ पुरुष ।  
२६ विंदु । २७ रक्त । २८ मांस । २९ मेद । ३० अस्थि । ३१ मज्जा । ३२ शुक्र ।  
३३ वात । ३४ पित्त । ३५ कफ । ३६ मल । ३७ काम । ३८ क्रोध । ३९ लोभ ।  
४० मोह । ४१ भय । ४२ मात्सर्य । ४३ राग । ४४ नियति । ४५ कला । ४६ काल-  
विद्या । ४७ शुद्धविद्या । ४८ माया । ४९ ज्योतिः । ५० नाद । ५१ शक्ति ।  
५२ ईश्वर ।

१७) C १ पृथिवी । २ अप । ३ तेज । ४ वायु । ५ आकाश । ६ शब्द । ७ स्पर्श ।  
८ रूप । ९ रस । १० गंध । ११ श्रोत्र । १२ त्वक् । १३ चक्षुः । १४ जिह्वा ।  
१५ घ्राण । १६ वाक् । १७ हस्त । १८ उपस्थ । १९ वायु । २० पाद । २१ मनांसि ।  
२२ बुद्धि । २३ अहंकार । २४ प्रकृति । २५ पुरुष । २६ रक्त । २७ मांस ।  
२८ मेद । २९ मज्जा । ३० शुक्र । ३१ अस्थि । ३२ वात । ३३ पित्त । ३४ कफ ।  
३५ मल । ३६ काम । ३७ क्रोध । ३८ लोभ । ३९ मोह । ४० मान । ४१ भय ।  
४२ आश्चर्य । ४३ राग । ४४ नियति । ४५ कालविद्या । ४६ माया । ४७ शक्ति ।  
४८ नाद । ४९ विंदु । ५० कला । ५१ ज्योतिरिति ।

१७) E १ पृथिवी । २ अप । ३ तेज । ४ वायु । ५ आकाश । ६ शब्द । ७ स्पर्श ।  
८ रस । ९ रूप । १० गंध । ११ रसन । १२ स्पर्शन । १३ घ्राण । १४ चक्षुः ।  
१५ श्रोत्र । १६ त्वक् । १७ बुद्धि । १८ अहंकार । १९ पाणि । २० गुद । २१ पाद ।

२२ प्रकृति । २३ पुरुष । २४ विंदु । २५ रक्त । २६ मांस । २७ मेद । २८ अस्थि ।  
२९ मज्जा । ३० शुक्र । ३१ वात । ३२ पित्त । ३३ कफ । ३४ मल । ३५ काम ।  
३६ क्रोध । ३७ लोभ । ३८ मोह । ३९ भय । ४० मात्सर्य । ४१ राग । ४२ कला ।  
४३ कालविद्या । ४४ बुद्धि । ४५ शक्ति । ४६ ऐश्वर्य । ४७ माया । ४८ ज्योति ।  
४९ नाद । ५० शक्ति । ५१ नियति ।

७१) १ पृथ्वी । २ अप् । ३ तेजस् । ४ वायु । ५ आकाश । ६ शब्द ।  
७ रूप । ८ रस । ९ स्पर्श । १० गन्ध । ११ दर्शन । १२ श्रोत्र । १३ वाक् ।  
१४ पाणि । १५ पाद । १६ गुद । १७ उपस्थ । १८ मनस् । १९ बुद्धि । २० अहं-  
कार । २१ प्रकृति । २२ पुरुष । २३ रक्त । २४ मांस । २५ मेद । २६ मज्जा ।  
२७ शुक्र । २८ अस्थि । २९ वात । ३० पित्त । ३१ कफ । ३२ मल । ३३ काम ।  
३४ क्रोध । ३५ लोभ । ३६ मोह । ३७ भय । ३८ मात्सर्य । ३९ राग । ४० नियति ।  
४१ कालविद्या । ४२ बुद्धि । ४३ माया । ४४ शक्ति । ४५ नाद । ४६ विन्दु ।  
४७ ईश्वर । ४८ शिव । ४९ सदाशिवश्चेति ।

१७) १ पृथ्वीतत्त्व । २ अप्तत्त्व । ३ तेजस्तत्त्व । ४ वायुतत्त्व । ५ आकाशतत्त्व ।  
६ शब्द । ७ स्पर्श । ८ रस । ९ रूप । १० गंध । ११ रसन । १२ स्पर्शन ।  
१३ घ्राण । १४ चक्षुः । १५ श्रोत्र । १६ त्वक् । १७ पाणि । १८ पाद । १९ गुद ।  
२० उपस्थ । २१ मन । २२ बुद्धि । २३ अहङ्कार । २४ प्रकृति । २५ पुरुष ।  
२६ विन्दु । २७ रक्त । २८ मांस । २९ मेद । ३० अस्थि । ३१ मज्जा । ३२ शुक्र ।  
३३ वात । ३४ पित्त । ३५ कफ । ३६ मल । ३७ काम । ३८ क्रोध । ३९ लोभ ।  
४० मोह । ४१ भय । ४२ मात्सर्य । ४३ राग । ४४ नय । ४५ कला । ४६ काल-  
विद्या । ४७ शुद्धविद्या । ४८ माया । ४९ ज्योतिः । ५० नाद । ५१ शक्ति ।  
५२ ईश्वर ।

#

१८. द्विसप्ततिः कलाः ।

१ गीतकला । २ वाद्यकला । ३ नृत्यकला । ४ गणितकला ।  
५ पठितकला । ६ लिखितकला । ७ वक्तृत्वकला । ८ कवित्वकला ।  
९ कथाकला । १० वचनकला । ११ नाटककला । १२ व्याकरणकला ।  
१३ छंदःकला । १४ अलंकारकला । १५ दर्शनकला । १६ अभिधान-  
कला । १७ धातुवादकला । १८ धर्मकला । १९ अर्थकला । २० काम-  
कला । २१ वादकला । २२ बुद्धिकला । २३ शौचकला ।  
२४ विचारकला । २५ नेपथ्यकला । २६ विलासकला । २७ नीति-  
कला । २८ शकुनकला । २९ क्रीतकला । ३० वित्तकला ।  
३१ संयोगकला । ३२ हस्तलाघवकला । ३३ सूत्रकला । ३४ कुसुम-

कला । ३५ इंद्रजालकला । ३६ सूचीकर्मकला । ३७ स्नेहकला ।  
 ३८ पानककला । ३९ आहारककला । ४० सौभाग्यकला । ४१ प्रयोग-  
 कला । ४२ मंत्रकला । ४३ वास्तुकला । ४४ वाणिज्यकला ।  
 ४५ रत्नकला । ४६ पात्रकला । ४७ वैद्यकला । ४८ देशकला ।  
 ४९ देशभाषितकला । ५० विजयकला । ५१ आयुधकला । ५२ युद्ध-  
 कला । ५३ समयकला । ५४ वर्त्तनकला । ५५ हस्तिकला । ५६ तुरग-  
 कला । ५७ नारीकला । ५८ पक्षिकला । ५९ भूमिकला । ६० लेप-  
 कला । ६१ काष्ठकला । ६२ पुरुषकला । ६३ सैन्यकला । ६४ वृक्ष-  
 कला । ६५ छद्मकला । ६६ हस्तकला । ६७ उत्तरकला । ६८ प्रत्युत्तर-  
 कला । ६९ शरीरकला । ७० सत्त्वकला । ७१ शास्त्रकला । ७२ लक्षण-  
 कला । इति ।

१८) A B १ गीतकला । २ नृत्यकला । ३ वाद्यकला । ४ बुद्धिकला । ५ शौच ।  
 ६ मंत्रकला । ७ विचार । ८ वाद् । ९ वास्तु । १० नेपथ्य । ११ विनोद् । १२ वि-  
 लास । १३ नीति । १४ शकुन । १५ चित्र । १६ संयोग । १७ हस्तलाघव ।  
 १८ कुसुम । १९ इंद्रजाल । २० सूचीकर्म । २१ स्नेहपात्र । २२ आहार । २३ सौभाग्य ।  
 २४ प्रयोग । २५ गंध । २६ वस्तु । २७ पात्र । २८ रत्न । २९ वैद्य । ३० देश-  
 भाषित । ३१ विजय । ३२ वाणिज्य । ३३ आयुध । ३४ युद्ध । ३५ नियुद्ध ।  
 ३६ समय । ३७ वर्त्तन । ३८ हस्ति । ३९ तुरग । ४० पक्षि । ४१ पुरप । ४२ नारी ।  
 ४३ भूमिलेप । ४४ काष्ठ । ४५ सैन्य । ४६ वृक्ष । ४७ छद्म । ४८ प्रस्य । ४९ उत्तर ।  
 ५० शास्त्र । ५१ शास्त्र । ५२ गणित । ५३ पठित । ५४ लिखित । ५५ वक्त्वत्त्व ।  
 ५६ कथा । ५७ व्यवन । ५८ व्याकरण । ५९ नाटक । ६० छंद । ६१ अलंकार ।  
 ६२ दर्शन । ६३ अध्यात्म । ६४ धातु । ६५ धर्म । ६६ अर्थ । ६७ काम । ६८ द्यूत ।  
 ६९ शरीरकलाश्चेति ।

१८) C १ वाद्यकला । २ नृत्यकला । ३ गणित । ४ पठित । ५ लिखित । ६ लेख्य ।  
 ७ वक्त्वत्त्व । ८ वचन । ९ कथा । १० नाटक । ११ व्याकरण । १२ छंद ।  
 १३ अलंकार । १४ दर्शन । १५ अभिधान । १६ धातुकर्म । १७ धर्म । १८ अर्थ ।  
 १९ काम । २० वाद् । २१ वृद्धि । २२ पाचक । २३ मंत्र । २४ विनोद् । २५ विचार ।  
 २६ नेपथ्य । २७ विलास । २८ नीति । २९ शकुन । ३० फ्रीडन । ३१ तंत्र ।  
 ३२ संयोग । ३३ हस्तलाघव । ३४ सूत्र । ३५ कुसुम । ३६ चंद्र । ३७ जीव ।  
 ३८ स्नेह । ३९ पान । ४० आहार । ४१ विहार । ४२ सौभाग्य । ४३ प्रयोग ।  
 ४४ गंध । ४५ वाद् । ४६ वस्तु । ४७ रत्न । ४८ पात्र । ४९ विद्या । ५० व्यास-  
 कला । ५१ दशा । ५२ विजय । ५३ वणिज । ५४ आयुध । ५५ युद्ध । ५६ संम-  
 यनियुद्ध । ५७ वृद्धन । ५८ वर्त्तन । ५९ हस्ति । ६० तुरग । ६१ पक्षि । ६२ नारि ।

६३ भूमि । ६४ लेपन । ६५ दंत । ६६ काष्ठ । ६७ इष्टिका । ६८ पाषाण । ६९ उत्तर ।  
७० प्रत्युत्तर । ७१ सूचीकर्म । ७२ शरीरशास्त्रकलाश्चेति ।

१८) E १ गीत । २ नृत्य । ३ वाद्य । ४ गणित । ५ पठित । ६ लिखित । ७ वक्तृत्व ।  
८ कवित्व । ९ काव्य । १० वाचकत्व । ११ नाद । १२ व्याकरण । १३ छंद ।  
१४ अलंकार । १५ दर्शन । १६ अभिधान । १७ धातुवाद । १८ बुद्धि । १९ शौच ।  
२० विचार । २१ नेपथ्य । २२ विलास । २३ नीति । २४ शकुन । २५ क्रीतविक्रय ।  
२६ संयोग । २७ हस्तलाघव । २८ सूत्र । २९ कुसुम । ३० इंद्रजाल । ३१ सूचिकर्म ।  
३२ स्नेहपान । ३३ आहार । ३४ सौभाग्य । ३५ प्रयोग । ३६ गंध । ३७ वस्तु ।  
३८ रत्न । ३९ पात्र । ४० वैद्य । ४१ देशभाषित । ४२ देशविजय । ४३ वाणिज्य ।  
४४ आयुध । ४५ युद्ध । ४६ समय । ४७ वर्त्तन । ४८ हस्ती । ४९ नुरग ।  
५० पुरुष । ५१ नारी । ५२ पक्षी । ५३ भूमि । ५४ लेप । ५५ काष्ठ । ५६ सैन्य ।  
५७ वृक्ष । ५८ छत्र । ५९ हस्त । ६० उत्तर । ६१ प्रत्युत्तर । ६२ शैल । ६३ शारीर ।  
६४ शास्त्रकला चेति ।

१८) F १ लिखित । २ गणित । ३ गीत । ४ वाद्य । ५ नृत्य । ६ पठित । ७ वक्तृत्व ।  
८ कवित्व । ९ कथा । १० विनोद । ११ वचन । १२ नाटक । १३ व्याकरण ।  
१४ छन्दस् । १५ अलंकार । १६ दर्शन । १७ अभिधान । १८ धातुवाद । १९ धर्मवाद ।  
२० अर्थवाद । २१ कामवाद । २२ बुद्धि । २३ शौच । २४ मन्त्र । २५ विचार ।  
२६ नेपथ्य । २७ विलास । २८ स्वस्थकर्म । २९ नीति । ३० शकुन । ३१ फ्रीडन ।  
३२ चित्र । ३३ लोहकर्म । ३४ काष्ठकर्म । ३५ दन्तकर्म । ३६ चर्मकर्म । ३७ संयोग ।  
३८ हस्तलाघव । ३९ कुसुम । ४० इंद्रजाल । ४१ स्नेहपान । ४२ आहार ।  
४३ विहार । ४४ सौभाग्य । ४५ प्रयोग । ४६ गंध । ४७ वाद् । ४८ वास्तु ।  
४९ रत्न । ५० पात्र । ५१ वैद्य । ५२ देशभाषा । ५३ विजय । ५४ वाणिज्य ।  
५५ आयुध । ५६ युद्धसमय । ५७ हस्तिपरीक्षा । ५८ अश्वपरीक्षा । ५९ नरपरीक्षा ।  
६० नारीपरीक्षा । ६१ रत्नपरीक्षा । ६२ पक्षिपरीक्षा । ६३ भूमिपरीक्षा । ६४ इष्टकर्म ।  
६५ पाषाणकर्म । ६६ उत्तर । ६७ प्रत्युत्तर । ६८ वृक्ष । ६९ छत्र । ७० शास्त्र ।  
७१ चोरग्रहण । ७२ कागडाजय ।

१८) G १ गीतकला । २ नृत्यकला । ३ वाद्यकला । ४ बुद्धिकला । ५ शौचकला ।  
६ मंत्रकला । ७ विचारकला । ८ वाद् । ९ वास्तु । १० नेपथ्य । ११ विनोद ।  
१२ विलास । १३ नीति । १४ शकुन । १५ चित्र । १६ संयोग । १७ हस्त ।  
१८ लाघव । १९ कुसुम । २० इंद्रजाल । २१ सूचीकर्म । २२ स्नेह । २३ पान ।  
२४ आहार । २५ सौभाग्य । २६ प्रयोग । २७ गंध । २८ वस्तु । २९ पात्र ।  
३० रत्न । ३१ वैद्य । ३२ देश । ३३ विजय । ३४ वाणिज्य । ३५ आयुध । ३६ युद्ध ।  
३७ नियुद्ध । ३८ समय । ३९ वर्त्तन । ४० हस्ति । ४१ नुरग । ४२ पक्षि ।  
४३ पुरुष । ४४ नारी । ४५ भूमि । ४६ लेप । ४७ काष्ठ । ४८ सैन्य । ४९ वृक्ष ।  
५० छत्र । ५१ प्रस्थ । ५२ उत्तर । ५३ शास्त्र । ५४ शास्त्र । ५५ गणित ।  
५६ पठित । ५७ लिखित । ५८ वक्तृत्व । ५९ कथा । ६० व्ययन । ६१ व्याकरण ।  
६२ नाटक । ६३ छन्द । ६४ अलंकार । ६५ दर्शन । ६६ अध्यात्म । ६७ धातु ।  
६८ धर्म । ६९ अर्थ । ७० काम । ७१ द्युत । ७२ शरीरकलाश्चेति ।



१९. चतुरशीतिर्विज्ञानानि ।

१ हेतुविज्ञानं । २ तत्त्वविज्ञानं । ३ मोहविज्ञानं । ४ कर्मविज्ञानं ।  
 ५ धर्मविज्ञानं । ६ लक्ष्मीविज्ञानं । ७ योगविज्ञानं । ८ देवविज्ञानं ।  
 ९ शंखविज्ञानं । १० दंतविज्ञानं । ११ काचविज्ञानं । १२ गुटिका-  
 विज्ञानं । १३ रसायनविज्ञानं । १४ वचनविज्ञानं । १५ कवित्व-  
 विज्ञानं । १६ गुरुत्वविज्ञानं । १७ पारंपर्यविज्ञानं । १८ ज्योतिष्क-  
 विज्ञानं । १९ वैद्यकविज्ञानं । २० मेघविज्ञान । २१ यंत्रविज्ञानं ।  
 २२ मंत्रविज्ञानं । २३ मर्दनविज्ञानं । २४ नेपथ्यविज्ञानं । २५ मस्तक-  
 विज्ञानं । २६ इष्टिविज्ञानं । २७ लेपविज्ञानं । २८ सूत्रविज्ञानं ।  
 २९ चित्रकर्मविज्ञानं । ३० रंगविज्ञानं । ३१ शूचिकर्मविज्ञानं ।  
 ३२ शकुनविज्ञानं । ३३ छद्मविज्ञानं । ३४ गंधयुक्तिविज्ञानं । ३५ आराम-  
 विज्ञानं । ३६ शैलविज्ञानं । ३७ काव्यविज्ञानं । ३८ कांस्यविज्ञानं ।  
 ३९ काष्ठविज्ञानं । ४० कुंभविज्ञानं । ४१ लोहविज्ञानं । ४२ पत्रविज्ञानं ।  
 ४३ वंशविज्ञानं । ४४ नखविज्ञानं । ४५ तृणविज्ञानं । ४६ प्रासाद-  
 विज्ञानं । ४७ धातुविज्ञानं । ४८ विभूषणविज्ञानं । ४९ स्वरोदय-  
 विज्ञानं । ५० द्यूतविज्ञानं । ५१ अध्यात्मविज्ञानं । ५२ अग्निविज्ञानं ।  
 ५३ विद्वेषणविज्ञानं । ५४ उच्चाटनविज्ञानं । ५५ स्तंभनविज्ञानं ।  
 ५६ वशीकरणविज्ञानं । ५७ वस्तुविज्ञानं । ५८ स्वयंभूविज्ञानं । ५९ हस्ति-  
 शिक्षाविज्ञानं । ६० अश्वविज्ञानं । ६१ पक्षिविज्ञानं । ६२ स्त्रीकाम-  
 विज्ञानं । ६३ चक्रविज्ञानं । ६४ वस्त्राकारविज्ञानं । ६५ पशुपाल-  
 विज्ञानं । ६६ कृपिविज्ञानं । ६७ वाणिज्यविज्ञानं । ६८ लक्षण-  
 विज्ञानं । ६९ कालविज्ञानं । ७० शस्त्रयंत्रविज्ञानं । ७१ शुद्धकर-  
 विज्ञानं । ७२ विशुद्धकरविज्ञानं । ७३ आखेटकविज्ञानं । ७४ कौतूहल-  
 विज्ञानं । ७५ कोशविज्ञानं । ७६ पुष्पविज्ञानं । ७७ इंद्रजालविज्ञानं ।

७८ पानविधिविज्ञानं । ७९ अशनविधिविज्ञानं । ८० विनोदविज्ञानं ।  
८१ सौभाग्य-विज्ञानं । ८२ शौचविज्ञानं । ८३ विनयविज्ञानं ।  
८४ नीतिविज्ञानं\* । इति ।

१९) A १ हेतुविज्ञान । २ तत्त्वविज्ञान । ३ मोहजविज्ञान । ४ कर्मविज्ञान । ५ धर्मविज्ञान ।  
६ मर्मविज्ञान । ७ शंखविज्ञान । ८ दंतविज्ञान । ९ काच । १० गुटिका । ११ योग ।  
१२ रसायन । १३ घचन । १४ कवित्व । १५ नेपथ्य । १६ मंत्र । १७ तंत्र ।  
१८ मर्दन । १९ पत्रक । २० वृष्टिक । २१ लेपकर्म । २२ सूत्र । २३ चित्र ।  
२४ रंग । २५ सूचीकर्म । २६ शकुन । २७ छद्म । २८ निर्माल्य । २९ गंधयुक्ति ।  
३० आसन । ३१ शील । ३२ काष्ठकर्म । ३३ कुंभ । ३४ लोह । ३५ यंत्र । ३६ वंश ।  
३७ नख । ३८ तृण । ३९ प्रसाद । ४० धातु । ४१ विभूषण । ४२ स्वरोदय ।  
४३ घृत । ४४ अध्यात्म । ४५ अग्नि । ४६ जल । ४७ विद्वेषण । ४८ उच्चाटन ।  
४९ स्तंभन । ५० वशीकरण । ५१ हस्तिशिक्षा । ५२ अश्व । ५३ पक्षि । ५४ स्त्रीकाम ।  
५५ रत्न । ५६ वस्त्राकार । ५७ पाशुपाल्य । ५८ कृपि । ५९ वाणिज्य । ६० लक्षण ।  
६१ काल । ६२ शास्त्र । ६३ शास्त्रबंध । ६४ आयुधकार । ६५ नियुद्धकार ।  
६६ आखेटक । ६७ कुतूहल । ६८ कोश । ६९ पुष्प । ७० इंद्रजाल । ७१ पानविधि ।  
७२ अशन । ७३ विनोद । ७४ सौजन्य । ७५ सौभाग्य । ७६ शौच । ७७ विनय ।  
७८ नीति । ७९ आयु । ८० वाद । ८१ व्यापार । ८२ धारण । इति विज्ञानानि ।

१९) B १ हेतुविज्ञान । २ तत्त्वविज्ञान । ३ मोहन । ४ कर्म । ५ धर्म । ६ मर्म ।  
७ शंख । ८ दंत । ९ काच । १० गुटिका । ११ योग । १२ रसायन । १३ घचन ।  
१४ कवित्व । १५ नेपथ्य । १६ मंत्र । १७ मर्दन । १८ पत्रक । १९ वृष्टिक ।  
२० लेपकर्म । २१ सूत्र । २२ चित्र । २३ रंग । २४ सूचीकर्म । २५ शकुन ।  
२६ छद्म । २७ निर्माल्य । २८ गंधयुक्ति । २९ आसन । ३० शील । ३१ काष्ठकर्म ।  
३२ कुंभ । ३३ लोह । ३४ यंत्र । ३५ वंश । ३६ नख । ३७ तृण । ३८ प्रसाद ।  
३९ धातु । ४० विभूषण । ४१ स्वरोदय । ४२ घृत । ४३ अध्यात्म । ४४ अग्नि ।  
४५ जल । ४६ विद्वेषण । ४७ उच्चाटन । ४८ स्तंभन । ४९ वशीकरण । ५० हस्ति-  
शिक्षा । ५१ अश्व । ५२ पक्षि । ५३ स्त्रीकाम । ५४ रत्न । ५५ वस्त्राकार ।  
५६ पाशुपाल्य । ५७ कृपि । ५८ वाणिज्य । ५९ लक्षण । ६० काल । ६१ शास्त्र ।  
६२ शास्त्रबंध । ६३ आयुधकार । ६४ नियुद्धकार । ६५ आखेटक । ६६ कुतूहल ।  
६७ कोश । ६८ पुष्प । ६९ इंद्रजाल । ७० पानविधि । ७१ अशन । ७२ विनोद ।  
७३ सौजन्य । ७४ सौभाग्य । ७५ शौच । ७६ विनय । ७७ नीति । ७८ आयुर्वेद ।  
७९ व्यापार । ८० धारण । इति विज्ञानानि ।

१९) C १ हेतुविज्ञान । २ तत्त्वविज्ञान । ३ मोहविज्ञान । ४ कर्मविज्ञान । ५ शंखविज्ञान ।  
६ काचविज्ञान । ७ गुटिकाविज्ञान । ८ योगविज्ञान । ९ रसायनविज्ञान । १० घचन-  
विज्ञान । ११ कवित्वविज्ञान । १२ नेपथ्यविज्ञान । १३ मंत्रविज्ञान । १४ तंत्र ।  
१५ मर्दन । १६ क्षेत्रक । १७ इष्टिका । १८ लेपन । १९ सूत्र । २० ज्ञाति । २१ सूचि ।

\* after नीतिविज्ञानं we find आयुर्विज्ञानं । वादविज्ञानं । व्यापारविज्ञानं । and धारणविज्ञानं चेति ।

२२ शकुन । २३ छद्म । २४ नैर्मल्य । २५ गंधयुक्ति । २६ आराम । २७ शील ।  
 २८ काव्य । २९ कांस्य । ३० रौप्य । ३१ कांचन । ३२ काष्ठ । ३३ लोह । ३४ पत्र ।  
 ३५ वंश । ३६ नख । ३७ दशन । ३८ तृण । ३९ प्रसाद । ४० धातु । ४१ भूषण ।  
 ४२ स्वरोदय । ४३ घृत । ४४ अध्यात्म । ४५ अग्नि । ४६ जल । ४७ विद्वेषण ।  
 ४८ उच्चाटन । ४९ स्तंभन । ५० मोहन । ५१ घशीकरण । ५२ संदीपन । ५३ स्वयंभू ।  
 ५४ हस्तिशिक्षा । ५५ अश्वशिक्षा । ५६ पक्षि । ५७ स्त्रीकाम । ५८ चरित्र । ५९ वज्र-  
 कर । ६० पशुपालन । ६१ कृषि । ६२ वाणिज्य । ६३ लक्षण । ६४ काल ।  
 ६५ पान । ६६ शस्त्रबंध । ६७ नियुद्धकरण । ६८ आखेटक । ६९ कुतूहल ।  
 ७० कोश । ७१ पुष्प । ७२ इंद्रजाल । ७३ विनोद । ७४ सोभाग्य । ७५ वस्त्र ।  
 ७६ शौच । ७७ आयुरिति ।

१९) E १ हेतुविज्ञानं । २ तत्त्व । ३ मोहन । ४ धर्मविज्ञानं । ५ कर्मविज्ञानं ।  
 ६ मर्म । ७ लक्ष्मी । ८ संयोग । ९ शंख । १० दंत । ११ काक । १२ गुटिका । १३ योग ।  
 १४ रसायन । १५ वचन । १६ कवित्व । १७ यंत्र । १८ मंत्र । १९ मर्दन ।  
 २० तंत्र । २१ नैपथ्य । २२ खचित । २३ इष्टिका । २४ लेख्य । २५ सूत्र ।  
 २६ चित्रकर्म । २७ शकुन । २८ रंगकर्म । २९ सूचीकर्म । ३० छद्म । ३१ कर्मकार ।  
 ३२ नैर्मल्य । ३३ गंधयुक्ति । ३४ आराम । ३५ शील । ३६ कांस्य । ३७ काष्ठ ।  
 ३८ कुंभ । ३९ लोहपात्र । ४० विशा । ४१ नख । ४२ दशन । ४३ तृण । ४४ घशी-  
 करण । ४५ भूतरुपणं । ४६ वस्तु । ४७ स्वयंभू । ४८ हस्ती । ४९ शिक्षा ।  
 ५० पक्षी । ५१ हस्तीकाम । ५२ अश्वशिक्षा । ५३ रत्न । ५४ वस्त्रकार । ५५ चक्र ।  
 ५६ वज्राकार । ५७ पशुपाल । ५८ कृषि । ५९ वाणिज्य । ६० लक्षण । ६१ काल ।  
 ६२ पानविधि । ६३ अशनविधि । ६४ प्रसाद । ६५ धातु । ६६ विभूषण ।  
 ६७ स्वरोदय । ६८ घृत । ६९ अध्यात्म । ७० अग्निविशेषणं । ७१ उच्चाटनं ।  
 ७२ स्तंभनं । ७३ मोहनं । ७४ वंश । ७५ बंध । ७६ नियुद्धकार । ७७ आखेट ।  
 ७८ काकु । ७९ कुतूहल । ८० कोश । ८१ पुष्प । ८२ इंद्रजाल । ८३ विनोद ।  
 ८४ सौभाग्य । ८५ प्रयोग । ८६ शौच । ८७ ज्ञाननय । ८८ प्रीति । ८९ आयुः ।  
 ९० वाद । ९१ व्यापार । ९२ धारणं । ९३ आयुर्वेदाश्चेति ।

१९) F १ हेतुविज्ञान । २ धर्मविज्ञान । ३ चर्मविज्ञान । ४ कर्मविज्ञान । ५ लक्ष्मीयोग ।  
 ६ शकुनकर्म । ७ दन्तकर्म । ८ काष्ठकर्म । ९ गुटिका । १० रसायन । ११ वचन ।  
 १२ कवित्व । १३ यंत्र । १४ मंत्र । १५ तंत्र । १६ मर्दन । १७ नैपथ्य । १८ सूतिका ।  
 १९ इष्ट । २० लेख्य । २१ सूत्र । २२ चित्रकर्म । २३ रंगकर्म । २४ सूचीकर्म ।  
 २५ शकुनि । २६ छद्मकार । २७ कर्मकार । २८ नैर्मल्य । २९ गंधयुक्ति । ३० आराम ।  
 ३१ शील । ३२ काव्य । ३३ कांस्य । ३४ काष्ठ । ३५ कुंभकर्म । ३६ लोहकर्म ।  
 ३७ उपदंश । ३८ पत्र । ३९ वंश । ४० नख । ४१ दशन । ४२ तृण । ४३ प्रसाद ।  
 ४४ धातु । ४५ विभूषण । ४६ स्वरोदय । ४७ घृत । ४८ अध्यात्म । ४९ अस्थिस्तम्भ ।  
 ५० जलस्तम्भ । ५१ विद्वेषण । ५२ उच्चाटन । ५३ स्तंभन । ५४ मोहन । ५५ घशीकरण ।  
 ५६ वस्तु । ५७ गजशिक्षा । ५८ अश्वशिक्षा । ५९ पक्षिशिक्षा । ६० रत्नकर्म ।  
 ६१ वज्रकर्म । ६२ वज्रकर्म । ६३ पशुपाल्य । ६४ कृषि । ६५ वाणिज्य । ६६ लक्षण ।  
 ६७ काल । ६८ पानविधि । ६९ अशनविधि । ७० अस्त्रबंध । ७१ नियुद्धकरण ।  
 ७२ आखेटक । ७३ कुतूहल । ७४ पुष्प । ७५ इंद्रजाल । ७६ विनोद । ७७ सौभाग्य-

कारण । ७८ प्रयोग । ७९ शौच । ८० ज्ञान । ८१ विनय । ८२ नीति । ८३ आयु ।  
८४ प्रीति । ८५ व्यापार । ८६ धारणविज्ञान ।

१९) G १ हेतुविज्ञान । २ तत्त्वविज्ञान । ३ मोहन । ४ कर्म । ५ धर्म । ६ मर्म ।  
७ शङ्ख । ८ दंत । ९ काच । १० गुटिका । ११ योग । १२ रसायन । १३ वचन ।  
१४ कवित्व । १५ नेपथ्य । १६ मंत्र । १७ तंत्र । १८ मर्दन । १९ पत्रक । २० वृष्टिक ।  
२१ लेपकर्म । २२ सूत्र । २३ चित्र । २४ रङ्ग । २५ सूचीकर्म । २६ शकुन ।  
२७ छद्म । २८ नैर्मल्य । २९ गंध । ३० युक्ति । ३१ आसन । ३२ शील । ३३ काष्ठ-  
कर्म । ३४ कुंभ । ३५ लोह । ३६ यंत्र । ३७ वंश । ३८ नख । ३९ तुण । ४० प्रसाद ।  
४१ धातु । ४२ विभूषण । ४३ स्वरोद्य । ४४ द्यूत । ४५ अध्यात्म । ४६ अग्नि ।  
४७ जल । ४८ विद्वेषण । ४९ उच्चाटन । ५० वशीकरण । ५१ हस्तिशिक्षा ।  
५२ अभ्य । ५३ पक्षि । ५४ स्त्री । ५५ काम । ५६ रत्न । ५७ वस्त्रकार । ५८ पाशु-  
पाल्य । ५९ कृपि । ६० वाणिज्य । ६१ लक्षण । ६२ काल । ६३ शास्त्र ।  
६४ शास्त्रवन्ध । ६५ आसुघकार । ६६ नियुद्धकार । ६७ आखेटक । ६८ कुतूहल ।  
६९ केश । ७० पुष्प । ७१ इन्द्रजाल । ७२ पानविधि । ७३ अशन । ७४ विनोद ।  
७५ सौजन्य । ७६ सौभाग्य । ७७ शौच । ७८ विनय । ७९ नीति । ८० आयु ।  
८१ वाद । ८२ व्यापार । ८३ धारणा । इति विज्ञानानि ।

\*

## २०. चतुरशीतिर्देशाः ।

पूर्वदेशाः— १ अंजनदेशः । २ गौडदेशः । ३ कान्यकुब्जदेशः ।  
४ कर्लिगदेशः । ५ अंगदेशः । ६ वंगदेशः । ७ कुरंगदेशः ।  
८ गोलादेशः । ९ राठ्यदेशः । १० वरेन्द्रदेशः । ११ यामुनदेशः ।  
१२ गंगापारदेशः । १३ अंतर्वेदिदेशः । १४ मागधदेशः ।

मध्यदेशाः— १ कुरुदेशः । २ डाहलदेशः । ३ कामरूपदेशः ।  
४ कामाक्षदेशः । ५ उंडूदेशः । ६ पुंडूदेशः । ७ उड्डीसदेशः ।  
८ अग्निमुखदेशः । ९ पंचालदेशः । १० सूरसेनदेशः । ११ जालंधरदेशः ।  
१२ लोहितपाददेशः ।

पश्चिमस्थलदेशाः— १ कच्छदेशः । २ वालंभदेशः । ३ सौराष्ट्रदेशः ।  
४ कोंकणदेशः । ५ लाटदेशः । ६ मालवदेशः । ७ अवन्तीदेशः ।  
८ श्रीमालदेशः । ९ अर्बुददेशः । १० मेदपाटदेशः । ११ मरुदेशः ।  
१२ कंचोजदेशः । १३ पारियात्रदेशः । १४ लोहपुरदेशः ।

१५ सेरटकदेशः । १६ तामलिसदेशः । १७ किरातदेशः ।  
१८ सौवीरदेशः । १९ वोक्काणदेशः ।

उत्तरापथदेशाः— १ गूर्जरदेशः । २ सिंधुदेशः । ३ केकाणदेशः ।  
४ नेपालदेशः । ५ टाकदेशः । ६ तुरुष्कदेशः । ७ तार्ङ्गिकदेशः ।  
८ वर्वरदेशः । ९ कीरदेशः । १० खसदेशः । ११ काश्मीरदेशः ।  
१२ हिमालयदेशः । १३ श्रीराष्ट्रदेशः । १४ वज्रलदेशः ।

दक्षिणापथदेशाः— १ सिंहलदेशः । २ चउडदेशः । ३ कोरलदेशः ।  
४ पांडुदेशः । ५ आन्ध्रदेशः । ६ विंध्यदेशः । ७ कर्णाटदेशः ।  
८ द्रविडदेशः । ९ श्रीपर्वतदेशः । १० विदर्भदेशः । ११ धाराधरदेशः ।  
१२ कांजीदेशः । १३ तापीतटदेशः । १४ महाराष्ट्रदेशः ।  
१५ आभीरदेशः । १६ नर्मदातटदेशः । १७ मलयदेशः ।  
१८ वराटदेशः । १९ उरलदेशः ।

२०) A पूर्वदेशाः— १ अंगदेशः । २ वंगदेशः । ३ गौडदेशः । ४ कन्यकुब्जः । ५ कलिङ्गः ।  
६ गोष्टः । ७ अंगः । ८ वंगालः । ९ कुरंगः । १० राठः । ११ चारंगीः । १२ यामुनः ।  
१३ सरयूपारः । १४ अंतर्वेदः । १५ मगधः । मध्यदेशाः— १ कुट्टः । २ डाहलः । ३ कामरुः ।  
४ उडः । ५ पंचालः । ६ सौरसेनः । ७ जालंधरः । ८ लोहपाद्ः । पश्चिमस्थल— १ चालंभः ।  
२ सीराष्ट्रः । ३ कुंकुणः । ४ लाटः । ५ धीमालः । ६ अरुंदः । ७ मेदपाटः । ८ कच्छः ।  
९ मालयः । १० अवंतीः । ११ पारियात्रः । १२ कंयोजः । १३ तामलिसः । १४ किरातः ।  
१५ सेरटकः । १६ सौवीरः । १७ मीष्काणः । उत्तरापथ— १ गूर्जरः । २ सिंधुः ।  
३ केकाणः । ४ नेपालः । ५ तुरुष्कः । ६ ताजिकः । ७ वर्वरः । ८ खसकीरः ।  
९ काश्मीरः । १० वज्रलः । ११ हिमालयः । १२ लोहपुरः । १३ श्रीराष्ट्रः ।  
दक्षिणापथ— १ मलयः । २ सीघलः । ३ पांडः । ४ कोरलः । ५ अंध्रः । ६ विंध्यः ।  
७ कर्णाटः । ८ द्रविडः । ९ धीपर्वतः । १० वैदर्भः । ११ विराटः । १२ उरलः ।  
१३ तापीतटः । १४ महाराष्ट्रः । १५ आभीरः । १६ नर्मदाः । १७ कामाक्षः । १८ कंडुः ।  
१९ पापांतिकाः । २० चीडः । २१ आराट्टः । २२ घरेन्द्रः । २३ गंगापारः । २४ सीसपः ।  
२५ कांतीः । २६ नागणिकः । २७ द्वीपदेशाश्चेति ।

२०) B पूर्वदिशि देशाः— १ अंगदेशः । २ वंगदेशः । ३ गौडदेशः । ४ कन्यकुब्जः ।  
५ कलिङ्गः । ६ गोष्टः । ७ यङ्गालः । ८ कुरंगः । ९ सरठः । १० चारंगीः । ११ यामुनः ।  
१२ सरयूपारः । १३ अंतर्वेदः । १४ मगधः । मध्यदेशाः— १ कुट्टः । २ डाहलः ।  
३ कामरुः । ४ उडः । ५ पंचालः । ६ सौरसेनः । ७ जालंधरः । ८ लोहपाद्ः ।  
पश्चिमस्थल— १ चालंभः । २ सीराष्ट्रः । ३ कुंकुणः । ४ लाटः । ५ धीमालः ।  
६ अरुंदः । ७ मेदपाटः । ८ मरुः । ९ कच्छः । १० मालयः । ११ अवंतीः ।

१२ पारियात्र । १३ कंयोज । १४ तामलित । १५ किरात । १६ सेरटक । १७ सौवीर ।  
 १८ वोकाण । उत्तरापथ— १ गुर्जर । २ सिंधु । ३ केकाण । ४ नेपाल ।  
 ५ तुरुष्क । ६ ताजिक । ७ ववर । ८ खसकीर । ९ काश्मीर । १० वज्रल ।  
 ११ हिमालय । १२ लोहपुर । १३ श्रीराक्ष । दक्षिणापथ— १ मलय । २ सीधल ।  
 ३ पांड । ४ कोरल । ५ अंध्र । ६ विंध्य । ७ कर्णाट । ८ द्रविड । ९ श्रीपर्वत ।  
 १० वैदर्भ । ११ विराट । १२ उरल । १३ कांजी । १४ तापीतट । १५ महाराष्ट्र ।  
 १६ आभीर । १७ नामर्द । १८ कामाक्ष । १९ कंडु । २० पापांतिका । २१ चौड ।  
 २२ आराध्य । २३ वरेन्द्र । २४ गंगापार । २५ सौसप । २६ कांती । २७ नागणिक ।  
 २८ द्वीपदेशाश्चेति ।

२०) C १ कुरंग । २ वंगाल । ३ आराध्य । ४ घरेन्द्र । ५ यामन । ६ गंगापार ।  
 ७ अंतर्वेध । ८ मगध । मध्य— १ कुरु । २ डाहल । ३ कामरू । ४ पुंद्रक ।  
 ५ पंचाल । ६ अग्नि । ७ कास । ८ सूरसेन । ९ जालंधर । १० लोहितपाद ।  
 अथ पश्चिमायां दिशि— १ काच्छल । २ वालंभ । ३ सौराष्ट्र । ४ कुंकण । ५ लाड ।  
 ६ श्रीमाल । ७ अर्बुद । ८ मेदपाट । ९ मारू । १० मावल । ११ अवंति ।  
 १२ नागणित । १३ किरात । १४ शकट । १५ सौवीर । १६ वोकाण । उत्तरपंथे—  
 १ गुर्जर । २ सिंधु । ३ केकाण । ४ नेपाल । ५ तुरुष्क । ६ तायक । ७ वध्वर ।  
 ८ वजूर । ९ कीर । १० कश्मीर । ११ हिमालय । १२ लोहपुर । १३ श्रीराज्य ।  
 दक्षिणदिशि— १ पांडु । २ कोरल । ३ पाडल । ४ अद्र । ५ वंध्य । ६ कर्कट ।  
 ७ द्राविड । ८ श्रीपर्वत । ९ तंद्रभद्र । १० धरानंग । ११ उरल । १२ जीमूत ।  
 १३ मुलतान । १४ तापीतट । १५ महातट । १६ महाराष्ट्र । १७ आभीर ।  
 १८ नर्मदातट । १९ कामाक्षा । २० हूनदेश । २१ कलिग । २२ मद्र । २३ सुमंत-  
 देश । २४ द्वीपश्चेति ।

२०) E पूर्वदिशि— १ गौड । २ कान्यकुब्ज । ३ कलिग । ४ गोल । ५ वंग ।  
 ६ कुरंग । ७ वंगाल । ८ आराट । ९ घरेन्द्र । १० यामन । ११ गंगापार ।  
 १२ अंतर्वेध । १३ मगध । मध्य देश— १ कुरुदेश । २ घाहल । ३ कामरूप ।  
 ४ बंबु । ५ पुंड । ६ चौड । ७ मालव । ८ अग्नि । ९ पंचाल । १० सूरसेन ।  
 ११ जालंधर । १२ लोहितपाद । पश्चिम— १ काच्छल । २ वालंभ । ३ सौराष्ट्र ।  
 ४ कुंकण । ५ श्रीमाल । ६ अर्बुद । ७ मेदपाट । ८ मारु । ९ मच्छ । १० मालवु ।  
 ११ पारियात्र । १२ कंयोज । १३ तामलित । १४ अवंती । १५ नागणित । १६ किरात ।  
 १७ शकुंत । १८ सौवीर । १९ कुंकण । २० वोकाण । उत्तरि— १ गुजराति ।  
 २ सिंधु । ३ नेपाल । ४ गुर्जर । ५ भोट । ६ टाक । ७ तुरुष्क । ८ तायक ।  
 ९ ववर । १० वूसर । ११ काश्मीर । १२ वजूर । १३ हिमालय । १४ लोहपुर ।  
 १५ धीकाष्ठ । १६ खीराज्य । दक्षिण— १ मलय । २ शिधल । ३ कौरिल ।  
 ४ पाडल । ५ अंध्र । ६ विंध्य । ७ कर्णाट । ८ द्राविड । ९ श्रीपर्वत ।  
 १० वैदर्भ । ११ वैराट । १२ धारउर । १३ लाञ्ज । १४ तापीतट । १५ महाराष्ट्र ।  
 १६ आभीरदेश । १७ नर्मदातट । १८ कामाक्षा । १९ कच । २० पापांतिक ।  
 २१ चौड । द्वीपांतर देश बहु लि ।

२०) F १ गौड । २ चौड । ३ कान्यकुब्ज । ४ अङ्ग । ५ यङ्ग । ६ कलिङ्ग ।  
 ७ तिलङ्ग । ८ गोल । ९ यङ्गाल । १० आराध्य । ११ घरेन्द्र । १२ यामन । १३ गंगापार ।

१४ अंतर्वेद । १५ मगध । मध्य— १ कुरुक्षेत्र । २ डाहल । ३ कामरूप ।  
 ४ उन्द्र । ५ पोन्द्र । ६ पञ्चाल । ७ शौरसेन । ८ अग्निमुख । ९ मालव ।  
 १० जालन्धर । ११ लोहितपाद । पश्चिमायां दिशि— १ काछेल । २ वालंभ ।  
 ३ सौराष्ट्र । ४ कुंकण । ५ लाटदेश । ६ स्थलदेश । ७ दमगान । ८ अर्बुद ।  
 ९ मेदपाट । १० अवंती । ११ किरात । १२ शकट । १३ सौवीर । १४ कुंकुम ।  
 उत्तरापथाः— १ गुजर । २ सिंधु । ३ केकाण । ४ नेपाल । ५ टाक । ६ तुरष्क ।  
 ७ तायक । ८ वर्वर । ९ वर्जर । १० कीर । ११ कासीर । १२ हिमालय ।  
 १३ लोहपुर । १४ श्रीकाष्ठ । दक्षिणस्यां दिशि— १ मलय । २ सिंहल । ३ कौरल ।  
 ४ पाडल । ५ अंध्र । ६ घंध्य । ७ कर्कट । ८ द्रविड । ९ श्रीपथ । १० वैदर्भ ।  
 ११ धारउर । १२ लाजी । १३ तापीतट । १४ तोमल । १५ पण्ड । १६ स्त्रीराज्य ।  
 दक्षिणपथ— १ कर्णाट । २ महाराष्ट्र । ३ आभीर । ४ नर्मदातट । ५ कामाक्षा ।  
 ६ कंचण । ७ कुंतल । ८ पापीतिक । ९ चौदही । पते देशा द्वात्रिंशत्सहस्राः ।

२०) G पूर्वदेशः— १ अंगदेशः । २ बंगदेश । ३ गौडदेश । ४ कन्यकुब्ज ।  
 ५ कलिंग । ६ गोष्ट । ७ अंग । ८ बंगाल । ९ कुरंग । १० सरट । ११ वारंभी ।  
 १२ यामुन । १३ सरयूपार । १४ अंतर्वेद । १५ मगध । मध्य— १ कुरु । २ डाहल ।  
 ३ कामरूप । ४ ओड । ५ पंचाल । ६ सौरसेन । ७ जालंधर । ८ लोहपाद ।  
 पश्चिमस्थल— १ वालंभ । २ सौराष्ट्र । ३ कुंकुण । ४ लाट । ५ श्रीमाल । ६ अर्बुद ।  
 ७ मेदपाट । ८ कच्छ । ९ मालव । १० अवंती । ११ पारियात्र । १२ कंयोज ।  
 १३ तामलित । १४ किरात । १५ सेरटक । १६ सौवीर । १७ घोकाण ।  
 उत्तरापथ— १ गुर्जर । २ सिंधु । ३ केकाण । ४ नेपाल । ५ तुरष्क । ६ ताजिक ।  
 ७ वर्वर । ८ खस । ९ कीर । १० काश्मीर । ११ वज्रला । १२ हिमालय ।  
 १३ लोहपुर । १४ श्रीराज । दक्षिणापथ— १ मलय । २ सीघल । ३ पांड ।  
 ४ कौरल । ५ अंध्र । ६ विंध्य । ७ कर्णाट । ८ द्रविड । ९ श्रीपवंत ।  
 १० वैदर्भ । ११ विराट । १२ ओरल । १३ तापीतट । १४ महाराष्ट्र । १५ आभीर ।  
 १६ नार्मद । १७ कामाक्ष । १८ कंटु । १९ पापांतिका । २० चौड । २१ आराध्य ।  
 २२ वरेंद्र । २३ गङ्गापार । २४ सांसप । २५ फांती । २६ नागणिक ।  
 २७ द्वीपदेशाश्चेति ।

\*

## २१. द्वात्रिंशल्लक्षणस्थानानि ।

१ स्वर्गलक्षणं । २ मर्त्यलक्षणं । ३ पाताललक्षणं । ४ तनुलक्षणं ।  
 ५ त्रिचालक्षणं । ६ विज्ञानलक्षणं । ७ वास्तुलक्षणं । ८ विनोदलक्षणं ।  
 ९ वादलक्षणं । १० कलालक्षणं । ११ गीतलक्षणं । १२ वाचलक्षणं ।  
 १३ नृत्यलक्षणं । १४ रूपलक्षणं । १५ धर्मलक्षणं । १६ अर्थलक्षणं ।  
 १७ कामलक्षणं । १८ मोक्षलक्षणं । १९ देशलक्षणं । २० पात्रलक्षणं ।

२१ समयलक्षणं । २२ पुरुषलक्षणं । २३ ज्योतिष्कलक्षणं ।  
 २४ चित्रलक्षणं । २५ स्त्रीलक्षणं । २६ गजलक्षणं । २७ तुरगलक्षणं ।  
 २८ पक्षिलक्षणं । २९ सत्त्वलक्षणं । ३० व्यापारलक्षणं । ३१ वस्तुलक्षणं ।  
 ३२ विवेकलक्षणं । इति ।

२१) A B १ स्वर्गलक्षणं । २ मृत्यु । ३ पाताल । ४ तत्त्व । ५ विद्या । ६ विज्ञानं ।  
 ७ ज्ञान । ८ वास्तु । ९ विनोद । १० वाद् । ११ कला । १२ कल्प । १३ गीत ।  
 १४ वाद्य । १५ नृत्य । १६ कृत्य । १७ धर्म । १८ अर्थ । १९ काम । २० मोक्ष ।  
 २१ देश । २२ काल । २३ पात्र । २४ पुरुष । २५ स्त्री । २६ गज । २७ तुरग ।  
 २८ पक्षि । २९ रत्न । ३० सद्ग्यापार । ३१ सत्त्व । ३२ वस्तु । इति लक्षणानि ।

२१) C १ स्वर्ग । २ पाताल । ३ मृत्यु । ४ तत्त्व । ५ रूप । ६ विद्या । ७ मनु ।  
 ८ विज्ञान । ९ वस्तु । १० विनोद । ११ वार्ता । १२ गीत । १३ वाद्य । १४ नृत्य ।  
 १५ रूपरु । १६ धर्म । १७ अर्थ । १८ काम । १९ मोक्ष । २० काल । २१ देश ।  
 २२ पात्र । २३ द्रव्य । २४ समय । २५ पुरुष । २६ स्त्री । २७ गज । २८ पक्षी ।  
 २९ तुरग । ३० धर्म । ३१ रत्न । ३२ मितहार । ३३ सद्यवस्तु ज्ञानमिति ।

२१) E १ स्वर्ग । २ मृत्यु । ३ पाताल । ४ तनु । ५ विद्या । ६ विज्ञान । ७ वास्तु ।  
 ८ विनोद । ९ वाद्य । १० गीत । ११ नाट्य । १२ वार्ता । १३ नृत्य । १४ रूप ।  
 १५ धर्म । १६ अर्थ । १७ काम । १८ मोक्ष । १९ देशकाल । २० पात्र । २१ समयक ।  
 २२ समय । २३ पुरुष । २४ स्त्री । २५ गज । २६ तुरग । २७ पक्षी । २८ रत्न ।  
 २९ पान । ३० आहार । ३१ सद्ग्यापार । ३२ वस्तुलक्षणं चेति ।

२१) F १ स्वर्गलक्षण । २ मृत्युलक्षण । ३ पाताललक्षण । ४ तत्त्वलक्षण ।  
 ५ विद्यालक्षण । ६ विज्ञानलक्षण । ७ वास्तु । ८ विनोद । ९ वाद् । १० कला ।  
 ११ कल्प । १२ गीतलक्षण । १३ वाद्यलक्षण । १४ नृत्यलक्षण । १५ कृत्य ।  
 १६ धर्म । १७ अर्थ । १८ काम । १९ मोक्ष । २० काल । २१ पात्र । २२ पुरुष ।  
 २३ स्त्रीलक्षण । २४ गज । २५ तुरग । २६ पक्षि । २७ रत्न । २८ पान ।  
 २९ सत्त्व । ३० वस्तु । ३१ भद्र । ३२ आहार । एतानि शुभलक्षणानि ।

२१) G १ स्वर्गलक्षण । २ मृत्यु । ३ पाताल । ४ तत्त्व । ५ विद्या । ६ विज्ञान ।  
 ७ ज्ञान । ८ वास्तु । ९ विनोद । १० वाद् । ११ कला । १२ कल्प । १३ गीत ।  
 १४ वाद्य । १५ नृत्य । १६ कृत्यु । १७ धर्म । १८ अर्थ । १९ काम । २० मोक्ष ।  
 २१ देश । २२ काल । २३ पात्र । २४ पुरुष । २५ स्त्री । २६ तुरग । २७ पक्षि ।  
 २८ रत्न । २९ सद्ग्यापार । ३० सत्त्व । ३१ आहार । ३२ वस्तुलक्षणानि ।

\*

२२. चतुर्विंशतिविधं गृहम् ।

१ प्रासाद । २ आयतनं । ३ हर्म्यं । ४ गृहं । ५ कोश ।



६ कोष्ठागारं । ७ पानीयगृहं । ८ शौचगृहं । ९ शालागृहं ।  
 १० मठस्थानं । ११ सत्रागारं । १२ शृङ्गारगृहं । १३ धर्मस्थानं ।  
 १४ विनोदस्थानं । १५ अश्वशाला । १६ गजशाला । १७ वास्तुभवनं ।  
 १८ मंडपं । १९ भोजनशाला । २० तापसशाला । २१ अग्रासनं ।  
 २२ आवेशनं । २३ अर्घ्यस्थानं । २४ राजांगणम् । इति ।

२२) A १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।  
 ७ पानीयस्थान । ८ शौचगृह । ९ माल्यगृह । १० मठस्थान । ११ सत्रागार ।  
 १२ शृङ्गारगृह । १३ धर्मस्थान । १४ विनोदस्थान । १५ मंडुरा । १६ हस्तिशाला ।  
 १७ वासभवन । १८ मंडप । १९ महानस । २० भोजनशाला । २१ अग्रासन ।  
 २२ आवेशन । २३ अर्घ्यस्थान । २४ राजांगणं च ।

२२) B १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।  
 ७ पानीयस्थान । ८ शौचगृह । ९ माल्यगृह । १० मठस्थान । ११ सत्रागार ।  
 १२ शृङ्गारगृह । १३ धर्मस्थान । १४ विनोदस्थान । १५ मंदिर । १६ हस्तिशाला ।  
 १७ वासभवन । १८ मंडप । १९ महानस । २० भोजनशाला । २१ अग्रासन ।  
 २२ अर्घ्यस्थान । २३ राजांगणं च ।

२२) C १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।  
 ७ पानीयगृह । ८ शौचगृह । ९ शालागृह । १० माल्यगृह । ११ मठगृह । १२ सत्रागार ।  
 १३ शृङ्गारगृह । १४ धर्मस्थान । १५ विनोदस्थान । १६ मंदिर । १७ हस्तिशाला ।  
 १८ मंडपशाला । १९ अश्वशाला । २० भोजनशाला । २१ शयनशाला । २२ गर्भागार ।  
 २३ सत्रास्थान । २४ राज्यांगणं चेति ।

२२) D १ प्रासाद । २ आयतन । ३ हर्म्य । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।  
 ७ पानीयगृह । ८ धौतगृह । ९ शालागृह । १० माल्यगृह । ११ मठस्थान ।  
 १२ सत्रागार । १३ शृङ्गारगृह । १४ धर्मस्थान । १५ विनोदस्थान । १६ मंडुर ।  
 १७ हस्तिशाला । १८ वासमंडप । १९ महानसं । २० भोजनशाला । २१ अग्रासनं ।  
 २२ आवेशनं । २३ अर्घ्यस्थानं । २४ राजांगणं इति ।

२२) E १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।  
 ७ पानीयगृह । ८ शौचगृह । ९ शालागृह । १० माल्यगृह । ११ मठस्थान ।  
 १२ सत्रागार । १३ शृङ्गारस्थान । १४ धर्मस्थान । १५ विनोदस्थान । १६ वाजिशाला ।  
 १७ हस्तिशाला । १८ वासमंडप । १९ महानस । २० भोजनशाला । २१ अग्रासन ।  
 २२ आवेशन । २३ अर्घ्यस्थान । २४ राजांगणं चेति ।

२२) G १ प्रासाद । २ हर्म्य । ३ आयतन । ४ गृह । ५ कोश । ६ कोष्ठागार ।  
 ७ पानीयस्थान । ८ शौचगृह । ९ माल्यगृह । १० मठस्थान । ११ सत्रागार ।  
 १२ शृङ्गारगृह । १३ धर्मस्थान । १४ विनोदस्थान । १५ मंडुरा । १६ हस्तिशाला ।  
 १७ वासभवन । १८ मंडप । १९ महानस । २० भोजनशाला । २१ अग्रासन ।  
 २२ आवेशन । २३ अर्घ्यस्थान । २४ राजांगणं च ।

२३. अष्टोत्तरशतं मङ्गलम् ।

१ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ आदित्य । ५ लोकपाल ।  
 ६ अग्नि । ७ अमर । ८ सागर । ९ नदी । १० पर्वत । ११ गगन ।  
 १२ अहर्गण । १३ गंधर्व । १४ स्कन्द । १५ विनायक । १६ ज्योतिष्क ।  
 १७ तीर्थ । १८ द्विज । १९ वर । २० धर्मशास्त्र । २१ वेद ।  
 २२ पद्म । २३ पत्रांश । २४ कौस्तुभ । २५ काञ्चन । २६ रूप्य ।  
 २७ ताम्र । २८ घृत । २९ मधु । ३० मद्य । ३१ सिद्धान्त ।  
 ३२ चंदन । ३३ श्वेतवस्त्र । ३४ वेद्या । ३५ रोचना । ३६ मृत्तिका ।  
 ३७ गोमय । ३८ शस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषध । ४१ मणिमय ।  
 ४२ शिला । ४३ मोदक । ४४ शंख । ४५ प्रियङ्गु । ४६ वाच ।  
 ४७ पुष्प । ४८ श्रुत । ४९ सर्पप । ५० दधि । ५१ दूर्वा । ५२ अक्षत ।  
 ५३ उदंबर । ५४ आम्र । ५५ छत्र । ५६ वादित्र । ५७ हस्ति ।  
 ५८ मुक्ताफल । ५९ खंजरीट । ६० वृष । ६१ ध्वज । ६२ हंस ।  
 ६३ कन्या । ६४ दर्पण । ६५ पीठ । ६६ कुश । ६७ तुरंग । ६८ वेणु ।  
 ६९ वीणा । ७० ध्वनि । ७१ सिंघ । ७२ मेष । ७३ स्वस्तिक ।  
 ७४ तोरण । ७५ कुंभ । ७६ चामर । ७७ गौ सवत्सा । ७८ आर्द्र-  
 मांस । ७९ स्त्री सवत्सा । ८० वाहन । ८१ प्रदान । ८२ विद्या ।  
 ८३ पानीय । ८४ तुष्टि । ८५ पुष्टि । ८६ प्रसाद । ८७ उल्लोच ।  
 ८८ सत्य । ८९ पूर्णपात्र । ९० आर्द्रशाक । ९१ आमिष । ९२ पिप्पल-  
 पत्र । ९३ श्रीवृक्ष । ९४ तालवृक्ष । ९५ पूजा । ९६ निधि । ९७ नर ।  
 ९८ सहया । ९९ गौरी । १०० गङ्गा । १०१ सरस्वती । १०२ नर्मदा ।  
 १०३ यमुना । १०४ कमला । १०५ सिद्धि । १०६ प्रीति । १०७ कीर्ति ।  
 १०८ बीज । इति ।

२३) A १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ स्कन्द । ५ आदित्य । ६ लोकपाल । ७ अग्नि । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रह । १४ गण । १५ गंधर्व । १६ चन्द्र । १७ विनायक । १८ ज्योतिष । १९ धर्मशास्त्र । २० द्विजवर । २१ वेद । २२ पद्म । २३ प्रदीप । २४ कौस्तुभ । २५ कांचन । २६ रूप्य । २७ ताम्र । २८ घृत । २९ मधु । ३० मद्य । ३१ सिद्धान्त । ३२ चंद्रन । ३३ सितवस्त्र । ३४ वेद्या । ३५ रोचना । ३६ मृत्तिका । ३७ गोमय । ३८ शस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषध । ४१ अक्षत । ४२ रत्नमणि । ४३ मोदक । ४४ शङ्ख । ४५ प्रियङ्गु । ४६ जव । ४७ श्वेतपुष्प । ४८ सर्पप । ४९ दधि । ५० आम्र । ५१ उद्वर । ५२ छत्र । ५३ वादित्र । ५४ हस्ति । ५५ बीजपूरक । ५६ मुक्ताफल । ५७ दूर्वा । ५८ खंजरीट । ५९ वृषभ । ६० ध्वज । ६१ हंस । ६२ कन्या । ६३ दर्पण । ६४ मत्स्य । ६५ तुरंगम । ६६ गीत । ६७ वीणा । ६८ घनि । ६९ सिंह । ७० मेघ । ७१ स्वस्ति । ७२ तोरण । ७३ कुम्भ । ७४ चामर । ७५ गौ सयत्सा । ७६ आर्द्रमांस । ७७ स्त्री सपुत्रा । ७८ वाहन । ७९ प्रदान । ८० विद्या । ८१ पानीय । ८२ पुष्टि । ८३ तुष्टि । ८४ प्रसाद । ८५ उल्लोच । ८६ पूर्णपात्र । ८७ आर्द्रशाखा । ८८ प्रियवान्य । ८९ श्रीवृक्ष । ९० तालवृत्त । ९१ पूजा । ९२ निधि । ९३ नरसहस्र । ९४ गौरी । ९५ गंगा । ९६ सरस्वती । ९७ नर्मदा । ९८ यमुना । ९९ सिद्धपीठ । १०० कीर्ति । इति मंगलानि ।

२३) B १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ स्कन्द । ५ आदित्य । ६ लोकरपाल । ७ अग्नि । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रह । १४ गण । १५ गंधर्व । १६ चन्द्र । १७ विनायक । १८ जोतिष । १९ धर्मशास्त्र । २० द्विजवर । २१ वेद । २२ पद्म । २३ प्रदीप । २४ कौस्तुभ । २५ कांचन । २६ रूप्य । २७ ताम्र । २८ घृत । २९ मधु । ३० मद्य । ३१ सिद्धान्त । ३२ चंद्रन । ३३ सितवस्त्र । ३४ वेद्या । ३५ रोचना । ३६ मृत्तिका । ३७ गोमय । ३८ शस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषध । ४१ अक्षत । ४२ रत्नमणि । ४३ मोदक । ४४ शंख । ४५ प्रियंगु । ४६ जव । ४७ श्वेतपुष्प । ४८ सर्पप । ४९ दधि । ५० आम्र । ५१ उद्वर । ५२ छत्र । ५३ हस्ति । ५४ बीजपूरक । ५५ मुक्ताफल । ५६ दूर्वा । ५७ खंजरीट । ५८ वृषभ । ५९ ध्वज । ६० हंस । ६१ कन्या । ६२ दर्पण । ६३ मत्स्य । ६४ तुरंगम । ६५ गीत । ६६ वीणा । ६७ घनि । ६८ सिंह । ६९ मेघ । ७० स्वस्ति । ७१ तोरण । ७२ कुम्भ । ७३ चामर । ७४ गौ सयत्सा । ७५ आर्द्रमांस । ७६ स्त्री सपुत्रा । ७७ वाहन । ७८ प्रदान । ७९ विद्या । ८० पानीय । ८१ पुष्टि । ८२ तुष्टि । ८३ प्रसाद । ८४ उल्लोच । ८५ पूर्णपात्र । ८६ आर्द्रशाखा । ८७ प्रियवान्य । ८८ श्रीवृक्ष । ८९ तालवृत्त । ९० पूजा । ९१ निधि । ९२ नरसहस्र । ९३ गौरी । ९४ गंगा । ९५ सरस्वती । ९६ नर्मदा । ९७ यमुना । ९८ कमला । ९९ सिद्धपीठ । १०० कीर्ति । इति मंगलानि ।

२३) C १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश । ४ स्कन्द । ५ आदित्य । ६ लोकपाल । ७ अग्निपाल । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रहण । १४ गांधर्व । १५ चंद्र । १६ विनायक । १७ ज्योति । १८ तीर्थाधि । १९ धर्मशास्त्र । २० वेद । २१ पद्म । २२ पर्वत । २३ कौस्तुभ । २४ कांचन । २५ भूमि । २६ रूप्य । २७ ताम्र । २८ घृत । २९ मद्य । ३० मधु । ३१ सिद्धान्त । ३२ चंद्रन । ३३ श्वेतवस्त्र । ३४ वेद्या । ३५ गौरोचन । ३६ मृत्तिका । ३७ गोमय । ३८ वस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषध ।

४१ रत्न । ४२ अन्न । ४३ मोदक । ४४ शङ्ख । ४५ प्रियङ्गु । ४६ वाक् । ४७ श्वेतपुष्प ।  
 ४८ सर्पप । ४९ दधि । ५० दूर्वा । ५१ अक्षत । ५२ उर्द्वर । ५३ आम्र । ५४ छत्र ।  
 ५५ वाद्य । ५६ दर्भ । ५७ हस्ति । ५८ वाजि । ५९ मुक्ताफल । ६० खंजरीट ।  
 ६१ वृषभ । ६२ राजहंस । ६३ कन्या । ६४ दर्पण । ६५ दीप । ६६ अंकुश ।  
 ६७ गोसवत्सा । ६८ आर्द्रमांस । ६९ रेणु । ७० घीणा । ७१ घ्वनि । ७२ सिंह ।  
 ७३ मेघ । ७४ स्वस्तिक । ७५ तोरण । ७६ कुंभ । ७७ चामर । ७८ विद्युत् ।  
 ७९ गीत । ८० मत्स्य । ८१ स्त्रीपुरुष । ८२ सपुत्रा स्त्री । ८३ वाहन । ८४ विद्या ।  
 ८५ पानीप । ८६ पुष्टि । ८७ तुष्टि । ८८ पूर्णकलश । ८९ प्रसाद । ९० उल्लोच ।  
 ९१ मंदिर । ९२ शय्या । ९३ पूर्णपात्र । ९४ आर्द्रशाक । ९५ पिप्पलपत्र । ९६ गंगा ।  
 ९७ यमुना । ९८ श्रीवृक्ष । ९९ पूजाविधि । १०० निधि । १०१ सिद्धि । १०२ जीति ।  
 १०३ कीर्ति । १०४ गौरी । १०५ यशश्चेति ।

२३) E १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महाेश्वर । ४ चंद्र । ५ सूर्य । ६ लोकपाल ।  
 ७ अग्निपाल । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रहण ।  
 १४ गंधर्वे । १५ नायक । १६ स्वज्योतिष । १७ तीर्थ । १८ द्विजवर । १९ धर्मशास्त्रविद् ।  
 २० सन्नपथ । २१ कौस्तुभ । २२ कांचन । २३ रूप्य । २४ ताम्र । २५ मधु ।  
 २६ मद्य । २७ सिद्धान्त । २८ चंद्रन । २९ श्वेतवस्त्र । ३० वेश्या । ३१ गोरोचन ।  
 ३२ मृत्तिका । ३३ गोमय । ३४ शास्त्र । ३५ भाजन । ३६ ओषधी । ३७ कमल ।  
 ३८ मद्य । ३९ शय्या । ४० पोत । ४१ प्रियवाक्य । ४२ प्रीति । ४३ रत्न । ४४ मणिशाला ।  
 ४५ मोदक । ४६ शंख । ४७ प्रियंगु । ४८ वच्चा । ४९ श्वेतपुष्प । ५० सर्पप । ५१ दधि ।  
 ५२ दूर्वा । ५३ अक्षत । ५४ चंद्रन । ५५ चंद्रन । ५६ माला । ५७ उर्द्वर ।  
 ५८ आम्र । ५९ छत्र । ६० वादित्र । ६१ हस्ति । ६२ वीजपूर । ६३ मुक्ताफल ।  
 ६४ खंजरीट । ६५ वृषभ । ६६ हंस । ६७ कन्या । ६८ दर्पण । ६९ पीठ । ७० कुश ।  
 ७१ तुरंगम । ७२ गीत । ७३ वेणु । ७४ सिंह । ७५ मेघ । ७६ मेघ । ७७ स्वस्तिक ।  
 ७८ तोरण । ७९ कुंभ । ८० चामर । ८१ सवत्सा गौ । ८२ आर्द्रमांस । ८३ स्त्रीपुत्र ।  
 ८४ वाहन । ८५ विप्रदान । ८६ विद्या । ८७ आर्द्रामलक । ८८ आमिष । ८९ पिप्पल ।  
 ९० श्रीवृक्ष । ९१ तालवृक्ष । ९२ पूजा । ९३ निधि । ९४ नगरनायक । ९५ गौरी ।  
 ९६ गंगा । ९७ सरस्वती । ९८ यमुना । ९९ नर्मदा । १०० प्रसिद्धा । १०१ कीर्तय-  
 श्चेति मंगलम् ।

२३) F १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महाेश्वर । ४ वीतराग । ५ स्कन्द । ६ आदित्य ।  
 ७ लोरुपाल । ८ गान्धर्वे । ९ चंच । १० विनायक । ११ ज्योतिष्क । १२ तीर्थ ।  
 १३ द्विज । १४ धर्मशास्त्र । १५ वेदशास्त्र । १६ पुराण । १७ पद्म । १८ पर्येक ।  
 १९ कौस्तुभ । २० कांचन । २१ रूप्य । २२ ताम्र । २३ घृत । २४ मद्य । २५ मधु ।  
 २६ सिद्धान्त । २७ श्वेतांबर । २८ गोरोचन । २९ मृत्तिका । ३० अग्नि । ३१ अमर ।  
 ३२ सागर । ३३ नदी । ३४ पर्वत । ३५ गगन । ३६ ग्रहण । ३७ गोमय ।  
 ३८ शस्त्र । ३९ अंजन । ४० ओषधीरत्न । ४१ मनशाला । ४२ मोदक । ४३ संस्क ।  
 ४४ वाजि । ४५ प्रियंगु । ४६ श्वेतपुष्प । ४७ सर्पप । ४८ दधि । ४९ दूर्वा ।  
 ५० अक्षत । ५१ आम्र । ५२ उदुम्बर । ५३ छत्र । ५४ वाजि । ५५ दर्भ ।  
 ५६ हस्ति । ५७ वीजपूर । ५८ मुक्ताफल । ५९ खंजरीट । ६० वृषभ । ६१ राजहंस ।

६२ कन्या । ६३ दर्पण । ६४ प्रदीप । ६५ अंकुश । ६६ तुरंग । ६७ गीत ।  
 ६८ वेणु । ६९ घीणा । ७० घ्वनि । ७१ भूमि । ७२ सह । ७३ मेघ । ७४ स्वस्तिक ।  
 ७५ तोरण । ७६ कुम्भ । ७७ चमर । ७८ सवैत्य । ७९ गौ । ८० आर्द्रमांस ।  
 ८१ स्त्रीपुरुषजुग्म । ८२ वाहन । ८३ प्रदान । ८४ विद्या । ८५ पानीय । ८६ तुष्टि ।  
 ८७ पुष्टि । ८८ प्रसाद । ८९ उल्लास । ९० मदिरा । ९१ सैन्य । ९२ घोर्णपात्र ।  
 ९३ आर्द्रशाक । ९४ पिप्पलपत्र । ९५ धीवृक्ष फल । ९६ तालवृक्ष । ९७ पूजा ।  
 ९८ निधि । ९९ गौरी । १०० गंगा । १०१ सरस्वती । १०२ नर्मदा । १०३ यमुना ।  
 १०४ तती । १०५ गोदावरी । १०६ सिद्धि । १०७ प्रीति । १०८ कीर्त्तयश्चेति ।

२३) G १ ब्रह्मा । २ विष्णु । ३ महेश्वर । ४ स्कन्द । ५ आदित्य । ६ लोकपाल ।  
 ७ अग्नि । ८ अमर । ९ सागर । १० नदी । ११ पर्वत । १२ गगन । १३ ग्रह ।  
 १४ गण । १५ गंधर्वे । १६ चंद्र । १७ विनायक । १८ ज्योतिष । १९ धर्म ।  
 २० शास्त्र । २१ द्विजवर । २२ वेद । २३ पद्म । २४ प्रदीप । २५ कौस्तुभ ।  
 २६ कांचन । २७ रूप्य । २८ ताम्र । २९ घृत । ३० मधु । ३१ मद्य । ३२ सिद्धांत ।  
 ३३ चंदन । ३४ सितवस्त्र । ३५ घेद्या । ३६ रोचना । ३७ मृत्तिका । ३८ गोमय ।  
 ३९ शस्त्र । ४० अंजन । ४१ औषध । ४२ अक्षत । ४३ रत्नमणि । ४४ मोदक ।  
 ४५ शंस । ४६ प्रियंगु । ४७ जय । ४८ श्वेतपुष्प । ४९ सर्पप । ५० दधि ।  
 ५१ आम्र । ५२ उदुम्बर । ५३ छत्र । ५४ चादित्र । ५५ हस्ति । ५६ बीजपूरक ।  
 ५७ मुक्ताफल । ५८ दूर्वा । ५९ खंजरीट । ६० घृपम । ६१ ध्वज । ६२ हंस ।  
 ६३ कन्या । ६४ दर्पण । ६५ मत्स्य । ६६ तुरंगम । ६७ गीत । ६८ घीणा ।  
 ६९ घ्वनि । ७० सिंह । ७१ मेघ । ७२ स्वस्ति । ७३ तोरण । ७४ कुम्भ । ७५ चामर ।  
 ७६ गौ । ७७ सवत्सा । ७८ आर्द्र । ७९ मांस । ८० स्त्री सपुत्रा । ८१ वाहन ।  
 ८२ प्रदान । ८३ विद्या । ८४ पानीय । ८५ पुष्टि । ८६ तुष्टि । ८७ प्रसाद ।  
 ८८ उल्लोच । ८९ पूर्णपात्र । ९० आर्द्रशाखा । ९१ प्रियवाक्य । ९२ धीवृक्ष ।  
 ९३ तालवृत्त । ९४ पूजानिधि । ९५ नरसहस्र । ९६ गौरी । ९७ गंगा । ९८ सरस्वती ।  
 ९९ नर्मदा । १०० यमुना । १०१ कमला । १०२ सिद्धपीठकीर्त्ति । इति मंगलानि ।

\*

## २४. त्रिविधं दानम् ।

१ अभयदान । २ उपकारदान । ३ द्रव्यदान । इति दानानि ।

२४) C adds चेति after दानानि ।

D अभयदान । पूर्णदान । उपायकरदान ।

E द्रव्यविधादिदानं ।

L अभय उपकारद्रव्य ।

\*

## २५. पञ्चविधं यशः ।

१ ज्ञानकृत । २ प्रतापकृत । ३ पराक्रमकृत । ४ सदाचारकृत ।  
 ५ रूपकृत । इति ।

- २५) A १ ज्ञानकृतयशः । २ प्रतापयशः । ३ पराक्रमयशः । ४ सदाचारयशः । ५ वर्णन ।  
 B १ ज्ञानकृतयशः । २ प्रतापयशः । ३ सदाचारयशः । ४ पराक्रमयशः । ५ वर्णन ।  
 C १ ज्ञानकृतं । २ प्रतापकृतं । ३ पराजयकृतं । ४ जन्मकृतं । ५ सदाचार-  
 वर्तितमिति ।  
 D १ जनतन्वतां यशः । २ प्रतापः । ३ कीर्ति । ४ पराक्रमः । ५ रूपसदाचार-  
 वर्णकृतश्चेति ।  
 E १ जन्मरूपं । २ बालकृतं । ३ प्रतापकृतं । ४ कीर्तिरूपं । ५ पराक्रमरूपं ।  
 G १ ज्ञानकृतयशः । २ प्रतापयशः । ३ पराक्रमयशः । ४ सदाचारयशः । वर्णन ।

\*

### २६. सप्तविधा कीर्तिः ।

- १ दानकीर्ति । २ पुण्यकीर्ति । ३ काव्यकीर्ति । ४ वक्तृत्वकीर्ति ।  
 ५ वर्तनकीर्ति । ६ शौर्यकीर्ति । ७ विद्वज्जनकीर्ति । इति ।

- २६) AB १ दानकीर्ति । २ पुण्य । ३ वर्तन । ४ विद्वान् । ५ काव्य । ६ वक्तृत्व ।  
 D १ दानकीर्तिः । २ पुण्यकीर्ति । ३ विद्वज्जनकीर्ति । ४ वक्तृत्वकीर्ति ।  
 ५ काव्यकीर्ति । ६ वर्तनकीर्ति । ७ शौर्यकीर्ति ।  
 E १ दानकीर्ति । २ पुण्यकीर्ति । ३ विद्वज्जनसंगतिकीर्ति । ४ वक्तृत्वकीर्ति ।  
 ५ काव्यवर्तन । ६ शौर्य । ७ गीतिकीर्तिश्चेति ।  
 F १ दानकीर्ति । २ पुण्यकीर्ति । ३ द्विविधजनकीर्ति । ४ वक्तृत्वकीर्ति ।  
 ५ काव्यकीर्ति । ६ आवर्तनकीर्ति । ७ शौर्यकीर्तिः ।  
 G १ दानकीर्ति । २ पुण्य । ३ वर्तन । ४ विद्वान् । ५ काव्य । ६ वक्तृत्व ।

\*

### २७. नव रसाः ।

- १ शृङ्गार । २ हास्य । ३ करुण । ४ रौद्र । ५ वीर । ६ भयानक ।  
 ७ वीभत्स । ८ अद्भुत । ९ शान्तः—इति रसाः ।

- 1 A B D G अष्टौ रसाः ।  
 E नव नाट्यरसाः ।  
 C omits this Sūtra and Vivaraṇa.  
 2 AB शान्तरसः ।  
 D शान्ताश्च ।  
 E शांत इति ।  
 F शांत नवधा रसाः ।

\*

२८. एकोनपञ्चाशद् भावाः ।

१ रति । २ हास्य । ३ उत्साह । ४ विस्मय । ५ क्रोध । ६ शोक ।  
 ७ जुगुप्सा । ८ भय । ९ स्तम्भ । १० स्वरभेद । ११ स्वेद । १२ रोमांच ।  
 १३ वेपथु । १४ विवर्ण । १५ अश्रु । १६ प्रलय । १७ निर्वेद ।  
 १८ ग्लानि । १९ शंका । २० असूया । २१ मूढ । २२ श्रम ।  
 २३ आलस्य । २४ दैन्य । २५ चिंता । २६ मोह । २७ स्मृति ।  
 २८ धृति । २९ क्रीडा । ३० चपलता । ३१ जडता । ३२ आवेश ।  
 ३३ हर्ष । ३४ विवाद । ३५ असुख । ३६ गर्व । ३७ अपस्मार ।  
 ३८ निद्रा । ३९ सुप्ता । ४० विबोध । ४१ अवभिषा(?हित्य) ।  
 ४२ उग्रता । ४३ उन्माद । ४४ मति । ४५ व्याधि । ४६ विरक्त ।  
 ४७ वितर्क । ४८ त्रास । ४९ मरण । इति ।

२८) AB १ रति । २ हास्य । ३ उत्साह । ४ विस्मय । ५ क्रोध । ६ शोक ।  
 ७ जुगुप्सा । ८ भय । ९ स्तम्भ । १० स्वेद । ११ स्ववृत्ति । १२ व्रीडा । १३ चपलता ।  
 १४ हर्षता । १५ जडता । १६ मति । १७ मूढ । १८ आवेग । १९ विषाद ।  
 २० औत्सुक्य । २१ गर्व । २२ अपस्मार । २३ निद्रा । २४ सुप्त । २५ विबोध ।  
 २६ अमर्ष । २७ उन्माद । २८ उग्रता । २९ व्याधि । ३० वितर्क । ३१ त्रास ।  
 ३२ स्वरभेद । ३३ रोमांच । ३४ वेपथु । ३५ वैचर्य्य । ३६ अश्रु । ३७ निर्वेद ।  
 ३८ ग्लानि । ३९ शंका । ४० श्रम । ४१ आलस्य । ४२ दैन्य । ४३ चिंता ।  
 ४४ मोह । ४५ स्मृति । ४६ अवहित्य । ४७ विदाघ । ४८ प्रलाप । ४९ मरणांत ।  
 इति भावाः ।

२८) C १ रति । २ हास्य । ३ उत्साह । ४ विस्मय । ५ शोक । ६ क्रोध ।  
 ७ ग्लानि । ८ शंका । ९ श्रम । १० आलस्य । ११ चिंता । १२ मोह । १३ स्मृति ।  
 १४ धृति । १५ क्रीडा । १६ चपलता । १७ जडता । १८ हर्ष । १९ आवेश ।  
 २० विषाद । २१ असुख । २२ गर्व । २३ अपस्मार । २४ निद्रा । २५ स्वपन ।  
 २६ बोध । २७ अमर्ष । २८ उग्रता । २९ उन्माद । ३० मति । ३१ व्याधि ।  
 ३२ निरक्ति । ३३ वितर्क । ३४ संतोष । ३५ विचार । ३६ विघ्नस । ३७ विश्लेष ।  
 ३८ विपत्ति । ३९ व्यावृत्ति । ४० प्रदंसा । ४१ कादण्य । ४२ दंभ । ४३ मान ।  
 ४४ उद्योत । ४५ नीरसता । ४६ तितिक्षा । ४७ त्रास । ४८ मरण । चिति ।

२८) E १ रति । २ हास्य । ३ शोक । ४ क्रोध । ५ उत्साह । ६ भय । ७ जुगुप्सा ।  
 ८ विस्मय । ९ श्रम । १० स्तम्भ । ११ स्वेद । १२ स्वरभेद । १३ रोमांच । १४ वेपथु ।  
 १५ विवर्ण । १६ अश्रु । १७ प्रलाप । १८ निर्वेद । १९ ग्लानि । २० शंका । २१ अघ्या ।

२२ मद । २३ प्रमोद । २४ आश्रम । २५ आलस । २६ दैन्य । २७ चिंता । २८ मोह ।  
२९ स्मृति । ३० धृति । ३१ क्रीडा । ३२ चपलता । ३३ जडता । ३४ हर्ष । ३५ मति ।  
३६ मूढ । ३७ आवेश । ३८ विपाद । ३९ आसुख । ४० औत्सुक्य । ४१ गर्व ।  
४२ अपसार । ४३ निद्रा । ४४ स्वप्न । ४५ विवोध । ४६ अमर्ष । ४७ उत्सर्गः ।

२८) F १ रति । २ हास । ३ शोक । ४ क्रोध । ५ उत्साह । ६ भय । ७ जुगुप्सा ।  
८ विस्मय । ९ स्तम्भ । १० स्वेद । ११ स्वरमेदाः । १२ रोमाञ्चाः । १३ वेपथु ।  
१४ विवर्णता । १५ अश्रु । १६ प्रलाप । १७ निर्वेद । १८ ग्लानि । १९ शंका । २० असूया ।  
२१ आश्चर्य । २२ आलस्य । २३ देह्य । २४ चिंता । २५ दैन्य । २६ अशौच । २७ मद ।  
२८ श्रम । २९ मोह । ३० स्मृति । ३१ धृति । ३२ क्रीडा । ३३ च[प]लता । ३४ जडता ।  
३५ हर्ष । ३६ आवेश । ३७ विपाद । ३८ असुख । ३९ गर्व । ४० उत्सुक्य । ४१ अपसार ।  
४२ निद्रा । ४३ स्वप्न । ४४ विवोध । ४५ अमर्ष । ४६ उग्रता । ४७ उन्माद । ४८ मति ।  
४९ व्याधि । ५० रक्त । ५१ वितर्क । ५२ त्रास । ५३ मरणं । चेति ।

२८) G १ रति । २ हास । ३ उत्साह । ४ विस्मय । ५ क्रोध । ६ शोक ।  
७ जुगुप्सा । ८ भय । ९ स्तम्भ । १० स्वेद । ११ स्ववृत्ति । १२ क्रीडा । १३ चपलता ।  
१४ हर्षता । १५ जडता । १६ मतिमूढ । १७ आवेग । १८ विपाद । १९ औत्सुक्य ।  
२० गर्व । २१ अपसार । २२ निद्रा । २३ सुप्त । २४ विवोध । २५ अमर्ष । २६ उन्माद ।  
२७ उग्रता । २८ व्याधि । २९ रक्त । ३० तर्क । ३१ त्रास । ३२ स्वरमेद । ३३ रोमांच ।  
३४ वेपथु । ३५ वैवर्ण्य । ३६ अश्रु । ३७ प्रलाप । ३८ निर्वेद । ३९ ग्लानि । ४० शंका ।  
४१ श्रम । ४२ आलस्य । ४३ दैन्य । ४४ चिंता । ४५ मोह । ४६ स्मृति । ४७ अवहित्य ।  
४८ विदाघ । ४९ मरणांत । इति भाषाः ।

\*

२९. \* चत्वारोऽभिनयाः ।

\*

३०. चेतस्रो वृत्तयः ।

१ सात्त्वती । २ भारती । ३ कैशिकी । ४ आरभटी । इति ।

- ३०) A १ सात्त्वती । २ भारती । ३ कैशिकी । ४ आरभटी ।  
B १ सात्त्वती । २ भारती । ३ कौशिकी । ४ आरभटी ।  
G १ भारती । २ सात्त्वती । ३ कौशिकी । ४ आरभटी चेति ।  
D १ सात्त्विकी । २ भारती । ३ कैशिकी । ४ आरभटी चेति ।  
E १ भारती । २ सात्त्वती । ३ कौशिकी । ४ आरभटी ।  
F १ भारती । २ सात्त्विकी । ३ कौशिकी । ४ आरभटी ।  
G १ सात्त्वती । २ भारती । ३ कौशिकी । ४ आरभटी ।

\* There is no Vivarana of this sūtra given in the Mss. though the sūtra is mentioned in the contents.

1 E drops चत्वारो वृत्तयः ।



३१. चत्वारो महानायकाः ।

१ धीरोद्धत । २ धीरोदात्त । ३ धीरललित । ४ धीरशान्त । इति ।

३१) A १ धीर । २ धीरोदात्त । ३ धीरललित । ४ उद्धत ।

B १ धीर । २ उद्धत । ३ धीरोदात्त । ४ धीरललित ।

C 1 gives no Vivaraṇa

DEF १ धीरोद्धत । २ धीरोदात्त । ३ धीरललित । ४ धीरोपशांत ।

G १ धीर । २ उद्धत । ३ धीरोदात्त । ४ धीरललित ।

\*

३२. चत्वारो नायकाः ।

१ अनुकूल । २ दक्षिण । ३ शठ । ४ घृष्ट । इति ।

३२) C १ अनुकूल । २ दक्षिण । ३ घृष्ट । ४ पडश्च ।

D १ दक्षिणः । २ अनुकूल । ३ शिव । ४ घृष्टश्चेति ।

E १ दक्ष । २ अनुकूल । ३ शठ । ४ घृष्टश्चेति ।

F १ अनुकूल । २ दक्ष । ३ शत । ४ घृष्टश्चेति ।

\*

३३. द्वात्रिंशद् नायकगुणाः ।

१ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्थ । ४ शूरवान् । ५ संततव्यय ।  
६ प्रीतिवान् । ७ सुराग । ८ सावयववान् । ९ प्रियंवद । १० कीर्ति-  
वान् । ११ त्यागी । १२ विवेकी । १३ शृङ्गारवान् । १४ अभिमानी ।  
१५ श्लाघ्यवान् । १६ समुज्ज्वलवेषः । १७ सकलकलाकुशल ।  
१८ सत्यवंत । १९ प्रिय । २० अवदान । २१ सुजन । २२ सुगंध ।  
२३ सुवृत्तमंत्र । २४ क्लेशसह । २५ प्रदञ्चपथ्यः । २६ पंडित ।  
२७ उत्तमसत्य । २८ धर्मिष्ठमहोत्साही । २९ गुणग्राही । ३० सुपात्र-  
ग्राही । ३१ क्षमी । ३२ परिभावक । इति ।

1 A G °नायक ।

B °नायिक ।

2 G नायिकाः

3 A द्वात्रिंशद्गुणनायकः । E द्वात्रिंशद्गुणो नायकः । F द्वात्रिंशद्गुणो नायकः ।

३३) A १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ स्वतंत्र । ६ सावयव । ७ प्रीतिमान् । ८ प्रियंवद् । ९ सुभग । १० सत्यवान् । ११ कीर्तिवान् । १२ त्यागी । १३ विवेकी । १४ शृङ्गारी । १५ अभिमानी । १६ श्लाघावान् । १७ समुज्ज्वलवेष । १८ शयाही । १९ सकलकलाकुशल । २० सत्यासवह । २१ श्रद्धधान । २२ सुगंध । २३ सुवृत्त । २४ मंत्र । २५ क्लेशसह । २६ भाषापंडित । २७ उत्तमसत्य । २८ धर्मिष्ठ । २९ महोत्साह । ३० गुणग्राही । ३१ कृ(क्ष)मी । ३२ परिभाषुक ।

३३) B १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ स्वतंत्र । ६ सावयव । ७ प्रीतिमान् । ८ प्रियंवद् । ९ सुभग । १० सत्यवान् । ११ कीर्तिमान् । १२ त्यागी । १३ विवेकी । १४ शृङ्गारी । १५ अभिमानी । १६ श्लाघवान् । १७ समुज्ज्वलवेषः । १८ शयाघ्न । १९ सकलकलाकुशल । २० सत्यासवह । २१ श्रद्धावान् । २२ सुगंध । २३ सुवृत्त । २४ मंत्र । २५ क्लेशसह । २६ भाषापंडित । २७ उत्तमसत्य । २८ धर्मिष्ठ । २९ महोत्साह । ३० गुणग्राही । ३१ क्षमी । ३२ परिभाषुकः ।

३३) E १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ प्रियंवद् । ६ संततव्यय । ७ प्रीतमना । ८ सुभग । ९ विनयवान् । १० त्यागी । ११ विवेकी । १२ शृङ्गारवान् । १३ अभिमान । १४ श्लाघ्य । १५ समुज्ज्वलवेष । १६ सकलकलाकुशल । १७ सत्यवान् । १८ प्रियः । १९ सुवृत्तः । २० अग्रदात । २१ स्वजन । २२ सुहृद् । २३ [श्रद्]धान । २४ सुगंधप्रिय । २५ मंत्रवान् । २६ क्लेशसह । २७ प्रदत्ता । २८ प्रकाशकः । २९ पंडित । ३० उत्तम । ३१ ससत्त्व । ३२ धार्मिक । ३३ महोत्साही । ३४ गुणग्राही । ३५ क्षमा[वान्] । ३६ परिभाषिकश्चेति ।

३३) F १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ संततव्ययी । ६ प्रतिभावान् । ७ सुभग । ८ विनयवान् । ९ कीर्तिमान् । १० त्यागी । ११ विवेकी । १२ शृङ्गारी । १३ अभिमानी । १४ श्लाघावान् । १५ समुज्ज्वलवेष । १६ सकलकलाकुशल । १७ सत्यवान् । १८ प्रिय । १९ अग्रदान । २० स्वजनप्रियः । २१ सुगंधप्रियः । २२ सुवृत्त । २३ मंत्रवान् । २४ क्लेशापहारी । २५ प्रदत्ताप्रकाशकः । २६ पंडितसत्तम । २७ उत्तमसत्तम । २८ धार्मिक । २९ महोत्साही । ३० गुणग्राही । ३१ क्षमी । ३२ परिभावकश्चेति ।

३३) G १ कुलीन । २ शीलवान् । ३ वयस्य । ४ शौचवान् । ५ स्वतंत्र । ६ सावयव । ७ प्रीतिमान् । ८ प्रियंवद् । ९ सुभग । १० सत्यवान् । ११ त्यागी । १२ विवेकी । १३ शृङ्गारी । १४ अभिमानी । १५ श्लाघावान् । १६ समुज्ज्वलवेष । १७ शयाही । १८ सकलकलाकुशल । १९ सत्यासवह । २० श्रद्धधान । २१ सुगंध । २२ सुवृत्त । २३ मंत्र । २४ क्लेशसह । २५ भाषापंडित । २६ उत्तमसत्य । २७ धर्मिष्ठ । २८ महोत्साह । २९ गुणग्राही । ३० क्षमी । ३१ परिभाषुक ।

#

३४. त्रिविधा महानायिकाः ।

१ स्वकीया । २ परकीया । ३ पण्याङ्गना । इति ।

#

३५ अष्टौ नायिकाः ।

१ वासकसज्जा । २ विरहोत्कण्ठिता । ३ खण्डिता । ४ विप्रलब्धा ।  
५ प्रोपितभर्तृका । ६ कलहांतरिता । ७ अभिसारिका । ८ स्वाधीन-  
भर्तृका । इति ।

३५) A B १ विरहोत्कण्ठिता । २ खण्डिता । ३ कलहांतरिता । ४ विप्रलुब्धा (?ब्धा) ।  
५ प्रोपितभर्तृका । ६ अभिसारिका । ७ स्वाधीनपतिता ।

३५) C १ वासकसज्जा । २ खंडिता । ३ उत्कण्ठिता । ४ कलहांतरिता ।  
५ विप्रलब्धा । ६ प्रोपितभर्तृका । ७ अभिसारिका । ८ स्वाधीनपतिता चेति ।

३५) D १ वासकसज्जा । २ विरहोत्कण्ठिता । ३ खंडिता । ४ विप्रलंभा ।  
५ प्रोपितभर्तृका । ६ कलहांतरिता । ७ अभिसारिका । ८ स्वाधीनभर्तृका चेति ।

\*

३६. द्वात्रिंशद् नायिकानां गुणाः ।

१ सुररूपा । २ सुभगा । ३ सुवेपा । ४ सुरतप्रवीणा । ५ सुनेत्रा ।  
६ सुखाश्रया । ७ विभोगिनी । ८ विचक्षणा । ९ प्रियभाषिणी ।  
१० प्रसन्नमुखी । ११ पीनस्तनी । १२ चारुलोचना । १३ रसिका ।  
१४ लज्जान्विता । १५ लक्षणयुता । १६ पठितज्ञा । १७ गीतज्ञा ।  
१८ वाद्यज्ञा । १९ नृत्यज्ञा । २० सुप्रमाणशरीरा । २१ सुगंधप्रिया ।  
२२ नातिमानिनी । २३ चतुरा । २४ मधुरा । २५ स्नेहमती ।  
२६ विमर्षमती । २७ गूढमंत्रा । २८ सत्यवती । २९ कलावती ।  
३० शीलवती । ३१ प्रज्ञावती । ३२ गुणान्विता । इति ।

३६) AB १ सुररूपा । २ सुवेपा । ३ सुभगा । ४ सुरतप्रवीणा । ५ सुसत्या ।  
६ विप (?सुर)श्रिता । ७ विनीता । ८ भोगिनी । ९ विचक्षणा । १० प्रियभाषिणी ।  
११ प्रसन्नमुखी । १२ पीनस्तनी । १३ चारुलोचना । १४ रसिका । १५ लज्जान्विता ।  
१६ लक्षणयुता । १७ वाक्यज्ञा । १८ गीतज्ञा । १९ नृत्यज्ञा । २० वाद्यज्ञा ।

1 A B G नायिकाः ; C D E नायकाः ।

2 F स्वाधीनपतिता ।

3 A B द्वात्रिंशद्गुणनायिकाः ; CD द्वात्रिंशद्गुणनायकाः ; E द्वात्रिंशद्गुणनायिकानां  
गुणाः ; G द्वात्रिंशद्गुणनायिका ।

२१ सुप्रमाणशरीरा । २२ सुगंधप्रिया । २३ नातिमानिनी । २४ चतुरा । २५ मधुरा ।  
२६ स्नेहवती । २७ विमर्शयती । २८ सुवृतमंत्रा । २९ सत्यवती । ३० प्रज्ञावती ।  
३१ चैतन्या । ३२ शीलवती । ३३ गुणान्विता ।

३६) C १ कुलिना । २ शीलवती । ३ वयस्थिनी । ४ प्रियंवदा । ५ श(?)मि)तव्यया ।  
६ प्रीतिमति । ७ सुभगा । ८ सुसत्त्वा । ९ सुवेपा । १० सुविनीता । ११ सुरतप्रवीणा ।  
१२ चारुनेत्रा । १३ सुखप्रिया । १४ विभोगिनी । १५ विचक्षणा । १६ प्रियभापिणी ।  
१७ प्रसन्नमुखी । १८ पीनस्तनी । १९ रसिका । २० लज्जान्विता । २१ लक्षणयुक्ता ।  
२२ पठितज्ञा । २३ गीतज्ञा । २४ नृत्यज्ञा । २५ वि(?)वा)घज्ञा । २६ सुकुमारशरीरा ।  
२७ सुगंधप्रिया । २८ नातिमानिनी । २९ स्नेहवती । ३० गुणान्विता । चेति ।

३६) E १ कुष्टि(?)लि)नी । २ सुरूपा । ३ सुभगा । ४ समर्था । ५ सुवेपा ।  
६ सुविनीता । ७ सुरतप्रवीणा । ८ चारुनेत्रा । ९ सुखप्रिया । १० विभोगिनी ।  
११ विचक्षणा । १२ प्रियभापिणी । १३ प्रसन्नमुखी । १४ पीनस्तनी । १५ रसिका ।  
१६ लज्जान्विता । १७ लक्षणयुक्ता । १८ पठितज्ञा । १९ गीतज्ञा । २० वाद्यज्ञा ।  
२१ नृत्यज्ञा । २२ सुकुमारशरीरा । २३ सुगंधप्रिया । २४ नातिमानिनी ।  
२५ मधुरवाक्या । २६ स्नेहवती । २७ आचारवती । २८ रूपवती । २९ संभोगवती ।  
३० गुणवती । ३१ मुदीला । ३२ धर्मज्ञा । चेति ।

३६) F १ कुलीना । २ सुभगा । ३ स्वरूपा । ४ सुसत्त्वा । ५ सुवेपा । ६ सुविनीता ।  
७ सुरत्न(?)त)प्रवीणा । ८ चारुनेत्रा । ९ सुखप्रिया । १० विभोगिनी । ११ विचक्षणा ।  
१२ प्रियभापिणी । १३ प्रसन्नमुखी । १४ पीनस्तनी । १५ रसिका । १६ लज्जान्विता ।  
१७ लक्षणयुक्ता । १८ गीतज्ञा । १९ वाद्यज्ञा । २० नृत्तज्ञा । २१ सुकुमारशरीरा ।  
२२ सुगंधप्रिया । २३ नातिमानिनी । २४ मधुरवाक्या । २५ स्नेहवती ।  
२६ ईर्ष्यारहिता । २७ सत्यवती । २८ शीलवती । २९ प्रज्ञावती । ३० सुसंवृत्तशरीरा ।  
३१ गुणान्विता । चेति ।

३६) G १ सुरूपा । २ सुवेपा । ३ सुभगा । ४ सुरतप्रवीणा । ५ सुसत्त्वा ।  
६ विप(?)सुख)ध्रता । ७ विनीता । ८ भोगिनी । ९ विचक्षणा । १० प्रियभापिणी ।  
११ प्रसन्नमुखी । १२ पीनस्तनी । १३ चारुलोचना । १४ रसिका । १५ लज्जान्विता  
लक्षणयुक्ता । १६ वाक्यज्ञा । १७ गीतज्ञा । १८ नृत्यज्ञा । १९ वाद्यज्ञा । २० सुप्रमाणशरीरा ।  
२१ सुगंधप्रिया । २२ नातिमानिनी । २३ चतुरा । २४ मधुरा । २५ स्नेहवती ।  
२६ विमर्शयती । २७ संवृतमंत्रा । २८ सत्यवती । २९ प्रज्ञावती । ३० चैतन्या ।  
३१ शीलवती । ३२ गुणान्विता ।

\*

३७. त्रिविधं सौख्यम् ।

१ आङ्गिक । २ वाचिक । ३ मानसिक । इति ।

३७) F शारीरं । मानसिकं चेति ।

\*

1 ABG add अथ त्रिविधं ।; F द्विविधं । 2 ABG शारीरिकं ।; E कायिकं ।  
3 AB drop इति ।; CDE मानसिकं चेति ।

३८. चत्वारि सौख्यकारणानि ।

१ योगाभ्यासकारणम् । २ अभिमानकारणम् । ३ सम्प्रत्ययकारणम् ।  
४ विषयकारणम् । इति ।

३९. नवविधो गंधोपयोगः ।

१ तैलाधिवासः । २ जलाधिवासः । ३ वस्त्राधिवासः । ४ मुखाधि-  
वासः । ५ उद्धर्तनाधिवासः । ६ विलेपनाधिवासः । ७ स्नानाधिवासः ।  
८ धूपनाधिवासः । ९ भोजनाधिवासः । इति ।

३९) C १ तैलाधिवास । २ पुष्पवास । ३ मुखवास । ४ जलवास । ५ स्नानवास ।  
६ उद्धर्तनवास । ७ धूपनवास । ८ तांबूलवास । ९ भोजनवास ।

३९) D १ तैलाधिवासे । २ जलाधिवासे । ३ मुखाधिवासे । ४ स्थाने ।  
५ उद्धर्तने । ६ उदके । ७ विलेपने । ८ धूपने । ९ भोजने । चेति ।

३९) E १ तैलाधिवासः । २ जलाधिवासः । ३ सुरभिजलं । ४ उद्धर्तनाधिवासः । ५ धूप ।  
६ तांबूल । ७ भोजनाधिवासः । ८ वस्त्राधिवासः । ९ मुखाधिवासः ।

३९) F १ तैलाधिवासे । २ जलाधिवासे । ३ वस्त्राधिवासे । ४ मुखे । ५ उद्धर्तने ।  
६ स्नाने । ७ विलेपने । ८ धूपने । ९ भोजने । चेति ।

४०. दशविधं शौचम् ।

१ भावशौचं । २ स्नानशौचं । ३ जलशौचं । ४ मृत्तिकाशौचं ।  
५ इमश्रुशौचं । ६ संस्कारशौचं । ७ पवित्रवाक्यं । ८ प्राणिदयाशौचं ।  
९ अर्थशौचं । १० आचारशौचं । इति ।

४०) B १ जलशौचं । २ मृत्तिकाशौचं । ३ गंव । ४ इमश्रु । ५ संस्कार ।  
६ पवित्रवाक्यं । ७ प्राणिदयाशौचं । ८ अर्थशौचं । ९ आचारशौचं ।

४०) C १ भावशौचं । २ मुत्तशौचं । ३ मृत्तिकाशौचं । ४ गंधशौचं । ५ कक्षाशौचं ।  
६ इमश्रुशौचं । ७ स्नानशौचं । ८ नलशौचं । ९ आनल चेति ।

1 A B C D E F omit the Sūtra and its Vivarana.

2 A B G अथ नव ।

3 A B G अथ दश ।

४०) D १ मुखशौच । २ कक्षा । ३ कर । ४ इमथु । ५ जल । ६ मृत्तिका ।  
७ नख । ८ मल । ९ वृत्ति । १० भावशौच ।

४०) E १ मुखशौच । २ स्नानशौच । ३ मृत्तिकाशौच । ४ गंधशौच । ५ कक्षा ।  
६ इमथु । ७ जल । ८ नख । ९ अनिल । १० सर्वशौच । इति दशविधं शौचम् ।

४०) F १ मुखशौच । २ स्नानशौच । ३ मृत्तिका । ४ कक्षा । ५ गंध । ६ म(इम)थु ।  
७ जल । ८ पवित्रभाषण । ९ नख । १० आचारशौच चेति ।

४०) G १ भावशौचं । २ स्नानशौचं । ३ जलशौचं । ४ मृत्तिकाशौचं । ५ गंधइमथु ।  
६ संस्कार । ७ पवित्रवाक्य । ८ प्राणिदयाशौचम् । ९ अर्थशौचम् । १० आचारशौचम् ।

\*

४१. द्विविधः कामः ।

१ स्वाभाविक । २ कृत्रिम । इति ।

\*

४२. दश कामावस्थाः ।

१ अभिलाषा । २ चिंता । ३ स्मृति । ४ गुणकीर्तन । ५ उद्वेग ।  
६ प्रलाप । ७ उन्माद । ८ व्याधि । ९ जडता । १० मरण । इति ।

४२) C १ अभिलाषा । २ चिंता । ३ स्मृति । ४ गुणकीर्तन । ५ उद्वेग ।  
६ उन्माद । ७ व्याधि । ८ जडता । ९ मरणं चेति ।

४२) D १ अभिलाषा । २ चिंता । ३ रस । ४ गुणकीर्तन । ५ उद्वेग । ६ प्रलाप ।  
७ उन्माद । ८ व्याधि । ९ जडता । १० मरणं चेति ।

\*

४३. विंशती रक्तखीणां लक्षणानि ।

१ पूर्वं भाषते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति ।  
४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् प्रच्छा-  
दयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति ।  
१० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेष्टि । १२ प्रोषिते दुर्मना

1 A B G अथ द्वि° ।

2 A G कृत्रिमश्च ।

3 F दशविधा कामावस्था ।

4 D लक्षणस्यानानि ।

भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखा । १७ स्नेहवती । १८ संभोगार्थिनी । १९ सन्मुखावलोकिनी । २० सदा विनीता ।

४३) A B १ पूर्वं भाषते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गयति । १५ पूर्वचुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखावलोकिनी । १७ सदा विनीता । १८ स्नेहवती । १९ संभोगार्थिनी ।

४३) C १ पूर्वं भाषितं । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे पुष्यति । ४ संभाषिता हृष्टा भवति । ५ सखिजने गुणान् कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चाद् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठते । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषयति । १२ प्रोषिते दुर्मना । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ चुम्बनं ददाति । १६ समदुःखा । १७ स्नेहवती । १८ मिष्टान्नं दात्री । १९ सुवेया । २० सुभोगार्थिनी चेति ।

४३) D १ अर्थानुभाषिनी । २ दर्शने प्रसन्ना भवति । ३ समं तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् सुपति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषयति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखा । १७ सन्मुखावलोकिनी । १८ स्नेहवती । १९ संभोगार्थिनी चेति ।

४३) E १ अर्थानुभाषिनी । २ दर्शनात् प्रशान्ता भवति । ३ संतुष्टा इ(तुष्य)ति । ४ संभाषणेन हृष्यति । ५ गुणान् प्रकाशयति । ६ स्तनयोः पीडनं । ७ भूपणोद्घाटनं । ८ हसनं । ९ नूपुरोत्कर्षणं । १० कर्णकङ्कयनं । ११ केशकीर्णं । १२ प्रचारणसंयमनं । १३ सखीजने दोषान् प्रच्छादयति । १४ सन्मुखी शेते । १५ पश्चात् स्वपिति । १६ पूर्वमुत्तिष्ठति । १७ मित्राणि पूजयति । १८ अमित्राणि द्वेषयति । १९ प्रोषिते दुर्मना भवति । २० स्वधनं ददाति । २१ प्रथमे आलिङ्गनं करोति । २२ पूर्वमेव स्ववचनात् भाषयति । २३ चुम्बनं करोति । २४ समदुःखे सदा विनीता । २५ सन्मुख्यावलोकिनी । २६ स्नेहवती । २७ संभोगार्थिनी ।

४३) F १ पूमायात्(र्वं भाषते) । २ दर्शनात् प्रसन्ना भवति । ३ संतुष्टा । ४ संभाषिताद् हृष्यति । ५ गुणान् सखीजनं वदति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात्स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं ददाति । १६ समानदुःखा । १७ विनीता । १८ सन्मुखावलोकिनी । १९ स्नेहवती । २० संभोगार्थिनी चेति ।

४३) G १ पूर्वं भाषते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ सम्भाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखिजने कथयति । ६ दोषान् छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषि । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गयति । १५ पूर्वचुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखावलोकिनी । १७ सदा विनीता । १८ ह्येह्यती । १९ सम्भोगार्थिनी ।

\*

४४. एकविंशतिर्विरक्तस्त्रीणां लक्षणानि ।

१ चुम्बिता विमुखं करोति । २ मुखं परिमार्जयति । ३ निष्ठीवति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वाक्यं नावमन्यते । ८ मित्राणि द्वेषि । ९ अमित्राणि पूजयति । १० सदा गर्विता भवति । ११ उक्ता कुप्यति । १२ गमने तुष्यति । १३ दुष्कृतं स्मरति । १४ सुकृतं विस्मरयति । १५ दत्तं न मन्यते । १६ दोषान् प्रकटीकरोति । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ दुःखिते सुखिता भवति । २० विप्रियं वदति । २१ संभोगे सुखं न वाञ्छति ।

४४) C १ चुम्बने मुखं परिमार्जयति । २ निष्ठीवति । ३ प्रथमं शेते । ४ पश्चादुत्तिष्ठति । ५ सन्मुखी न शेते । ६ मित्राणि द्वेषयति । ७ अमित्राणि पूजयति । ८ गर्विता उत्कथयति । ९ गमने हृष्टा । १० दुष्कृतं स्मरति । ११ सुकृतं विस्मरयति । १२ उक्तं न मन्यते । १३ दोषान् प्रकटीकरोति । १४ गुणान् प्रच्छादयति । १५ सन्मुखं न पश्यति । १६ दुःखिते सानन्दा । १७ अप्रियंवदा । १८ संभोगे सुखं नावगच्छति । १९ कोपमुत्पादयति ।

४४) D १ चुम्बिता विमुखं करोति । २ मुखं च परिमार्जयति । ३ निष्ठीवति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वाचं न मन्यते । ८ मित्राणि द्वेषयति । ९ अमित्राणि पूजयति । १० गर्विता भवति । ११ उक्ता कुप्यते । १२ गमने तुष्यति । १३ दुष्कृतं स्मरयति । १४ सुकृतं विस्मरयति । १५ दत्तं न मन्यते । १६ दोषान् प्रकटीकरोति । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ विप्रियं वदति । २० दुःखिते सुखिता भवति । २१ संभोगेषु सुखं न वाञ्छति ।

४४) E १ मुखं परिमार्जयति । २ निष्ठीवती । ३ प्रथमं शेते । ४ पश्चादुत्तिष्ठति । ५ पराङ्मुखी शेते । ६ मित्राणि द्वेषि । ७ अमित्राणि पूजयति । ८ गर्विता भवति । ९ उक्ता कुप्यति । १० गमने तुष्यति । ११ दुःखिते दुःखिता [न] भवति । १२ विप्रियं



भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखा । १७ स्नेहवती । १८ संभोगार्थिनी । १९ सन्मुखावलोकिनी । २० सदा विनीता ।

४३) A B १ पूर्वं भापते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गयति । १५ पूर्वचुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखावलोकिनी । १७ सदा विनीता । १८ स्नेहवती । १९ संभोगार्थिनी ।

४३) C १ पूर्वं भाषितं । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे पुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ सखिजने गुणान् कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चाद् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठते । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषयति । १२ प्रोषिते दुर्मना । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ चुम्बनं ददाति । १६ समदुःखा । १७ स्नेहवती । १८ मिष्टान्नं दात्री । १९ सुवेपा । २० सुभोगार्थिनी चेति ।

४३) D १ अर्थानुभाषिनी । २ दर्शने प्रसन्ना भवति । ३ समं तुष्यति । ४ संभाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखीजने कथयति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् सुपति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषयति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखा । १७ सन्मुखावलोकिनी । १८ स्नेहवती । १९ संभोगार्थिनी चेति ।

४३) E १ अर्थानुभाषिनी । २ दर्शनात् प्रशान्ता भवति । ३ संतुष्टा इ(तुष्य)ति । ४ संभाषणेन हृष्यति । ५ गुणान् प्रकाशयति । ६ स्तनयोः पीडनं । ७ भूषणोद्घाटनं । ८ हसनं । ९ नूपुरोत्कर्षणं । १० कर्णकङ्कयनं । ११ केशकीर्णं । १२ प्रचारणसंयमनं । १३ सखीजने दोषान् प्रच्छादयति । १४ सन्मुखी शेते । १५ पश्चात् स्वपिति । १६ पूर्वमुत्तिष्ठति । १७ मित्राणि पूजयति । १८ अमित्राणि द्वेषयति । १९ प्रोषिते दुर्मना भवति । २० स्वधनं ददाति । २१ प्रथमं आलिङ्गनं करोति । २२ पूर्वमेव स्ववचनात् भाषयति । २३ चुम्बनं करोति । २४ समदुःखे सदा विनीता । २५ सन्मुखिबलोकिनी । २६ स्नेहवती । २७ संभोगार्थिनी ।

४३) F १ पूमायात्(पूर्वं भापते) । २ दर्शनात् प्रसन्ना भवति । ३ संतुष्टा । ४ संभाषिताद् हृष्यति । ५ गुणान् सखीजनं वदति । ६ दोषान् प्रच्छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात्स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गनं करोति । १५ पूर्वमेव चुम्बनं ददाति । १६ समानदुःखा । १७ विनीता । १८ सन्मुखावलोकिनी । १९ स्नेहवती । २० संभोगार्थिनी चेति ।

४३) G १ पूर्वं भापते । २ दर्शनात्प्रसन्ना भवति । ३ समागमे तुष्यति । ४ सम्भाषिता हृष्यति । ५ गुणान् सखिजने कथयति । ६ दोषान् छादयति । ७ सन्मुखी शेते । ८ पश्चात् स्वपिति । ९ पूर्वमुत्तिष्ठति । १० मित्राणि पूजयति । ११ अमित्राणि द्वेषति । १२ प्रोषिते दुर्मना भवति । १३ स्वधनं ददाति । १४ प्रथममालिङ्गयति । १५ पूर्वचुम्बनं करोति । १६ समदुःखसुखावलोकिनी । १७ सदा विनीता । १८ स्नेहवती । १९ सम्भोगार्थिनी ।

\*

४४. एकविंशतिर्विरक्तस्त्रीणां लक्षणानि ।

१ चुम्बिता विमुखं करोति । २ मुखं परिमार्जयति । ३ निष्ठीवति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वाक्यं नावमन्यते । ८ मित्राणि द्वेषति । ९ अमित्राणि पूजयति । १० सदा गर्विता भवति । ११ उक्ता कुप्यति । १२ गमने तुष्यति । १३ दुष्कृतं स्मरति । १४ सुकृतं विस्मारयति । १५ दत्तं न मन्यते । १६ दोषान् प्रकटीकरोति । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ दुःखिते सुखिता भवति । २० विप्रियं वदति । २१ संभोगे सुखं न वाञ्छति ।

४४) C १ चुम्बने मुखं परिमार्जयति । २ निष्ठीवति । ३ प्रथमं शेते । ४ पश्चादुत्तिष्ठति । ५ सन्मुखी न शेते । ६ मित्राणि द्वेषयति । ७ अमित्राणि पूजयति । ८ गर्विता उत्कथयति । ९ गमने हृष्यति । १० दुष्कृतं स्मरति । ११ सुकृतं विस्मारयति । १२ उक्तं न मन्यते । १३ दोषान् प्रकटीकरोति । १४ गुणान् प्रच्छादयति । १५ सन्मुखं न पश्यति । १६ दुःखिते सानंदा । १७ अप्रियंवदा । १८ संभोगे सुखं नावगच्छति । १९ कोपमुत्पादयति ।

४४) D १ चुम्बिता विमुखं करोति । २ मुखं च परिमार्जयति । ३ निष्ठीवति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ वाक्यं न मन्यते । ८ मित्राणि द्वेषयति । ९ अमित्राणि पूजयति । १० गर्विता भवति । ११ उक्ता कुप्यते । १२ गमने तुष्यति । १३ दुष्कृतं स्मरति । १४ सुकृतं विस्मारयति । १५ दत्तं न मन्यते । १६ दोषान् प्रकटीकरोति । १७ गुणान् प्रच्छादयति । १८ सन्मुखं न पश्यति । १९ विप्रियं वदति । २० दुःखिते सुखिता भवति । २१ संभोगेषु सुखं न वाञ्छति ।

४४) E १ मुखं परिमार्जयति । २ निष्ठीवती । ३ प्रथमं शेते । ४ पश्चादुत्तिष्ठति । ५ पराङ्मुखी शेते । ६ मित्राणि द्वेषति । ७ अमित्राणि पूजयति । ८ गर्विता भवति । ९ उक्ता कुप्यति । १० गमने तुष्यति । ११ दुःखिते दुःखिता [न] भवति । १२ विप्रियं

वदति । १३ संभोगसुखं न धांछति । १४ स्वेच्छया विचरति । १५ दुष्टतं सरति ।  
१६ सुकृतं विसारयति । १७ दत्तं न मन्यते । १८ दोषान् प्रकटीकरोति । १९ गुणान्  
प्रच्छादयति । २० सन्मुखं न पश्यति ।

४४) F १ चुम्बिता परान्मुखी भवति । २ चुम्बितानन्तरं निष्ठीवति । ३ मुखं च  
परिमार्जयति । ४ प्रथमं शेते । ५ पश्चादुत्तिष्ठति । ६ पराङ्मुखी शेते । ७ घचनं  
नावमन्यते । ८ मित्राणि द्वेष्टि । ९ अमित्राणि पूजयति । १० सदैव गर्विता ।  
११ उक्ता कुप्यति । १२ प्रोषिते तुष्यति । १३ दुष्टतं सारयति । १४ सुकृतं विसारयति ।  
१५ दत्तमवमन्यते । १६ दोषान् प्रकटयते । १७ गुणान्प्रच्छादयति । १८ सम्मुखं न पश्यति ।  
१९ दुःखेन दुःखिता न भवति । २० विप्रियं घदति । २१ संभोगं न वद(?)वाञ्छ)ति ।

\*

४५. द्वाविंशतिः कामिनीनां विकारेद्भितानि ।

१ सानुरागनिरीक्षणं । २ श्रवणसंयमनं । ३ अङ्गुलीमोटनं ।  
४ मुद्रिकाकर्षणं । ५ नूपुरोत्कर्षणं । ६ गुप्ताङ्गदर्शनं । ७ सख्या सह  
हसनं । ८ भूपणोद्घाटनं । ९ कर्णमोटनं । १० कर्णकंडूयनं ।  
११ केशप्रकीर्णनं । १२ पुष्पसंयमनं । १३ नखविलेखनम् । १४ परि-  
धानसंयमनं । १५ निश्वासोच्छ्वसनं । १६ प्राग् विजृम्भणं । १७ बाल-  
लिङ्गनं । १८ बालमुखचुम्बनं । १९ प्रियभाषणं । २० परोक्षे नाम-  
कीर्तनम् । २१ अतिक्रान्तप्रेक्षणम् । २२ गुणव्यावर्णनं । इति ।

४५) C १ उच्चैर्निष्ठीवती । २ सानुरागा संयमनं । ३ अङ्गुलीस्फोटनं । ४ मुद्रिका-  
कर्षणं । ५ गुप्ताङ्गदर्शनं । ६ सख्या सह हसनं । ७ नूपुरोत्कर्षणं । ८ स्तनोपपीडनं ।  
९ भूपणोद्घाटनं । १० कर्णकंडूयनं । ११ केशप्रकीर्णनं । १२ परिधानसंयमनं ।  
१३ निश्वासोच्छ्वासनं । १४ वागविजृम्भणं । १५ बालालिङ्गनं । १६ बालमुखचुम्बनं ।  
१७ प्रियभाषणं । १८ अतिक्रान्तप्रेक्षणं । १९ परोक्षनामस्मरणं । २० गुणवर्णनं ।  
२१ विरहवेदना ।

४५) D १ सानुरागनिरीक्षणं । २ श्रवणसंयमनं । ३ अङ्गुलीस्फोटनं । ४ सदा प्रसन्नं ।  
५ मुद्रिकाकर्षणं । ६ गुप्ताङ्गदर्शनं । ७ सख्या सह हसनं । ८ भूपणोद्घाटनं । ९ कर्णोत्कर्षणं ।  
१० कर्णकंडूयनं । ११ केशप्रकीर्णनं । १२ पुष्पसंयमनं । १३ नखविलेखनं ।  
१४ परिधानसंयमनं । १५ निश्वासोच्छ्वसनं । १६ प्राग् विजृम्भणं । १७ बालालिङ्गनं ।  
१८ बालमुखचुम्बनं । १९ प्रियभाषणं । २० परोक्षे नामकीर्तनं ।

1 A G द्वाविंशतिकामिनीनां । 2 B D E द्वाविंशतिकामिनीनां । 3 C अथ द्वाविंशति  
कामिनीनां । 4 ABG मुद्रिका कर्षणं । 5 ABG केशप्रक्षरणम् । 6 ABG omit प्राग् ।  
7 ABG बालचुम्बनं । 8 AB परोक्षे नामग्रहणं । 9 G omits परोक्षे नामकीर्तनम् ।

। ४५) E १ उच्चैर्निष्ठीवती । २ सानुरागनिरीक्षणं । ३ श्रवणसंयमनं । ४ अंगुलीस्फोटनं । ५ मुद्रिकाकर्पणं । ६ गुतांगदर्शनं । ७ परिधानसंयमनं । ८ निश्वासोश्वा(?)च्छ्वासनं । ९ प्राक्(?)विजृम्भणं । १० बालमुखचुम्बनं । ११ प्रियलक्षणं(?)श्लेषणं । १२ अतिक्रान्तप्रेक्षणं । १३ पश्चान्नामस्मरणं ।

४५) F १ सानुरागनिरीक्षणं । २ श्रवणसंयमनं । ३ अङ्गुल्या मोटनं । ४ मुद्रिका-  
कर्पणं । ५ गुताङ्गदर्शनं । ६ सख्या सह हसनं । ७ स्तनोपपीडनं । ८ भूषणोद्घाटनं ।  
९ नूपुरोत्कर्षणं । १० कर्णकण्डूयनं । ११ केशप्रकीर्णनं । १२ प्रावरणसंयमनं ।  
१३ नखविलेखनं । १४ वि(?)निश्वासोच्छ्वासनं । १५ प्राग् विजृम्भणं । १६ बालालिङ्गनं ।  
१७ बालकमुखचुम्बनं । १८ प्रियश्लेषणं । १९ अतिक्रान्तप्रेक्षणं । २० परोक्षे नामस्मरणं ।  
२१ गुणव्यावर्णनं । २२ संभोगवान्छा चेति ।

#

४६. चतुर्विंशतिरसतीनां लक्षणानि ।

१ द्वारदेशे शायिनी । २ पश्चादवलोकिनी । ३ पुंश्चली सखी ।  
४ भोगार्थिनी । ५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्गाश्रिता । ७ पतिद्वेषिणी ।  
८ पतिरहिता । ९ हीनाङ्गभार्या । १० मृतापत्या । ११ बहुदेवरालापिनी ।  
१२ बहुदेवतापूजिनी । १३ विनोदप्रिया । १४ भोगिनी [ सखी ] ।  
१५ अतिमानिनी । १६ कृत्रिमलज्जान्विता । १७ परप्रीतिरता । १८ वृद्ध-  
भार्या । १९ सततहास्या । २० प्रोपितभर्तृका । २१ लोभान्विता ।  
२२ बहुभाषिणी । २३ क्रीडनप्रिया । २४ वंध्या । इति ।

४६) A B १ द्वारदेशे शायिनी । २ पश्चात्प्रादवलोकिनी । ३ पुंश्चली सखी ।  
४ भोगिनी । ५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्गाश्रिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिरहिता ।  
९ हीनाङ्गभार्या । १० मृतापत्या । ११ बहुदेवरालापिनी । १२ बहुदेवतापूजिनी ।  
१३ विनोदकारिणी । १४ भोगार्थिनी । १५ अतिमानिनी । १६ कृत्रिमलज्जान्विता ।  
१७ परप्रीतिरता । १८ वृद्धभार्या । १९ सततहास्या । २० प्रोपितभर्तृका । २१ लोभान्विता ।  
२२ बहुभाषिणी । २३ क्रीडनप्रिया । २४ वंध्या ।

४६) C १ द्वारदेशशायिनी । २ पश्चादवलोकिनी । ३ पुंश्चली । ४ भोगिनी ।  
५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्गमाश्रिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिरहिता । ९ दा(?)ही)नयुवतीनां  
संगिनी । १० जलवाहनीनां संगिनी । ११ विनोदप्रिया । १२ अतिमानिनी ।  
१३ दूरं जलानयने गच्छति । १४ कुम्भकाररजकानां संगिनी । १५ कुट्टिनी ।  
१६ कृत्रिमलज्जान्विता(?)कृत्रिमलज्जान्विता) । १७ अप्रीतिता । १८ संत(?)सतत)हास्या ।  
१९ लोभान्विता । २० बहुभाषिणी । २१ क्रीडनप्रिया । २२ केशसंवाहनप्रिया ।  
२३ आत्ममृदं परित्यज्य परमृदं वातां करोति । २४ स्वपतिं परित्यज्य अन्यमाकांक्षति ।

1 A B G अध चतु० । E चतुर्विंशत्यसतीलक्षणानि । C D चतुर्विंशति  
असतीनां लक्षणानि । 2 B पश्चादवलोकिनी ।

४६) D १ द्वारदेशशायिनी । २ पश्चात् पश्चादवलोकिनी । ३ पुंश्चली । ४ भोगिनी । ५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्ग(?र्गा)धिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिरहिता । ९ हीनांगभार्या । १० मृतवत्सा । ११ देघरजन(?रालापिनी) । १२ गोष्ठिप्रिया । १३ बहुदेवतापूजनं । १४ वि(?सं)भोगार्थिनी । १५ अतिमानिनी । १६ कृत्रिमलज्जान्विता । १७ परप्रीतिरता । १८ वृद्धभार्या । १९ सततहास्या । २० प्रोपितभर्तृका । २१ लोभान्विता । २२ बहुभाषिणी । २३ क्रीडापरा चेति ।

४६) E १ द्वारदेशशायिनी । २ पश्चादवलोकिनी । ३ पुंश्चली । ४ भोगिनी । ५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्ग(?र्गा)टिनी । ७ पतिमन्वेषणी(?पतिद्वेषिणी) । ८ पतिरहिता । ९ हीनयुवतीसंगिनी । १० जलवाहिकीनां संगिनी । ११ विनोदप्रिया । १२ प्र(?अ)तिमानिनी । १३ दूरराजलानयनाय गच्छति । १४ कुम्भकाररजकसंगतिं करोति । १५ कृत्रिमलज्जान्विता । १६ परप्रीतिरता । १७ सततं हास्या । १८ विनोदं बहिर्ग्रामति । १९ लोभान्विता । २० बहुभाषिणी । २१ क्रीडणप्रिया । २२ केशसंवाहनप्रिया । २३ आत्मगृहे वार्तापरित्यज्य परगृहे वार्ताकरणाय रसिका । २४ स्वपतिं परित्यज्य परपुरुषान्वेषणं करोतीति ।

४६) F १ द्वारदेशार्द्धस्थायिनी । २ पश्चात्प्रधिलोकिनी । ३ पुंश्चलीसखी । ४ भा(?भो)गिनी । ५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्गाधिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिवर्जिता । ९ हीनयुवतीनां सङ्गिनी । १० गजवाहकानां प्रिया । ११ विनोदप्रिया । १२ अभिमानिनी । १३ दूरे पानीयानयनाय व्रजति । १४ कुम्भकाररजकसंगतिं करोति । १५ कन्दुकसंगतिं करोति । १६ कृत्ति(?त्रि)मलज्जान्विता । १७ परप्रीतिरता । १८ संततहास्या । १९ निर्जने बहिर्गामिनी । २० लोभान्विता । २१ बहुभाषिणी । २२ क्रीडनप्रिया । २३ केशसंवाहनप्रिया । २४ स्वगृहं मुक्त्वान्यगृहे वार्ताकरणाय गच्छति । २५ रसिका । २६ स्वपतिं परित्यज्य परपुरुषान्वेषणं करोति ।

४६) G १ द्वारदेशे शायिनी । २ पाश्चात्यावलोकिनी । ३ पुंश्चलीसखी । ४ भोगिनी । ५ गोष्ठिप्रिया । ६ राजमार्गाधिता । ७ पतिद्वेषिणी । ८ पतिरहिता । ९ हीनाङ्गभार्या । १० वंध्या । ११ मृतापत्या । १२ बहुदेवरालापिनी । १३ बहुदेवतापूजनी । १४ विनोदकारिणी । १५ भोगार्थिनी । १६ अतिमानिनी । १७ कृत्रिमलज्जान्विता । १८ परप्रीतिरता । १९ वृद्धभार्या । २० सततहास्या । २१ प्रोपितभर्तृका । २२ लोभान्विता । २३ बहुभाषिणी । २४ क्रीडनप्रिया ।

\*

४७. षोडश दुष्टस्त्रीणां लक्षणानि ।

१ पिङ्गाक्षी । २ कूपगच्छा । ३ लम्बोष्ठी । ४ खरालापा । ५ ऊर्ध्वकेशी । ६ लम्बोदरी । ७ दीर्घललाटी । ८ संहितभ्रूः । ९ पुष्पितनखी । १० प्रविरलदशना । ११ अतिदीर्घा । १२ अतिवामना । १३ अतिस्थूला । १४ अतिकृशा । १५ अतिगौरा । १६ अतिकृष्णा । इति ।

1 A G अथ षोडशस्त्रीणामपलक्षणानि । B अथ षोडशदुष्टस्त्रीणामपलक्षणानि । C षोडशस्त्रीणां अपलक्षणानि । E दुष्टस्त्रीणां षोडशापलक्षणानि ।

४७) A B G १ पिङ्गाक्षी । २ कूपगह्वा । ३ लंबोष्ठी । ४ खरालापा । ५ ऊर्ध्वकेशी ।  
६ दीर्घललाटी । ७ संहितभ्रूः । ८ पुष्पितनखी । ९ प्रविरलदशना । १० अतिदीर्घा ।  
११ अतीववामनी । १२ अतीवस्थूला । १३ अतीवगौरा । १४ अतीवकृष्णा ।  
१५ अतीवकृशा । १६ प्रलंबोदरी ।

४७) C १ पिङ्गाक्षी । २ कूपगह्वा । ३ लंबोष्ठी । ४ ऊर्ध्वकेशा । ५ लंबोदरी ।  
६ दीर्घललाटा । ७ मिलितभ्रूः(भ्रूः) । ८ पुंषितनखी । ९ अतिवश्र(?विरल)दशना ।  
१० अतिदीर्घा । ११ अतिवामना । १२ अतिस्थूला । १३ अतिरुशांगि । १४ अतिगौरा ।  
१५ अतिकृष्णा । १६ अती[व]रोमवतीति ।

४७) D १ पिङ्गाक्षी । २ कूपगह्वा । ३ लंबोष्ठी । ४ खरालापी । ५ ऊर्ध्वकेशी ।  
६ लंबोदरी । ७ दीर्घललाटा । ८ संगतभ्रूः[ः] । ९ पुष्पितमुखी(?पुष्पितनखी) ।  
१० प्रविरलदशना । ११ अतिदीर्घा । १२ अतिवामना । १३ अतिस्थूला । १४ अतिकृशा ।  
१५ अतिगौरा । १६ अतिकृष्णा । चेति ।

४७) E १ पिङ्गाक्षी । २ कूपगंडा । ३ लंबोष्ठी । ४ उर्ध्वकेशी । ५ प्रलंबोदरी ।  
६ दीर्घललाटा । ७ मिलितभ्रूः(भ्रूः) । ८ पुष्पितनखी । ९ अतिविरलकेशा । १० विरल-  
दशना । ११ अतिदीर्घा । १२ अतिवामना । १३ अतिस्थूला । १४ अतिकृशा ।  
१५ अतिगौरा । १६ अतिरोमवती । १७ भूमिपयतांगुलका । १८ मुक्केशा ।  
१९ दीर्घदंता । २० खरदेहा ।

४७) F १ पिङ्गाक्षी । २ कूपगह्वा । ३ लंबोदरी । ४ लिम्बोष्ठी(?लम्बोष्ठी) । ५ खरालापा ।  
६ ऊर्ध्वकेशी । ७ दीर्घललाटा । ८ संहितचूचुका । ९ पुष्पितनखी । १० प्रवी(?वि)रल-  
दशना । ११ अतिदीर्घा । १२ दीर्घजहा । १३ अतिस्थूला । १४ अतिकृशा । १५ अतिगौरा ।  
१६ अतिकृष्णा । १७ अतिरोमवती । १८ दीर्घदंता । १९ खरदेहा । २० मुखे(?)  
किला । २१ भूमिलगितपादपूर्वाङ्गलिकाश्चेति ।

४८. अष्टौ स्त्रीणामविश्वासकारणानि ।

१ भर्तुः स्वैरिता । २ पुरुषार्थिनी । ३ प्रण(?णी)तगोष्ठी । ४ निरङ्कुशा ।  
५ विदेशवासा । ६ अन्यपुरुषं सन्मुखं विलोकयति । ७ यस्य  
तस्य सन्मुखं हसति । ८ उक्ता सती शपथं करोति । इति ।

४८) ABG १ भर्तुः स्वैरिता । २ पुरुषार्थिनी । ३ प्रण(?णी)तगोष्ठी । ४ निरङ्कुशा ।  
५ विदेशवासा । ६ पुंश्रली । ७ पति(?त्यु)रीप्यादोषाः ।

४८) C १ भर्तुः स्वैरं विचरति । २ अन्यपुरुषसन्मुखं विलोकयति । ३ गोष्ठीं करोति ।  
४ निरङ्कुशा । ५ यं यं पश्यति तस्य तस्य सन्मुखं विलोकयति । ६ गोष्ठीं करोति(?) ।  
७ संसर्गं करोति । ८ ईर्ष्यां करोति ।

४८) D १ भर्तुस्वैरिता । २ पुण्यार्थिनी । ३ प्रण(?णी)तगोष्ठी । ४ निरङ्कुशा ।  
५ विदेशवासा । ६ सप्यानी समृत्युपवातः(?) । ७ पुंश्रलीसंसर्गजा । ८ ईर्ष्यादोषा-  
(?ईर्ष्यादोषा)श्चेति ।

1 ABG अष्टौ स्त्रीणां अभिसारिकाणि ।; C अष्टौ अरदानां अविश्वासकारणानि ।;  
E स्त्रीणां अष्टौ अविश्वासकारणानि ।

४८) E १ भर्तुः स्वैरं विचरति । २ अन्यपुरुषं सन्मुखं विलोकयति । ३ गोष्ठीं करोति । ४ निरंकुशं करोति । ५ यस्य तस्य सन्मुखं हसति । ६ उक्ता सती यथार्थमनुकरोति । ७ अन्यं जल्पति । ८ स्वैरिणीसंसर्गं करोति । ९ पतिं वञ्चयित्वा रात्रौ परपुरुषगृहे गच्छति ।

४८) F १ स्वैरगमा । २ परपुरुषसंमुखं विलोकयति । ३ उक्ता सती शपथान् करोति । ४ अलीकं जल्पति । ५ स्वैरिणीसंसर्गं विदधाति । ६ पतौ ईर्ष्यां करोति ।

\*

४९. अष्टौ नार्योऽगम्याः ।

१ स्वगोत्रजा । २ गुरुपत्नी । ३ राजपत्नी । ४ मित्रपत्नी ।  
५ वर्णाधिका । ६ अस्पर्शा । ७ प्रव्रजिता । ८ कुमारी । इति ।

४९) A १ स्वगोत्रजा । २ राजपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ वर्णाधिका । ५ पूजिता । ६ कुमारी । ७ राजपत्नी ।

४९) B १ स्वगोत्रजा । २ राजपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ वर्णाधिका । ५ अस्पृशा । ६ पूजिता । ७ कुमारी । ८ गुरु[प]त्नी ।

४९) C १ स्वगोत्रजा । २ गुरुपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ वयोधिका । ५ राजपत्नी । ६ अस्पर्शा । ७ दोषसंयुक्ता । ८ कुमारी चेति ।

४९) D १ स्वगोत्रजा । २ गुरुपत्नी । ३ राजपत्नी । ४ मित्रपत्नी । ५ वर्णाधिका । ६ अस्पृशा । ७ प्रव्रजिता । ८ कुमारी चेति ।

४९) F १ स्वगोत्रजा । २ गुरुपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ राजपत्नी । ५ वर्णाधिकी-  
(िका) । ६ अस्पर्शा । ७ प्रव्रज्या । ८ कुमारी चेति ।

४९) E १ स्वगोत्रजा । २ [पर]पुरुषपत्नी । ३ राजपत्नी । ४ मित्रपत्नी । ५ वर्णाधिका । ६ अस्पर्शा । ७ दोषसंयुक्ता । ८ कुमारीका ।

४९) G १ स्वगोत्रजा । २ राजपत्नी । ३ मित्रपत्नी । ४ वर्णाधिका । ५ पूजिता । ६ कुमारी । ७ राजपत्नी ।

\*

५०. अष्टविधो मूर्खः ।

१ निर्लज्जः । २ शठः । ३ क्लीबः । ४ निर्घृणः । ५ व्यसनी ।  
६ अतिलोभी । ७ गर्वितः । ८ निष्ठुरः इति ।

५०) C १ अप्रस्तावकः । २ कुपंडितः । ३ कुबुद्धिः । ४ कुव्यसनः । ५ स्वभृंशी । ६ स्वमर्मप्रकाशी । ७ गर्वितः । ८ विष्टर(निष्ठुर)श्चेति ।

५०) E १ निर्लज्जः । २ शठः । ३ क्लीबः । ४ निर्घृणः । ५ व्यसनी । ६ अतिभोगी । ७ गर्वितः । ८ निष्ठुरः । इति ।

५०) F १ अप्रश्नावी(?) । २ कुपठितः । ३ कुबुद्धिः । ४ कुव्यसनी । ५ निष्ठुरः । ६ स्वमर्मप्रकाशकः । ७ अभिमानी । ८ अर्सयद्धप्रलापी चेति ।

\*

५१. चतुर्विंशतिविधं नागरिकवर्णनम् ।

१ नगरे संस्थानं । २ आसन्नोदकभवनं । ३ प्रच्छन्नमहानसं ।  
 ४ गुप्तकार्यचिकित्सास्थानं । ५ निकटे नेपथ्यमंडपः । ६ विभक्तं वास-  
 भवनं । ७ नेपथ्योपकारप्राचुर्यं । ८ गृहोपकरणबाहुल्यं । ९ शयना-  
 सनरम्यत्वं । १० वाञ्छितपरिजनः । ११ पार्श्वे प्रविशा( ?वेश )-  
 नस्थानं । १२ मध्ये स्नानपीठं । १३ प्रभाते व्यायामविधानं ।  
 १४ मध्याह्ने भोजनविधानं । १५ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १६ कुलोचि-  
 तविधिना वर्तनं । १७ प्रदोषे गीतादिविनोदविधानं । १८ निशायां  
 स्वदारासुरतं । १९ कदाचिद्गोष्ठीरम्यत्वं । २० कदाचित् पात्रप्रेक्षणं ।  
 २१ कदाचिद्दुद्यानगमनं । २२ माल्यादिभोगकथनं । २३ सदैव  
 ऋतुसमुचितोपभोगः । २४ विद्वज्जनसंसर्गः ।

५१) A १ नगरे संस्थानं । २ आसन्नोदकभवनं । ३ प्रच्छन्नमहानसं । ४ गुप्तकार्य-  
 चिकित्सास्थानं । ५ निकटे नेपथ्यमंडपः । ६ विभक्तं वासभवनं । ७ नेपथ्योपकारप्राचुर्यं ।  
 ८ गृहोपकरणबाहुल्यं । ९ शयनासनरम्यत्वं । १० वाञ्छितपरिजनः पार्श्वे प्रविशा( ?वेश )-  
 स्थानं । ११ मध्ये स्नानपीठं । १२ प्रभाते व्यायामविधानं । १३ मध्याह्ने भोजनविधानं ।  
 १४ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १५ कुलोचितविधिना वर्तनं । १६ प्रदोषे गीतादिविनोद-  
 विधानं । १७ निशायां स्वदारासुरतं । १८ कदाचिद्गोष्ठीरम्यत्वं । १९ कदाचित् पात्रप्रेक्षणं ।  
 २० कदाचिद्दि( ?दु )द्यानवाव( ?वन )गमनं ।

५१) B १ नगरे संस्थानं । २ आसन्नो[ ?द ]कभवनं । ३ प्रच्छन्नमहानसं । ४ गुप्तकार्य-  
 चिकित्सास्थानं । ५ निकटे नेपथ्यमंडपः । ६ विभक्तं वासभवनं । ७ नेपथ्योपकारप्राचुर्यं ।  
 ८ गृहोपकरणबाहुल्यं । ९ शय्यासनरम्यत्वं । १० वाञ्छितपरिजनपार्श्वे प्रविशा( ?वेश )नस्थानं ।  
 ११ मध्ये स्नानपीठं । १२ प्रभाते व्यायामविधानं । १३ मध्याह्ने भोजनविधानं ।  
 १४ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १५ कुलोचितविधिना वर्तनं । १६ प्रदोषे गीतादिविनोद-  
 विधानं । १७ निशायां स्वदारासुरतं । १८ कदाचित् गोष्ठीरम्यत्वं । १९ कदाचित् पात्रप्रेक्षणं ।  
 २० कदाचित् वि( ?उ )द्यानवन( ?ना )वगमनं । २१ सदैव ऋतुसमुचितोपभोगः ।

५१) C १ नगरे संस्थानं । २ आसन्नो( ?न्नो )दकभवनं । ३ गुप्तकार्यचिता । ४ स्थापनीय  
 पार्श्वपानीयं । ५ मुतावेदकं । ६ पृथक् रंधनकं । ७ नेपथ्याग्रहणं । ८ नेपथ्योपकरणं ।  
 ९ प्राचुर्यगृहोपकरणं । १० बाहुल्यं रम्यत्वं । ११ माल्यादि भोगमय्यत्वं । १२ गुप्तस्थानं ।  
 १३ प्रभाते व्यायामविधानं । १४ मध्याह्ने भोजनविधानं । १५ डाडग्रप्रकारस्थानं( ? ) ।  
 १६ नित्यविद्याभ्यसनं । १७ कुलोचिते मार्गे वर्तनीयं । १८ प्रदोषे गीतादिविनोद ।



१९ निशायां सुरतोपचारः । २० कदाचि[दु]द्यानगमनं । २१ कदाचित् क्षेत्रनिरीक्षणं । २२ सदैव कर्मसूचितो विभागः । २३ पुत्रपौत्रेषु हेतुकरणं ।

५१) D १ यथा नगरे स्थानं । २ आसन्नो[दु]कभवन् । ३ सवनां(?)प्रच्छादनं । ४ महासनं । ५ परसेव्या गृहमुत्पत्तिच्छाया मित्राणां स्थानस्फोट(?) । ६ नव विश्वमंडपं । ७ विरक्तरक्तवासभवः । ८ नेपथ्यैवकरणं । ९ प्रासार्यगृहे(?) उपकरणवाहुल्यं । १० शय्यासनरम्यत्वं । ११ माल्यादिभोगकथनं । १२ वाञ्छितमित्रजनपार्श्वे आचमनस्थानं । १३ अंतरे स्थानस्थानं । १४ प्रभाते व्यायामविधानं । १५ मध्ये भोजनं विधानं । १६ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १७ कुलोचितव्यवहरणं । १८ प्रदोषांते गीतविधानं । १९ निशायां सुरतोपचरणं । २० कदाचिद्गोष्ठीरम्य[त्वं] । २१ न(?) कदाचित्पात्रप्रेक्षणं । २२ कदाचिदुद्याने गमनं चेति ।

५१) E १ आसन्नोदकाभुवनान्तसुप्तं । २ कार्यार्चितास्थापनं । ३ पार्श्वे पानीयरंधनं । ४ विभक्तं नेपथ्यगृहं । ५ नेपथ्योपकरणं । ६ प्राचुर्यं गृहोपकरणं । ७ प्राचुर्यं गृहप्रकरणवाहुल्यं । ८ शास्त्रवाहुल्यं । ९ आसनवाहुल्यं । १० रम्यत्वमौल्यादिभागभव्यत्वं । ११ सुप्तं स्थानं स्यात् । १२ प्रभाते नियमविधानं । १३ मध्याह्ने भोजनविधानं । १४ प्रच्छन्नमंडारस्थानं । १५ नित्यं विद्याभ्यसनं । १६ कुलोचितेन मार्गेण वर्त्तनीयं । १७ प्रदोषे गीतविनोदः । १८ निशायां सुरतोपचारः । १९ कदाचिदुद्यानगमनं । २० कदाचित् क्षेत्रनिरीक्षणं । २१ सदैव देवगुरुभक्तिः कार्या । २२ स्वजनपालनं । २३ सदैव समुचितवित्तविभागः ।

५१) F १ आसन्नोदुकः(?)भवन् । २ गुप्तकार्यचिन्तास्थापनं । ३ पार्श्वे पानीयस्य स्थाने रन्धनकं । ४ विमुक्तने मध्यगृहं । ५ नेपथ्योपकरणप्राचुर्यं । ६ गृहोपकरणवाहुल्यं । ७ रम्यत्वं । ८ माल्यादिभोगभावितत्वं । ९ मालादिभोगभव्यत्वं । १० गुप्तस्थानं स्थानस्य । ११ प्रभाते आयामविधानं । १२ मध्याह्ने भोजनविधानं । १३ प्रच्छन्नमण्डारस्थानं । १४ नित्यं विद्याभ्यसनं । १५ कुलोचितेन मार्गेण प्रवर्त्तनीयं । १६ प्रदोषे गीतविनोदः । १७ निशान्ते सुरतोपचारः । १८ कदाचिदुद्यानगमनं । १९ कदाचित्क्षेत्रनिरीक्षणं । २० विद्वज्जनसंसर्गः । २१ कुसंगपरित्यागः । २२ धर्मश्रद्धा । २३ जीवरक्षा । २४ सदैव समुचितोपक्रिया ।

५१) G १ नगरे संस्थानं । २ आसन्नोदुकभवन् । ३ प्रच्छन्नमहानसं । ४ गुप्तकार्यचिकित्सास्थानं । ५ निकटे नेपथ्यमंडप । ६ विभक्तं वासभवन् । ७ नेपथ्योपकारप्राचुर्यं । ८ गृहोपकरणवाहुल्यं । ९ शयनासनरम्यत्वं । १० वाञ्छितपरिजनः । ११ पार्श्वे प्रविशा(?)नस्थानं । १२ मध्ये ह्यानपीठं । १३ प्रभाते व्यायामविधानं । १४ मध्याह्ने भोजनविधानं । १५ नित्यमेव विद्याभ्यसनं । १६ कुलोचितविधिना वर्त्तनं । १७ प्रदोषे गीतादिविनोदविधानं । १८ निशायां स्वदारासुरतं । १९ कदाचिद्गोष्ठीरम्यत्वं । २० कदाचित्पात्रप्रेक्षणं । २१ कदाचिद्दि(?)दु)द्यानवाव(?)वन)गमनं । २२ असम्पूर्णलक्षणावयव । २३ निर्लक्षण ।†

५२. †त्रिविधं रूपम् ।

१ असम्पूर्णलक्षणावयवं । २ सम्पूर्णलक्षणावयवं । ३ निर्लक्षणावयवं । इति ।

† A omits त्रिविधं रूपं ।

† These ought to be in the following section.

- ५२) A १ असंपूर्णलक्षणावयवं । २ निर्लक्षण ।  
 ५२) B १ संपूर्णलक्षणावयवं । २ असंपूर्णलक्षणावयवं । ३ निर्लक्षण ।  
 ५२) C १ संपूर्णावयवं । २ निर्लक्षणावयवं । ३ असंपूर्णलक्षणावयवं ।  
 ५२) D १ संपूर्णलक्षणावयवं चेति ।  
 ५२) E १ संपूर्णलक्षणावयवं । २ लक्षणावयवं । ३ असंपूर्णलक्षणावयवं ।  
 ५२) G has given no Vivarana ( see foot note p. 54 )

\*

५३. त्रिविधं स्वरूपम् ।

१ मुग्धस्वभावं । २ चतुरस्वभावं । मुग्धचतुरस्वभावं । इति ।

- ५३) AB १ मुग्धस्वभाव । २ मुखर । ३ चतुर ।  
 ५३) C १ मुग्धस्वभावं । २ मुग्धचतुरस्वभावं । ३ चतुरस्वभावं ।  
 ५३) D १ मुग्धस्वभावं । २ सुसद्भावं । ३ चतुरस्वभावश्चेति ।  
 ५३) E १ मुग्धस्वभावं । २ मुग्धस्वभावं । ३ मुग्धचतुरस्वभावं चेति ।  
 ५३) F १ मुग्धस्वभावं । २ मुग्धचतुरस्वभावं । ३ चतुरस्वभावं ।  
 ५३) G १ मुग्धस्वभाव । २ मुखर । ३ चतुर

\*

५४. द्वादशविधः प्रमदोपचारः ।

१ रूपस्विनीनां रम्योपचारेण । २ भीरूणामाश्वासनेन । ३ चपलानां  
 गांभीर्येण । ४ पंडितानां सत्येन । ५ प्रज्ञावतां(शैतीनां) कलाभिः ।  
 ६ शृङ्गारिणीनां सुवेपतया । ७ विनोदशिलानां क्रीडनेन । ८ हीनसत्त्वानां  
 कारुण्येन । ९ शठस्वभावानां शाठ्येन । १० निर्विकल्पानां  
 सरलस्वभावेन । ११ बालानां भक्षप्रदानेन । १२ विदग्धानां  
 कुक्कुमो( ? कुकभो )पचारेण । इति ।

५४) A १ रूपस्विनी रम्योपचारेण । २ भीरूमाश्वासनेन । ३ चपलां गांभीर्येण ।  
 ४ पंडितानां सत्येन । ५ प्रज्ञावतां कलाभिः । ६ शृङ्गारिणां सुवेपतया । ७ विनोदशीलां  
 क्रीडनेन । ८ हीनसत्यां कारुण्येन । ९ शठस्वभावानां शाठ्येन । १० निर्विकल्पां  
 सुकुमाटप्रयोगेन । ११ बालानां भक्षप्रदानेन । १२ धूर्तानां शाठ्येन ।

1 AB अथ द्वादशविधप्रमोदोपचारः ।; C द्वादश प्रमोदोपचार ।;  
 D द्वादशविधः प्रमोदोपचारः ।; E अथ द्वादशविधः प्रमोदोपचारः ।;  
 F द्वादशविधः प्रमदानामुपचारः ।; G अथ द्वादशविधप्रमोदोपचारः ।

५४) B १ रूपस्त्रिणां रम्योपचारेण । २ भीरूणामाश्वासनेन । ३ चपलानां गांभीर्येण । ४ पंडितां तां सत्येन । ५ प्रज्ञावतां कलाभिः । ६ शृङ्गारिणां सुवेपतया । ७ विनोदशीलानां क्रीडनेन । ८ हीनसत्त्वानां कारुण्येन । ९ शठस्वभावानां शास्त्रेण । १० निर्विकल्पनां सुकुमारप्रयोगेन । ११ बालानां भक्षप्रदानेन । १२ धूर्तानां शास्त्रेण ।

५४) C १ रूपवतीं रम्योपचारेण । २ भीरूणामविश्वासनेन । ३ चपलानां गांभीर्येण । ४ पंडितानां सखीत्वेन । ५ बालानां भक्षप्रदानेन । ६ प्रज्ञावतीनां कलाभिः । ७ शृङ्गारिणीनां सुवेपेण । ८ विनोदिनीनां सुक्रीडनेन । ९ हीनसत्त्वानां कारुण्येन । १० शठस्वभावानां घातेन । ११ निर्विकल्पानां सरलस्वभावेन । १२ श्रुधितानां भोजनदानेन ।

५४) D १ सुरुपिणी । २ राजोपचारेण । ३ मीसमां(?)भीरूणामाश्वासनेन । ४ चपलां गांभीर्येण । ५ पंडितां भोजन्येन । ६ धर्माण्यं कारुण्येन । ७ प्रज्ञावती । ८ कलाभिः शृङ्गारिणी । ९ सुवेपतया विनोदिनी । १० क्रीडनेन । ११ विदग्धानां कुकुमोपचारेण चेति ।

५४) E १ रूपवती रम्योपचारेण । २ भीरोः आश्वासनेन । ३ चपला गांभीर्येण । ४ पंडिता सत्येन । ५ बाला भक्षप्रदानेन । ६ प्रज्ञावती कलाभिः । ७ शृङ्गारिणी सुवेपतया । ८ विनोदशीला क्रीडनेन । ९ दीनसत्त्वा कारुण्येन । १० शठ(?)स्वभावशास्त्रेण । ११ निर्विकल्पा सरलस्वभावेन । १२ सुकुमारा सुकुमारोपचारेण ।

५४) F १ रूपवती रम्योपचारेण । २ भीरोः आश्वासनेन । ३ चपलानां गांभीर्येण । ४ पंडितानां ना(?)सत्येन । ५ बालां भक्षप्रदानेन । ६ प्रज्ञावती कलनैः । ७ शृङ्गारिणी-रम्यवेपतया । ८ विनोदशीला क्रीडनेन । ९ दीनसत्त्वां क्रीडनेन । १० कारुण्येन वा । ११ शठभावा घातेन । १२ निर्विकल्पां सरलस्वभावेन । १३ सुवामां(?)आरोपचारेण ।

५४) G १ रूपस्त्रिणी रम्योपचारेण । २ भीरूमाश्वासनेन । ३ चपलां गांभीर्येण । ४ पंडितानां सत्येन । ५ प्रज्ञावतां कलाभिः । ६ शृङ्गारिणां सुवेपतया । ७ विनोदशीलं क्रीडनेन । ८ हीनसत्त्वां कारुण्येन । ९ शठस्वभावानां शास्त्रेण । १० निर्विकल्पां सुकुमार-प्रयोगेन । ११ बालानां भक्षप्रदानेन । १२ धूर्तानां शास्त्रेण ।

\*

### ५५. पञ्चविधः परिचयः ।

१ प्रसिद्धिस्थापनं । २ दर्शनेनावर्जनं । ३ संभाषणमाधुर्यं ।  
४ वाञ्छितोपचारप्रयोजनं । ५ विकारसूचनं । इति ।

५५) C १ प्रसिद्धस्थापनं । २ दर्शनेनावर्जनं । ३ संभाषणमाधुर्यं । ४ विकारशोधनं । ५ वाञ्छितोपचारप्रयोजनं ।

५५) D १ सीक्षापनः । २ दर्शनावर्जनः । ३ संभाषणमाधुर्यया । ४ सविकारसूचने । ५ कथितापचारप्रयोजनं चेति ।

५५) E १ प्रसिद्धस्थापनं । २ दर्शनेनावर्जनं । ३ मधुरवचः संभाषणं । ४ आतिथ्यकरणं । ५ वाञ्छितोपचारप्रयुं(?)जनं चेति ।

५५) F १ प्रसिद्धस्थापनं । २ दर्शनेनावर्जनं । ३ मधुरवचनसंभाषणं । ४ आतिथ्यकरणं । ५ वाञ्छितोपचारपूजनं ।

\*

५६. देश पुरुषाः स्त्रीणामनिष्टा भवन्ति ।

१ कुरूपः । २ निर्लज्जः । ३ अभिमानी । ४ असंबद्धप्रलापी ।

५ संकुचितशायी । ६ निष्ठुरः । ७ कृपणः । ८ शौचहीनः ।

९ मूर्खः । १० क्रोधनः । इति ।

५६) C १ कुरूपः । २ निर्लज्जा । ३ अभिमानयुक्ता । ४ अनंतभाषिण । ५ निरंकुशा ।

६ निष्ठुरा । ७ कृपणा । ८ अशौचरता । ९ हीना । १० मूर्खा ।

५६) D १ कुरूपः । २ निर्लज्जः । ३ अभिमानी । ४ असंबद्धप्रलापी । ५ संकुचितशायी ।

६ निष्ठुरः । ७ कृपणः । ८ शौचहीनः । ९ मूर्खश्चेति ।

५६) E १ कुरूपः । २ निर्लज्जः । ३ नित्यरोगी । ४ अभिमानी । ५ असंबद्धप्रलापी ।

६ संकुचितशायी । ७ निष्ठुरः । ८ कृपणः । ९ शौचहीनः । १० क्रोधी । ११ रूपभागी ।

१२ कर्णदुर्बलः । १३ मूर्खश्चेति ।

५६) F १ कुरूपः । २ निर्लज्जः । ३ नित्ययोगी । ४ अभिमानी । ५ असंबद्धप्रलापीः ।

६ संकुचितशायी । ७ निष्ठुरः । ८ कृपणः । ९ शौचहीनः । १० क्रोधी । ११ विरूपभापी ।

१२ कर्णदुर्बलः । मूर्खः । चेति ।

\*

५७. देशभिः कारणैः स्त्रियो विरज्यन्ते ।

१ अज्ञानता । २ अभिमानावलेपता । ३ निष्ठुरता । ४ दरिद्रता ।

५ अतिप्रवासता । ६ क्रूरव्यसनता । ७ भोगहीनता ।

८ अतिप्रसंगता । ९ सौभाग्यहीनता । १० अनुचितता । इति ।

५७) C १ अज्ञानता । २ अभिमानता । ३ प्रतापिता । ४ निष्ठुरता । ५ अतिप्रवासता । ६ अतिप्रसंगता । ७ सौभाग्यहीनता । ८ अनौचित्यं । ९ निर्दयत्वम् । १० अप्राप्तिता ।

५७) D १ अक्षमता । २ अभिमानता । ३ अवलेपता । ४ निष्ठुरता । ५ दरिद्रता । ६ सौभाग्यहीनता । ७ अतिअसंगता । ८ अतिअनौचित्यता । ९ अतिशयता । ११ भावुका चेति ।

५७) E १ अज्ञानता । २ अभिमानता । ३ निष्ठुरता । ४ दरिद्रता । ५ सौभाग्यहीनता । ६ अरूपता । ७ अनौचित्यता । ८ दीनहीनता । ९ निर्दिनी(?) । १० वार्धुक्यता । ११ विरूपभाषिता । १२ अभावश्चेति ।

५७) F १ अज्ञानता । २ अभिमानता । ३ निष्ठुरता । ४ दरिद्रता । ५ सौभाग्यहीनता । ६ अरूपता । ७ अनौचित्यता । ८ दानहीनता । ९ निर्वायिता । १० फाठयानता(?) । ११ विरूपभाषिता । १२ अभावश्चेति ।

1 E दशपुरुषाः स्त्रीणां अनिष्टाः । 2 C भवन्ति । 3 C दशभिस्त्रियो विरज्यन्ते ।

F दशभिः प्रकारैः स्त्रियो विरज्यन्ते । 4 A B G अतिप्रवासता । 5 A B G अनौचित्यता ।

५८. त्रिभिः कारणैः कामिन्यः संबध्यन्ते ।

१ अर्थतः । २ कामतः । ३ सुकुमारोपचारतः । इति ।

५८) A B G १ अर्थतः । २ कामतः । ३ कुमारोपचारतः ।

५८) C १ अर्थकामतः । २ सुकुमारोपचारतः । ३ संमोगकामतः ।

५८) D १ अर्थतः कामरतः । २ सुकुमारः । ३ उपचारश्चेति ।

५८) E १ अदानतः । २ कामतः । ३ सुकुमालयचनायुपचारतः ।

५८) F १ अर्थदानतः । २ कामतः । ३ यचनायुपचारतः । चेति ।

५९. सप्तविधाः कामुकानां सुरतारम्भाः ।

१ क्रीडापात्राणि । २ भोजनादि । ३ उपचारविलेपनानि ।

४ धूपनानि । ५ ताम्बूलादीनि । ६ पुष्पादिमाल्यानि ।

७ हास्यादि(नि) मर्माणि । इति ।

५९) C १ पुष्पमालादिदानं । २ यत्नालंकारदानं । ३ आभ्यासनं । ४ सुस्वादमक्ष-  
मोज्यं । ५ आलिङ्गनादिदानं । ६ अशेषकथा प्रस्ताव । ७ यिनोदहास्यकरणं ।

५९) D १ क्रीडापात्राणि । २ भोजनायुपचारेण विलेपनानि । ३ धूपनानि ।  
४ तांबूलकानि । ५ पुष्पमाल्यादि । ६ हास्यादि । ७ रम्यादि । चेति ।

५९) E १ क्रीडापात्राणि । २ भोजनायुपचारविलेपनानि । ३ तांबूलदा(लीलादी)नि ।  
४ पुष्पादिमाल्यानि । ५ यत्नालंकारदानानि । ६ हास्याणिमूर्तानि(इदि मर्माणि) ।

५९) F १ क्रीडनेन । २ नाट्यनायुपचारेण । ३ विलेपनेन । ४ तांबूलदानेन ।  
५ पुष्पादिभोगेन । ६ यत्नालंकरणेन । ७ अर्थप्रदानेन ।

५९) G १ क्रीडापात्राणि । २ भोजनायुपचार । ३ विलेपनानि । ४ धूपनानि ।  
५ ताम्बूलादीना । ६ पुष्पादिमाल्यानि । ७ हास्यादिमर्माणि ।

६०. अष्टविधं विदग्धानां सुरतम् ।

१ आलिङ्गनं । २ चुम्बनं । ३ धावनं । ४ केशधारणं ।

५ वराङ्गशोधनं । ६ सीत्कारादिमोचनं । ७ नखस्पर्शनं ।

८ मृदुकुट्टनं । इति ।

1. A B G त्रिभिः कामिन्यः संबध्यन्ते । C त्रिभिः संबध्यन्ते । D त्रिभिः कारणैः  
कामिनीनां संबध्यन्ते । E त्रिभिः प्रकारैः कामिन्यः संबध्यन्ते । 2. A B G सप्तविध-  
सुरतानां सुरतारम्भाः । 3. A B G अष्टविधं विदग्धानां सुरतम् । C अष्टविधं सुरतम् ।  
D अष्टविधं विदग्धानां सुरतापस्थानम् ।

६०) AB १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ केशाधारणं । ५ रंग(वरांग)-संवेशनं । ६ शरीरादिकूजनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ कुट्टनं ।

६०) C १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ कंचप्रधारणं । ५ वरं(रां)गशोधनं । ६ सीत्कृतादिमोचनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ मृदुकुट्टनं ।

६०) D १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ केशोभा(ज्ञा)रणं । ५ रागादिव्यसनं । ६ सीत्कारादिमुचनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ मृदुकुट्टनं । चेति ।

६०) E १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ शयनं । ४ केशाधारणं । ५ वरांगशोधनं । ६ सीत्कृतादिमोचनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ मृदुकुट्टनं ।

६०) F १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ केशग्रहणं । ५ वराङ्गशोधनं । ६ शीत्कृतकरणं । ७ नखस्पर्शनं । ८ मृदुकुट्टनं । चेति ।

६०) G १ आलिङ्गनं । २ चुंबनं । ३ धावनं । ४ कन्ता(?कुन्तला)धारणं । ५ रङ्ग(वराङ्ग)संवेशनं । ६ शरीरादिकूजनं । ७ नखस्पर्शनं । ८ कुट्टनं ।

\*

### ६१. नवविधं सुरतावसानम् ।

१ वस्त्रादिसंयमनं । २ पार्श्वे आचमनं । ३ तांभूलादिग्रहणं । ४ फलादिभक्षणं । ५ पानभोज्यादिविधानं । ६ क्रीडापात्रप्रवेशनं । ७ सुभाषितजल्पनं । ८ सानुरागप्रेक्षणं । ९ मनोवाञ्छितविनोदः । इति ।

६१) C १ वस्त्रादिसंयमनं । २ पार्श्वचालनं । ३ तांबूलादिग्रहणं । ४ अनुरागपोषणं । ५ वाञ्छितविनोद ।

६१) D १ पार्श्वे आचमनं । २ तांबूलादिग्रहणं । ३ इक्षुरसादिभक्षणं । ४ पानभोज्यादिविधानं । ५ क्रीडापात्रप्रवेशनं । ६ सुभाषितजल्पनं । ७ अनुरागपोषणं । ८ संतोषवाञ्छितं । ९ विनोदाश्चेति ।

६१) E १ वस्त्रादिसंयमनं । २ पार्श्वविवर्तनं । ३ तांबूलादिग्रहणं । ४ फलादिभक्षणं । ५ पानभोजनविधानं । ६ क्रीडापात्रप्रवेशनं । ७ सुभाषितभाषणं । ८ अनुरागपोषणं(अनुरागपोषणं) । ९ मनोवाञ्छितविनोदाश्चेति ।

६१) F १ वस्त्रादिसंयमनं । २ पार्श्वे वाऽऽचमनं । ३ तांबूलादिभक्षणं । ४ फलादिभक्षणं । ५ पानभोजनादिविधानं । ६ क्रीडापात्रप्रवेशनं । ७ सुभाषितजननं । ८ अनुरागपोषणं । ९ मनोवाञ्छितविनोदः । चेति ।

\*

### ६२. नव शयनगुणाः ।

१ अनम्रशायी । २ प्रसारितगात्रशायी । ३ मृदुगात्रशायी ।

४ सौम्यावयवशायी । ५ अनुशयनं । ६ अभूमिशायी ।  
७ अशब्दशायी । ८ सन्मुखशायी । ९ वामपार्श्वशायी । इति ।

६२) A B १ अनग्रशायी । २ मृदुगात्रशायी । ३ प्रसारितगात्रशायी ।  
४ सौम्यावयव । ५ अनुशयन । ६ नात्यर्थानप्रत(?) । ७ अशब्द । ८ सन्मुख ।  
६२) C १ अनग्र । २ प्रसादितगात्र । ३ सौम्यावयव । ४ सन्मुखशायी ।  
५ अशब्दशायी । ६ अभूमिशायी । ७ संबद्धशायी । ८ मृदुपत्रशायी ।  
९ नात्यर्थशायी ।

६२) D १ अनग्रशायी । २ प्रसारितगात्रशायी । ३ अन्योन्यशायी । ४ सौम्यशायी ।  
५ असन्मुखशायी । ६ असंबद्धशायी । ७ सन्मुखशायी । चेति ।

६२) E १ अनग्रशायी । २ प्रसारितगात्रशायी । ३ सौम्यावयवशायी ।  
४ संबद्धशायी । ५ सन्मुखशायी । ६ अनुशयनाद्यर्थः । ७ अशब्दशायी ।  
८ वामपार्श्वशायी । ९ उक्तानि(?तान)शायी ।

६२) F १ अनुशायी । २ संमुखशायी । ३ प्रसारितगात्रशायी । ४ सौम्यावयव-  
शायी । ५ संबद्धशायी । ६ वामपार्श्वशायी । ७ अवि(?घ)स्तनशायी । ८ निश्चलाङ्ग-  
शायी । चेति ।

६२) G १ अनग्रशायी । २ मृदुगात्रशायी । ३ प्रसारितगात्रशायी । ४ सौम्यावयव ।  
५ अनुशयन । ६ नात्यर्थ(?) । ७ नप्रत(?) । ८ अशब्द । ९ सन्मुख ।

\*

६३. दशविधः पार्थिवानां प्रमोदः ।

१ ज्ञाने । २ दाने । ३ वले । ४ राज्ये । ५ विनोदे ।  
६ वैरिनिग्रहे । ७ शौर्ये । ८ धर्मे । ९ सुखे । १० शौचे  
प्रमोदो दशधा मतः ॥

६३) C ज्ञाने दाने जये रावे(?) ज्ये) विनोदे वैरिनिग्रहे । शौर्ये धर्मे च सौत्ये च  
प्रमोदो दशधा मतः ॥

६३) D दाने दाने वले राज्ये विनोदे वैरिनिग्रहे । सूर्ये धर्मे तपे सौत्ये प्रमोदो दशधा  
मतः ॥

६३) E ज्ञानेन । दानेन । वलेन । सुरराज्येन । विनोदेन । वैरिनिग्रहेण । शौर्येण ।  
धर्मेण । तपसा । सौत्येण । प्रमोदो दशधा मतः ।

६३) F १ ज्ञाने । २ दाने । ३ वले । ४ राज्ये । ५ विनोदे । ६ वैरिनिग्रहे ।  
७ शौर्ये । ८ धर्मे । ९ जये । १० सौत्ये(?) सौत्ये) । प्रमोदो दशधा मतः ।

1 A B अथ दशविधः । C दशविधपार्थिवानां प्रमोदः । D दशविधः प्रमोदः ।  
F दशविधप्रमोदविचारः । 2 B वैरिनिग्रहे ।

६४. चतुर्विधः प्रबोधः ।

१ बालसंस्कारप्रबोधः । २ शास्त्रप्रबोधः । ३ प्रज्ञाप्रबोधः ।  
तत्त्वनिश्चयप्रबोधः । इति ।

६४) B १ शास्त्रप्रबोधः । २ प्रज्ञाप्रबोधः । ३ तत्त्वनिश्चयप्रबोधः ।

६४) C १ शास्त्र अयोध्य । २ प्रज्ञानप्रबोध । ३ तत्त्वप्रबोधप्रबोधश्चेति ।

६४) D १ बालानां संस्कारप्रबोधः । २ काव्यप्रबोधः । ३ ज्ञानप्रबोधः ।

४ वनिर्णयप्रबोधः ।

६४) E १ बालसंयमनं । २ बालसंस्कारप्रबोधः । ३ शास्त्रप्रबोधः । ४ प्रज्ञाप्रबोधः ।

५ तत्त्वनिश्चयप्रबोधः ।

६४) F १ बालसंस्कारप्रबोध । २ शास्त्रप्रबोध । ३ प्रज्ञाप्रबोध । ४ वचननिश्चय-  
प्रबोध ।

\*

६५. चतुर्विधा बुद्धिः ।

१ स्वभावजाता । २ श्रुतोत्पादिता । ३ कर्मजाता ।  
४ पारिणामिकी । इति ।

६५) C १ स्वभावजा । २ उत्पादिता । ३ परिणामिकी । ४ कर्मजाश्चेति ।

६५) D १ उत्पत्तिकी । २ चैनयिकी । ३ कर्मजा । ४ पारिणामिकी चेति ।

६५) E १ स्वभावजा । २ उत्पादिका । ३ परिणामिका । ४ कर्मजा चेति ।

६५) F १ स्वभावजा । २ श्रुतोत्पन्ना । ३ उत्पात्तिकी । ४ परिणामिकी चेति ।

\*

६६. अष्टौ बुद्धिगुणाः ।

शुश्रूषा श्रवणं चैव ग्रहणं धारणं तथा । ऊहापोहोऽर्थविज्ञानं तत्त्वज्ञानं  
च धीगुणाः ।

६६) C १ सुश्रूषा । २ श्रवणं । ३ ग्रहणं । ४ दर्शनं । ५ धारणं । ६ अर्थविज्ञानं ।  
७ धर्मविज्ञानं । तत्त्वविज्ञानं ।

६६) D १ स्वरूपग्रहणं । २ ग्रहणं । ३ धारणं । ४ विज्ञानं । ५ ऊहनं ।  
६ अपोहनं । ७ तत्त्वज्ञानं चेति ।

६६) E १ सुश्रूषा । २ श्रवणं । ३ ग्रहणं । ४ धारणं । ५ ऊह । ६ अपोह ।  
७ विज्ञानं । ८ तत्त्वज्ञानं चेति ।

६६) F १ सुश्रूषा । २ श्रवणं । ३ ग्रहणं । ४ धारणं । ५ ऊह । ६ अपोह ।  
७ अर्थविज्ञानं । ८ वचनज्ञानं चेति ।



६७. चतुर्विधं गान्धर्वम् ।

१ अवधानगतं(?) । २ स्वरगतं । ३ पदगतं । ४ तालगतं । इति ।

६७) C E F १ स्वरगतं । २ पदगतं । ३ तालगतं । ४ अवधानगतं ।

६७) D १ स्वरगतं । २ पदगतं । ३ अवधानं चेति ।

\*

६८. त्रिविधं गीतम् ।

१ महागीतं । २ अनुगीतं । ३ उपगीतं । इति ।

६८) A B G १ महागीतं । २ अनुगीतं । ३ उपगीतं ।

६८) D १ उपांगगीतं । २ महागीतं । ३ अनुगीतं चेति ।

६८) E gives only त्रिविधं गीतं but does not mention the names.

६८) F १ महागीतं । २ उपगीतं । ३ अनुगीतं ।

\*

६९. पद्मत्रिंशद्गीतगुणाः ।

१ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं ।

६ सुबन्धं । ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० समं ।

११ सदर्थं । १२ सुग्रहं । १३ सुच्छिष्टं । १४ क्रमस्थं ।

१५ सुसमयकं (? सुयमकं) । १६ सुवर्णं । १७ संपूर्णं ।

१८ सालंकारं । १९ सुभाषाद्यं । २० सुगन्धस्थं (? सुगंधीरं) ।

२१ व्युत्पन्नं । २२ मधुरं । २३ स्फुटं । २४ सुप्रभं ।

२५ प्रसन्नं । २६ कंपितं । २७ समजातं । २८ रौद्रगीतं ।

२९ ओजःसगतं (? ओजःसंगतं) । ३० द्रुतं । ३१ मुखस्थापकं ।

३२ हतांशं । ३३ विलम्बितं । ३४ अग्राम्यं । ३५ मध्यं ।

३६ सुप्रमाणं । इति ।

६९) A १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुबन्धं ।

७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० समं । ११ सदर्थं(?) । १२ सुग्रहं । १३ छिष्टं ।

१४ क्रमस्थं । १५ सुसमयकं(?) सुयमकं) । १६ सुवर्णं । १७ सुरसं । १८ सुसंपूर्णं ।

१९ सालंकारं । २० सुभाषाद्यं । २१ सुगंधस्थं । २२ व्युत्पन्नं । २३ मधुरं ।

1 F पद्मत्रिंशद् गुणाः ।

२४ स्फुटं । २५ सुप्रभं । २६ प्रसन्नं । २७ समजातं । २८ रौद्रगीतं । २९ ओजःसंगतं । ३० दर्शनस्थितं । ३१ सुखस्थापकं । ३२ हतांशं । ३३ त्रिम(?)मितं । ३४ मध्यं प्रमाणं । ३५ कवित्कंपितं ।

६९) B १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुबंधं । ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० समं । ११ सदाद्यं(?)सद्यं) । १२ सुग्रहं । १३ श्लिष्टं । १४ क्रमस्थं । १५ सुमयं(?)यम)कं । १६ सुवर्णं । १७ सुरक्तं । १८ संपूर्णं । १९ सालंकारं । २० सुभाषाद्यं । २१ सुगंधस्थं । २२ व्युत्पन्नं । २३ मधुरं । २४ स्फुटं । २५ सुप्रभं । २६ प्रसन्नं । २७ अग्राम्यं । २८ कवित्कंपितं । २९ समजातं । ३० रौद्रगीतं । ३१ ओजःसंगतं । ३२ दर्शनस्थितं । ३३ सुखस्थापकं । ३४ हतंसं(?)हतांशं) । ३५ विल(?)मितं । ३६ मध्यं प्रमाणं ।

६९) C १ सुस्वरं । २ सुपदं । ३ शुद्धं । ४ ललितं । ५ सुसंबंधं । ६ सुजियं(?) । ७ सुरागं । ८ सुरसं । ९ समं । १० विपमं । ११ सदर्पं(?)धं) । १२ सुग्रहं । १३ सुश्लिष्टं । १४ क्रमस्थं । १५ यमकं । १६ सुवर्णं । १७ सुरक्तं । १८ सालंकारं । १९ सुभाषाद्यं(?)ह्यं) । २० सुसंधिस्थं । २१ सु(?)व्यु)त्पत्तिकं । २२ मधुरं । २३ स्फुटं । २४ प्रसन्नं । २५ अग्राम्यं(?)श्राम्यं) । २६ सुकवित्वं । २७ विचारवतां(?) । २८ सुखस्थितं । २९ विलंबितं । ३० द्रुतं । ३१ मध्यं । ३२ उत्कीयमाणं । ३३ सुवाद्यं । ३४ सुकलं । ३५ सुनृत्यं ।

६९) D १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुप्रबद्धं । ७ सुरागं । ८ सुरम्यं । ९ समं । १० सदाद्यं(?)धं) । ११ सुग्रहं । १२ दृष्टं । १३ सुकाव्यं । १४ सुयमकं । १५ सुरक्तं । १६ संपूर्णं । १७ सालंकारं । १८ सुभाषाद्यं(?)सुभाषाद्यं) । १९ सुसंधिस्थं । २० व्युत्पन्नं । २१ गंभीरं । २२ स्फुटं । २३ सुप्रभं । २४ अग्राम्यं । २५ कुंचितं । २६ क(?)कंपितं) । २७ समायातं । २८ रौद्रगीतं । २९ प्रसन्नं । ३० स्थितं । ३१ सुखस्था(?)सुखस्थापकं) । ३२ द्रुतं । ३३ मध्यं । ३४ विलंबितं । ३५ गुह्यं । ३६ प्राञ्जलत्वं । ३७ उक्तप्रमाणं चेति ।

६९) E १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुसंबंधं । ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० सुसंगीतं । ११ सुहर्षं । १२ सुग्रहं । १३ श्लिष्टं । १४ क्रमस्थं । १५ सुवर्णं । १६ सुगमं । १७ सुरक्तं । १८ संपूर्णं । १९ सालंकारं । २० सुभाषाद्यं(?)ह्यं) । २१ सुधिष्यं(?)ण्यं) । २२ मधुरं । २३ स्फुटं । २४ प्रसन्नं । २५ अग्राम्यं । २६ कुंचितं । २७ कंपितं । २८ समायातं । २९ विद्यासंगतं । ३० प्रथमस्थितं । ३१ सुखस्थं । ३२ द्रुतं । ३३ विलंबनं(?)वितं) । ३४ मध्यं । ३५ उक्तं । ३६ प्रमाणं चेति ।

६९) F १ स्वरगतं । २ सुस्वरं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुसंबद्धं । ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० सुसंगीतं । ११ सहर्षं(?)षं) । १२ सुग्रहं । १३ सुश्लिष्टं । १४ क्रमस्थं । १५ सुवर्णं । १६ सुगमं । १७ सुरक्तं । १८ संपूर्णं । १९ सालंकारं । २० सुभाषाद्यं(?)ह्यं) । २१ सुसंधिष्ठं । २२ सुगतनं(?) । २३ सुधु(?)व्यु)त्पन्नं । २४ मधुरं । २५ स्फुटं । २६ प्रसन्नं । २७ संप्राम्यं । २८ विकम्पितं । २९ समूज(?)जि)नं । ३० विद्यासंगतं । ३१ प्रथमस्थं । ३२ सुखस्थं । ३३ द्रुतविलंबितं । ३४ मध्यं । ३५ सुप्रमाणं । चेति ।

६९) G १ सुस्वरं । २ सुतालं । ३ सुपदं । ४ शुद्धं । ५ ललितं । ६ सुबंधं ।  
 ७ सुप्रमेयं । ८ सुरागं । ९ सुरसं । १० समं । ११ सदर्थं । १२ सुग्रहं । १३ शिष्टं ।  
 १४ क्रमस्थ । १५ सुसमयकं । १६ सुवर्णं । १७ सुरक्तं । १८ संपूर्णं । १९ सालङ्कारं ।  
 २० सुभाषाद्यं(?) । २१ सुगन्धस्थं । २२ व्युत्पन्नं । २३ मधुरं । २४ स्फुटं ।  
 २५ सुप्रभं । २६ प्रसन्नं । २७ [कं]पितं । २८ समजातं । २९ रौद्रगीतं । ३० ओजः  
 र्सगतं । ३१ दर्शनस्थितं । ३२ सुखव्यापकं । ३३ हतांशं । ३४ विल(?)पितं ।  
 ३५ मध्यं प्रमाणं ।

\*

७०. चतुर्विधं वाच्यम् ।

१ ततं । २ विततं । ३ घनं । ४ सुखिरं । इति ।

७०) C १ ततं । २ विततं । ३ घनं । ४ सुखिरं(?) ।

७०) D १ ततं । २ विततं । ३ घनं । ४ शिखरं (सुखिरं) चेति ।

७०) F १ स्फुटं । २ विततं । ३ घनं । ४ सुखिरं ।

\*

७१. द्विप्रकारं नृत्यम् ।

१ ताण्डवं । २ लास्यं । इति ।

७१) D E १ लास्यं ताण्डवं च ।

७१) F १ लास्यं ताण्डवं चेति ।

\*

७२. षोडशविधं काव्यम् ।

१ समयः । २ प्रतिभा । ३ अभ्यासः । ४ विद्या ।

५ जातिः । ६ गीतिः । ७ रीतिः । ८ वृत्तिः । ९ वाच्यं ।

१० वाचकं । ११ छन्दः । १२ अलङ्कारः । १३ गुणः ।

१४ रसः । १५ भावः । १६ अभिनयः । इति ।

७२) A B १ समयप्रतिभा । २ अभ्यास । ३ विद्या । ४ जाति । ५ गीति ।

६ रीति । ७ वृत्ति । ८ वाचकम् । ९ वाचक । १० छन्द । ११ अलङ्कार ।

१२ गुण । १३ दोष । १४ रस । १५ भाव । १६ अभिनयं ।

७२) C १ समयति । २ अभ्यास । ३ विद्या । ४ जाति । ५ गीति । ६ वृत्ति ।

७ वाच्यं । ८ वाचकं । ९ छन्द । १० अलङ्कार । ११ गुण । १२ दोष । १३ रस ।

१४ भाव । १५ हाव । १६ अभिमानश्चेति ।

७२) D १ अभ्यासः । २ विद्या । ३ रीति । ४ गीति । ५ वृत्तिः । ६ काव्यं ।  
७ अलंकारः । ८ वाचना । ९ प्रगोधः । १० गुणः । ११ दोषः । १२ रसः ।  
१३ भावः । १४ अभिधानं । १५ जातिः । चेति ।

७२) E १ समय । २ प्रतिभापा । ३ अभ्यास । ४ जाति । ५ गीत(?ति) ।  
६ रीति । ७ वृत्तवाच्य । ८ वाचक । ९ छन्द । १० अलंकार । ११ गुण ।  
१२ दोष । १३ रस । १४ भाव । १५ अभिनय । १६ विद्या ।

७२) F १ समय । २ प्रतिभा । ३ अभ्यास । ४ विद्या । ५ जाति । ६ गीति ।  
७ रीति । ८ वृत्ति । ९ वाच्य । १० वाचक । ११ छन्दस् । १२ अलंकार ।  
१३ गुण । १४ दोष । १५ रस । १६ अभिनयश्चेति ।

७२) G १ समय । २ प्रतिभा । ३ अभ्यास । ४ विद्या । ५ जाति । ६ गीति ।  
७ रीति । ८ वृत्ति । ९ वात्सल्य । १० वाचक । ११ छन्द । १२ अलंकार ।  
१३ गुणदोष । १४ रस । १५ भाव । १६ अभिनय ।

७३. †दशविधं वक्तृत्वम् ।

१ परिभावितं । २ सत्यं । ३ मधुरं । ४ सार्थकं ।  
५ परिस्फुटं । ६ परिमितं । ७ मनोहरं । ८ विचित्रं ।  
९ प्रसन्नं । १० भावानुगतं । इति ।

† C E F give no vivarana.

७३) D १ मधुरं । २ सार्थक(?थे)कं । ३ परिस्फुटं । ४ सुमनोहरं । ५ परिमित्र(?तं) ।  
६ चित्रं । ७ प्रसन्न । ८ भा[वा]नुगतं ।

७४. पड्विधं भापालक्षणम् ।

१ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचं ।  
५ मागधं । ६ सौरसेनं । इति ।

७४) A B G १ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचिकं । ५ मागधं ।  
६ सौरसेनं ।

७४) C १ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचिकं । ५ मागधं ।  
६ [सौर]सेनं ।

७४) D १ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचकं । ५ मागधं ।  
६ सौरसेनं ।

७४) E १ संस्कृत । २ प्राकृत । ३ अपभ्रंश । ४ पैशाच । ५ मागध ।  
६ सूरसेन ।

I A B सार्थकं ।

७४) F १ संस्कृतं । २ प्राकृतं । ३ अपभ्रंशं । ४ पैशाचिकं । ५ सूस्तेनं ।  
६ मागधं चेति ।

#

७५. पञ्चविधं पाण्डित्यम् ।

१ वक्तृत्वं । २ कवित्वं । ३ वादित्वं । ४ आगमिकत्वं ।

५ सारस्वतप्रमाणं । इति ।

७५) C १ वक्तृत्वं । २ वशित्वं । ३ आगम । ४ सारस्वत । ५ प्रमाणं । चेति ।

७५) D १ वक्तृत्वं । २ आगमित्वं । ३ शास्त्रसंस्कार । ४ प्रौढित ।

५ सारस्वतप्रमाणं ।

७५) E १ वक्तृत्वं । २ वादिकत्वं । ३ कवित्वं । ४ आगमत्वं । ५ गमत्वं ।

७५) F १ वक्तृत्वं । २ वादस्कं (?दित्वं) । ३ कवित्वं । ४ आगमत्वं । ५ गमत्वं चेति ।

#

७६. चतुर्विंशतिविधं वादलक्षणम् ।

१ उत्पत्तिः । २ समाप्तिः । ३ सत्यवादः । ४ प्रतिवादः ।

५ पक्षः । ६ प्रतिपक्षः । ७ प्रमाणं । ८ प्रमेयं । ९ प्रभेदः ।

१० प्रश्नः । ११ प्रत्युत्तरः । १२ दूषणं । १३ अर्थान्तरं ।

१४ उपन्यासः । १५ अनुवादः । १६ आदेशः । १७ निर्वाहः ।

१८ निर्णयः । १९ विग्रहस्थानं । २० अर्थान्तरसमता । २१ सुस्वरत्वं ।

२२ उच्चारणं । २३ जयः । २४ पराजयः । इति ।

७६) AB १ उत्पत्ति । २ समापति । ३ सत्यवादि । ४ प्रतिवादि । ५ पक्ष-  
प्रमाण । ६ प्रमेय । ७ प्रभेद । ८ प्रश्न । ९ प्रत्युत्तर । १० दूषण । ११ भूषण ।  
१२ अर्थान्तर । १३ उपन्यास । १४ अनुवाद । १५ आदेश । १६ निर्वाह । १७ निर्णय ।  
१८ निश्चय । १९ स्थान । २० समता । २१ निग्रह । २२ जय । २३ अजय ।

७६) C १ उत्पत्ति । २ समापति । ३ सत्यवाद । ४ पक्ष । ५ प्रतिपक्ष ।  
६ प्रमाण । ७ प्रमेय । ८ प्रभेद । ९ प्रसन्न । १० प्रत्युत्तर । ११ दूषण । १२ उप-  
न्यास । १३ आदेश । १४ निर्णय । १५ निश्चय । १६ नियम । १७ अर्थ ।  
१८ समता । १९ वर्णन । २० माधुर्यं । २१ सुस्वरत्वं । २२ उच्चारण । २३ जय ।  
२४ पराजय ।

७६) D १ उत्पत्तिः । २ समापति । ३ सत्यवादी । ४ पक्षि । ५ प्रतिपक्षि ।  
६ प्रमाण । ७ प्रमेय । ८ प्रसन्न । ९ प्रभेद । १० उत्तरप्रत्युत्तर । ११ दूषण ।

1 E पंचपाण्डित्यं । 2 C चतुर्विंशतिविधं वादलक्षणं ।

१२ भूषण । १३ अभ्यन्तर । १४ अनुवाद । १५ अमेद् । १६ निर्वाह । १७ निर्णय ।  
१८ विग्रहस्थान । १९ समता । २० जय । २१ अजयश्चेति ।

७६) E १ उत्पत्तिः । २ सभापतिः । ३ सत्यवादी । ४ सभावाद । ५ पक्ष ।  
६ प्रतिपक्षमाण । ७ प्रमेय । ८ शस्त्रप्रमेद । ९ प्रसन्न । १० प्रत्युत्तर । ११ दूषण ।  
१२ भूषण । १३ उपन्यास । १४ अनुवाद । १५ दशसमिता । १६ निर्णयस्थान ।  
१७ अर्थोत्तर । १८ समता । १९ जय । २० पराजयश्चेति ।

७६) F १ उत्पत्ति । २ समाप्ति । ३ सभावादपक्ष । ४ प्रमाण । ५ प्रमेय ।  
६ प्रतिपक्ष । ७ प्रमेद । ८ प्रसन्न । ९ प्रत्युत्तर । १० दूषण । ११ भूषण ।  
१२ उपन्यास । १३ अनुवाद । १४ आदेश । १५ निर्णय । १६ निश्चय ।  
१७ प्रतिपक्ष । १८ निश्चयस्थान । १९ अर्थान्तरसमता । २० जय । २१ पराजयश्चेति ।

७६) G १ उत्पत्ति । २ सभापति । ३ सत्यवादि । ४ प्रतिवादि । ५ पक्ष ।  
६ प्रमाण । ७ प्रमेय । ८ प्रमेद । ९ पक्ष । १० प्रत्युत्तर । ११ दूषण ।  
१२ भूषण । १३ अर्थान्तर । १४ उपन्यास । १५ अनुवाद । १६ आदेश ।  
१७ निर्वाह । १८ निर्णय । १९ निश्चय । २० स्थान । २१ समता । २२ विग्रह ।  
२३ जय । २४ अजय ।

\*

७७. षड्विधं दर्शनम् ।

१ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ साङ्ख्यं । ४ बौद्धं । ५ जैनं ।

६ चार्वाकं । इति ।

७७) D १ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ सांख्यं । ४ जैनं । ५ बौद्धं । ६ चार्वाकं चेति ।

७७) E १ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ सांख्यं । ४ जैन्यं । ५ बौद्धं । ६ चार्वाकं ।

७७) F १ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ सांख्यं । ४ बौद्धं । ५ जैनं । ६ चार्वाकं चेति ।

७७) G १ माहेश्वरं । २ ब्राह्मं । ३ सांख्यं । ४ बौद्धं । ५ जैनं । ६ चार्वाकं ।

\*

७८. अष्टविधं माहेश्वरम् ।

१ नैयायिकं । २ वैशेषिकं । ३ शैवं । ४ पाशुपतं ।

५ महाव्रतं । ६ कालमुखं । ७ शांभवं । ८ मुक्तिपर्यंतं । इति ।

७८) ABG १ नैयायिक । २ वैशेषिक । ३ शिवधर्म । ४ शैव । ५ कालमुख ।  
६ पाशुपत । ७ महाव्रत । ८ मुक्तिपर्यंत ।

७८) C १ पाशुपत । २ कालमुख । ३ महाव्रत । ४ शांभवपर्येक । ५ शिवधर्म । ६ शैव ।

७८) D १ न्याय । २ विशेषक । ३ शिवधर्म । ४ शैव । ५ पाशुपत । ६ काल-  
मुख । ७ महाव्रतिकः ।

७८) E १ न्याय । २ वैशेषिक । ३ शैव । ४ पाशुपत । ५ कालमुख । ६ महा-  
व्रतिक । ७ शिवधर्म । ८ पर्यंतश्चेति ।

1 A B E F G पट्ट दर्शनानि ।; C षड्विधं दर्शनलक्षणं । 2 C अष्टविधं माहेश्वरं ।

७८) F gives no Vivaraṇa . . .

\*

७९. दशविधं ब्राह्म्यम् ।

१ प्रमाणं । २ संस्कारः । ३ कर्मवर्तनं । ४ होमः । ५ जापः । ६ श्रुता-  
ध्ययनं । ७ गार्हस्थ्यं । ८ वानप्रस्थं । ९ यतिः । १० ब्रह्मचर्यं । इति ।

७९) A १ लक्षण । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ कर्म । ५ ब्रह्मचारि । ६ गृहस्थ ।  
७ वानप्रस्थ । ८ यति । ९ ब्रह्मपर्येत । १० वर्तन ।

७९) B १ लक्षण । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ कर्म । ५ वर्तन । ६ ब्रह्मचारी ।  
७ गृहस्थ । ८ वानप्रस्थ । ९ यति । १० ब्रह्मपर्येत ।

७९) C १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ कर्म । ५ वर्तन । ६ ब्रह्मचारी ।  
७ गृहस्थ । ८ वानप्रस्थ । ९ यति । १० ब्रह्मपर्येतकश्चेति ।

७९) D १ प्रमाण । २ संस्कार । ३ कर्मवर्तन । ४ होम । ५ जाप । ६ श्रुता-  
ध्ययन । ७ वानप्रस्थ । ८ गृहस्थ । ९ यति । १० ब्रह्मपर्येत[त्] चेति ।

७९) E १ प्रमाण । २ संस्कार । ३ कर्म । ४ वर्तन । ५ ब्रह्मचारी । ६ गृहस्थ ।  
७ वानप्रस्थ । ८ यति ।

७९) F १ लक्षण । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ कर्म । ५ वर्तन । ६ ब्रह्मचारी ।  
७ गृहस्थ । ८ वानप्रस्थ । ९ यति । १० ब्रह्मचर्यं । चेति ।

७९) G १ प्रमाण । २ संस्कार । ३ कर्म । ४ वर्तन । ५ ब्रह्मचारी । ६ गृहस्थ ।  
७ वानप्रस्थ । ८ यति । ९ ब्रह्म । १० पर्येत ।

\*

८०. चतुर्विधं साङ्ख्यम् ।

१ तत्त्वं । २ प्रमाणं । ३ प्रकारः । ४ सर्वात्मं । इति ।

८०) AG १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ प्रकार । ४ सर्वात्मपर्येत ।

८०) B १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ प्रकार । ४ प्रमेद । ५ प्रमेदपर्येत ।  
६ सर्वात्मपर्येत ।

८०) C १ तत्त्वांग । २ सर्वात्मता । ३ प्रमाणं । ४ प्रकार ।

८०) D १ तत्त्वप्रमाणं । २ सर्वात्मा । ३ प्रकार । ४ फलार्थे । चेति ।

८०) E १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ सर्वात्मा । ४ प्रकारपर्येतकश्चेति ।

८०) F १ तत्त्व । २ प्रमाण । ३ संस्कार । ४ सर्वात्मं । चेति ।

\*

८१. सप्तविधं जैनम् ।

१ सर्वज्ञः । २ धर्मः । ३ तत्त्वार्थः । ४ प्रमाणं । ५ प्रतिमा ।  
६ प्रमेदः । ७ सिद्धिः । इति ।

८१) A B D F G १ सर्वज्ञ । २ धर्म । ३ तत्त्वार्थ । ४ प्रमाण । ५ प्रतिमा । ६ प्रमेद । ७ सिद्धिपर्यंत ।

८१) C १ सर्वज्ञ । २ धर्म । ३ तत्त्व । ४ प्रमाण । ५ अर्थ । ६ प्रतिमा । ७ प्रतिमेद । ८ सिद्धिश्चेति ।

८१) E १ सर्वज्ञ । २ तत्त्वार्थ । ३ प्रमाण । ४ प्रतिमा । ५ प्रमेदसिद्धि । ६ पर्यंत । ७ धर्मश्चेति ।

\*

### ८२. दशविधं बौद्धम् ।

१ सौगतं । २ पारमिता । ३ विहारः । ४ प्रमाणं । ५ सौत्रान्तिकं । ६ वैभाषिकं । ७ यौगाचारं । ८ माध्यमिकं । ९ मोक्षः । १० सर्व-दशारिगतं । इति ।

८२) A १ स्वसंबद्ध । २ पर्वत । ३ पारिगत । ४ विहार । ५ प्रमाण । ६ सूत्रांतिक । ७ वैभाषिक । ८ योगाचार । ९ माध्यमिक । १० मोक्षपर्यंत ।

८२) B G १ स्वसंबद्ध । २ पर्वत । ३ पारिगत । ४ विहारः । ५ प्रमाण । ६ सूत्रांतिक । ७ वैभाषिक । ८ योगाचार । ९ माध्यमिक । १० मोक्षपर्यन्त ।

८२) C १ सौगतं । २ परिपद । ३ परिमितं । ४ विहार । ५ प्रमाणं । ६ शैवांतिकं । ७ वैभाषिकं । ८ योगाचारं । ९ माध्यमिकं । १० मोक्षश्चेति ।

८२) D १ समता । २ परिमिता । ३ पारमिता । ४ विहार । ५ प्रमाण । ६ सौत्रांतिक । ७ वैराशक(?) । ८ योगोपचार । ९ मोक्षपर्यंत ।

८२) E १ सुगत । २ परिगत । ३ पारमित । ४ विहार । ५ प्रमाण । ६ सौत्रान्तिक । ७ योगांत । ८ माध्यमिक । ९ मोक्ष । १० माध्यमपर्यंतश्चेति ।

८२) E १ स्वागतं । २ सर्वदशारिगतविहार । ३ प्रमाण । ४ प्रमेद । ५ शैवांतिक । ६ विभाषिका । ७ योगाचार । ८ मध्यमिका । ९ परमित । १० मोक्षपर्यन्तं ।

\*

### ८३. चतुर्विधं चार्वाकम् ।

१ तत्त्वं । २ प्रमाणं । ३ प्रमेदः । ४ प्रमोदः । इति ।

८३) A B G १ तत्त्वार्थ । २ प्रमाण । ३ प्रमेद । ४ प्रमोदपर्यन्त ।

८३) C १ तत्त्व । २ प्रमाणं । ३ मेद । ४ पर्यंक ।

८३) E १ तत्त्वप्रमाणं । २ प्रमेद । ३ प्रमोद । ४ पर्यंतश्चेति ।

८३) F १ तत्त्वार्थ । २ प्रमाण । ३ प्रमेद । ४ प्रमोदपर्यन्तं । चेति ।

\*



८४. चतुर्विंशतिविधं विचारकत्वम् ।

१ विद्या । २ विज्ञानं । ३ विनोदः । ४ कला । ५ कवित्वं ।  
६ वक्तृत्वं । ७ गीतं । ८ वाद्यं । ९ नृत्यं । १० देशः । ११ कालः ।  
१२ पात्रं । १३ प्रमेयं । १४ वादः । १५ जयः । १६ रसः । १७ भावः ।  
१८ अभिनयः । १९ धर्मः । २० अर्थः । २१ कामः । २२ मोक्षः ।  
२३ लोकवादः । २४ विचारः । इति ।

८४) A B G १ विद्या । २ विनोद । ३ विज्ञान । ४ कला । ५ कवित्व ।  
६ वक्तृत्व । ७ गीत । ८ वाद्य । ९ नृत्य । १० देश । ११ काल । १२ पात्र ।  
१३ प्रमेय । १४ पर्याय । १५ जय । १६ रस । १७ भाव । १८ अभिनय ।  
१९ धर्म । २० अर्थ । २१ काम । २२ मोक्ष । २३ लोकवाद । २४ विचारपर्येत ।

८४) C १ विद्या । २ विज्ञान । ३ विनोद । ४ कला । ५ कवित्व । ६ वक्तृत्व ।  
७ गीत । ८ नृत्य । ९ देश । १० काल । ११ पात्र । १२ प्रमेय । १३ पर्याय ।  
१४ संवाद । १५ अभिनय । १६ धर्म । १७ अर्थ । १८ काम । १९ मोक्ष ।  
२० लोकपर्येतश्चेति ।

८४) E १ विद्या । २ विज्ञान । ३ विनोद । ४ कला । ५ कवित्व । ६ वक्तृत्व ।  
७ गीत । ८ नृत्य । ९ वाद्य । १० देश । ११ पात्र । १२ प्रमेय । १३ रस ।  
१४ वाद । १५ अभिनय । १६ धर्म । १७ अर्थ । १८ काम । १९ मोक्ष ।  
२० लोकवादपर्येतश्चेति ।

८४) F १ विद्या । २ विज्ञान । ३ विनोद । ४ कला । ५ कवित्व । ६ वक्तृत्व ।  
७ गीत । ८ नृत्य । ९ वाद्य । १० देश । ११ काल । १२ पात्र । १३ प्रमेय ।  
१४ पर्याय । १५ जय । १६ रसवाद । १७ अभिनय । १८ धर्म । १९ अर्थ ।  
२० काम । २१ मोक्ष । २२ लोक । २३ वाद । २४ विचारपर्येतश्चेति ।

\*

८५. दशविधं गुरुत्वम् ।

१ वंशे २ ज्ञाने ३ पदे ४ सत्त्वे ५ शौर्ये ६ दाने ७ बले ८ जये ।  
९ संताने १० स्वगुणे चेति गुरुत्वं दशधा मतम् ॥

८५) E १ वि(वंशे)ज्ञाने पदे शौर्ये सत्त्वे दाने बले जये । संताने स्वगुणे चेति ।

८५) F १ वंशे । २ दाने । ३ पदे । ४ शौर्ये । ५ देवे । ६ दाने । ७ बले ।  
८ जये । ८ विजये । ९ विज्ञाने । १० स्वगुणे गुरुत्वं दशधा मतम् ।

\*

1 A B G अथ चतुर्विंशति\* । 2 C चार्यांकः । F वादलक्षणं । 3 C चादत्यं ।  
4 A G स्वगुणे । B गुरुणे ।

८६. पञ्चविधं चरितम् ।

१ ज्ञानचरितं । २ मानचरितं । ३ दानचरितं । ४ वीरविलासचरितं ।  
५ धर्मरंभचरितं । इति ।

८६) C १ विलासचरित्रं । २ धर्मेचरित्रं । ३ वीरचरित्रं । ४ गुणः प्रक्षेपणं ।

८६) E १ दानं । २ मानं । ३ ज्ञानं । ४ विचार । ५ विलास ।

८६) F १ वीरचरितं । २ विलासचरितं । ३ ज्ञानचरित्रं । ४ कलाचरित्रं । ५ गुण-  
प्रक्षामचरितं चेति ।

\*

८७. पञ्चविधं पार्थिवानां पालनम् ।

१ राज्यपालनं । २ प्रजापालनं । ३ भूमिपालनं । ४ धर्मपालनं ।  
५ शरीरपालनं । इति ।

८७) C १ कर्मपालनं । २ धर्मपालनं । ३ प्रजापालनं । ४ भूमिपालनं । ५ शरीरपालनं ।

८७) E १ धर्मपालनं । २ राज्यपालनं । ३ भूमिपालनं । ४ शरीरपालनं । ५ प्रजापालनं ।

८७) F १ साधुपालनं । २ राज्यपालनं । ३ प्रजापालनं । ४ भूमिपालनं ।  
५ सत्यपालनं । चेति ।

\*

८८. सप्तविधा प्राप्तिः ।

१ ज्ञाने २ धर्मे ३ बले ४ कामे ५ विज्ञाने ६ पात्रसंग्रहे ।  
७ महार्थे भूमुजां नित्यं प्राप्तिः सप्तविधा मता ॥

८८) C ज्ञाने धर्मे बले कामे विज्ञाने पात्रसंग्रहे । सर्वार्थभूत(?)मुजां चैव प्राप्तिः सप्तविधा  
मता ॥

८८) E ज्ञाने धर्मे बले कामे विज्ञाने पात्रसंग्रहे । सर्वार्थभूमुजां नित्यं प्राप्तिः सप्तविधा  
मता ॥

८८) F ज्ञाने धर्मे क(?)बले कामे विज्ञाने पात्रसंग्रहे । सर्वार्थं भूमुजानां नित्यप्राप्तिः ।

\*

८९. चतुर्विंशतिविधं शौर्यम् ।

१ शब्दशौर्यं । २ प्रतापशौर्यं । ३ दानशौर्यं । ४ स्थानशौर्यं ।  
५ उदयशौर्यं । ६ तेजशौर्यं । ७ संग्रामशौर्यं । ८ प्रतिपत्तिशौर्यं । ९ जय-

1 C E चरित्रं । 2 F पार्थिवानां प्रजापालनं । 3 F drops प्राप्तिः ।

शौर्य । १० मानशौर्य । ११ ज्ञानशौर्य । १२ साहसशौर्य । १३ शरणा-  
गतशौर्य । १४ प्रमोदशौर्य । १५ उद्यमशौर्य । १६ अर्थशौर्य ।  
१७ आचारशौर्य । १८ बलशौर्य । १९ कीर्तिशौर्य । २० धर्मशौर्य ।  
२१ रक्षणशौर्य । २२ गुणशौर्य । २३ परिवोधशौर्य । २४ प्रबोधशौर्य ।  
इति ।

८९) A B G १ शब्दशौर्य । २ प्रतापशौर्य । ३ दान । ४ स्थान । ५ उद्यम । ६ तेज ।  
७ संग्राम । ८ प्रतिपन्न । ९ जय । १० मान । ११ ज्ञान । १२ साहस । १३ शरणागत ।  
१४ परिवोध । १५ प्रमोद । १६ उद्यम । १७ अर्थ । १८ आचार । १९ बल । २० कीर्ति ।  
२१ लक्षण । २२ गुण । २३ ज्ञान । २४ मान ।

९०) C १ नाम । २ शब्द । ३ प्रताप । ४ दान । ५ स्थान । ६ उत्तम । ७ तेज ।  
८ संग्राम । ९ प्रतिपत्ति । १० जयमान । ११ ज्ञान । १२ साहस । १३ शरणागत ।  
१४ रक्षण । १५ प्रबोध । १६ प्रमोद । १७ आज्ञा । १८ उद्यम । १९ यथाचार । २० बल ।  
२१ कीर्ति । २२ शौर्य । २३ धर्म । २४ रक्षण चेति ।

९१) E १ ज्ञान । २ मान । ३ शब्द । ४ प्रताप । ५ ज्ञान । ६ उद्यम । ७ तेज ।  
८ संग्राम । ९ जय । १० साहस । ११ प्रतिपन्न । १२ शरणागत । १३ प्रबोध । १४ प्रमोद ।  
१५ आज्ञा । १६ उद्यम । १७ अर्थ । १८ आचार । १९ बल । २० कीर्ति । २१ लक्षण ।  
२२ शौर्य चेति ।

९२) F १ तनु । २ शब्द । ३ प्रताप । ४ दान । ५ स्थान । ६ उद्यम । ७ तेज ।  
८ संग्राम । ९ प्रतिपन्न । १० जय । ११ मान । १२ ज्ञान । १३ साहस । १४ शरणागत ।  
१५ प्रबोध । १६ प्रमोद । १७ आज्ञा । १८ उद्यम । १९ अर्थ । २० आचार । २१ बल ।  
२२ कीर्ति । २३ लक्षण । २४ गुणशौर्य चेति ।

९० दशविधं बलम् ।

वाक्कायबुद्धिमन्त्रैश्च स्थानसैन्यसुहृज्जनैः । शकुनैर्दैवतैश्चेति राशं  
दशविधं बलम् ॥

९०) O १ वाक्बल । २ कायबल । ३ बुद्धिबल । ४ मंत्रबल । ५ स्थानबल ।  
६ सैन्यबल । ७ सुहृत्बल । ८ शकुनबल । ९ राजबल ।

९०) E १ वाक् । २ काय । ३ बुद्धि । ४ मंत्र । ५ मन । ६ सुहृद् । ७ शकुन ।  
८ सैन्य । ९ घने । १० धृति । ११ देवता चेति ।

९०) F वक्तायुः बुद्धिमन्त्रैश्च स्थानं सैन्यं सुहृज्जनैः ।

शकुनैर्दैवतैश्चेति राशं दशविधं बलम् ॥

९१. दशविधः सङ्ग्रहः ।

ज्ञाने पात्रे गुणे शौर्ये पत्नीयोगे बले जये । धर्मे मित्रे श्रुते यज्ञे  
दशधा गुणसङ्ग्रहः ॥

- ९१) A ज्ञाने पात्रे गुणे शौर्ये पत्नीयोगे बले धर्मे जये गुणेषु श्रुतसंग्रहः ॥  
 ९१) B ज्ञाने पात्रे गुणे शौर्ये पत्नीयोगे बाल धर्मे जये गुणेषु श्रुतसंग्रहः ॥  
 ९१) C ज्ञाने पात्रे च विक्रे च पक्ष्यायोगे बले जये लक्षित ।  
 ९१) E १ ज्ञानपात्र । २ मित्रपात्र । ३ शौर्यपात्र । ४ नियोग । ५ बल ।  
 ६ प्रवीण । ७ यज्ञ । ८ धर्म । गुणसंग्रहः ।  
 ९१) F ज्ञाने पात्रे च मित्रे च पत्नीयोगे बले जये । धर्मे गुणे श्रुते चैव संग्रहः सप्तधा  
 मतः ॥  
 ९१) G ज्ञाने पात्रे गुणे शौर्ये पत्नीयोगे बले धर्मे जये गुणेषु श्रुतसंग्रहः ॥

\*

९२. दशविधो जयः ।

ज्ञानासनप्रतापैश्च सङ्ग्रामैश्च सुहृज्जनैः । निद्राहारोदयैश्चेति राज्ञां दश-  
विधो जयः ॥

- ९२) A G ज्ञानासनं प्रतापैर्वा संग्रामैश्च सुहृज्जनैः ।  
 निद्राहारोदयाश्चेति राज्ञां दशविधो जयः ॥  
 ९२) B ज्ञानासनं प्रतापैर्वा संग्रामै स्वसुहृज्जनैः ।  
 निद्राहारै दयाश्चेति राज्ञा दशविधो जयः ॥  
 ९२) C १ ज्ञान । २ सैन्य । ३ प्रताप । ४ काम । ५ संग्राम । ६ ऐश्वर्य । ७ सुकृत ।  
 ८ मित्र । ९ सत्व ।  
 ९२) E १ मित्र । २ पात्र । ३ नियोग । ४ वासना । ५ सुहृद । ६ प्रताप ।  
 ७ ऐश्वर्य । ८ संग्राम । ९ वाक । १० परिश्रमी । ११ निद्रा । १२ व्याहार । १३ इन्द्रिय ।  
 ९२) F ज्ञानासनप्रतापेऽर्वाक् संग्रामैश्चसुहृज्जनैः ।  
 निद्राहारेन्द्रिये चेति राज्ञां दशविधो जयः ॥

\*

९३. पञ्चविधः परिच्छेदः ।

१ अलक्षित । २ लक्षित । ३ मानसिकं । ४ वाचिकं । ५ कार्मिकं ।  
चेति ।

- ९३) A B C D G give no Vivarana  
 ९३) E १ अलक्षित । २ लक्षित । ३ मानसिक । ४ वाचिक । ५ कर्मण ।  
 ९३) F १ अलिपित । २ लिखित । ३ मानसिक । ४ वाचिक । ५ कर्मणा चेति ।

\*

1 F सप्तविधः संग्रहः ।

९४. पञ्चविधं प्रभुत्वम् ।

१ कुलप्रभुत्वं । २ ज्ञानप्रभुत्वं । ३ दानप्रभुत्वं । ४ स्थानप्रभुत्वं ।  
५ अभयप्रभुत्वं । इति ।

९४) A G १ कुलप्रभुत्वं । २ ज्ञानप्रभुत्वं । ३ दानप्रभुत्वं । ४ स्थानप्रभुत्वं ।  
५ अभयप्रभुत्वं ।

९४) B १ कुलप्रभुत्वं । २ दानप्रभुत्वं । ३ स्थानप्रभुत्वं । ४ अभयप्रभुत्वं ।

९४) C १ कुल । २ शौर्य । ३ दान । ४ स्थापन । ५ गुण ।

९४) E १ ज्ञानप्रभुत्व । २ अक्षय । ३ शौर्य । ४ स्थापना । ५ प्रदान । ६ अभय ।

९४) F १ ज्ञानप्रभुत्व । २ आय(?)प्रभुत्व । ३ शौर्यप्रभुत्व । ४ स्थानप्रभुत्व ।  
५ दानप्रभुत्व चेति ।

\*

९५. सप्तविधमुत्तमत्वम् ।

१ वयः । २ कुलं । ३ रूपं । ४ शीलं । ५ पदं । ६ ज्ञानं ।  
७ प्रयोगः । इति ।

९५) A B G १ वयः । २ कुल । ३ रूप । ४ शील । ५ पद । ६ ज्ञान ।  
७ प्रयोगपर्यन्तं चेति

९५) C gives no Vivaraṇa

९५) E १ वयः । २ कुलं । ३ शीलं । ४ रूपं । ५ पदं । ६ ज्ञानं । ७ प्रयोगः ।

९५) F १ वयस् । २ कुल । ३ शील । ४ रूप । ५ पद । ६ ज्ञान । ७ योग ।  
८ प्रयोगश्चेति ।

\*

९६. नवविधा शक्तिः ।

१ धर्मशक्तिः । २ दानशक्तिः । ३ मन्त्रशक्तिः । ४ ज्ञानशक्तिः ।  
५ अर्थशक्तिः । ६ कामशक्तिः । ७ युद्धशक्तिः । ८ व्यायामशक्तिः ।  
९ भोजनशक्तिः । इति ।

९६) C १ व्यायामशक्ति । २ ज्ञानशक्ति । ३ दानशक्ति । ४ धर्मशक्ति ।  
५ अर्थशक्ति । ६ युद्धशक्ति । ७ भोजनशक्ति । ८ विद्याशक्ति ।

९६) E १ धर्मशक्तिः । २ मन्त्रशक्तिः । ३ कामशक्तिः । ४ भोजनशक्तिः । ५ युद्ध ।  
६ व्यायाम । ७ देश । ८ उपार्जन । ९ वाद ।

९६) F १ दानशक्ति । २ धर्मशक्ति । ३ मन्त्रशक्ति । ४ ज्ञानशक्ति । ५ कामशक्ति ।  
६ अर्थशक्ति । ७ युद्धशक्ति । ८ भोजनशक्ति । ९ व्यायामशक्तिश्चेति ।

\*

१७. सप्तविधा भुक्तिः ।

१ शब्दः । २ स्पर्शः । ३ रूपं । ४ रसः । ५ गन्धः । ६ अभिमानः ।

७ देशः । इति ।

१७) C gives no Vivarana

१७) E १ प्रतिमान । २ द्रव्य । ३ शब्द । ४ स्पर्श । ५ रूप । ६ रस । ७ गंध ।

८ देशभुक्ति ।

१७) F १ अभिमान । २ शब्द । ३ रस । ४ रूप । ५ गंध । ६ देश ।

७ स्पर्शभुक्तिश्चेति ।

\*

१८. अष्टविधमभिमानलक्षणम् ।

ज्ञाने दाने बले धर्मे धर्मार्थे शत्रुमारणे । समारंभे च युद्धे च

अभिमानं प्रचक्षते ॥

१८) A ज्ञाने दाने धर्मे अर्थे कामे बले शत्रुघाते । समारंभोद्धितं च ।

१८) B ज्ञाने धर्मे अर्थे कामे बले शत्रुघाते समारंभे स्थितं च ।

१८) E १ ज्ञान । २ दान । ३ बल । ४ धर्म । ५ अर्थ । ६ काम । ७ शत्रु ।

८ घात । ९ समारंभ । १० उद्धृतं चेति ।

१८) F १ ज्ञाने । २ दाने । ३ बले । ४ कर्मे । ५ कामे । ६ अर्थे । ७ शत्रु-

मारणे । ८ समारंभे चेति ।

१८) G १ ज्ञाने । २ दाने । ३ धर्मे । ४ अर्थे । ५ कामे । ६ बले । ७ शत्रु-

घाते । ८ समारंभो स्थितं च ।

\*

१९. चतुर्विधं वात्सल्यम् ।

देवानां सहुरूपां च मन्त्राणां बल्लभे जने । स्नेहेन मानसं यच्च

तद्वात्सल्यं चतुर्विधम् ॥

१९) A B G देवानां सहुरूपां च मन्त्राणां बल्लभे जने । स्नेहेन मानसं यच्च तद्वात्सल्यं चतुर्विधम् ॥

१९) C देवानां सहुरूपां च धियां बलयभोजने । स्नेहेन मानसं यच्च तद्वासे ।

१९) E देवानां गुरूणां च मित्राणां वर्णभोजने । स्नेहेन मनसा यच्च तद्वात्सल्यं चतुर्विधम् ॥

१९) F देवानां सहुरूपां मित्राणां बल्लभे जने । स्नेहेन संत[तौ] वात्सल्यं चतुर्विधम् ॥

\*

१००. पञ्चविधो महोत्सवः ।

१ ज्ञानमहोत्सवः । २ धर्ममहोत्सवः । ३ अर्थमहोत्सवः । ४ काम-  
महोत्सवः । ५ मोक्षमहोत्सवः । इति ।

१००) A G १ ज्ञानमहोत्सवः । २ धर्ममहोत्सवः । ३ काममहोत्सवः ।

१००) B १ ज्ञानमहोत्सवः । २ अर्थमहोत्सवः । ३ काममहोत्सवः ।

१००) C १ काममहोत्सवः । २ द्रव्यमहोत्सवः । ३ मोक्षमहोत्सवः ।

१००) E १ ज्ञान । २ धर्म । ३ अर्थ । ४ काम । ५ मोक्षमहोत्सवश्चेति ।

१००) F १ धर्ममहोत्सवः । २ द्रव्यमहोत्सवः । ३ काममहोत्सवः । ४ ज्ञानमहोत्सवः ।  
५ मोक्षमहोत्सवः ।

१०१. अष्टौ लब्धियोगः ।

१ अणिमा । २ महिमा । ३ लघिमा । ४ गरिमा । ५ ईषत्वं ।  
६ वशित्वं । ७ प्राप्तिः । ८ प्राकाम्यं । चेति ।

१०१) ABG give no Vivarana.

१०१) C १ अणिमा । २ महिमा । ३ लघिमा । ४ गरिमा । ५ प्राप्तिः । ६ प्रकाम्यं ।  
७ ईषत्वं । ८ वशित्वं ।

१०१) E १ अणिमा । २ महिमा । ३ गरिमा । ४ लघिमा । ५ ईषत्वं । ६ वशित्वं ।  
७ प्राप्तिः । ८ प्रकाम्यमेव ।

१०१) F १ अणिमा । २ महिमा । ३ गरिमा । ४ लघिमा । ५ ईषत्वं ।  
६ विसत्त्व (?) । ७ वशित्वं । ८ प्राकाम्यं चेति ।

\*

1 C drops the Sūtra but gives the Vivarana.

\*

\* \*

## Appendix A.

Ms. E.

Additional Sūtras:—

### षट्त्रिंशत् वादित्राणि ।

१ भेरी २ मृदंग ३ पटह ४ मरुज ५ कसाल ६ ताल ७ लघुताल  
८ शंख ९ नृत्य १० भुंगल ११ घर्घरी १२ तल्लूरी १३ वंश १४ वीणा १५ पणव  
१६ दंड १७ डमरु १८ काहल १९ गर्गी २० दुहिलि २१ भरह २२ कुंडलिका  
२३ ककच २४ रावण २५ कर २६ कित्रिक २७ त्रिवल २८ भ्रातृणी २९ हंडक  
३० तंत्य ३१ करड ३२ नागक ३३ वृद्धकुंड ३४ नवसरली ३५ वीणात्रयं  
३६ लघुमली मुख वाजित्रा अपदन विनोदी ॥ १०० ॥

\*

### पंचविंशति गुणोमात्यः ।

जनपदोभिजातः स्ववह । कृत स्वल्प । चक्षुपन् । प्राज्ञ धारयिष्णु । दक्ष । वाग्मी ।  
प्रगल्भ । प्रतिपत्तिमान् । सोत्साह । प्रभायुक्ता । क्लेशसह । शुचि । मित्रद्वन्द्वमक्ति । शीलवान् ।  
वली । आरोग्यवान् । शक्तियुक्त । स्तंभ । चापलहर संयोगो वैरिणः । अकर्ता ॥ १०१ ॥

\*

### राज्ञां अष्टादशतीर्थानि ।

मंत्री । पुरोहित । सेनापति । युवराज । दौवारिक । अंतर्देशिक । प्रशास । महाव ।  
संनिघात । प्रदेष्ट । नायक । पौरव्यवहारिक । परिवादाध्यक्ष । दंड । दुर्गतिपाल ।  
आढविका ॥ २ ॥

\*

### अष्टौ स्वर्गगुणाः ।

विपघात । रसायण । मंगलार्थ । विनीत । प्रदक्षणावर्त्त । गुरु अदग्ध ॥ ३ ॥

### अष्ट गुणं पयः ।

सुगंधि सुव्यकरसं । तृष्णाघ्नं । शीतलं । लघु । हयं । स्वच्छं ॥ ४ ॥

\*

Explanation in Old Gujarati:—

श्रीगुरुभ्यो नमः । अथातो रत्नकोशं व्याख्यास्यामः । चस्तुविज्ञानं । सर्वशास्त्रमयं  
रस्यं । सर्वज्ञानप्रकाशकं । स्वल्पग्रंथं सुयोधार्थं । रत्नकोशं समभ्यसेत् । १ । तत्र शतेन  
सूत्राणां । कर्तव्यः संप्रहो यथा ॥ २ ॥ अथ इति मंगलार्थं । ग्रंथनुकर्ता श्रीशिव्यास कहि  
छि । ये मि श्रीशिव्यास सर्वे प्रगट कीधी । हवि रत्नकोश पद विनामि ग्रंथ कहिछि । ते ग्रंथ  
केहवुछि । सर्वचस्तुनु ध्यान येह थिदी जणार । वलीकेहवुछि ते ग्रंथ । सर्वे शास्त्र मयछि ।  
मनोरम छि । रत्ननु मंडार छि । सर्वज्ञाननुं प्रकाश थार । स्वल्पयोहुं ग्रंथ अनिरोधये  
प्रतिबोधते घणु । पहवुंये रत्नकोश ते निरूपी इछि । ते ग्रंथमांहेसु एक १०० सूत्र करी  
संमह करी इछि । ते सूत्रकी हां । ते कही इछि । तत्रादौ त्रिभुवनानि । ते सूत्रमांहे प्रथम  
त्रय्य भुवन कही इछि ॥ त्रिविधं लोकसंस्थानं.....।

\*



## Appendix B.

Similar topics from some other works:-

राजवंशाः ।

Kumārāpala Prabandha gives the following list of the राजवंशाः. They are as follows—तत्र वंशः पट्टविंशत्, एवम् इक्ष्वाकुवंश १, सूर्यवंश २, सोम ३, यादव ४, परमार ५, चाहमान ६, चौलुम्य ७, छिन्दक ८, सिलार ९, सैन्धव १०, चापोत्कट ११, प्रतीहार १२, चन्द्रुक १३, राट १४, कूर्पट १५ शक १६, करट १७, पाल १८, करक १९, वाडल २०, चन्देल २१, उहिल्ल पुत्र २२, पौलिक २३, मौरिक २४, मंक्षुयाणक २५, धान्यपालक २६, राजपालक २७, अम(न)ङ्ग २८, निकुम्भ २९, दधिलक्ष ३०, तुहलियक ३१, हूण ३२, हरियड ३३, नट ३४, माप ३५, पोपर ३६, -नामानः ।

[ -जिनमण्डनकृतकुमारपालप्रबन्धः, पृ. १ ]

\*

आयुधानि ।

चक्र । धनु । वज्र । खड्ग । धुरिका । तोमर । कुन्त । त्रिशूल । शक्ति । परशु । मक्षिका । भल्लि । भिण्डपाल । मुष्टि । लुण्ठि । शङ्कु । पाश । पट्टिश । यष्टि । कणय । कम्पन । हल । मुशल । गुलिका । कर्त्सी । करपत्र । तरवार । कुदाल । कुस्कोट । कोफणि । डाह । डध्यूस । मुद्गर । गदा । घन । करवालिका ।

[ श्रीव्याख्यमहाकाव्य ( पृ. २२ ) अनु. म. न. द्विवेदी ]

( see p. 17 of the text. )

\*

कलाः ।

गीतम्, वाद्यम्, नृत्यम्, आलेख्यम्, विशेषकच्छेद्यम्, तण्डुलकुसुमवलिविकाराः, पुष्पास्तरणम्, दशनवसनाङ्गरागः, मणिभूसिकाकर्म, शयनरचनम्, उदकवाद्यम्, उदकाघातः, चित्राश्च योगाः, माल्यप्रथनविकल्पाः, शेखरकापीडयोजनम्, नेपथ्यप्रयोगाः, कर्णपत्रमङ्गाः, गन्धयुक्तिः, भूषणयोजनम्, पेन्द्रजालाः, कौचुमाराश्च योगाः, इस्तलाघवम्, विचित्रशाक्यंप्रभक्ष्यविकारक्रिया, पानकरसरगासषयोजनं, सूचीवानकर्माणि, सूत्रक्रीडा, वीणाडमरुकवाद्यानि, प्रहेलिका, प्रतिमाला, दुर्वाचकयोगाः, पुस्तकवाचनम्, नाटकाख्यायिकादर्शनम्, काव्यसमस्यापूरणम्, पट्टिकावेत्रयानविकल्पाः, तक्षकर्माणि, तक्षणम्, वास्तुविद्या, रूप्यरत्नपरीक्षा, धातुवादः मणिरागाकरज्ञानम्, वृक्षायुर्वेद्योगाः, मेषकुक्कुटलावकयुद्धविधिः, शुकरसारिकाप्रलापनम्, उन्सादने संवाहने केशमर्दने कौशलम्, अक्षरमुष्टिकाकथनम्, म्लेच्छितविकल्पाः, देशभाषाविज्ञानम्, पुष्पशकटिका, निमित्तज्ञानम्, यन्त्रमातृका, धारणमातृका संपाठ्यम्, मानसी काव्यक्रिया, अभिधानकोषः, छन्दोज्ञानम्, क्रियाकल्पः, छलितकयोगाः, वखगोपनानि, द्यूतविशेषाः, आकर्षक्रीडा, बालक्रीडनकानि, वैतयिकीनां, वैजयिकीनां, व्यायामिकीनां च विद्यानां ज्ञानम् ( इति चतुःपष्टिरङ्गविद्याः कामसूत्रस्यावयवविन्यः ) ॥

कामसूत्रे १ साधारणेऽधिकरणे, ३ विद्यासमुद्देशप्रकरणम् । पृ. ३२-३३ ( C. S. S. )

( see p. 21 )

जयमंगला on सूत्र १५ अ. ३ अधिकरण १.

शास्त्रान्तरे चतुःषष्टिर्मूलकला उक्ताः । तत्र कर्माश्रया चतुर्विंशतिः । तद्यथा-गीतं, नृत्यं, वाद्यं, कौशललिपिज्ञानं, वचनं, चोदारं, चित्रविधिः, पुस्तकर्म, पत्रच्छेद्यम्, माल्य-विधिः, गन्धयुक्तयास्वाद्यविधानं, रत्नपरीक्षा, सीवनं, रङ्गपरिज्ञानम्, उपकरणक्रिया, मान-विधिः, आजीवज्ञानम्, तिर्यग्योनिचिकित्सितम्, मायाकृतपापण्डसमयज्ञानं, फ्रीडाकौशलं, लोकज्ञानं, वैचक्षण्यं, संवाहनं, शरीरसंस्कारः विशेषकौशलं चेति ।

यूताश्रया विंशतिः । तत्र निर्जीवाः पञ्चदश । तद्यथा-

आयुःप्राप्ति, अश्रविधानं, रूपसंख्या, क्रियामार्गणम्, वीजग्रहणम्, नयमानं, करणा-दानं चित्राचित्रविधिः, गूढराशिः, तुल्याभिहारः, क्षिप्रग्रहणम्, अनुप्राप्तिलेखस्मृतिः, अग्नि-कर्मः, छलव्यामोहनम्, ग्रहदानं चेति ।

सजीवाः पञ्च । तद्यथा-

उपस्थानविधिः, युद्धं, हतं, गतं, नृत्तं चेति ।

शयनोपचारिकाः षोडश । तद्यथा-

पुरुषस्य भावग्रहणं स्वरागप्रकाशनम्, प्रत्यङ्गदानं, नखदन्तयोर्विचारौ, नीवीघ्नंसनं, गुह्यस्य संस्पर्शानुलोम्यम्, परमार्थकौशलं, हर्षणं, समानार्थता कृतार्थता, असंप्रोत्साह-नम्, मृदुक्रोधप्रवर्तनं, सम्यक् क्रोधनिवर्तनं, क्रुद्धप्रसादनं, सुप्तपरित्यागः, चरमस्वापविधिः, गुह्यगहनमिति ।

चतस्र उत्तरकलाः- साश्रुपातं रमणाय शापदानम्, स्वशपथक्रिया, प्रस्थितानुगम-नम्, पुनः पुनर्निरीक्षणं च । इति चतुःषष्टिर्मूलकलाः ।

जयमंगला टीका

कामसूत्रे १ साधारणेऽधिकरणे ३ अध्याये, विद्यासमुद्देशप्रकरणम् । पृ. ३१ (C.S.S.)

\*

भावाः ।

रतिः । हासः । शोकः । क्रोधः । उत्साहः । भयम् । जुगुप्सा । विस्मयः । निर्वेदः । ग्लानिः । शङ्का । असूया । मदः । ध्रमः । आलस्यम् । दैन्यम् । चिन्ता । मोहः । स्मृतिः । धृतिः । प्रीडा । चपलता । हर्षः । आवेगः । जडता । गर्भः । विपादः । औत्सुक्यम् । निद्रा । अप-सारः । सुप्तम् । विषोधः । अमर्षः । अवहित्यम् । उग्रता । मतिः । व्याधिः । उन्मादः । मर-णम् । शसः । वितर्कः । खेदः । स्तम्भः । कम्पः । अक्षम् । धैर्यम् । रोमाञ्चः । स्वरसादः । प्रलयः ।

( ना. शा. अ. ७. काशी. सं. सिरीत्र )

रति । हास । शोक । क्रोध । विस्मय । उत्साह । भय । जुगुप्सा । निर्वेद । ग्लानि । शङ्का । असूया । मद । ध्रम । आलस्य । दैन्य । चिन्ता । मोह । स्मृति । धृति । प्रीडा ।

मीडा । चपलता । हर्षं । आयेग । जडता । गर्भं । विषाद । औत्सुक्य । निद्रा । अपस्मार ।  
मुप्त । ( योष ) वियोष । अमर्षं । अयद्विषय । उग्रता । मति । व्याधि । उन्माद । मरण । प्रास ।  
संदेह । रोमाञ्च । स्वरमेद । अश्रु । धैवर्ष्यं ।

( see p. 38 )

( विष्णुचर्मोत्तर, तृतीयखण्ड अ. ३० )

\*

अभिनयाः ।

आङ्गिको घाचिकश्चैव आहार्यः सात्त्विकस्तथा ।

ज्ञेयस्त्वभिनयो विप्राश्चतुर्धा परिकल्पितः ॥

( नाट्यशास्त्र-प्र. ८. श्लो. ९ )

( see p. 39 )

\*

\*

\*

## अकारादिशब्दानुक्रमणिका ।

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अगीतसंगता	५७	२३	अदानत	५८	६
अगीतिता	५७	२१	अद्भुत	३७	२०
अभि	२५	११, २४	अद्र	१८	२९
"	२६	४	अधम	८	२, ३, ४, ५
"	२७	९	अधिकांशा	१३	१०
"	२९	१२	अधीन	१२	१
"	३३	३	अध्यक्ष	११	१९
"	३४	२, १८	"	१२	१८
"	३५	३२	"	१३	२७
"	३६	१०	"	१४	३२
अभिपाल	३४	३३	अध्यक्षपात्र	१४	२, १०, १७, २५
"	३५	१३	"	१५	११
अभिमुख	३०	२	अध्यात्म	२२	२१
अभिमुखदेश	२७	२४	"	२३	३७
अभिविशेषणम्	२६	२२	"	२५	११, २४
अभिविज्ञानं	२४	१६	"	२६	४, २२, ३८
अप्रप्य	६३	१५	"	२७	९
अप्रार्थ्य	६२	२०	अध्यात्मविज्ञान	२४	१६
"	६३	८, २१, २९	अनम	६०	५
"	६८	८, २१, २९	अनन्यरायी	५९	२९
अप्रासन	३२	९, १४, २९, ३४	"	६०	३, ८, १०, १५
अप्रासनं	२८	२२	अनंग	९	६, १२, २६, ३५
"	३२	४	अनंगवंश	८	२४
"	३२	२४	अनिल	४५	४
अजय	६६	२१	अनिष्ट	४	२
"	६७	२, १५	अनुकूल	४०	८, ९, १०, ११, १२
अणिमा	७३	११	अनुक्रम	११	२३
"	७६	९, १३, १५	"	१२	५, २१, ३८
अति अनौचित्यता	५७	२३	"	१३	१४, ३१
अति असंगतता	५७	२०, २३	अनुकनगुण	११	५
अतिक्रान्त प्रेक्षणाम्	४८	१७, २२	अनुगीत	६२	६, ७, ८, १०
अति प्रवासता	५७	१७, १९	अनुगोपणं	५९	२३
"	५७	१९	अनुग्रह	११	१७, ३४
अति प्रसंगता	५७	१८, २०	"	१२	१४, ३१
अतिरूपा	५७	२३	"	१३	२५
अती	३५	१	अनुग्रहगुण	१०	२४
			अनुष्णता	५७	१८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अनुराग	१२	५,२१,३८	अभिधानकला	२१	२७
"	१३	१५	अभिधानं	६५	३
अनुरागपोषणं	५९	१७,२०,२७	अभिनय	६४	२१,२४
अनुवशा	१३	१४	"	६५	६,९,१२
अनुवाद	६६	१५,२०	"	७०	५,९,१३,२१
"	६७	१,५,९,१३	अभिनव	१४	३०
अनुवास	१२	३८	"	७०	१७
अनुशयन	६०	४,१६	अभिमान	११	२३
अनुशयनाद्यर्थं (?)	६०	११	"	१२	५,२१,३८
अनुशयनं	६६	१,१६	"	१३	१५,३१
अनुशायनं	६०	१	"	४१	१५
अनुशायी	६०	१३	"	६४	२७
अनौचितं	५७	२०	"	७५	२,५
अनौचित्यता	५७	२६,२९	अभिमानकारण	४४	२
अनंतभाषिन्	५७	५	अभिमानगुण	११	५
अक्षशाला	३२	१९	अभिमानता	५७	१९,२२,२५,२८
अन्योन्यशामी	६०	८	अभिमानयुक्ता	५७	५
अप	२०	२,२१,२९	अभिमानलक्षण	५	२३
"	२१	६	अभिमानावल्लेपता	५७	१६
अपगीतं	६२	७	अभिमानि	४०	१६
अपतरव	२०	१२	"	४१	३,९,२२,२९
"	२१	१४	"	५७	२,७,९,१२
अपभ्रश	६५	२०,२२,२३,२४,२५	अभिलाषा	४५	१२,१४,१६
अपभ्रंशं	६६	१	अभिसारिका	१४	३४
अपस्मार	२९	४,१०,१६	"	४२	९,३५
"	३८	८,१५,२३	अभूमिशायी	६०	१,६
अपोहनं	६१	२३	अगेद	६७	१
अप्रियंवदा	४७	१८	अभ्यंतर	६७	१
अप्रीतिता	५७	२१	अभ्यास	६४	१८,२२,२५
अभय	३४	७	"	६५	१,४,७,१०
अभयउपहाद्रव्य	३६	३१	अमर	३३	३
अभयदान	३६	२७	"	३४	२,१८,३४
अभयप्रभुत्वं	७४	३	"	३५	१३,२२,३२
अभयमुल (?)	१७	१४	"	३६	१०
"	१६	३४	अमर्ष	३८	१६,२४
अमागी	५७	१०	"	३९	४,११,१६
अमाव	५७	२३,२७,३०	अमाल्य	१०	९,११,१२
अभिषारिकापात्र	१५	७	"	१४	३२
अभिषान	२२	२५	"	१६	३०,३४
"	२३	५,१६	"	१७	१,५,९,१४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अमाल्यपात्र	१४	१०, १७	अर्धशौच	४४	१९, २१
"	१५	५, ११	"	४५	८
अमाल्यपात्र	२	१४	अर्धशौर्य	७२	२
अभिन्नाणि द्वैपयति	४६	१३, १८, २६	अर्धस्थान	३२	३०
अभिन्नाणि द्वैष्टि	४५	२२	अर्धस्थानं	३२	२५
"	४६	७, ३२	अर्थाभिविनी	४६	१६, २२
"	४७	३	अर्थान्तर	६६	१४, २०
अभिन्नाणि पूजयति	४७	९, १५, २७	"	६७	६
"	४८	६	अर्थान्तरसमता	६६	१६
अमोह	६१	२४, २६	"	६७	१०
अमोहन	६१	२३	अर्थान्तरसमता	६७	१३
अयुक्तिगुण	११	५	अर्धशक्ति	७५	१५
अरूपता	५७	२६, २९	अर्धस्थान	३२	५, १०, १५
अर्चास्थान	३२	३५	अर्चुद	२८	१७, ३२
अर्थ	८	१२, १३, १४, १५	"	२९	१४, २८
"	१९	४, ९	"	३०	४, १७
"	२२	२१, २५	अर्चुदेश	२७	२८
"	२३	३८	अलक्षित	७३	२१, २४
"	३१	७, १२, १७, २३, २८	अलिपित	७३	२२
"	६४	२४	अलंकार	१९	१३
"	६९	३	"	२२	२०, २५
"	७०	५, १०, १३, १७, २१	"	२३	५, १६, ३७
"	७२	७, १५, १९	"	६४	२०, २३, २६
"	७५	११, १५	"	६५	२, ५, ८, ११
"	७६	६	अलंकारकला	२१	२७
अर्थकला	२१	२८	अलंकारशास्त्र	१९	२, ८, १७, २२
अर्थकामत	५८	४	अवदान	४०	१८
अर्थत	५८	२, ३	"	४१	१६, २३
अर्थतः कामरत	५८	५	अवधान	६२	४
अर्थदानत	५८	७	अवधानगत	६२	२, ३
अर्थपात्र	१३	३५	अवन्ती	२८	१८, ३२
"	१४	७, १४, २२, २८	"	२९	१४, २९
"	१५	१, ८	"	३०	५, १८
अर्थपुरुष	१७	११	अवन्तीदेश	२७	२७
अर्थमहोत्सव	७६	२, ४	अवभिषा(! दिव्या)	३८	९
अर्थलक्षण	३०	३२	अवलेपता	५७	२२
अर्थवाद	२३	१७	अवसान	४	७
अर्थविज्ञान	६१	२, २७	अवहित्य	३८	१९
"	६१	२०, २७	"	१९	३९
अर्थशक्ति	७४	१८, २१			
अर्थशास्त्र	१९	१८			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अवि(१ध)स्वनशायी	६०	१४	अक्षमता	५७	२२
अविधास	३	१३	अक्षरपात्र	१५	५
अशक्ति	१३	१४	अक्षरविनोद	१५	१९
अशक्तिगुण	११	४	अज्ञानता	५७	१६, १९, २४, २५, २८
"	१८	६, १२, २२, २४	आकाश	२०	२, १९, २१
अशान	२५	२६, २९	"	२१	६
"	२७	१४	आकाशतत्त्व	२०	१२
अशानविधि	२६	२१, ३८	"	२१	१४
अशानविधिविज्ञान	२५	१	आखेट	२६	२३
अशब्द	६०	४, १६	आखेटक	१५	२९
अशब्दशायी	६०	२, ६, ११	"	१६	३, ७, १३, १८, २४
अशेषत्रयाप्रस्ताव	५८	१३	"	२६	३, ८, ९
अशौच	३९	८	"	२७	१३
अशौचरता	५७	६	आखेटकविनोद	१५	२१
अशु	३८	४, १७, ३०	आखेटकविज्ञान	२४	२३
"	३९	७, १८	आख्यान	१७	११
अश्व	२५	१०, २६	आगम	६६	६, ९, १०
"	२७	११	आगमिकत्व	६६	४
अश्वपरीक्षा	२३	२३	आगमित्व	६६	७
अश्वविज्ञान	२४	१९	आगलिका	१८	२१
अश्वशाला	३२	३	आग्रह	१२	३२
अश्वशिक्षा	२६	६, १९, ३६	"	१३	७
अमन्मुखशायी	६०	९	आतृिक	४३	८२
अमृस	३८	८, २३	आचार	७२	७, १५, १९
"	३९	१०	आचारवती	४३	४३
अमृया	३८	५, ३०	आचारशौच	४४	१९, २१
"	३९	७	"	४५	६, ८
असचदप्रलापी	५७	२, ७, ९, १२	आचारसौर्य	७२	३
असचदशायी	६०	९	आत्मस्थान	१६	३३
अस्थि	२०	७, १६, २५	"	१७	१३
"	२१	१, १०, १८,	आदरगुण	१०	२७
अस्थिसूत्रम्	२६	३४	आदित्य	३२	११, १५, १९
अश्रवण	२६	३८	"	३३	२
अहर्गण	३३	४	"	३४	१, १७, ३३
अहंकार	३०	५, १५, २४, ३१	"	३५	२८
"	२१	८, १७	"	३८	९
अशन	२४	७, २३	आदेश	२	६
"	३३	११	"	६६	१५, २०, २४
"	३५	२, २०, ३६	"	६७	९, १३
"	३६	१५			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
आनल	४४	२३	आराध्य	२९	१९, ३९
आन्ध्रदेश	२८	८	"	३०	२५
आन्वीषिकी	१७	१८, २०	आराम	२६	१, १६, ३१
आन्वेष्टिकी	१७	२०	आरामविज्ञानं	२४	११
आप्त	१६	२९	आरामिक	१६	३४
"	१७	१५	"	१७	१४
आप्ताहित	१७	९	आर्द्र	३६	२१
आप्तीर	२८	२४	आर्द्रमास	२५	१५, २६
"	२९	७, २०	"	३३	१८
"	३०	२४	"	३४	१२, २८
आप्तीरदेश	२८	११	"	३५	५, १४
"	२९	३६	"	३६	३
आमेर	३०	११	आर्द्रशाक	३३	१९
आमप्रभुत्व	७४	७, ८	"	३६	६
आमिष	३३	१९	आर्द्रशाखा	३४	१४, ३०
"	३५	२५	"	३५	९
आम्नायिक	१६	३०, ३५	"	३६	२३
आम्न	३३	१२	आर्द्रामलक	३५	२५
"	३५	२, ३६	आलस	३९	१
"	३६	१७	आलस्य	३८	६, १८, ३१
"	३८	८, २४	"	३९	८, १९
आम्ल	३५	२१	आलिङ्गन	५८	१३, २३
आयतन	३२	६, ११, १६, २१, २६	"	५९	१, ३, ५, ७, ९, ११
"	३१	३२	आवर्तनकीर्ति	३७	१६
आयु	२५	१७	आवृत्त्य	३९	१०
"	२६	१०, २५	आवेग	३८	१४
"	२७	१, १५	"	३९	१५
आयुष	२	१	आवेश	३८	७, २२
"	२२	१६, ३१	"	३९	३
"	२३	१०, २३, ३२	आवेशन	३२	१०, २०, ३५
आयुषकला	२२	५	"	३२	५, २५
आयुषकार	२५	१४, २८	आध्यय	२०	२७
"	२७	१३	"	३९	८
आयुर्वेद	२५	३०	आध्रम	३९	१
"	२६	३२	आश्वासन	५८	१२
आरमटी	३९	२३, २४, २५, २६, २७, २८, ३०	आत्मिकि	११	२३
आराट	२९	१४	"	१२	५
आराज	२८	५	"	१३	३१
"	२९	८	आसन	२५	९, २२
			"	३७	७





शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
उत्साहगुण	११	८	उपस्थ	२१	८, १७
उत्सुक्य	३९	११	उपागगीत	६२	८
उत्तरि गुजराती	२९	३०	उपायकरदान	३६	२९
उत्तरापथदेशा	२८	३	उपार्जन	७४	२३
उदके	४४	११	उभयदान	३६	२९
उदय	११	२५	उभयप्रभुत्व	७४	५
"	१२	७, २३, ४०	उभयमुख	१६	३०
"	१३	१७, ३३	"	१७	३, ६
"	७२	५, १३, १७	उरल	२८	२४
उदयमुख	१७	१०	"	२९	६, १९
उदयशौर्य	७१	२२	उरलदेश	२८	१२
उदंबर	३३	१२	उल्लास	३४	१३, २९
"	३५	२, २०, ३६	"	३६	५
उद्यम	७२	७, ११, १५, १९	उल्लेख	३३	१८
उद्यमशौर्य	७२	२	"	३५	८
उद्धत	४०	६, ३४	"	३६	२३
उद्धततम	७५	१२	उद्द	६१	२४, २६
उदात्त	१२	७	उद्दन	६१	२२
"	१३	१७, ३३	उद्दापोह	६१	१९
उदात्ता	११	२५	ऐश्वर्य	७३	१७
उदात्तगुण	११	८	"	२१	४
उदारता	१२	२३	ओड	३०	१६
उद्भूत	३८	२७	ओजः	६४	५
उद्भूतता	४४	१२	ओजः समर्त	६२	१९
उद्भूतनवास	४४	९	"	६३	१, ९
उद्भूतनाधिवास	४४	६	"	६४	५
उद्भूतने	४४	११	ओरल	३०	२४
उन्द्र	३०	२	ओपघ	३३	९
उन्नतप्रदेश	७	१७, २०	"	३४	६, २२, ३८
उन्मद	३९	११	ओपघी	३५	१७
उन्माद	३८	१०, १६, २४	ओपघीरल	३५	३४
"	३९	१६	ओल्लुक्य	३८	१५
"	४५	१३, १५, १७	"	३९	३, १०, १५
उपकारदान	३६	२७	ओपघ	३६	१५
उपकृति	१२	३८	अंगुग	४	३५
उपगीत	६२	६, १०	"	१८	३७
उपचार	५८	५	"	२९	१७
उपचारविलेपन	५८	९	"	३६	१
उपदेश	२६	३३	अग	२८	१४
उपन्यास	६६	१५, २०, २३	"	२९	३८
"	६७	५, ९, १३	"	३०	१४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
अंगदेश	२७	१९	कथाकला	२१	२६
"	३०	१३	कथाविनोद	१५	२४
अंगुलीमोटन	४८	११	कथाशास्त्र	१९	३,८,२३
अंगुलीरफोटन	४८	१८,२४	कदम्ब	९	१५,२१
अंजन	३३	९	कदम्बवर्षा	८	१७
"	३४	६,२२,३८	"	९	८,३२
"	३५	३४	कन्ता(शकुन्तला)धारण	५९	११
"	३६	१५	कन्यकुब्ज	३०	१३
अंजनदेश	२७	१८	कन्या	३३	१४
अंतिविदेश	२७	२१	"	३४	१०,२६
अंतिवैद	२९	११,२९	"	३५	४,२२
"	३०	१,१५	"	३६	१,१९
अंतिवैध	२९	२५	कक्र	२०	६,१७,२५
अंग्र	२८	२२	"	२१	२,१०,१९
"	२९	५,२८,२२,३४	कमल	३५	१७
"	३०	९,२३	कमला	३३	२२
कच	२९	३६	"	३४	३२
कचप्रधारण	५९	३	"	३६	२५
कच्छ	२८	१७,३२	कर	४५	१
"	३०	१८	करटपाल	९	४,११
कच्छप्रदेश	२७	२६	"	१०	४
कण्य	१८	२,१४,२०	करटपालवर्षा	८	२१
कणाय	१८	२७	करटवाल	९	३४
कर्षट	२९	१८	करटवर्षा	८	२१
"	३०	९	करणक	१८	८,३३
कर्णकेंद्रयन	४६	२४	करपत्र	१८	१४,२१,२८
"	४८	१३,२०,२६	करवाल	१८	२२
कर्णदुर्बल	५७	११,१८	करविनोद	१५	१९
कर्णमोटन	४८	१३	कराट	९	२३
कर्णाट	२८	२३	करण	३७	१९
"	२९	५,३४	कर्मण	१२	३९
"	३०	१०,२२	कर्मे	१४	३१
कर्णाटदेश	८	२८	"	२५	१८
कर्णोत्कर्षण	४८	२५	"	२७	३
कर्णरि	१८	३,९,२८,३८	"	६८	४,६,१९,१४,१६
कथा	१५	३१	"	७५	१३
"	१६	४,९,१४,२०,२६	कर्महर	२६	३१
"	१९	१३,१७	कर्महार	२६	१५
"	२२	२०,२४	कर्मशा	६१	१४,१६
"	२३	१५,३६	कर्मशापा	६१	१२
			कर्मि	७३	२१

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
कर्मण	७३	२२	कवित्व	२६	१३, २९
कर्मपात्र	१४	९, १६	"	२७	५
"	१५	४, १०	कवित्वकला	२१	२५
कर्मपालन	७१	१०	कवित्वकं (? त्वकं) पित	६३	३, ८
कर्मवर्तन	६८	१०	कवित्व	६६	४, ९, १०
कर्मविज्ञान	२५	४, ३२	"	७०	२, ७, ११, १५, १९
"	२६	११, २७	कवित्ववाद	१५	२८
"	२४	२	कवित्वविनोद	१५	१८
कल	९	२०	कवित्वविज्ञान	२५	१४
कलनुरवंश	८	२५	"	२४	५
कलहंतारिता	४२	३, ४, ६, ९	कदमीर	२९	१७
कला	३	४	कक्षा	४५	१, ३, ५
"	१५	३०	कक्षाशौच	४४	२२
"	१६	४, १४, २०, २६	काक	२६	२४
"	१९	११, २०, २५	कागडाजय(?)	२३	२६
"	२०	१०, १९, २८	काच	२५	५, १९
"	२१	३, २०, २३	"	२७	४
"	२६	३८	काचविज्ञान	२५	३३
"	२१	६, २१	काचविज्ञान	२४	४
"	७०	२, ७, ११, १५, १९	काठवाक्या(?)	५७	३०
कलाचित्र	७१	६	कान्ति	११	२०
कलानुर	९	१९	"	१२	२, १८, ३५
कलामुख	६७	२६, २९	"	१३	११, २८
कलालक्षण	३०	३१	कान्तिशुण	११	१
कलावती	४२	१७	कान्यकुब्ज	२८	२७
कलाविनोद	१५	२४	"	२९	२३, ३८
कलाशास्त्र	१९	५	कान्यकुब्जदेश	२७	१८
कलिधुर	९	६, १३	काम	३	६
कलिचुर	१०	६	"	८	१२, १३, १४, १५
कलिंग	२८	१३, २८	"	१७	७
"	२९	२१, २३	"	१९	४, १०, १४
"	३०	१४	"	२०	८, १७, २६
"	२९	३८	"	२१	२, १०, १९
कलिंगदेश	२७	१९	"	२२	२१, २६
कल्प	३१	६, २२, २७	"	२३	३८
"	१९	११, २०, २६	"	२७	११
कल्पशास्त्र	१९	६	"	३१	७, १२, १७, २३, २८
कवित्व	१६	१, ६, ११, १७, २३	"	७०	५, १०, १३, १७, २२
"	२३	४, १५	"	७१	१५
कविन्द	२५	६, २०	"	७३	१४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
काम	७५	११, १३, १५	कारण्य	१३	१५, ३२
"	७६	६	"	३८	१६
कामकला	२१	२८	कारण्यगुण	११	६
कामत	५८	२, ३, ६, ७	काल	९	३३
कामपात्र	१३	३५	"	२५	१४, २७
"	१४	७, १४, २२, २८	"	२६	७, ३०
"	१५	१, ८	"	२७	१२
कामपुरुष	१६	३६	"	३१	८, १२, २३, २९
"	१७	११, १५	"	६७	२५, २८
काममहोत्सव	७६	२, ३, ४, ५, ७	"	७०	३८, १२, २७
कामरु	२८	१५, ३०	कालमुख	६८	१
"	२९	११	कालविद्या	२०	९, १९, २७
"	३०	२६	"	२१	४, १२, २०
कामरूप	२९	२५	कालविज्ञान	२४	२२
"	३०	१	काव्य	४	१८
कामरूपदेश	२७	२२	"	१९	१३
कामलक्षण	३१	३३	"	२३	४
कामवाद	२३	१७	"	२६	२, ३२
कामशाफि	७४	१८, २२, २४	"	३७	१०, १७
कामशास्त्र	१९	१८	काव्य	६५	१
कामाक्ष	२८	२४	काव्यकीर्ति	३७	८, १२, १६
"	२९	७	काव्यप्रबोध	६१	६
"	३०	२५	काव्यवर्तन	३७	१४
कामाक्षदेश	२७	२३	काव्यविज्ञान	२४	१२
कामाक्षा	२९	२१, ३६	काव्यशास्त्र	१९	८, १७, २२
"	३०	११	कादमीर	२८	२१
कामावस्था	३	७	"	२९	३, ३२
कामिक	१७	३	"	३०	७, २१
कामिनी	३	१०	कादमीरदेश	२८	५
"	४	४	काष्ठ	२३	१
कामुक	४	५	"	२६	२, १६
काम्यपुरुष	१६	३२	काष्ठ	२२	१८
कामेजा	६१	१५	"	२३	११, ३४
कामिक	७३	२०	"	२६	३२
काय	७२	२५	काष्ठकर्म	२६	३८
कायबलं	७२	२३	"	२७	७
कार्य	६८	२४	काष्ठकला	२२	८
कारण	२७	१	कास	२९	१२
कारुण्य	११	२४	काष्ठकर्म	२३	१९
"	१२	५, २२	"	२५	९, ३२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
कष्यविज्ञान	२४	१३	कुरंग	२८	२८
किरात	२८	१, १८	"	२९	२४
"	२९	१, १५, २९	"	३०	१४
"	३०	५, १९	कुरंगदेश	२७	१९
किर्तीयः	३६	८	कुल	७४	६, ११, १३, १४, १५, १६
"	३५	२७	"	१८	१८
कौटा	१४	२३, २९	कुलपुत्रिका	१४	३४
कीर	२९	१७	कुलपुत्रिकापात्र	१४	४
"	३०	७, २१	कुलप्रभुत्वं	७४	२, ४, ५
कीरदेश	२८	५	कुलिका	१८	- ८
कीर्ति	२	११	कुलिना	४३	४, १७
"	११	२२	कुलिश	१८	१६
"	१२	३, १९, ३६	कुलीन	४०	१४
"	१३	१२, १८	"	४१	१, ७, १३, २०, २७
"	३३	२२	कुरा	३३	१४
"	३४	१६, ३२	"	३५	२२
"	३५	११	कुमुम	२२	१४, २८
"	३७	४	"	२३	७, २०, ३०
"	७२	७, १२, १५, २०	कुमुमकला	२१	३२
कीर्तिमान्	४१	२१	कुटि (लि?)नी	४३	१०
कीर्तिरूप	३७	५	कुल्य	१९	११
कीर्तिवान्	४०	१५	"	३१	७, २२, २८
"	४१	२१	कुल्यशास्त्र	१९	५
कीर्तिशौर्य	७२	३	कुत्रिम	४५	१०
कुडुबवंश	९	१	कुत्रिमविनोद	१५	१६
कुडुपवंश	१०	१	कृपय	५७	३, ८, १०, १३
कुट्टन	५९	२, १२	कृपणा	५७	६
कुठार	१८	१५, २९	कृपि	२५	१३, २७
कुठहल	२६	८, २४, २९	"	२६	७, २०, ३७
"	२७	१३	"	२७	१२
कुठहलपात्र	१४	२६	कृपिविज्ञान	२४	२१
कुन्त	१८	२५, ३०	कृष्टि	१८	७, ३३
कुपित	६२	१८	केकाप (देश)	२८	३, २०
कुमारोपचारतः	५८	३	"	२९	३, १६
कुम्भिप्राप्ति	४७	२२	"	३०	६, २०
कुव	२८	१५	केरा	२७	१४
"	३०	१५	केराकीर्ण	४६	२४
कुवदेश	२७	२२	केराग्रहणं	५९	९
कुरुप	५७	२, ७, ९, १३	केराधारणं	५८	२३
कुरुपा	५७	५			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
केशधारणं	५९	१	कंकण	२९	२८
केशप्रकीर्णनं	४८	१४, २०, २६	कंकूण	२८	१७
केशोभा(ः)रण	५९	५	कंचम	३०	१२
केशविनोद	१५	२४	कंडू	२८	२४
केशकी	३९	२४	कंडु	३०	७
कैशिकी	३९	२३, २७	कंपन	१८	८, २०, ३३
कौकणदेश	२७	२७	कंपित	६२	१८
कोदाल	१८	१५	(कं)पितं	६४	५
कोकिल	९	१८	कंपितं	६३	२२
कोदाल	१८	३	कुंपितं	६३	२९
कोटपाल	९	४, ११	कंबोज	२८	१८
कोटपाल	१०	४	कंबोजदेश	२९	१, २९
कोपूल(?)	१८	९, २४	कंबोजदेश	३०	१८
कोरल	२८	७, २२	कंचन	२७	२९
कोरल	२९	५	कंचन	२६	२
कोल	९	२७, ३०, ३७	कंचन	३३	६
कोलानुर	९	२७	कंचन	३४	४, २०, ३६
कोवोलिक	९	१९	कंचन	३५	१५, ३१
कोच	१०	११	कंचन	३६	११, १३
कोच	२५	१५, २९	काजी	२९	६
कोच	२६	९, २४	काजीदिस	२८	१०
कोच	३१	३२	काती	३०	२६
कोच	३२	६, ११, १६, २१, २६, ३१	काती	२८	२६
कोशविज्ञान	२४	२४	कास्य	३६	२, १६, ३२
कोठागारं	३२	१	कास्य विज्ञान	२४	१२
कोठागारं	३२	६, ११, १६, २१, २६, ३१	कंकुण	२८	३१
कोपमुत्पादयति	४७	१९	कुकण	२९	१३, ३०
कोवूलविज्ञानं	२४	२३	कुकण	३०	१४
कौरल	२९	१८	कुंकुण	३०	१७
कौरल	३०	८, २३	कुंकुम	३०	५
कौरिल	२९	३३	कुंचितं	६३	२२, २९
कौशकी	३९	२५, ३०	कुंत	१७	२९
कौशिकी	३९	२६, २८, २९	कुंतल	१८	५, १८
कौस्तुभ	३३	६	कुंतल	१८	१२
कुंकण	३४	४, २०, ३६	कुंतल	३०	१२
कुंकण	३५	१५, ३१	कुंम	२५	९, २३
कुंकण	३६	१२	कुंम	२६	१७
कुंकण	१८	१४	कुंम	२७	८
			कुंम	३३	१६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
कुंभ	३४	११, २७	खंजरीट	३४	९, २५
"	३५	६, २४	"	३५	३, २२, ३७
"	३६	३, २०	"	३६	१८
कुंभविज्ञान	२४	१३	खेटक	१८	१५
कुरंग	२८	१४	खेलन	१६	२१
"	२९	१०	गगनं	३३	३
कुलपुत्रिकापात्र	१४	१२, १९	"	३४	२, १८, ३४
"	१५	१३	"	३५	१२, ३३
कमल्यं	६२	१४, २४	"	३६	१०
"	६३	६, १३, २७, ३४	गज	१५	२९
"	६४	३	"	१६	१२, १८, २४, २७
क्रीडन	२३	१८	"	३१	२, ८, १३, १८, २४
"	२२	२७	गजशाला	३२	३
क्रीडनेन	५८	१८	गजशिक्षा	२६	३६
क्रीडा	३८	७, २२	गण	३४	२, १२
"	३९	२	"	३६	११
क्रीडापात्र	१५	२, ९	गणित	१५	२९
क्रीडापात्र	१४	८, १५, २३	"	१६	१३, १८, २४
क्रीडापात्रं	१३	३६	"	१९	७, १०, १५, २०, २४
क्रीडापात्रप्रवेशनम्	५९	१५, २०, २३, २६	"	२२	१९, २३
क्रीडापात्राणि	५८	९, १४, १६, २०	"	२३	३, १४, ३५
क्रीतविक्रय	२३	६	गणितकला	२१	२४
कुरव्यसनता	५७	१७	गणितविनोद	१५	२०, २३
क्रोध	२०	८, १७, २६	गदा	१८	१, ७, १३, १९,
"	२१	३, ११, १९			२७, ३२
"	३८	२, १२, २०, २८	गन्ध	४	३
"	३९	५, १३	"	२१	७, १५
क्रोधगुण	११	९	गन्ध	७५	२, ५, ७
क्रोधन	५७	४	गमत्वं	६६	९, १०
क्रोधी	५७	१०, १३	गरिमा	७६	११, १४, १६, १८
क्रेमसह	४०	१९	गर्भागार	३२	१९
"	४१	५, ११, १७, २१	गर्व	३८	८, १३, १५
क्रेमापहादी	४१	२४	"	३९	३, १०, १६
सङ्ग	१७	२८	गर्विता	४७	१६, २२, २७
"	१९	५, ११, २४, ३०	मलानि	३८	५, १८, २१, ३०
सङ्गिता	४२	६, ८, २४	"	३९	७, १८
सख	३०	२१	गहिलुत्र	९	२४
सखकीर	३८	२०	प्रहण	६१	२०, २२, २४, २६
"	२९	३	गोभीर्य	११	१९
खंजरीट	३३	१३	"	१२	१६, ३४



शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
गोमीर्यं	१३	१०,२७	गुणव्यावर्णन	४८	१७
गीत	४	१४	गुणशौर्यं	७३	४,२०
"	१५	२७	गुणः प्रक्षेपणं	७१	" ४
"	१६	१,६,१०	गुणान् प्रकाशयति	४६	" २३
"	२१	६,११	गुणान् प्रच्छादयति	४७	" १२
"	२३	३,१४	"	४८	" २
"	२१	६,११,१६,२७	"	४७	" १७,२४
"	३४	१०,२६	गुणान् सखीजनं कथयति	११	" ५
"	३५	७,२३	"	४५	" २०
"	३६	१,१९	"	४६	" १७
गीति	६४	१९,२२,२५	"	४७	" २
गीतफला	२१	२४	गुणान् सखीजने वदति	४६	" ३१
"	६२	११	गुणान्विता	४२	" १८
"	२३	२७	"	४३	३,९,३३,३०
गीतगुणा	४	१५	गुद	२०	५,१४,३१
गीतलक्षण	३०	३१	गुद	२१	८,१६
गीतविनोद	१५	१६	"	२५	३३
"	१६	१६,२२	गुप्तांगदर्शन	४८	१२,१८,२५
गीतज्ञा	४२	१४,२२	गुदव	१२	४,२०,३७
"	४३	८,१३,२०,२७	"	१३	१३,३०
गीति	६४	१९,२२,२५	"	६३	२३
"	६५	१,४,७,१०	गुरुत्वगुण	११	३
"	३७	१४	गुरुत्वम्	५	१०
गुर्जर	२९	३१	गुरुत्वविज्ञानं	२४	६
गुर्जरदेश	२८	३	गुहिल	९	४,११,३४
गुटिका	२५	५,१९	"	१०	१४
"	२६	१२,२८	गुहिलका	१८	२८
"	२७	४	गुहिलपुत्र	९	४,११
गुटिकाविज्ञान	२४	४	"	१०	४
गुण	६४	२०,२४,२६	गुहिलपुत्रवंश	८	२२
"	७४	६	गुहिलवंश	९	२२
गुणकीर्तन	४५	१२,१४,१६	गोदावरी	३६	८
गुणप्राप्ति	४०	२०	गोफण	१८	४,९,२२,३४
"	४१	१२,१९,२५,३२	गोमय	१८	२२
गुणदोष	६५	१२	"	३३	९
गुणपात्र	१४	५	"	३४	६,२२,३८
"	१५	१४	"	३५	१७,३३
गुणपात्राणि	१४	१३,२१,३५	"	३६	१४
गुणवर्णन	४८	२२	गोरोचन	३४	३८
गुणवती	४३	१६	"	३५	१६,३३

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
गोल	२९	२३, ३९	गांधर्व	१९	७, १०, १४, १५, २०
गोलादेरा	२७	२०	"	३५	२९
गोष्ट	२८	१४, २८	गांभीर्य	१२	१
"	३०	१४	चउडदेरा	२८	७
गोसवत्सा	३५	५	चक्र	२६	१९
गोहिल	९	१६	"	१७	२८
गोहिलपुत्र	९	२४	"	१८	५, ११, १७, २४, ३०
गौ	३६	३, २१	चक्रविज्ञानं	२४	२०
गौड	२९	३८	चछु	२०	४, १४, २२, ३०
गौडदेरा	२७	१८	"	२१	१६
"	२८	१३, २७	चन्दिलवंश	८	२२
"	३०	१३	चण्डिल	९	१६
गौसवत्सा	३३	१६	चतुरा	४२	१६
"	३४	१२, २८	"	४३	२८
गंगा	३३	२१	चपलता	३८	७, १३, २२
"	३४	१५, ३१	"	३९	२, ९, १४
"	३५	९, २७	चमर	३६	३
गंगापार	२८	२५	चर्म	१८	१६
"	२९	८, २४, ३९	चर्मकर्म	१९	२३
"	३०	२६	चर्मविज्ञान	२६	२७
गंध	२०	१३, २२, ३०	चरितम्	५	११
"	२२	१५, २२	चरित्र	२६	६
"	२३	८, २१, ३१	चलच्चित्रविनोद	१५	२४
"	२७	७	चहुभाग	९	१६, ३२
"	४४	२०	चाउडा	९	३३
"	४५	५	चातुर्य	११	१९
"	७५	३, ५	"	१२	१, १६, ३३
गंधपात्र	१४	२५	"	१३	१०, २६
गंधयुक्ति	२६	१, १६, ३१	चातुर्यगुण	१०	२६
"	२५	८, २२	चाप	१८	११
गंधयुक्तिविज्ञान	२४	११	चापोत्कट	९	३, १०, २२
गंधर्व	३३	४	"	१०	३
"	३४	३, ९, १४	चापोत्कटवंश	८	२०
"	३५	१४	चारुनेत्रा	४३	६, ११, १८
"	३६	११	चारुलोचना	४२	१३, २१
गंधर्वस्मृत	७	१३	"	४३	२६
गंधरीचं	४४	३०	चार्वार्क	५	८
"	४५	३	"	६७	१८, १९, २०, २१, २२
गंधरमधु	४५	७	"	६९	२२
गंधर्व	४	१३	चाहुभागवंश	८	१८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
चित्र	१५	३१	चंदन	३४	५,२१,३७
"	१६	५,२७	"	३५	१२,१६
"	२२	१३	"	३६	१४
"	२३	१९,२९	चंद्र	२२	२८
"	२५	७,२१	"	३४	३,१९,३५
"	२७	६	"	३५	१२
"	६५	१८	"	३६	११
चित्रकर्म	२६	१५,३०	छत्र	३३	१२
चित्रकर्मविज्ञान	२८	१०	"	३४	८,२४
"	२७	२०	"	३५	३,२१,३६
चित्रगुण	१६	९	"	३६	१७
चित्रलक्षण	२१	२	छत्रा	२२	१८
चित्रविनोद	१५	२५	"	२३	१२,२५,३५
"	१६	२१	"	२५	८,२२
चिन्दिह	९	३०	"	२६	१५
चुम्बन	५८	३०	"	२७	७
"	५९	१,३,५,७,९,११	छत्राकर	२६	३१
चुम्बन ( ध्वनि )	४६	१४	छत्राकला	२२	९
चुम्बन( करोति )	४६	२८	छत्रविज्ञान	२४	११
चुम्बने ( मुखं परिमार्जयति )	४७	१४	छन्दशास्त्र	१९	८,३२
चुम्बिता ( परान्मुखि भवति )	४८	४	छन्दस्	२३	१६,३७
चुम्बिता ( विमुखं करोति )	४७	७,२०	छन्दिक	९	९,३३
चैतन्या	४३	३,२८	"	१०	२
चोड	२९	२६	छंद	१९	१३
चोड	२९	३७	"	२२	२०,२४
चोरप्रहण	२३	२६	"	२३	४,१६
चौड	२५	२८	"	६४	२०,२३,२६
"	२९	७,३८	"	६५	५,८,११
"	३०	२५	छंदकला	२१	२७
चौलिक्य	९	३३	छंदःशास्त्र	१९	२,१७
चौलुक्य	१०	२	छिंदक	९	२२
चौलुक्यवंश	८	१८	छिन्दकवंश	८	१९
चौहरी	३०	१२	छुरिका	१८	११,१७,२४
चौहाण	९	२२	जडता	३८	७,१४,२२
चंय	३५	२९	"	३९	२,९,१५
चडेल	९	२४	"	४५	१३,१५,१७
चंदन	३३	८	जनपद	१०	९
			जनतन्वती	३७	४
			जन्मकृती	३७	३
			जन्मरूप	३७	५

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
जय	५	१७	ज्योति	२१	४,२१
"	६०	२५	"	३४	३५
"	६६	१७,२१,२५	ज्योतिष	३४	३,१९
"	६७	१,२,६,१०,१५	"	३६	११
"	७०	४	ज्योतिष्क	३३	४
"	७१	२२	"	३५	२९
जयमान	७२	१०	ज्योतिष्कलक्षण	३१	१
जल	१५	२९	ज्योतिष्कविज्ञान	२४	६
"	१६	३,८,१३,२५	टाक	९	२३,३६
"	२५	११,२५	"	२९	३१
"	२६	४	"	३०	६
"	२७	१०	टाकदेश	२८	४
"	४५	१,४,६	ढवूस	१८	४,१०,१५,२५
जलक्रीडा	१६	१९	डमरू	१८	२२
जलवास	४४	८	ढाव	१८	२९
जलविनोद	१५	२१	ढाभी	९	३,१०,३६
जलशौच	४४	१७,२०	"	१०	३
"	४५	७	ढाह	१८	४,९,१६
जलस्तंभ	२६	३५	ढाहल	२८	१५,२९
जलाधिवास	४४	१०,१४	"	३०	१,१५
जलाधिवासः	४४	५,१२	ढाहलदेश	२७	२२
जागरी	१४	३३	ढोट	९	७,१४,२८
जाति	६४	१९,२२,२५	"	१०	७
"	६५	३,४,७,१०	ढोडीआ	९	२,२८,३७
जाप	६८	१०	ढोडीवंश	८	२६
जालंधर	२८	१६,३०	ढोह	१८	३४
"	२९	१२,२७	तर्क	१९	१७
"	३०	३,१६	"	३९	१०,२४
जालंधरदेश	२७	२४	तर्कशास्त्र	१९	७,१९
जीति	३५	१०	तर्त	६४	९,१०,११
जीमूत	२९	१९	तत्त्वनिर्णय	६१	३,४,७,९
जीव	२२	२८	तत्त्वनिश्चय	६१	३,४,५,९
जीवपदार्थ	८	७,८,९	तत्त्वप्रमाणं	६८	२४
जुगुसा	३८	३,१,१३	"	६९	२६
"	३९	५,१४	तरवम्	२	३
जैनम्	५	६	"	१५	३१
"	६७	१७,१९,२१,२२	"	१६	५,१५,२०,२६
जैन्यम्	६७	२०	"	२६	११
जोषिम	९	२०	"	३१	५,१०,२६
ज्येति	२०	१९,२८	"	६८	१९,२०,२१,२५,२६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
तत्त्वम्	६९	३, २३, २५	तांबूलादिप्रहणं	५९	१४, १७, १८, २२, २९
तत्त्वलक्षणम्	३१	२०	तांबूलादिना	५८	१०, २१
तत्त्वविज्ञानम्	२४	१, २	तांबूलादिभक्षणम्	५९	२५
"	२५	४, १८, ३२	तांबोलवास	४४	९
"	२७	३	तितिक्षा	३८	२७
"	६१	२१	तिलंग	२९	३९
तत्त्वज्ञानम्	६१	२३, २५	तीर्थ	३३	५
तत्त्वार्थ	६८	२८	"	३५	१४, २९
"	६९	१, ५, २४, २७	तीर्थाधि	३४	३५
तत्त्वार्थ	६८	२३	तुटक	९	३४
तनु	३०	२९	तुरक	३०	६
"	३१	१५	तुरग	१५	२९
तपसा	६०	२३	"	२२	१७, ३२
तप्ती	३६	८	"	२३	१०, ३३
तरवारि	१८	३, ९, २१, २८, ३४	"	३१	८, १४, १८, २४, २९
तरुष्क	९	१८	तुरगफला	२२	६
ताईकारदेश	२८	४	तुरगविनोद	१५	२०
ताजिक	२९	३	तुरष्क	२८	२०
ताण्डव	६४	१४	"	२९	३, ३१
तापीतट	२९	६, २०, ३५	"	३०	२०
तापीतटप्रदेश	२८	१०	तुरुष्कदेश	२८	४
तामलित	२९	१, २९	तुरंग	१६	३, ७, १२, १८, २४
तामलितदेश	२८	१	"	३३	१४
ताम	३३	७	"	३४	१०, २६
"	३४	४, २०, ३६	"	३५	२३
"	३५	१५, ३१	"	३६	१, १९
"	३६	१३	तुरंगलक्षणं	३१	२
तामत्रित	३०	१९	तुष्टि	११	३४
तायक	२९	१६, ३१	"	१२	१५, ३२
"	३०	७	"	१३	८, २५
तालगतं	६२	२, ३	"	१७	११
तालगुंन	३४	१४, ३०	"	३३	१८
"	३६	२४, ६७	"	३४	१३, २९
तालवृत्त	३३	२०	"	३५	८
"	३५	२६	"	३६	४, २२
तालसंस्कारप्रबोध	६१	१०	तुष्टिगुण	१०	२४
तांबूल	४४	१३	तेज	२०	२, २१, २९
तांबूलकानि	५८	१५	"	२१	६
तांबूलादीनि	५८	१०	"	७२	५, ९, १३, १७
तांबूलदानेन	५८	१८	तेजस्यै	७१	१२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
तेजस्वरव	२०	१, १२	दर्पण	३५	४, २२
"	२१	१४	"	३६	१, १९
तैलाधिवास	४४	१२, ५८	दर्भ	३५	३, ३६
तैलाधिवासे	४४	१०, १४	दरिद्रता	५७	१६, २२, २५, २८
तोमर	१७	२८	दसन	२६	३, १७, ३३
तोमल	३०	१०	दशा	२२	३१
तोरण	३३	१६	दर्शन	५	२
"	३४	११, २७	"	११	२४
"	३५	६, २४	"	१२	६, २२, २९
"	३६	३, २०	"	१५	१५, ३२
तंत्र	२२	२७	"	१६	१
"	२५	६, ३४	"	२१	७
"	२६	१४, २९	"	२२	२१, २५
"	२७	५	"	२३	५, १६, ३७
तंद्रमद्र	२९	१९	"	६१	२०
त्रयी	१७	१८	दर्शनकला	२१	२७
त्रास	३८	११, १६, २७	दर्शनगुण	११	६
"	३९	१२, १७	दर्शनपात्र	१३	३७
त्रिशूल	१७	२९	दर्शनविनोद	१०	१६, २३
"	१८	५, २५	"	१५	१६
तृण	२५	१०, २३	दर्शनस्थित	६३	२, ९, २९
"	२६	३, १७, ३३	"	६४	६
"	२७	८	दर्शनात् ( प्रशांता		
त्वक्	२०	१४, २२, ३१	भवति )	४६	२२
तृणविज्ञान	२४	१४	दर्शनात् ( प्रसन्नता		
दत्ताम् ( न मन्यते )	४७	११, २३	भवति )	४५	१९
" "	४८	२, ८	" " "	४६	४, १०, ३०
दधि	३३	११	" " "	४७	१
"	३४	८, २४	दर्शने ( प्रमत्त भवति )	४६	१६
"	३५	२, १९, ३५	दक्ष	४०	११, १२
"	३६	१६	दक्षिण	२९	३३
दधिकर	९	१८, २६	दक्षिणदिशि	२९	१८
दधिकरवंश	८	२४	दक्षिणा	४०	८, ९, १०
दधिपाक	९	१८, २७, ३७	दक्षिणापय	३०	११, २२
दधिमा	७६	१५	"	२८	२२
दधिमुख	९	६, १३	दहीया	९	३६
"	१०	६	दाडिम	९	६
दमगान	३०	४	"	१०	६
दर्पण	३३	१४	"	१३	६
"	३४	१०, २६	दान	२	१०

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
दान	११	२४	दीनहीनता	५७	२६
"	१२	५, २२, २९	दुर्ग	१०	९, ११, १२
"	१३	३१	दुष्फोट	१८	३, ९, १६, २६
"	१७	२२	दूर्वा	३३	११
"	३६	२६	"	३४	९, २५
"	७१	५	"	३५	२, २०, ३५
"	७२	५, ९, १७	"	३६	१८
"	७४	६	दूषण	६६	१४, १९, २३, २८
"	७५	११	"	६७	४, ८, १२
दानकीर्ति	३७	८, १०, ११, १३, १५, १७	देव	९	१७
दानगुण	११	५	"	३०	१४
दानचरितम्	७१	२	देवता	७२	२६
दानप्रभुत्वम्	७४	३, ४, ५, ९	देवपात्र	१४	१, ९, १६
दानव	१४	३०	"	१५	४, १०
दानवपात्र	१४	९, १६	देवलोकरस्थान	७	८, १२
"	१५	४, १०	देवविज्ञानं	२४	३
दानबल्लोकरस्थान	७	८, १२	देवी	१४	३३
दानवसंस्थान	७	१०, ११, १३	देवीपात्र	१४	११, १९
दानवस्थान	७	१४, १५	देवसंस्थान	७	१०, ११
दानहीनता	५७	२९	देवस्थान	७	१४, १५
दानशक्ति	७४	१७, २०, २४	"	१५	१२
दानसौर्य	७१	२१	देश	१४	३५
दानानि	३६	२८	"	२३	३२
दाने	६०	१८, २४	"	३१	८, १२, २९
"	७०	२४, ३७	"	७०	३, ८, १२, १६, २०
"	७५	१३, २५	"	७४	२३
दानेन	६०	२२	"	७५	२, ५
दासिक	९	२८	देशकला	२२	४
दासिक्यंश	८	२५	देशकाल	३१	१७
दास	१४	३५	देशपात्र	१४	१३, २०
दासी	१४	३४	"	१५	१४
दासीपात्र	१४	६, १३, २०	देशभाषा	२३	२२
"	१५	७, १४	देशभाषितकला	२२	५
दाह	१८	२२	देशभाषित	२३	९
दाक्षिण्य	१२	२२	देशमुक्ति	७५	६
"	१३	१५	देशलक्षणम्	३०	३३
दाक्षिण्यगुण	११	६	देशविजय	२३	९
द्वि	३५	४	देशीपात्र	१४	४, १२
			देशीपुरण	१४	७, १५
			"	१६	३१, ३५

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
देशीय	१७	३	हुत	६२	१९
देशीय पुरुष	१७	११	"	६३	१६, २३, ३०
देश्य	३९	८	हुतविलम्बित	६३	३७
दैन्य	३८	६, १८	द्वारपदस्थ	१४	३३
"	३९	१, ८, १९	द्विज	३३	५
दोष	६४	२४, २६	"	३५	१३
"	६५	२, १९	द्विजवर	३४	३, १९, ३५
दोषगुण	१०	२८	"	३५	१४
दंड	१७	२२	"	३६	१२
"	१८	१५, १९, २९	द्वीप	२९	२२
दंडनीतिविधा	१७	१८	द्वीपदेश	२८	२६
दंडशास्त्र	१८	१०, ३५	"	२९	९
दंत	१७	४	"	३०	२७
"	२३	१	द्वीपान्तरदेश	२९	३७
"	२५	१९	धनपालक	९	२६
"	२६	१२	धनपुरुष	१७	७, १५
दंतकर्म	२३	१९	धनु	१७	२८
"	२६	२८	"	१८	२४
दंतविज्ञान	२४	४	धनुष्य	१८	५, १७, ३०
"	२५	५	धनं	६४	९, १०, ११, १२
दंभ	३८	२६	धर्म	८	१२, १३, १४, १६
द्युत	१६	३, ८, १३, १९, २५	"	१९	९, १४, २३
"	२७	९	"	२२	२१, २५
द्युत	२२	२१	"	२३	३८
"	२३	३८	"	२७	३
"	२५	११, १४	"	३१	७, १२, १४, १७
"	२६	४, ३४	"	३६	११
द्युतविज्ञान	२४	१६	"	६८	२८
द्रव्य	३१	१३	"	६९	२, ३, ६
"	७५	३	"	७०	५, १०, १३, १७
द्रव्यदान	३६	२७	"	७२	१२
द्रव्यमहोत्सव	७६	५, ७	"	७५	१४
द्रव्यविद्यादिदान	३६	३०	"	७६	६
द्रविड	२८	२३	धर्मकला	२१	२८
"	२९	५	धर्मगुणसंग्रह	७३	७
"	३०	९, २२	धर्मवर	१२	१७
द्रविडदेश	२८	९	धर्मचरितं	७२	४
दृष्टम्	६३	१९	धर्मप्राप्त	१४	७, १४, २२, २८
दृष्टि	१८	१३	"	१५	१, ८
दाविड	२९	१९, ३४	धर्मपालनं	७१	८, १०, ११



शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
धर्ममहोरसद	७६	२,२,७	धारण	२५	१७,२१
धर्मलक्षण	३०	३२	धारण	२६	२६
धर्मवाद	२१	१६	"	६१	१०,२२,२४,२६
धर्मविज्ञान	२४	३	धारणा	२७	१६
"	२५	४	धाहल	२९	२५
"	२६	११,२७	धाराधरदेश	२८	९
"	६१	२१	धारणविज्ञान	२७	२
धर्मशक्ति	७४	२०,२२,२४,	धार्मिक	१८	२५
धर्मशास्त्र	१९	३	"	४१	२५
"	३३	५	धावन	१५	२९
"	३५	३०	"	५८	२३
"	७४	३,१९,३५	"	५९	१,३,५,९,११
धर्मशास्त्रविद्	३५	१४	धृष्ट	४०	८,९,१०,११,१२
धर्मशौर्य	७२	३	धृत	२६	२२
धर्मस्थान	३२८,१३,१८,२३,२८,३३		"	३३	७
धर्मस्थान	३२	२	"	३४	५,२१,३७
धर्मशा	४३	१३	"	३५	३१
धर्माभिरचितं	७१	३	"	३६	१३
धर्मिष्ठ	४१	६,१२,३१	धृति	३८	७,२२
धर्मिष्ठमहोरसाही	४०	२०	"	३९	३,९
धर्मे	६०	१९,२०,२१,२५	धिधिम	२६	९
"	७१	१५	धीर	४०	३,४,६
"	७५	१०,१२,१३,१९	धीरललित	४०	२,३,५
धर्मेण	६०	२३	धीरशांत	४०	५
धरानेय	२९	१९	धीरोदात्त	४०	२,५
धातु	२३	३७	धीरोद्धत	४०	३,५
"	२५	१०,२४	धीरोपशांत	४०	५
"	२६	३,२१,३४	धूप	४४	१३
धातुकर्म	२२	२५	धूपनवास	४४	९
धातुगतपदार्थ	८	१०	धूपनाधिवासः	४४	७
धातुपदार्थ	८	७,८,९	धूपनानि	५८	१०,१४,२०
धातुवाद	२३	५,१६	धूपने	४४	११,१५
धातुवादकला	२१	२८	धैर्य	११	१८,३५
धातुविज्ञान	२४	१५	"	१२	१६,३३
धान	७५	१२	धैर्य	१३	९,२६
धान्यपाल	१०	५	धैर्यगुण	१०	२६
धान्यपालवृक्ष	८	२३	धौतरुह	३२	२२
धान्यपुरुष	१६	३१	ध्राण	११	२५
धारसर	२९	३५	"	१२	६,२३,४०
"	३०	१०	"	१३	३२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
ध्राण	२०	१४, २३, ३०	नागणिक	२८	२६
"	२१	१६	"	३०	२६
ध्राणगुण	११	७	नागणित	२९	१५
ध्वज	३३	१३	नागाणित	२९	२९
"	३४	१०, २६	नागभुवन	७	६
"	३६	१८	नागरपात्र	१४	३, १०, २६
ध्वनि	३३	१५	"	१५	६, ११
"	३४	११, २७	नागरिक	३	१६
"	३५	५	नाटक	१९	१४
"	३६	२, २०	"	२२	२०, २४
"	७२	५	नाटककला	२१	२६
नख	२५	१०, २३	नाटकशास्त्र	१९	३, ९, १८, २३
"	२६	३, १७, ३३	नाट्य	३१	१६
"	२७	८	"	१९	१३, १७
"	४१	२, ४, ६	नाट्यनाद्युपचारेण	५८	१८
नखविलेखन	४८	१४, २६	नाट्यशास्त्र	१९	९, २३
नखविज्ञानं	२४	१४	नातिमानिनी	४३	१६
नखशौच	४४	२३	"	४३	९, १४, २१, २८
नखरपर्शनं	५८	२४	नाल्यर्थ (?)	६०	१६
"	५९	२, ४, ६, ८, १०, १२	नाल्यर्थसायी	६०	७
नगर	१४	३२	नाल्यर्थानप्राप्त	६०	४
नगरनायक	३५	२६	नाद	२०	९, १९, २८
नदी	३३	३	"	२१	५, १२, २१
"	३४	२, १८, ३४	"	२३	४
"	३५	१३, ३३	नाम	७२	९
"	३६	१०	नामर्द	२८	२४
नप्रात (?)	६०	१६	नामर्द	२९	७
नर्मदा	३३	२१	"	३०	२५
"	३४	१५, ३२	नायक	३५	१४
"	३५	२७	नायकाः	२	१८, २१
"	३६	७, २५	नायिका	३	१
नर्मदातट	२९	२१, ३६	नाय्याः	३	१४
"	३०	११	नाराच	१८	५, १७
नर्मदातटदेश	२८	११	नारि	२२	३२
नय	२१	२०	नारी	२३	११, ३४
नर	३३	२०	नारीकला	२२	७
नरपरीक्षा	२३	२३	नारीगरीक्षा	२३	२४
नरभुवन	७	६	निवृन्दम	९	३७
नरसदृश	३४	१५, ३१	निवृम्म	९	६, १३, १७, २६
"	३६	२४	"	१०	६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
निकुम्भवंश	८	२४	नियुद्धकार	२७	१३
निग्रह	११	१६,३३	नियोग	७३	६,१६
"	१२	१४,३१	निरसता	३८	२७
निग्रह	१३	८,२४	निरोध	१२	१८,३४
"	६६	२१	"	१३	१०
निग्रहगुण	१०	२४	निरंकुशा	५७	५
निघंट	१९	३,९,१४	निर्लज्ज	५७	२,७,९,१२
निघण्टु	१९	१८	निर्लज्जा	५७	५
निर्णय	१९	१४	निर्वाह	६६	१५,२०
"	६६	१६,२०,२१,२४	निर्वाह	६७	१,१४
"	६७	१,९,१४	निर्वार्यता	५७	२९
निर्णयस्थान	६७	५	निर्वेद	३८	४,१७,३०
नित्ययोगी	५७	१२	निर्वेद	३९	७,१८
नित्यरोगी	५७	९	निश्चय	६७	९,१०,१४
निद्रा	३८	८,१५,२३	निश्चयस्थान	६०	१४
"	३९	४,११,१६	"	६७	१४
"	७३	१७	निश्चलाङ्गसायी	६०	१४
निर्दयत्वं	५७	२०	निश्वासोच्छ्वसनं	४८	१५,२१
निर्दिनी (!)	५७	३६	निष्ठीवति	४७	७,१४,२०,२६
निधि	३३	२०	निष्ठुर	५७	३,८,१०,१३
"	३४	१४,३१	निष्ठुर	५७	१३
"	३५	१०,२६	निष्ठुरता	५७	१६,१९,२२,२४,२५,२८
"	३६	७			
निघण्ट	१९	२३	निष्ठुरा	५७	६
निर्मात्य	२५	८	नीचप्रदेश	७	१९,२०
नैर्मत्य	२५	२२	नीति	२२	१३,२७
"	२६	१,३१	"	२३	६,१८,२९
निग्रप्रदेश	७	१७,१८	"	२५	१७,३०
नियति	२०	८,१९,२७	"	२७	१,१५
"	२१	५,११	नीतिकला	२१	२९
नियम	६६	२४	नीतिमानिनी	४३	१
नियुपकरण	२६	८	नीतिविशानं	२५	३
नियुद्ध	१५	२८	नीतिशास्त्र	१९	२१
"	२४	२,७,१८	नूपरोत्कर्षणं	४६	२४
"	२२	१६	"	४८	१२,१८
"	२३	३३	नेपथ्यं	२२	१२,१७
नियुद्धकरण	२६	३८	"	२३	६,१८,३८
नियुद्धकार	१६	१२	नेपथ्य	२५	६,२०
"	२५	१४,२८	"	२६	१४,२९
"	२६	२३	"	२७	५

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
नेपथ्यकला	२१	१२९	पत्र	१६	४,१४,२५
नेपथ्यविज्ञान	२५	३४	"	२६	२,३३
नेपथ्यविज्ञानं	२४	८	पत्रक	२५	७,२०
नेपाल	२८	२०	"	२७	५
"	२९	२,१६,३१	पत्रविनोद	१५	२३
"	३०	६,२०	पत्रविज्ञानं	२४	१३
नेपालदेश	२८	४	पद	७४	१३,१५
नैर्मल्य	०७	७	पदगतं	६२	२,३,४
नैर्मात्य	२६	१६	पदस्थपात्र	१४	११,१९,२६
नैयायिक	६७	२६	"	१५	१२
नैयायिकं	६७	२४	पदस्थपात्रं	१४	४
नृत्तज्ञा	४३	२०	पदार्थ	८	६
नृत्तपाठ	१५	२७	"	१५	३१
नृत्य	४	१७	"	१६	१५
"	१५	२७	पदार्थकरण	१६	५,२६
"	१६	१,१०,२२	"	७०	२४,२७
"	३१	७,११,१६,२८	पद्म	३४	४,२०,३६
"	७०	३,८,१२,१६,२०	"	३५	३०
नृत्यकला	२३	२७	पद्म	३६	१२
"	२२	११,२३	पर्याय	७०	९,१२,२१
"	२१	२४	पर्यंक	३५	३०
नृत्यलक्षणं	३०	३२	"	६७	२५
नृत्यलक्षणं	३१	२२	पर्यंत	३४	३६
नृत्यविनोद	१५	१७	"	६८	२७
"	१६	१७	"	६९	६,२६
नृत्यशा	४२	१५,२२	"	६८	२
"	४३	८,१४,२७	परकीया	४१	३४
न्याय	६७	३०	पदच्छेदिपात्र	१५	६
"	६८	१	परपत्र	१८	३३
भ्रुकृति	२०	५,१५	परमार	९	७,१४,१५,२१
पटिसु	१८	७,३२	परमारवंश	८	१८
पठिन	२२	१९,२३	"	९	३
"	२३	३,१४,३६	"	१०	३
पठितकर्म	२१	२५	परमित	६९	२१
पठितविनोद	१५	२३	पराक्रम	३७	४
पठिनशा	४२	८,१३,१४	पराक्रमकृत	३६	३३
परीहार	९	३,१०,३३	पराक्रमयश	३७	६,१२
"	१०	३	पराक्रमसुधी	४७	८,२७
पण्यात्रना	४१	३४	"	४८	५
पत्र	१५	३०	पराजय	६६	१३,२६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
पराजय	६७	६, १०	पशुपालन	२६	७
पराजयकृतं	३७	३	पशुपालविज्ञानं	२४	२०
परान्मुखी	४७	२१	पशुपाल्य	२६	३७
परिगत	६७	१८	पक्ष.	६६	१३, २२
परिचारिका	१४	३५	पक्ष	६७	३, ११
परिछद्	११	९६, ३३	पक्षप्रमाण	६६	१८
परिच्छेद	५	१८	पक्षि	२२	१७, ३२
"	१२	१४, ३१	"	२३	३३
"	१३	७	"	२५	२३, २६
परिच्छन्द	१३	२४	"	६	२६
परिच्छेदगुण	१०	२३	पक्षि	२७	११
परिणामकी	६१	१४, १७	"	३१	९, १३, १८, २४, २९
परिणामिका	६१	१६	"	६६	२७
परिष	१८	१३	पक्षिकला	२२	७
परिधानसंयमनं	४८	१४, २०, २७	"	२३	२४
परिवोध	७२	७	पक्षिलक्षणं	३१	३
परिवोधशौर्यं	७२	४	पक्षिविज्ञानं	२४	१९
परिभावक	४०	११	पक्षिशिक्षा	२६	३६
"	२६	४१	पक्षी	१५	२९
परिभावितं	६५	१४	"	१६	३, ८, १३, १८, २४
परिमात्रुक	४१	१२, ३२	"	२३	११, १३
परिमापिक	४१	१९	"	२६	१९
परिमारवंशा	९	३८	पक्षीविनोद	१५	१५
परिमिता	६९	१७	पाचक	२२	२६
परिमितं	६५	१५, १७	पाठ	१६	१, २३
"	६९	१४	पाठ्य	१६	११
परिपद्	६९	१४	पाठल	२९	१८, ३४
परिश्रमी	६३	१७	"	३०	९
परिरपुटं	६५	१५, १७	पाणि	२०	४, १४, ३१
पदोक्षनामस्मरणं	४८	२२	"	२१	८, १६
पवित्रभाषण	४५	६	पाण्डित्य	११	३१
पवित्रवाक्य	४४	२१	"	१२	१२, ३०
"	४५	८	"	१३	६, २३
पर्वत	३३	३	पाताल	३१	५, १०, १५, २६
पर्वत	३४	२, १४, ३४	पातासलक्षणं	३१	२०
"	३५	१३, ३३	"	३०	२९
"	६९	१०	पातिकर	९	२९
पर्वद्	६९	१२	पात्र	२२	१५, ३०
पर्वश	३३	६	"	१३	९, २३, ३१
पशुपाल	२६	२०	"	३१	८, १३, १७, २७, २९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
पात्र	७३	१६	पाल	९	२३
पात्रकला	२२	४	पालकत्व	११	१४,३१
पात्रं	७०	४,८,१२,१६,२०	"	१२	१२,२९
पात्रलक्षणं	३०	३३	"	१३	५,२२
पात्रसंग्रह	७०	१५	पावकत्व	१३	१३
पार्थिव	४	९	पावकत्वगुण	१०	२०
पाद	२०	४,१४,२३,३१	पाश	१७	२९
"	२१	८,१६	"	१८	६,१६,१८,२५,३१
पान	२२	२९	पाशुपतं	६७	२४
"	२३	३०	पाशुपत	६७	२७,२८,३०
"	२६	८	पाशुपाल्य	२५	१३,२७
"	३१	१९,२४	"	२७	११
पानककला	२२	२	पाशुपत्य	६७	३१
पानमोज्यादिविज्ञानं	५९	१५,२०,२६	पापाण	२३	१,२५
पानमोजनविधानं	५९	२३	पार्श्वचालनं	५९	१७
पानविधि	२५	१५,२९	पार्श्वविवर्तनं	५९	२२
"	२६	२१,३८	पार्श्वे आचमनं	५९	१४,१९
"	२७	१४	पार्श्वे वाऽऽचमनं	५९	२५
पानविधिविज्ञानं	२५	१	पित्त	२०	७,१७,२५
पानीगृह	३२	२२	पित्त	२१	२,१०,१९
पानीय	३३	१८	"	३५	२५
"	३४	१३,२९	पिप्पलपत्र	३३	१९
"	३५	८	"	३५	९
"	३६	४,२२	पिप्पलपत्र	३६	६
पानीयगृह	३२	१,२७	पीठ	३३	१४
पानीयस्थान	३२	७,१२,१७,३२	"	३५	२२
पापातिक	२९	३६	पीनस्तनी	४२	१३,२१
पापातिक्ता	३०	२५	"	४३	७,१२,१९,२६
"	२८	२५	पुष्पकीर्ति	३७	८,११,१३,१५
"	२९	७	पुनर्भू	१४	३४
पापीतिक	३०	१२	पुनर्भूपात्र	१४	५,१२,१९
पारमित्त	६९	१८	"	१५	६,१३
पारमिता	६९	८,१६	पुराण	३५	३०
पारिगत	६९	१०,१२	"	१९	६,१२,२६,२९
पारिगामिकी	६९	१३,१५	पुरुष	१	९
पारियात्र	२८	१८	"	८	१
"	२९	१,२९	"	२०	६,१५,२४
"	३०	१८	"	२१	१,९,१७
परियात्रदेश	२७	२९	"	२२	१७
पारंपर्यविज्ञानं	२४	६	"	३१	८,१३,१८,२३,२९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
पुरुषकला	२२	८	पूर्णदान	३६	२९
पुरुषलक्षणं	३१	१	पूर्णपात्र	३३	१९
पुर्यार्य	१	११	"	३४	१३, ३८
"	८	११	"	३५	९
पुलिका	१८	२	"	३६	२३
पुष्टि	११	१७, ३४	पूमावात् (ईवं भाषते)	४६	३०
"	१२	१५, ३२	पूर्वदिशि	२९	२३
"	१३	८, २५	पूर्वदिशि देशाः	२८	२७
"	३३	१८	पूर्वदेश	३०	१३
"	३५	८	पूर्वदेशाः	२७	१८
"	३६	५, २२	"	२८	१३
पुष्टिगुण	१०	२४	पूर्वं भाषते	४७	१
पुष्य	१५	३०	पूर्वं भाषते	४५	१९
पुष्य	१६	४, ८, १४, १९, २६	"	४६	४
"	२५	१५, २९	पूर्वं भाषितं	४६	१०
"	२६	९, २४, ३९	पूर्वमुत्तिष्ठति	४५	२१
"	२७	१४	"	४६	६, १८, २६, ३२
"	३३	११	"	४७	३
पुष्पपात्र	१४	२६	पूर्वमुत्तिष्ठते	४६	१२
"	१५	६	पूर्वमेव जुंवनं करोति	४६	१, ८, २०
पुष्पमाल्यादि	५८	१५	पूर्वमेव जुंवनं ददाति	४६	३३
पुष्पनालादिदानं	५८	१२	पूर्वमेव स्ववचनात्		
पुष्पवास	४८	८	भाषयति	४६	२७
पुष्पविज्ञानं	२४	२४	पृथ्वीः	२०	२, २१, २९
पुष्पसंयमनं	४८	१८, २६	"	२१	६
पुष्पादिभोगेन	५८	१९	पृथ्वीतत्त्व	२०	१२
पुष्पादिभाल्यानि	५८	१०, १७, २१	"	२१	१४
पुष्टि	३४	१३, २९	पैशाचकं	६५	२६
पूर्वजुंवनं करोति	४६	८	पैशाचं	६५	२०
"	४७	४	पैशाच	६५	२८
पूजा	३३	२०	पैशाचिकं	६५	२२, २४
"	३५	२६	"	६६	१
पूजा	३६	६	पोत	३५	१८
पूजानिधि	३६	२८	पोतिक	९	२५
पूजानिधि	३५	१०	पोतिकपुत्रवंश	८	१७
पूज्य	१४	३२	पोन्द्र	२	३०
पूज्यपात्र	१५	७	पौतिक	९	५
पूज्यपात्रं	१४	३	"	१०	५
पूज्य	३७	१०, १७	पौमिक	९	२५
पूर्णकला	३५	८	पौलक	९	१७

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
पण्ड	३०	१०	प्रताप	७२	१, १३, १७
पंडित	४०	१९	"	७३	१४, १६
"	४१	१८	प्रतापहृत	३६	३३
पंडितसत्तम	४१	२४	प्रतापहृतं	३७	३, ५
पंचाल	२८	१६, ३०	प्रतापगुण	१०	२२
"	२९	१२, २६	प्रतापपदा	३७	१, २, ६
"	३०	२, १६	प्रतापः	३७	४
पांड	२९	५	प्रतापशौर्य	७२	५
"	३०	२२	"	७१	२१
पांडित्य	११	१४	प्रतापिता	५७	१९
पांडित्यगुण	१०	२१	प्रतापैः	७३	१२
पांडित्यम्	४	२१	प्रतिचारिकापात्रं	१४	५
पांडुदेश	२८	८	प्रतिपत्ति	७२	१०
पुंदक	२९	११	प्रतिप्रतिशौर्य	७१	२२
पुंड्रदेशः	२७	२३	प्रतिपात्र	७२	६, १४, १८
पुंड	२९	२६	प्रतिपक्ष	६७	८, १०
प्रकाम्यमेव	७६	१७	प्रतिपक्षमाण	६७	४
प्रकाम्य	७६	१९	प्रतिपक्षः	६६	१३, २२
प्रकाम्यं	७६	१४	प्रतिपक्षि	६६	२७
प्रकार	६८	२०, २१, २३, २४	प्रतिमा	६४	१८
प्रकारः	६८	१९	"	६५	७, १०
प्रकारपर्यंत	६८	२५	प्रतिमाया	६५	४
प्रकाशकः	४१	१८	प्रतिभावाद्	४१	२१
प्रकृति	२०	२४	प्रतिमेद	६९	४
"	२१	१, ९, १७	प्रतिमा	६८	२८
प्रचारणसंयमनं	४६	२४	"	६९	१, ३, ५
प्रजापालनं	७१	८, १०, ११, १२	प्रतिमान	७५	३
प्रणयित्वा	११	१५, ३२	प्रतिवादः	६६	१२
"	१२	१३, ३०	प्रतिवादि	६६	१८
"	१३	६, २२	"	६७	११
प्रणयिमानत्वगुण	१०	२१	प्रतिवारकापात्र	१४	१२, २०
प्रणाम	१३	६	"	१५	१३
प्रस्तुतार	२३	२, १२, १५	प्रतिष्ठा	११	१८, ३५
"	६६	२३	"	१२	१५, ३३
"	६७	४, ८, १२	"	१३	९, २६
"	६६	१४, १९	प्रतिष्ठागुण	१०	२५
प्रस्तुतारकला	२२	९	प्रतिष्ठा	११	१८, ३५
प्रताप	११	१५, ३२	"	१२	१६
"	१२	१३, ३०	"	१३	९, २६
"	१३	६, २३	प्रतीहार	९	२३



शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
प्रतीक्षार्वता	८	२०	प्रमाण	६६	१,५,१०,१२,१६,१८
प्रथमार्थ	६३	३७			२०,२४,२७
प्रथमस्थिति	६३	३०	प्रमाणानु	१२	३०
प्रथमं दैर्घ्यं	४७	८,१४,२१,२६	प्रमादपर्यन्तं	६६	२७
"	४८	५	प्रमाणं	६३	२१
प्रत्या	४१	१७	"	६६	६,११
प्रत्यापराध	४१	२४	प्रमाणं	६८	१४,१६,२६,२८
प्रदान	३३	१७	"	६६	३,८,१४,२१,२५
"	३४	१२,२८	प्रमेद	६६	१३
"	३६	४,२२	प्रमेदक्षिति	६६	५
"	७४	७	प्रमेय	६६	१६,२१,२८
प्रतीव	३४	४,२०	"	६७	४,७,१२
"	३६	१,१२	प्रमेयं	६६	११
प्रधान	१४	३२	"	७०	४,१३,१७
"	१७	१०	प्रमेद	११	१५,१६
प्रधानानु	१७	५	"	१३	१३,३०
प्रधानार्थ	१४	३	"	१३	६,१३
प्रधानवृत्तान्त	१४	१०,१८	"	१५	१
"	१५	१३	"	६०	१३,१५
प्रवेष्ट	७२	११,१४,१६	"	६३	१३
"	६५	३	"	६६	१६
प्रवेष्टिनी	७२	४	"	६६	२६
प्रमान	११	१६,१३	"	७२	७,११,१८,१९
"	१३	१३,१३	प्रमेदगुण	१०	२३
"	१३	७,१४	प्रमेदपर्यन्तं	६८	२१
प्रभुत्व	११	१४,१३	"	६६	१४
"	१३	१३,१३	प्रमेदार्थ	७१	३
"	१३	१३	प्रमेद	६६	१३
प्रभुत्वानु	१०	१०	प्रमेद	३३	१४,१६
प्रभुत्वार्थ	५	१३	"	३३	८,१३,१३
प्रवेष्ट	६६	१३,१८	"	३६	१७
"	६७	४	"	३७	१
"	६८	१३,१६	"	४०	११,१७
"	६९	१,१०,१३,१४,१६,१७	प्रमेदगुण	११	१
प्रधानवृत्तान्त	१	१६	प्रमेद	३६	४
प्रधान	१३	१३,१३	प्रमान	३८	७,१३,१६,१७
"	१३	१३	"	४५	१३
प्रभुत्व	१३	१३,१८	प्रतीव	२३	४
"	६७	७,१३	प्रमेद	१३	१४,१५
"	६९	१,१०,१३,१६,१७	प्रमान	१३	१५,१६
		१३,१४,१६			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
प्रशंसा	१३	९, २५	प्रज्ञावती	४३	२, २२, २९
"	१७	४	प्राकाम्य	७६	१७
"	३८	२६	प्राकृत	६५	२८
प्रशंसायुग	१०	२५	प्राकृतं	६५	२०, २२, २४, २६, २८
प्रसन्न	६६	२३, २८	"	६६	१
"	६७	४, ८	प्राग्बुद्धिभ्रमणं	४८	१५, २७
प्रसन्नत्व	११	१४, ३१	प्रागल्भ्य	१३	५
"	१२	१२, २९	प्राज्ञत्व	११	१४
"	१३	५, २१	प्राण	२०	४
प्रसन्नं	६२	१८	प्राणिदयाशांचं	४४	१८, २१
"	६३	१, ८, १५, २२, २९, ३६	"	४५	८
"	६४	५	प्राधान्य	१७	२
"	६५	१६, १८	प्राज्ञत्व	१२	१२, २९
प्रसन्नमुखी	४२	१३, २१	"	१३	५, २२
"	४३	७, १२, १९, २६	प्राज्ञत्वयुग	१०	२०
प्रमरण	१२	१३	प्राज्ञत्व्वं	६३	२४
"	१३	६	प्राज्ञलित्व	११	३१
प्रस्थ	२२	१८	प्राप्ति	५	१३
"	२३	३५	"	११	१७, ३४
प्रसाद	११	१५, ३२	"	१२	१५, ३२
"	१३	२३	"	१३	८, २५
"	२५	१०, २३	"	७६	१०, ११, १४
"	२६	३, २१	प्रामाणिकत्वयुग	१०	२१
"	२७	८	प्रारंभ	११	१६
"	३३	१८	प्रारंभ	१२	१३, ३१
"	३४	१३, २९	"	१३	७, २३
"	३८	५	प्रारंभयुग	१०	२२
प्रमाद	३६	५, २२	प्रासाद्	३१	३२
प्रसादितगान	६०	५	"	३२	६, ११, १६, २१, २६, ३१
प्रसारितगात्रशायी	५९	२९	प्रासादविज्ञानं	२४	१४
"	६०	३, ८, १०, १३, १५	प्रिय	४०	१८
प्रसिद्धा	३५	२७	"	४१	२३
प्रश्न	६६	१४, १९	प्रियतु	३३	१०
"	६३	१२	"	३४	७, २३
प्रहेलिका	१५	३१	"	३५	१, १९, ३५
"	१६	४, ९, १४, २०, २६	"	३६	१६
प्रहेलिकाविनोद	१५	२५	प्रियभायणं	४८	१६, २२, २८
प्रज्ञानप्रबोध	६१	५, १०	प्रियभायिणी	४२	१२, २०
प्रज्ञाप्रबोध	६१	२, ४, ८	"	४३	६, १२, १९, २५
प्रज्ञावती	४२	१८	प्रियवाक्य	३४	१४, ३०

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
विश्रावण	३५	१८	वज्र	१६	५, १५, २१, २७
"	३६	३३	"	७३	६
विश्वः	४१	१६	वज्र	११	१९
विश्वर	४०	१५	"	१३	१०, ३७
"	४१	३, ८, १३, ३८	"	६०	१८, १४
विश्वरूपा	४३	४	"	७०	२४, ३७
श्रीपमना	४१	१४	"	७१	१५
श्रीति	११	१७, ३४	"	७५	१३, १५
"	१२	१५, ३३	वज्रगुण	१०	१०, ११, ३६
श्रीति	१३	८, ३५	"	१३	१, १०, ३४
"	३६	१५	"	७२	७, ११, १५, १९
"	३७	३	वज्रम्	५	१५
"	३३	३३	"	७५	११
"	३५	१८	वज्रशीर्ष	७२	३
"	३६	८	वज्रेण	६०	२२
श्रीतिगुण	१०	२५	वायु	९	३६
श्रीतिमति	४३	५	वाल्लुग	३७	५
श्रीतिमान्	४१	३, ८, ३८	वाल्लुगसुंवन	४८	१६, २१, २८
श्रीतिवान्	४०	१५	वाल्लुगसुंवन	६१	८
श्रीतिवर्षा	४३	३, ५, ७, ९	वाल्लुगप्रबोध	६१	२, ८
श्रीतिवैश्वानर	४८	७	वाल्लुग	४८	१५, २१, २७
श्रीतिवैश्वानर	४५	२२	वाल्लुगो	६१	६
"	४६	१३, २६, ३३	वाहीक	९	२, ९
श्रीतिवैश्वानर भाति	४७	३	"	१०	३
"	४६	७, १९	विदु	३०	१०, १६, २८
श्रीतिज	६६	७	"	२१	१, १२, १८
परद	९	२४	वीज	३३	३३
पराट	९	३०	वीजसू	३५	२१, ३७
पल	१६	४, ८, १४, ३०, ३५	वीजसूक	३४	९, ३५
"	१५	३०	"	३६	१७
पल्लविभाषणी	५९	१५, २३, २५, २६	वीजम	३७	२०
पल्लविनोद	१५	२२	बुद्ध	२२	२२
बन्धु	२९	१७	बुद्धि	४	२१
बन्धु	२९	३३	"	१०	३६
बन्धु	२९	१६	"	११	१९
बन्धु	२८	२०	"	१२	१, १७, ३४
"	२९	६	"	१३	१०, ३७
"	३०	७, २१	"	१६	३०, ३४
बन्धुदेश	२८	५	"	१७	५
बल	१५	३१	"	२०	५, १५, २४, ३१

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
बुद्धि	२१	४, ८, १७	भय	३९	५, १४
"	२३	५, १७	भाजन	३५	१७
"	७२	२५	भाण्डागार	१०	८
बुद्धिकला	२१	२९	भारती	३९	२३, २४, २५, २६, २७, २८, २९, ३०
"	२३	२७	भाव	२	१४
बुद्धिगुण	१०	२८	"	६४	२१, २४, २७
बुद्धिगुणाः	४	१२	"	६५	३, ६, १२
बुद्धिवलं	७२	२३	"	७०	४, ९
बुद्धिमुख	१७	१०	भावकत्व	१२	४, २०
बुद्धिसख	१७	१४	"	१३	३०
बुद्धिमुख	१७	२	भावकत्वगुण	११	३
भूषर	२९	३२	भावशौचं	४४	२, १७
बोकाण	२९	१५, ३०	भावानुगतं	६५	१६, १८
बोकाणा	२९	२	भावुक्तव	१२	३७
बोकाणदेश	२८	२, १७, १९, २०	मातुकाः	५७	२४
बौद्धं	५	७	भाषापंडित	४१	५, ११, ३१
बौद्धं	६७	२१, २२	भाषालक्षण	४	२०
बंगदेश	२७	१९	भिडपाल	१८	१९
बंगाल	२८	१४, २८	भिडमाल	१७	३०
"	२९	१०, २४, ३९	"	१८	६, १२
"	३०	१४	भिडिमाला	१८	३१
बंदित्र	९	४	भुक्ति	५	२२
बंध	२९	२३	"	११	२३
बंधु	२९	२६	"	१२	३७
ब्रह्मचारि	६८	४, ६, ८, १२, १४, १६	भुक्तिपर्यंत	६७	२५, २७
ब्रह्मपर्यंत	६८	९	भूतकर्मणं	२६	१८
ब्रह्मपर्यंत	६८	५, ७, १०, १२	भूमि	१	८
ब्रह्मवंश	९	१८	"	७	१६
ब्रह्मा	१०	१	"	२३	१, ११, ३४
"	३३	२	"	३४	३६
"	३४	१, १७, ३३	"	३६	२
"	३५	१२, २८	भूमिकला	२२	७
"	३६	९	भूमिरीक्षा	२३	२४
ब्राह्म	६७	१७, १९, २०	भूमिगालनं	७१	८, १०, ११, १२
भक्ति	१२	२१	भूमिटेप	२२	१८
भद्र	३१	२५	भूरण	२६	३
भय	१२	२१	"	६६	१९
"	२०	१९, २६	"	६७	१, ५, ८, १३
"	२१	३, ११, २०	भूतगोद्वैष्टनं	४८	१३, २०, २५
"	३८	३, १३, २८			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
भेद	१७	२२	मद्य	३६	१३
भोगहीनता	५७	१७	मर्दन	२५	७,२०,३५
भोगिनी	४२	२०	"	२६	१३,२९
"	४३	२५	"	२७	५
भोजनवास	४४	९	मर्दनविज्ञानं	२४	८
भोजनशक्ति	७४	१९,२१,२२,२५	मधु	३३	७
भोजनशाला	३२	४,९,१४,१९,२४	"	३४	५,२१,३७
		२९,३४	"	३५	१५,३१
भोजनादि	५८	९	"	३६	१३
भोजनाधिवास	४४	७,१३	मधुरवाक्या	४३	१५,२१
भोजनाद्युपचार	५८	१४,१६,२०	मधुरा	४२	१६
भोजने	४४	११,१५	"	४३	२८
भंडार	१०	१२	मधुरं	६२	१७,२५
भकुआण	९	१७	"	६३	७,१४,२८,३६
भकुआणा	९	२५,३५	"	६४	४
भगध	२८	१५,२९	"	६५	१४,१७
"	२९	२५	मध्य	२९	११
"	३०	१५	मध्य	३०	१५
भच्छ	२९	२८	मध्यदेश	२९	२५
भठग्रह	३२	२७	मध्यदेशाः	२७	२२
भठस्थान	३२	७,१२,२२,२७,३२	मध्यदेशाः	२८	९,१५
भठस्थानं	३२	२	मध्यम	८	२,३,४,५
भजा	२०	६,१६,२५	मध्यमपर्यंत	६९	१९
"	२१	२,९,१८	मध्यमिका	६९	२१
भणिमय	३३	९	मध्यं	६३	२०
भणिशाला	३५	१८	"	६३	१६,२३,३०,३७
भति	३८	१०,१४,२४	मर्त्यं प्रमाणं	६३	३,१०
"	३९	२,११	"	६४	७
भक्तिमूढ	३९	१५	मन	२०	५,१५
भर्यक्षणा	३०	२९	"	७२	१३,२५
भरस्य	३४	१०,२६	मनशाला	३५	३४
"	३५	७	मनस्	२१	८,१७
"	३६	१९	मनु	३१	१०
भद्र	३९	१,८	मनुष्यलोकस्थान	७	१७,२४,१२
भद्रनगुण	११	८	मनोवाञ्छितविनोदः	५९	१६,२७
भद्रिरा	३६	५	मनोहरं	६५	१५
भय	३३	७	मनासि	२०	२३
"	३४	५,२१,३७	मण्डन	१२	७,२३
"	३५	१६,१८,३१	"	१३	१६,३३
			मर्म	२५	१८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
भर्म	२६	१२	महाराष्ट्र	३०	११,२५
"	२७	३	महाराष्ट्रदेश	२८	१०
भर्मविज्ञान	२५	५	महाप्रत	६७	२७,२८
भर्यादा	१२	६,२३,४०	महामतिक	६७	३०,३१
"	१३	१६	"	६८	१
भर्यादा	२२	२५	महाप्रत	६७	२५
भर्यादागुण	११	७	महिमा	७६	९,११,१३,१५
भरण	३१	११	महेश	३४	३३
भरण	३८	११,२७	महेश्वर	३३	२
"	४५	१३,१५	"	३४	१,३,१७
भरणं	४५	१५,१७	"	३५	१३,२८
भरणांत	३८	१९	"	३८	९
"	३९	२०	महोत्सव	६	२
भरु	२८	३२	"	११	२१
भल	२०	१७,२६	"	१२	३,१९,२६
"	२१	२,१०,१९	"	१३	१२,२९
"	४५	२	"	१५	३०
भलय	३०	२२	"	१६	३,८,१३,१९,२५
भलयदेश	२८	११	महोत्सवगुण	११	२
भल्ल	१६	२१	महोत्सवविनोद	१५	२२
भल्ल	१७	१,५,९,३०	महोत्साह	४१	१२,३१
"	१८	६	महोत्साही	४१	१८,२५
भल्लस्थान	१६	३३	मक्षिका	१७	३०
भल्लस्थानं	१७	१३	"	१८	६,३१
भ(इदम)शु	४५	५	मागध	२९	११
भरुंठि	१८	२६	"	३०	१
भस्तकविज्ञानं	२४	२८	"	६५	२८
भद्रपाम	१६	२९,३४	भागधदेश	२७	२१
"	१७	१,५,९,१४	भागधं	६५	२१,२२,२४,२६,२८
भद्रपामपात्र	१४	९,१७	"	६६	२
"	१५	१०	मात्सर्य	२०	८,१९
भद्रपामपात्रं	१४	२	"	२१	३,११,२०
भद्रगीतं	६२	६,७,८,१०	माधुर्य	६६	२५
भद्रातट	२९	२०	माध्यमिक	६९	११,१३,१९
भद्रानघ	३२	९,१४,२४,२९,३४	माध्यमिकं	६९	९,१५
भद्रानाथकः	२	१७	मान	२०	२६
भद्रापात्र	१४	२५	"	३८	२६
भद्रामाल	१४	३१	"	७२	६,८,१८
भद्राराष्ट्र	२८	२४	मानं	७१	५
"	२९	६,२०,३५	मानगुण	११	६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
मानचरित्रं	७१	२	मित्रहार	३१	१४
मानवाय	१५	४	मित्र	७३	१६
मानवाय	१४	१	मित्रवाय	७३	६
मानव	१४	३०	मित्रम्	७३	१५
मानवलोचर्म्यान	७	९	मित्राश्च	१०	१०, १२
मानवर्म्यान	७	१०, ११, १२, १४, १५	मिश्रासं दायी	४६	१४
मानवार्थान	७	१५	मुक्तादत	३३	१३
मानसीर्ष	७२	३	"	३४	९, २५
मानसिद्ध	७३	२१, २२	"	३५	३, २१, ३७
"	४३	३२	"	३६	१८
मानसिद्ध	४३	३३	मुक्ति	१२	४, ३८
"	७३	२०	"	१३	१४, ३१
"	७३	२२	मुखाय	४४	८
माह्वय	११	२१	मुखाय	४५	५, १३
"	१२	१९, ३६	मुखाय	४४	२२
"	१३	१२, २९	मुखाय (मुखायार्थ)	६३	२३
माह्वयमुग	११	२	मुखायार्थ	६२	१९
माह्वय	१४	३३	मुखाय	६३	२०
माह्वयवाय	१४	११, १८, २६	मुखायिवायः	४४	५, १३
"	१५	३, ९, १२	मुखायिवाये.	४४	१०
माह्वयवाये	१४	३	मुने	४४	१४
माहा	२०	३	मुद्र	१८	१८
"	३१	४, १२, ३१	मुद्रवर्णन	८	२०
माह्वये	७५	१४	मुद्रा	१७	२०
माह्वयवा	८	३६	"	१८	६, १३, ३१
माह्व	९	३९	मुद्रिकावर्णन	४८	१३, १८, १५
माह्व	३८	१८, ३१	मुद्रान	३९	२०
"	३९	३६, ३८	मुद्रा	३८	३, ६, १४, ३१
"	३०	१, ३८	मुद्रावर्णन (मुद्रावर्णन)	६३	१०
माह्वरीय	३०	३७	मुनी	१८	७, १३, १९
माह्व	३५	१०	मुखाय	९	१५, ३०
माह्व	३३	१७	मुनी	१७	२०
माह्व	३३	७, १२, १४, १९, ३३	मुनीवर्णन	७३	१४
माह्व	३९	१४	मुने	३	१५
माह्व	३	३०	"	५०	४, ६, ८, ११, १४
माह्वी	६०	३१	मुनी	५०	६
माह्वी	३५	१८	मुनीवर्णन	५९	१०
माह्व	३	३	मु	३८	५
"	६०	१०, १९, ३०, ३३	"	३९	३
माह्वी	३६	१८	मुखायार्थ	८	१०

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
मूलपदार्थ	८	७,८,९	मोहन	२५	१८
मृत्तिका	३३	८	"	२६	५,२३,३५
"	३४	६,२२,२८	"	२७	३
"	३५	१७,३२	मोहविज्ञान	४	३२
"	३६	१४	मोहविज्ञानं	२४	२
"	४५	१,५	मोक्ष	८	१२,१३,१४,१५
मृत्तिकाशौच	४५	३	"	१९	१०,१४,२४
मृत्तिकाशौचं	४४	१७,२०,२२	"	३१	७,१२,१७,२३,२८
"	४५	७	"	६९	९,१५,१९
मृत्यु	३१	१०,१५,२६	"	७७	५,१०,१३,१७,२०
मृत्युलक्षणं	३१	२०	मोक्षपर्यंत	६९	११,१३,१७,२१
मृदुदृष्टं	५९	४,६,८	मोक्षमष्टोत्सव	७६	२,५,६,७
"	५८	२५	मोक्षलक्षणं	३०	३३
मृदुगानशापी	५९	२९	मोक्षशास्त्र	१९	४,१८
"	६०	३,१५	मौदिक	९	१२
मृदुपत्रशापी	६०	६	मौरिक्रवंधा	८	१९
मेघ	३५	२३	मौष्ये(श्रीसौख्ये)	६०	२५
मेघ	३३	१५	मंत्र	११	२२
"	३४	११,२७	"	१२	३,२०,२६
"	३५	६,२३	"	१३	१३,३०
"	३६	२,२०	मंत्र	१५	३०
मेघविज्ञान	२४	७	"	१६	८,१३,१९,२५
मंडुरा	३२	८	"	२३	१७
मेद	२०	६,१६,२५	"	१९	१०,२०,२४
"	२१	१,९,१८	"	२३	२६
मेदपाट	२८	१७,३२	"	२५	६,२०
"	२९	१४	"	२६	१३,२९
"	३०	५,१८	"	२७	५
मेदपाटदेश	२७	२८	"	४१	५,११,३०
मोदक	३३	१०	"	७२	२५
"	३४	७,२३	मंत्रकला	२२	३,१२
"	३५	१,१९,३४	"	२३	२८
"	३६	१५	मंत्रगुण	११	३
मोरी	९	५,१२,२२,३५	मंत्रपात्र	१५	४
मोरी	१०	५	मंत्रबलं	७२	२३
मोह	२०	१८,२६	मंत्रवान्	४१	१७,२४
"	२१	३,१०,११	मंत्रविनोद	१५	२२
"	३८	६,१९,२१	मंत्रविज्ञान	२४	८
"	३९	१,९,१९	मंत्रविज्ञान	२५	३४
मोहत्रविज्ञान	२५	४,१२	मंत्रराशिः	७४	१७,२२,२४



शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
मंत्रशास्त्र	१९	७	यादववंश	८	१७
मंत्रि	१६	२९, ३३	यादववंश	१०	१
"	१७	५, ९, १३	यामन	२९	१०, २४, ३९
मंत्रिपात्र	१४	९, १६, २४	यामुन	२८	१४, २८
मंत्री	१४	३१	"	३०	१५
मंत्रीपात्र	१५	१०	यामुनदेश	२७	२०
मंकाणकर्वश.	८	२३	युक्ति	११	२३
मंजुयाण	९	५, १२	"	२७	७
"	१०	५	"	१२	१४, २१, ३८
मंडण	१२	४०	"	१३	१४, ३१
मंडन	११	२५	युक्तिगुण	११	४
मंडप	३२	९, १४, ३४	युद्ध	१३	१०, ३२
मंडपशाला	३२	१९	"	२२	१६, ३१
मंदिर	३२	१३, १८	"	२१	१२
"	३५	९	"	१५	२८
मंदुर	३२	२३	"	७४	२२
मंदुरा	३२	३३	युद्धशला	२३	५
मांस	१९	२८	युद्धकार	१६	२२
"	२०	६, १६, २४	युद्धविनोद	१६	२३
"	२१	१, ९, १८	युद्धशक्ति	७४	१८, २१, २५
"	२९	१४	युद्धमय	२३	२३
"	३६	२१	योग	२५	५, १९
यति	६८	५, ७, ९, ११, १३, १५, १७	"	२७	४
यथाचार	७२	११	"	२६	१२
यन्त्रगोलिखा	१८	२६	"	७४	१५
यमक	६३	१३	योगविज्ञान	२४	३
यमुना	३३	२२	"	२५	३३
"	३४	१५, ३२	योगाचार	६९	११, १३, १५, २१
"	३५	१०, २७	योगाभ्यासकारणम्	४४	२
"	३६	७, २५	योगात	६९	१९
यय	३५	११	योगोपचार	६९	१७
ययोरंग	१२	१७	योगाचार	६९	८
"	३६	१३	रत्न	३०	६, १६, २४
यंत्र	१६	२, ३, ८, १३, १८, १९, २५	"	२१	१, ९, १८
यंत्रविनोद	१५	२१	"	२९	१३
यंत्रविहान	३४	७	रति	३८	२, १२, २०, २८
यारत	९	१५, ३१	"	३९	५, १३
यारतस्य	९	१८, ३३	रत्न	३३	१५, ३०
			"	३५	१३, ३६
			"	३६	१९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
रत्न	२७	११	रागादिव्यसन	५९	१५
"	३१	९, १४, १८, २४, ३०	राजगुण	१	१४
"	३३	९, २२, ३२	"	१०	१३
"	३५	१, १८	राजनीति	१	१९
रत्नकर्म	२६	३६	"	१७	२१, २३
रत्नकला	२२	४	राजपात्र	१	१५
रत्नपरीक्षा	२३	१४	"	१३	३४
रत्नमणि	३४	७, २३	"	१४	१
"	३६	१५	"	१५	३
रथ	१४	३०	राजपाल	९	५, १२, १७, ३५
रथ्यादि	५८	१५	"	१०	५
रत्न	३९	१७	राजपालक	९	२५
रवि	९	१५	राजपालवंश	८	२४
रस	२	१३	राजपुरष	१६	३२, ३६
"	२०	१३, २२, ३०	"	१७	१२, १६
"	२१	७, १५	राजबल	७२	२४
"	४५	१६	राजमान्य	१४	३३
"	६४	२१, २४, २६	"	१५	१२
"	७०	४, ९, २६	"	१७	८
"	७५	३, ३, ५	राजमान्यपात्र	१४	१८, १९, २४
रसः	६५	२, ६, ७, १२	राजविद्या	१	१८
रसन	११	२४	"	१७	१७
"	१२	६, २३, ३९	राजविनोद	१	१६
"	१३	१६, ३२	"	१५	१५
"	२०	३, १३, ३०	राजवंश	१	१२
"	२१	१५	"	८	१६
रसनगुण	११	७	राजहंस	३५	४, ३७
रसायन	२५	६, १९	राजागण	३२	५, १०, १५, २०
"	२६	१३	"		२५, ३०, ३५
"	२७	४	राज्य	१	१३
"	९६	२८	राज्यपालनं	७१	८, ११, १२
रसिकद्वय	११	२२	राज्ये	६०	१८, २४
"	१२	४, २०, ३७	राज्यं	१०	८
"	१३	१३, ३०	"	१७	७
रसिकत्वगुण	११	३	राठठड	९	३४
रसिञ्च	४३	७, १२, १९, २६	राठ्ठेऊड	९	१९
रक्षण	७२	१२	रात्र्यदेश	२७	२०
रक्षणधीर्म	७२	४	राष्ट्रदृष्ट	८	२१
राग	२०	८, १९, २७	"	९	३, १०, २४, २९
"	२१	३, ११, २०	"	१०	३

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
राश्री	१४	३३	लकुट	९	२३
राश्रीपात्र	१४	४,१२,१९	लक्षिमा	७६	९,११,१३
"	१५	६,१३	लज्जान्विता	४२	१४,२१
रिष्टि	१८	१,२७	"	४३	७,१३,१९,२६
रीती	६४	१९,२३	लडुक	९	३,१०
"	६५	१,५,८,११	"	१०	३
रूप	३	१७	लब्धियोग	६	३
"	११	२९	ललितं	६२	१३,२२
"	१२	१०,२८	"	६३	४,११,१८,२५,३२
"	१३	३	"	६४	१
"	२०	३,१३,२३,३०	लक्षण	१९	१३,२६
"	२१	७,१५	"	२५	१३,२७
"	२१	१०,१६	लक्षणकला	२२	१०
"	३३	६	लक्षणयुता	४२	२७
"	७४	११,१३,१४,१५	"	४३	१४,२२
"	७५	२,३,५	लक्षणयुक्ता	४२	७,१३,२०
रूपक	३१	१२	लक्षणविज्ञानं	२४	२१
रूपकृत	३६	३३	लक्षणराज	१९	६
रूपगुण	१०	१७	लक्षणस्थान	२	७
"	११	१२	लक्षणं	२०	१२
"	१३	२०	"	२६	७,२०,२७
रूपभागी	५७	१०	"	६८	४,६,१४
रूपलक्षण	३०	३२	"	७२	८,१५,२०
रूपवती	४३	१५	लक्ष्मी	२६	१२
रूप्य	३४	४,२०,३६	लक्ष्मीयोग	२६	२७
"	३५	१५,३१	लक्ष्मीविज्ञानं	२४	३
"	३६	१३	लक्षितम्	७३	२०,२१
रैलु	३५	५	लापव	२३	३०
रोचना	३३	८	लाज	२९	३५
"	३४	६,२२	लाजी	३०	१०
"	३६	१४	लाट	२८	१७
रोमांच	३८	३,१७,२९	"	३०	१७,३१
"	३९	१७	लाटदेश	२७	२७
रोमांचाः	३९	६	"	३०	४
रोरीच	९	१६	लाट	२९	१३
रोरगीर्त	६२	१८	लासं	६४	१४,१५
"	६३	१,९,२२	लिखित	१६	६,१७
"	६४	५	"	२२	१९,२३
रोप्य	२६	२	"	३३	३,१४,३६
रंग	५९	१	"	७३	२२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
लिखितकला	२१	२५	लोहपुर	२०	८,२२
लुदक	९	३०	वचन्य	१६	६,११
लुंठि	१८	१,१०,१८,२६,३५	वचन्यं	६६	६
लेख्य	१५	२८	वचूत्व	४	१९
"	१६	१,६,११,१७,२३	"	१५	२८
"	२२	२४	"	१६	१७,२३
"	२६	१४,३०	"	२२	१९,२४
लेप	२३	११,३४	"	२३	३,१४,३६
लेपकर्म	२५	७,२१	"	३७	१०,१७
"	२७	६	वचूत्वं	६६	४,७,९,१०
लेपकला	२२	७	"	७०	३,८,११,१५,१९
लेपन	२३	१	वचूत्वकला	२१	२५
"	२५	३५	वचूत्वकीर्ति	३७	८,११,१३
लेखविज्ञानं	२४	९	वचूत्वविनोद	१५	१८
लोक	७०	२२	वकीकिकीर्ति	३७	१५
लोकपर्यंक	७०	१४	वज्र	२९	३८
लोकपाल	३३	२	वचन	२२	२४
"	३४	१,१७,३३	"	२३	१५
"	३५	१२,२९	"	२५	६,१९
"	३८	९	"	२६	१३,२८
लोकवाद	७०	६,१०	"	२७	४
लोकवादपर्यंत	७०	१८	वचनकला	२१	२६
लोकसंस्थान	१	७	वचननिश्चयप्रबोध	६१	१०
"	७	७	वचनविज्ञान	२५	३३
ल्येभ	२०	१७,२६	वचनज्ञानं	६१	२७
"	२१	३,११,१९	वचनाद्यप्रचारत	५८	७
ल्येभगुण	११	९	वचा	३५	३५
लोह	२५	९,२३	वज्र	१८	११,१७,२४
"	२६	२	वज्रकर	२६	६
लोहकर्म	२३	१९	वज्रकर्म	२६	३७
"	२६	३२	वज्रल	२८	३१
लोहपात्र	२६	१७	"	२९	३
लोहपाद	२८	१६,३०	वज्रलदेशः	२८	६
"	३०	१६	वजुर	२९	३२
लोहपुर	२८	२१	वज्रकार	२६	२०
लोहपुर	२९	४,१७,३२	वज्रर	३०	७
लोहविज्ञान	२४	१३	वज्रिज	२२	३१
लोहितपाद	२९	२७	वज्रं	३७	१,२,६
"	३०	३	"	६६	२५
लोहितपाददेश	२७	२५	वज्रं	२२	१७,३२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
वर्णन	२३	१०, २३	वस्त्राकार	२५	१३, २६
वर्णन	३७	१०, १७	वस्त्राकारविशानं	२४	२०
"	६८	५, ६, ८, १२, १४, १६	वस्त्रादिसंयमनं	५९	१४, १७, २२, २५
वर्तनशला	२२	६	वस्त्राधिवासे	४४	१४
वदान्य	१३	१५	वस्त्राधिवासः	४४	५, १३
वय	७४	११, १३, १४	वस्त्रालंकरणेन	५८	१९
वयस्थ	४०	१४	वस्त्रालंकारदानानि	५८	१७
"	४१	१, ७, १३, २०, २७	वस्त्रालंकारदानं	५८	१२
वयस्विनी	४३	४	वाक	३५	१
वर	३३	५	वाक्	२०	४, २३
वरणैद	२९	१०	"	२१	७
वराहशोधन	५८	२४	"	७२	२५
वरं (? रा ) गशोधनं	५९	३	"	७३	१७
वराहशोधनं	५९	७, ९	वाक्यलं	७२	२३
वर (? वराह )			वाक्यशा	४२	२२
संवेगनं	५९	१२	वाक्यशा	४३	२७
वराहदेश	२८	१२	वागशिश्रुंभग	४८	२१
वरैद	२८	२५	वाच	३३	१०
"	२९	८, २४, २९	वाचक	६४	३३
"	३०	२६	"	६५	८, ११
वरेन्द्रदेश	२७	१०	वाचक्य	२३	४
वसिष्ठ	७६	१३	वाचकं	६४	१०, २६
वसिष्ठं	६६	६	"	६५	५
वसिष्ठम्	७६	१०, १३, १५	वाचनविज्ञानं	२४	५
वसीकरण	२५	१२, २५	वाचना	६५	२
"	२६	५, १७, २५	वाचिक	३३	११
"	२७	१०	वाचिक	४३	३२
वसीकरणविज्ञान	२४	१८	"	७३	३
वस्तु	२२	१५, १०	वाचिकम्	७३	३७
"	२३	८, ११	वाच्य	६५	८
"	२६	१८, ३६	वाच्यं	६४	१९, २६
"	३१	९, ११, २५	वाचि	३५	३
वस्तुशुद्धी	३१	३, १९, ३०	वाचिद	३५	३५, ३६
वस्तुशुद्धी	२४	१८	वाचिद्विनीत	१६	२
वस्तु	२६	९	वाचिद्विनीत	३२	२८
"	३४	३८	वाचिद्व	२२	१६
वस्तु	२६	३७	"	३३	९, १९, ३९
वस्तु	३६	१९	"	२५	१३, २७
"	३०	११	"	३६	७४, १०३,
			"	३७	१६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
बाणिज्यकला	२२	३	वायकला	२१	२४
बाणिज्यविज्ञान	२४	२१	"	२२	११,२३
बात	२०	७,१७,२५	"	२३	२७
"	२१	३,१०,१९	वायम्	७०	३,८,१६,२०
वार्ता	१७	१८	वायलक्षणं	३१	२२
"	३१	११,१६	"	३०	३१
वात्सल्य	६	१	वायविनोद	१५	१६
"	११	२१	वायशास्त्र	१६	२३
"	१२	३,१९,३६	"	१९	३
"	१३	१७,२९	वायशा	४२	१५,२२
"	६४	२३	वानप्रस्थ	६८	५,७,९,११,१३, १५,१७
"	६५	११	वामपार्श्वशायी	६०	२,१२,१४
वात्सल्यगुण	११	२	वायु	२०	२,२१,२३,२९
वाद	१६	११	वायुतत्त्व	२०	१२
"	१९	४,१९	"	२१	१४
"	२२	१२,२६,३०	वारंद्री	२८	२८
"	२३	२१,७८	वारंग्री	२८	१४
वाद	२५	१७	"	३०	१४
"	२६	२६	वालंभ	२८	१६
"	२७	१६	"	२९	१३,२७
"	३१	६,२१,२७	"	३०	३
"	७०	४,१७,२२	वालंभदेश	२७	२६
"	७४	२३	वासकसजा	४२	२,६,८
वादकला	२१	२९	वासना	७३	१६
वादलक्षण	५	१	वासभवन	३२	९,१४,३४
वादलक्षणं	३०	३१	वासमंडप	३२	२४,२९
वादिक्त्व	६६	९	वास्तु	१९	११,१५,१९
वादित्र	३३	१२	"	२२	१२
"	३४	८	"	२३	२१,२८
"	३५	२१	"	३१	६,१५,२१,२७
"	३६	१७	वास्तुकला	२२	३
वादिर्व	६६	४,१०	वास्तुभुवनं	३२	३
वादिशास्त्र	१६	१७	वास्तुलक्षणं	३०	३०
वास्तुभयता	५७	२७	वास्तुशास्त्र	१९	५
वाय	४	१६	वाहन	३३	१७
"	१५	२७	"	३४	१२,२८
"	१६	६,१०,२२	"	३५	७,२५
"	२३	३,१४	"	३६	४,२१
"	३१	७,११,१६,२८	विकल्पितं	६३	३६
"	३५	३			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
विग्रह	११	१७, ३४	विद्यमनकीर्ति	३७	१५, ११
"	१२	१४, ३२	विद्यजनसंगतिकीर्ति	३७	१३
"	१३	८, २४	विद्वेषण	२५	११, ३५
विग्रहगुण	१०	२३	विद्वेषण	२६	४, ३५
विग्रहस्थान	६७	२	"	२७	१०
विग्रहस्थानं	६६	१६	विद्वेषणविज्ञानं	२४	१७
विग्रहद्वारा	४२	१२, २०	वि(द्वि)द्वारा	४३	८, १३, २०, २७
"	४३	६, १३, १८, २५	विद्या	११	१०, २७
विचार	१२	८, २५	"	१२	८, २५
"	१३	१	"	१३	१, ८
"	२२	१२, २६	"	१६	४
"	२३	६, १७	"	२२	३०
"	३८	२५	"	३१	५, १०, १५, २६
"	७०	६	"	३३	१७
"	७१	५	"	३४	१३, २६
विचारकत्वम्	५	९	"	३५	७, २५
विचारकला	२१	२९	"	३६	४, २२
"	२३	२८	"	६४	१८, २३, २५
विचारगुण	१०	१५	विद्या	६५	१, ६, ७, १०
विचारपर्यंत	७०	१०, २२	"	७०	२, ७, १५, १६, २१
विचारपात्रं	१३	३६	विद्यागुण	१०	१४
विचारवता (?)	६३	१५	विद्यापात्र	१४	१५, २२
विचित्रं	६५	१५	"	१५	१
विजय	११	२७	विद्यापात्रं	१३	३५
"	१२	८, २५	विद्यालक्षणं	३०	३०
"	१३	१	"	३१	२१
"	२२	१६, ३१	विद्याशक्ति	७४	३-२१
"	२३	२२, ३२	विद्यासंगतं	६३	२९, ३७
विजयकला	२२	५	विद्युत	३५	६
विजयगुण	१०	१६	विध्वंस	३८	३५
विजये	७०	२८	विनय	११	१०, ३७
वित्तकला	२१	३१	"	१२	८, २५
वितर्क	३८	११, १६, २५	"	१३	१, १८
वितर्क	३९	१२	"	२५	१६, ३०
वितराग	३५	२८	"	२७	१, १५
वितर्त	६४	९, १०, ११, १२	विनयवान्	४१	१४, २१
वित्त	१६	२१	विनायक	३३	४
विदर्भदेश	२८	९	"	३४	३, १९, ३५
विदाघ	३८	१९	"	३५	२९
"	३९	२०	"	३६	११

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
विनीता	४२	२०	विम(३भा)पितं	६३	२
विनीता	४३	३५	विभाग	११	१३,३०
५	४६	३४	५	१२	२८
विनोद	११	२०	५	१३	४,२०
५	१२	१,१८,३५	विभागगुण	१०	१८
५	१३	११,२८	विभाषिका	६९	२१
५	१६	२	विभूषण	२५	१०,१४
५	१७	८	५	२६	२१,३४
५	१९	११,१६,२०,२५	५	२७	९
५	२२	१२,३६	विभूषणविज्ञान	२४	१५
५	२३	१५	विभोगिनी	४३	६,११,१८
५	२५	१६,२९	५	४२	१२
५	२६	९,२४,३९	विमर्शवती	४३	२,२९
५	२७	१४	विमर्षमती	४२	१७
५	२८	२३	वियोग	११	१२,२९
५	३१	६,११,१६,२१,२७	५	१२	११
विनोदः	७०	२,७,१५,१९	५	१३	२०
विनोदगुण	१०	२८	वियोगगुण	१०	१८
विनोदपात्र	१४	७,१४,२२,२८	विरक्त	३८	१०
५	१५	१,८	विरक्ति	३८	२५
विनोदपात्रं	१३	३५	विरहवेदना	४८	२३
विनोदलक्षणं	३०	३१	विरहोत्कण्ठिता	४२	२,४,८
विनोदविज्ञानं	२५	१	विराट	२८	२३
विनोदत्सान	३२	८,१३,१८,२३, २८,३२	५	२९	६
विनोदस्थानं	३२	३	५	३०	२४
विनोदहास्यकरणं	५८	१३	विरूपभाषी	५७	१३
विनोदाः	५९	२१	विरूपभाषिता	५७	२७,३०
विनोदे	६०	१८,२४	विरोध	११	१९
विनोदेन	६०	२३	५	१२	१
विपत्ति	३८	२६	५	१३	२७
विप्रदान	३५	२५	विरोधगुण	१०	२७
विप्रलब्धा	४२	२,४,७	विलम्बितं	६२	२०
विप्रलंभा	४२	८	५	६३	२३
विप्रियं वदति	४७	१३,२५	विलम्ब(३भा)पितं	६३	१०
५	४८	९	५	६४	६
विषुष्यविनोद	१५	१९	मिलास	२२	१२,२७
विशोध	१३	११	५	२३	६,१८,२९
५	३८	८,१५	५	५	७१
५	३९	४,११,१६	मिलासकला	२१	२९
			मिलासचरित्रं	७१	४,६



शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
विलासपात्र	१४	७,१४,२३,२८	विषय	१२	२,३४
"	१५	८	"	१३	२७
विलासपात्रं	१३	३६	विषयकारणम्	४४	२
विलेपनाधिवास	४४	६	विष(ःसुख)श्रुता	४३	२५
विलेपनानि	५८	२०	विष(ःसुख)श्रिता	४२	२०
विलेपने	४४	११,१५	विषाद	३८	१४,४३
विलेपनेन	५८	१८	"	३९	३,१०,१५
विलंबनं(ःवितं)	६३	१६,२३,३०	विष्णु	३३	१
विवर्ण	३८	४,३०	"	३४	१,१५,३३
विवर्णता	३९	७	"	३५	१२,३८
विवाद	१७	२	"	३८	९
"	३८	८	विक्षेप	३८	२५
विवेक	११	१०,२७	विधासोहसर्न	४८	२७
"	१२	८,२५	विहार	२२	२९
"	१३	१,१८	"	२३	२१
विवेकगुण	१०	१४	"	६९	८,१०,१२,१४,
विवेकलक्षण	३१	४	"	"	१६,१८
विवेकी	४०	१६	विज्ञान	२	५
"	४१	३,९,१४,२१,२९	"	१९	५,११,१६,२५
विश	२६	१७	"	१७	३,७
विशालपात्र	१५	२	"	३१	५,११,१५,२६
विशुद्धकरविज्ञानं	२४	२३	"	३७	१०,१७
विशेष	११	२०	विज्ञानपात्र	१४	८,१५,२३,२९
"	१२	२	"	१५	३,९
"	१३	११,२८	विज्ञानपात्रं	१३	१६
विशेषक	६७	३०	विज्ञानपुरष	१६	३२
विशेषगुण	१०	२८	"	१७	१२
विशेष्य	१२	३५	विज्ञानं	६१	२३,२५
विम्वम्	७६	१५	"	७०	२,७,११,१५,१९
विन्दार	११	१०,२७	विज्ञानलक्षणं	३०	३०
"	१२	९,२६	"	३०	२१
"	१३	३,१८	विज्ञानविमोद	१७	१६
विन्दारगुण	१०	१५	विज्ञानविमोदपात्र	१६	३६
विरहूर्ति	१२	३,१९,३६	विज्ञाने	७०	२८
"	१३	१२,२९	"	७१	१५
विरहूर्तिगुण	११	१	विचाखता (ः)	६३	१५
विम्ब	३८	२,१२,२०,२९	वीणा	३३	१५
विम्ब	३९	६,१३	"	३४	११,१७
विषम	६३	१२	"	३५	५
विषय	११	२०	"	३६	२,१६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
वीर	१४	३०	वेप	१३	११
"	३७	१९	वेदया	१४	३४
वीरचरितं	७१	६	"	३३	८
वीरचरित्रं	७१	४	"	३४	५, २१, ३७
वीरपात्र	१४	८, १६, २४	"	३५	१६
"	१५	३, ९	"	३६	१४
वीरपात्रं	१३	३७	वेदयापात्र	१४	२०
वीरविलासचरितं	७१	२	"	१५	७, १३
वीरललित	४०	४, ६	वेदयापात्रं	१४	५
वीरोदात्त	४०	३, ४, ६	वेदर्भ	२८	२३
विशालपात्र	१४	२९	"	२९	६, ३५
विप्रिय	४७	२८	"	३०	९, २४
वृष	१६	१, ४, २३	वैद्य	२२	१५
वृषय(ई वृत्ति)	३	१६	वैद्य	२३	९, २२, ३२
वृषवाच्य	६५	५	वैद्यक	१९	१०, १९, २५
वृत्ति	४५	२	वैद्यकला	२२	४
"	६४	१९, २३, २५	वैद्यकविज्ञानं	२४	७
"	६५	१, ८, ११	वैनयिकी	६१	१५
वृद्धि	११	२०	वैमाथिकं	६९	९, १५
"	१२	२, १८, ३५	वैरनिप्रहे	६०	२४
"	२२	२६	वैराट	२९	३५
वृद्ध	२२	१८	वैरिनिप्रहे	६०	१८, १९, २४
वृद्ध	२३	१२, २५, ३४	वैरिनिप्रहेण	६०	२२
वृद्धकला	२२	८	वैवर्ष्य	३८	१७
वृष	२३	१३	"	३९	१८
वृषभ	३४	९, २५	वैशेषिक	६७	२६
"	३५	४, २२, ३७	"	६८	१
"	३६	१८	वैशेषिकं	६७	२४
वृष्टिक	२५	७, २०	वोर्णपात्र	३६	५
"	२७	५	वोक्काण	३०	१९
वेपु	२३	५, १४	वंग	२९	२३
"	२५	२३	वंगदेश	२८	११, १७
"	२६	२	वंदन	३५	२०
वेपु	३८	४, १७, २९	वंध्य	२९	१८
"	३९	६	"	३०	९
वेद	१९	२१	वंश	१२	८, १५
"	३३	५	"	१३	१
"	३४	४, २०, ३५	"	२५	९, २३
"	३६	१३	"	२६	३, २३, ३३
वेदसाध	३५	३०	"	२७	८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
त्रिंशत्गुण	१०	१४	शकटवंश	८	२१
वंशविज्ञानं	२४	१४	शकुन	२२	१३, २७
वंशे	७०	२४, २७	"	२३	६३, ८८, २९
विष्य -	२८	२२	"	२५	२, २१
"	२९	५, ३४	"	२६	१, १५
"	३०	३२	"	२७	६
विष्यदेश	२८	२१	"	७२	२५
व्याकरणकला	२१	२६	शकुनकला	२१	३१
व्याकरण	२२	२०, २४	शकुनचलं	७२	२४
"	२३	४, १५, ३६	शकुनविज्ञानं	२४	११
व्याख्यान	१९	१९	शकुन्ता	२९	३०
व्याधि	३८	१०, १६, २४	शाङ्ग	१८	१-२७
"	३९	१२, १७	शक्ति	५	२१
"	४५	१३, १५, १७	"	४१	१, ११, २३
व्यापार	२५	१७, ३१	"	१२	२१, ३१
"	२६	२६	"	१३	१४, ३०
"	२७	२, १६	"	१७	२९
व्यापारलक्षणं	३१	३	"	१८, ५, १२, १८, २५, ३१, ३२	
व्यायामशक्ति	७४	१८, २०	"	२०	९, १९, २७
व्यायाम	७४	२३	"	२१	४, ५, १२, २१
व्यायामशक्ति	७४	२७	शक्तिगुण	११	४
व्याधि	३८	२६	शत	४०	१२
व्यासकला	२२	३०	श( ! मि)नव्यया	४३	४
व्युत्पत्ति	११	२१	शयु	७५	११, १३
"	१२	३, १९	शयुवासे	७५	९५
"	१३	१२, २९	शठ	२८	१४
व्युत्पत्तिगुण	११	२	शब्द	१९	१३
व्युत्पत्तं	६२	१७, २५	"	२०	२, १३, २१, २९
व्युत्पत्तं	६३	७, २१	"	२१	६, १५
"	६४	४	"	७२	९, १३, १७
वज्र	१७	२८	"	७५	२, ३, ५
वज्रला	३०	२१	शब्दशास्त्र	१९	२, ८, १७, ३२
मीढा	३८	१३	शब्दसौर्व	७१	३१
मीढा	३९	९, १४	"	७२	५
मीढ्याय	३८	१९	शयनगुण	४	८
शक	९	४, १०	शयनशास्त्र	३९	१९
"	१०	४	शयनं	१९	५
"	४०	८, १३	शयान	४१	१८
शकट	३१	१५	शयान्ती	४१	४, २९
"	३०	५	शय्या	३५	१९, १८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
शरण	१११	१५,३२	शास्त्रकला	२३	१३
"	१२१	३०	शास्त्रप्रबोधः	६१	२,४,८,१०
"	१३	२३	शास्त्रप्रमेद	६७	४
शरणप्रदत्वशुण	१०५	२२	शास्त्रविनोद	१५१	१८
शरणागत	७२	६,१०,१४,१८	शास्त्रसंस्कार	६६	७
शरणागतशौर्य	७२	१	शाश्वती	३९	२६
शरीरकला	२२	१०,२२	शिखरं (शुषिरं)	६४	११
"	२३	३८	शिथिल	२९	३३
शरीरपालनं	७१	६,१०,११	शिला	३३	१०
शरीरशास्त्रकला	२३	२	शिलारवंथ	८	१९
शरीराधिक्यजन	५१	२,१२	शिव	२१	२३
शास्त्र	२२	१९	"	४०	१०
"	२३	३५	शिवधर्म	६७	२६,२८,३०
"	३३	९	"	६८	२
"	३४	६,२२	शिक्षा	१९	६,१२,२१,२६
"	३५	३४	शिक्षा	२६	१८
"	३६	१५	शीतवृत्तकरण	५९	१०
शास्त्रबंध	२५	१४,२८	शील	२५	२२
"	२६	८	"	२६	१६
शास्त्रबन्ध	२७	१३	"	२७	७
शास्त्रबंधविज्ञानं	२४	२२	शीलं	७४	११,१३,१४,१५
शास्त्रविनोद	१५१	२४	शीलवती	४२	१८
शास्त्रशास्त्र	१६	१२	"	४३	३,४,२३,३०
शासुनि	२६	३१	शीलवान्	४०	१४
शान्ता	३७	२०	"	४१	१,७,१३,२०,२७
शान्ति	२५	३५	शीला	२५	९
शारीर	२३	१२	शुक	२०	७,१६,२५
शारीरं	४३	३३	शुक	२१	२,१०,१८
शालाग्रह	३२	१,१७,२२,२७	शुद्धकरविज्ञानं	२४	२२
शाल	२	२	शुद्धलिखितविमोद	१५	१७
"	१५	२८	शुद्धविद्या	२०	९,२०
"	१६	२,७,११	"	२१	२१
"	२३	१९	शुद्धं	६३	१२,२२
"	२३	२५,३५	"	६३	४,११,१८,३५,३२
"	२५	१४,२७	"	६४	१
"	२७	१२	शुभग	४१	२१
"	३५	१७	शुभ्रया	६१	२४,२६
"	३६	१२	शुभवान्	४०	१४
शास्त्र बन्धोप्य	६१	५	शल	१७	१२,१८,१९,२५
शास्त्रकला	२२	१०	श्लघट	१४	२९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
शङ्कर	३३	१९	शौर्य	१३०	९,२६
शङ्करगृह	३२	२,८,१३,१८,२३,३२	"	३७०	१४
शङ्करपात्र	१४	८,१५,२४	शौर्यकीर्ति	३७१	९,१६
"	१५	३,९	शौर्यगुण	१०१	२६
शङ्करपात्र	१३	१७	शौर्यप्रमुख	७४	७,८
शङ्करवान्	४१	१५	शौर्यपात्र	७३	६
"	४७	१६	शौर्यम्	५	१४
शङ्करस्थान	३२	२८	शौर्य	७२	१
शङ्करी	४१	३,९,२२,२९	शौर्य	६०	१८,१९,२५
शेखर	९	२२,३०	"	७०	२४,२७
शैल	२६	१,३२	शौर्येण	६६	२२
"	२३	१२	शौरसेन	३०	२
शैलविज्ञानः	२४	१२	शौलंक	९	१९
शैव	६७	२६,२९	शंका	३८	५,१८,२१,३०
"	६८	१	"	३९	७,१८
शैव	६७	२४	शंकु	९	२४
शैवातिक	६९	१४	शंख	१८	१
शोक	३८	२,१२,२०,२८	"	२५	१९
"	३९	५,१३	"	३६	१२
शौच	३०	५	"	२७	४
"	११	११,२८	"	३३	१०
"	१२	१९,२६	"	३४	२७,८,२३
"	२२	११	"	३५	१,१९
"	१३	२,१९	"	३६	१६
"	२३	५,१७	शंखकर्म	२६	२७
"	२६	१०,२४,२६	शंखविज्ञान	२५	३२
"	२५	१६,३०	शंखविज्ञानं	२४	४
"	२७	१,१५	शांभवपर्यक	६७	१,२८
"	६७	३०	शांभव	६७	२५
शौचकला	२१	२९	श्मश्रु	४४	२०
"	२३	२७	"	४५	१,४
शौचगुण	१०	१६	श्मश्रुशौच	४४	२३
शौचगृह	७	१२,१७,३२	श्मश्रुशौचं	४४	१८
शौचगृहं	३२	१	श्रद्धा	४१	४,१७,३०
शौचवान्	४१	१,७,१३,२०,२७	श्रम	३८	५,१८,३१
शौचविज्ञानं	२५	२	"	३९	९,१९
शौचहीनः	५७	३,८,१०,१३	श्रवण	११	२४
शौचान्तिक	६९	२०	"	१२	६,२३,४०
शौर्य	११	१८,३५	"	१३	१६,३२
"	१२	१६,३३	"	१४	३०

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
श्रवण	१५	२७	श्रुष्टि	६४	२
"	१६	१०	"	६३	६
श्रवणगुण	११	७	श्लेष	२०	१०
श्रवणविनोद	१५	१६	श्लेषपुष्प	३४	८, २४
"	१६	१६, २२	"	३५	१, १९, ३५
श्रवणसंयमनं	४८	११, २४	"	३६	१६
श्रवण	६१	२०, २४, २६	श्लेषवस्त्र	३३	८
श्रीकाण्ठ	२९	३३	"	३५	३५
"	३०	८	श्लेषावर	३५	३२
श्रीपथ	३०	९	सकलकलाकुशलं	४०	१७
श्रीपर्वत	२८	९, २३	"	४१	४, १०, १५, २२, ३०
"	२९	५, १९, ३४	सकलत्व	११	१३, ३०
"	३०	२२	"	१२	११
श्रीमाल	२८	१७, ३१	"	१३	५, २१
"	२९	१४	सकलवगुण	१०	१९
"	३०	१७	सकुमार	५८	५
श्रीमाल देश	२७	२८	सख्यविनोद	१५	१८
श्रीराज	३०	२२	सख्यासहनं	४८	१२, २५
श्रीराज्य	२९	१७	सगता	६९	१६
श्रीराष्ट्र	२८	२१	संग्रामैः	७३	१२
श्रीराष्ट्रदेश	२८	६	सङ्गद	५	१६
श्रीराक्ष	२९	४	सङ्गचितशायी	५७	३, ७, १०, १३
श्रीवृक्ष	३३	२०	सती	३	११
"	३४	१४, ३०	सत्पात्रं	१३	३७
श्रीवृक्ष	३५	१०, २६	सत्य	११	१०, २८
"	३६	२३	"	१२	९, २६
श्रीवृक्षफल	३६	६	"	१३	२, १८
श्रुत	३३	११	"	३३	१९
श्रुताध्ययन	६८	१०	सत्यगुण	१०	१५
श्रुति	७२	२६	सत्यपालनं	७१	१२
श्रुतोत्पन्ना	६१	१७	सत्यं	६५	१४
श्रुतोत्पादिता	६१	१२	सत्यवती	४२	१७
श्रेष्ठपात्र	१४	२७	"	४३	२, २२, २९
श्रोत्र	२०	४, १४, २२, ३१	सत्यवाद	६६	१२, २२
"	२१	७, १६	सत्यवादी	६६	१८, २७
श्लाघावान्	४१	३, ९, २२, २८	सत्यवादी	६७	३, ११
श्लाघ्य	४१	१५	सत्यवन्त	४०	१८
श्लाघ्यवान्	४०	१७	सत्यवान्	४१	२, ८, १६, २३, २८
श्लिष्ट	६२	२३	सत्यासयद्	४१	४, १०, ३०
श्लिष्ट	६३	६, २७	श्लघापात्र	३३	७, १२, १७, २३, २८, ३२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सत्रागारे	३२	२	सन्मुखाविभक्तिनी	४६	२८
सत्रास्थान	३२	३०	सन्मुखभाषी	६०	१,५,९,३१
सत्र	३१	९,१५,३०	सन्मुखावलेकिनी	४६	३,३०
सत्वकला	२२	१०	सन्मुखी न पर्यति	४७	११,१७,२४
सत्वं	७३	१५	सन्मुखी क्षेत्रे	४५	२१
सत्वलक्षण	३१	३	"	४६	९,१३,१८,२५,३१
सत्वे	७०	२४	"	४७	२
सधापार	३१	१९,३०	सन्मुखी न क्षेत्रे	४७	१५
सदर्प	६२	१४	समापति	६६	१८,३७
"	६३	१९	"	६७	३,११
"	६४	२	समावाद	६७	३
सदापह	११	१६,३३	समावादपक्ष	६७	७
"	१२	१४	समजात	६२	१८
"	१३	७,१४	"	६३	१,८
सदापहगुण	१०	२३	"	६४	५
सदर्प (१ र्थ)	६२	२३	समता	६६	२१,२५
सदर्प (१ सदर्प)	६३	५,१२	"	६७	३,६,१४
सदाचार	११	१०,२७	समभ्या	४३	१०
"	१२	१,२६	समदुःसमुखा	४६	३,२०
"	१३	२,१८	समदुःसा	४६	१४
सदाचारकृत	३६	३३	समप्रदेश	७	१७,१८,१९,२०
सदाचारगुण	१०	१५	समय	२२	१७
सदाचारमश	३७	१,२,६	"	२३	१०,३३
सदाचारवर्तित	३७	३	"	३१	१३,१८
सदा प्रसर्च	४८	२४	"	६५	४,७,१०
सदाविनीता	४६	३,८	समयच्छला	२३	६
"	४७	५	समयप्रतिमा	६४	२२
सदाशिव	२०	११	समयलक्षण	६१	१
"	२१	१३	समयः	६४	१८
सदैव गर्विता	४८	६	समवर्ति	६४	२५
सदौदित	१२	१७	समाख्ययात	६	५
सद्यपय	३५	१५	समागमे दुष्पति	४५	१९
सभ्यापार	३१	९,३०	"	४६	४
सत्यबलुक्षण	३१	१४	"	४७	१
सन्मान	११	११,२८	समागमे पुष्पति	४६	१०
"	१२	९,२६	समानदुःखा	४६	३४
"	१३	२,१९	समाधान	११	११,२८
सन्मानगुण	१०	१६	"	१२	९,२७
सन्मुख	६०	४,१६	"	१३	३,१९
			समाधानगुण	१०	१६

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
समाप्ति	६७	७	सर्वात्मपर्यंत	६८	२०, २२
"	६६	१२	सर्वात्मा	६८	२४, २५
समायात	६३	२२, २९	सर्वात्म	६८	१९, २६
समारंभ	७५	१२	सर्वसह	१२	१७
समारंभे	७५	१४, १५	ससत्त्व	४१	१८
समारंभोदितं	७५	९	सर्पप	३३	११
समारंभोस्थितं	७५	१९	"	३४	८, २४
समुज्ज्वलवेश	४०	१७	"	३५	२, १९, ३५
समुज्ज्वलवेश	४१	३, ९, १५, २२, २९	"	३६	१६
समुज्जतं (१ मि)	६३	३६	सह	३६	२
समं	६२	१३, २३	सहया	३३	२१
"	६३	५, १२, १८, १९	सहर्षी	६३	३३
"	६४	२	साह्वयम्	५	५
समं तुष्यति	४६	१६	साह्वयं	६७	१७, १९, २०, २१, २२
सम्प्रत्ययकारणम्	४४	२	हागर	३६	१०
सम्भाषिता इष्यति	४७	१	"	३४	३, १८, ३४
सम्मोगार्थिनी	४७	५	"	३५	१३, ३३
सम्मुखालोकनी	४६	३४	साह्वयगुण	१०	१८
सम्मुखं न पश्यति	४८	८	सारस्वती	३९	२३, २४, २५
सम्यक्	३१	१७	सत्त्विकी	३९	२७, २९
सरठ	२८	२८	सार्यकं	६५	१४, १७
"	३०	१४	साधुपालनं	७१	१२
सरयूपार	२८	१५, २९	सानुरागनिरीक्षणं	४८	११, २४
"	३०	१५	सानुरागप्रेक्षणं	५९	१६
सरसती	३३	२१	सानुरागसंयमनं	४८	१८
"	३४	१५, ३१	साम	१७	२२
"	३५	२७	सामर्थ्यगुण	१०	१७
"	३६	७, २४	सारस्वत	६६	६
सलज्वत्	११	१३, ३०	सारस्वतप्रमाणं	६६	५, ८
"	१३	४, २१	सारिकापात्र	१४	२७
सलज्वत्प्रगुण	१०	९१	सालंकारं	६२	१६, २५
सवत्सा	३६	२१	"	६३	७, १७, २०, २८, ३४
सवत्सा गौ	३५	२४	"	६४	३
सर्वेय	३६	३	सावती	३९	३०
सर्वेशारिगतविहार	६९	२०	सावधान	१२	२७
सर्वेशारिगतं	६९	९	सावयव	४१	२, ८, २७
सर्वेशीच	४५	४	सावयववान्	४०	१५
सर्वज्ञ	६९	१, ३, ५	साहस	७२	६, १०, १४, १८
सर्वज्ञः	६८	२८	साहसशीर्ष	७२	१
सर्वात्मता	६८	२३	सितवस्त्र	३४	५, ११, ३७



शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सिद्धपीठ	३४	१६, ३२	सुखस्थं	६३	२, ९, ३७
सिद्धांतः	१९	२१	सुखस्थापकं	६३	२३
"	३३	७	"	६४	६
"	३४	५, २१, ३७	सुखस्थितं	६३	१५
"	३५	१६, ३२	सुखाश्रया	४२	१२
"	१३	११३	सुखिरं (? पिरं)	६४	१०
सिद्धांतशास्त्र	१९	७, १३, २६	सुखे	६०	१८, १९, २५
सिद्धि	११	२०	सुगत	६९	१८
"	१२	२, १८, ३५	सुगन्धस्थं	६४	४
"	१३	११, २८	सुगन्धस्थं- (? सुगंभीरं)	६३	१६
"	३३	२२	सुगमं	६३	२७, ३४
"	३५	१०	सुगंध	४०	१८
"	३६	८	"	४१	५, ११, ३०
"	६९	४	सुगंधप्रिय	४१	१७, २३
"	६८	२९	सुगंधप्रिया	४२	१५
सिद्धिगुण	११	१	"	४३	१, ९, २१, २४, २८
सिद्धिपर्यंत	६९	२	सुगंधस्थं	६२	२५
सिद्धिस्थान	१४	३१	"	६३	७
सिलर	९	१६	सुगंधं	६२	१४, २३
सिलार	९	२, ९, ३३	"	६३	२, ५, १९, २६, ३३
"	१०	२	"	६४	२
सीतवत्स	३६	१४	सुजन	४०	१८
सीतारादिमुचनं	५९	६	सुजियं (?)	६३	११
सीतारोदिमोचनं	२८	२४	सु(?)स्यु)त्पत्तिकं	६३	१४
सीतकृतादिमोचनं	२९	४, ६, ८	सुसु(?)स्यु)त्पत्रं	६३	३५
सीधल	२८	२२	सुतालं	६२	१२, २२
"	२९	४	"	६३	४, १८, २५
"	३०	२२	"	६४	१
सुक्तम्	७३	७	सुधिर्षं (?) ल्यं	६३	२८
सुकलं	६३	१६	सुयतनं (?)	६३	३५
सुकवित्तं	६३	१५	सुवृत्तं	६३	१७
सुकाव्यं	६३	१९	सुनेत्रा	४३	११
सुकुमार	५८	५	सुपर्दं	६२	१२, २२
सुकुमारशरीर	४३	८, १४, २०, २७	"	६३	४, ११, १८, २५, ३२
सुकुमारोपचारात्	५८	२, ४	"	६४	१
सुकृतं विस्मारयति	४७	११, १६, २३	सुप्त	३९	१६
"	४८	२, ७	सुप्ता	३८	८
सुख	१६	४, ३०	सुपाश्रमाही	४०	३०
"	१७	६			
सुखप्रिया	४३	६, ११, १८			

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सुपुत्रा स्त्री	३५	७	सुरग्य	६३	१९
सुप्रबद्धं	६३	१८	सुरसं	६३	१३, २३
सुप्रभं	६२	१७	"	६३	५, १२, २६, ३३
"	६४	५	"	६४	२
"	६३	१, ८, ११	सुराग	४०	१५
"	६४	५	सुरागं	६२	१३, २३
सुप्रमाणशरीरा	४२	१५	"	६३	५, १२, १८, २५, २६, ३३
"	४३	१	"	६४	२
सुप्रमाणं	६२	२१	सुरूपा	४२	११, १९
"	६३	३८	"	४३	१०, २४
सुप्रमेयं	६२	१३, २३	सुराज्येन	६०	२२
"	६३	२६, ३३	सुहृद्	१०	११
"	६४	२	सुवर्णं	६२	१५, २४
सुष्टं	६४	४, १२	"	६३	६, १३, ३४
सुबन्धं	६२	१३, १३	"	६४	३
"	६३	४	सुवाचं	६३	१६
"	६४	१	सुविनीता	४३	५, ११, १७
सुभग	४१	२, ८, १४, २८	सुवृत्त	४१	५, ११, २४, ३०
सुभगा	४२	११, १९	सुवृत्तमंत्र	४०	१९
"	४३	५, १०, १७, २४	सुवृत्तमंत्रा	४३	२
सुभापात्रं	६२	१६	सुवृत्तः	४१	१६, २७
"	६३	७, १४, २०, २८, ३५	सुवेया	४२	११, १६
सुभापाचं	६२	२५	"	४३	५, १७, २७
सुभापाचं(ऋं)	६२	१४, २८, ३५	"	४६	१४
"	६४	४	सुशीला	४३	१६
सुभापितजननं	५९	२६	सुपरवा	४२	१९
सुभापितजल्पनं	५९	१६, २०	"	४३	५, १७, २४
सुभापितभाषणं	२३	५९	सुममयकं	६२	१५, २४
सुभोगार्थिनी	४६	१५	(! सुयमकं)	६२	१५, २४
सुभनोदरं	६५	१७	सुममयकं	६३	६, २६, २०
सुभंतदेश	२९	२१	"	६४	३
सुरकं	४	६	सुसंगी(त)	६३	२६, ३३
"	६२	२४	सुसंधिष्ठं	६३	३५
सुरत	६३	६, १३, २०, २७, ३४	सुसंधिस्थं	६३	१४, २१
सुरतप्रवीणा	४२	११, १९	सुसंधिं	६२	२४
"	४३	५, ११, २४	सुसंबद्धं	६३	३२
सुर(त)प्रवीणा	४३	१८	सुसंबन्धं	६३	११, २५, ३३
सुरभिजलं	४४	१२	सुसंश्रुतशरीरा	४३	२२
सुरसुवनम्	७	६	सुस्तरं	६३	१२, २२

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सुखी	६३	४, ११, १८, २५, ३२	सुरसेन	२९	१२, २६
"	६४	१	"	६५	२९
सुखरत्न	६६	२५	सुरसेनदेशः	२७	२४
सुखरत्न	६६	१६	सुरसेन	६६	१
सुखादभङ्गमोग्यं	५८	१२	सुरिमा	९	३८
सुपामव्यं (सुमापाम्यं)	६३	२०	सेना	१४	३२
सुपिरं	६४	९, १२	सेनापात्र	१४	१७, २५
सुश्रूपा	६१	२०	"	१५	११
सुश्रुष्ट	६२	१४	सेनापालपात्र	१५	११
"	६३	१३, ३४	"	१४	१०, १८
सुहृषं	६३	२६	सेनापात्रं	१४	३
सुहृद	४१	१७	सेभट	९	१९
"	७२	२५	सेरटक	२८	१९
"	७३	१६	"	२९	१
सुहृषी (सुहृष)	६३	३३	"	३०	१९
सृष्टि	२५	३५	सेरटकदेश	२८	१
सृष्टिकर्म	२३	७, ३०	सेवकपात्र	१४	२७
"	२५	८, २१	सेन्धव	९	३, ९, २२, ३३
सृष्टीकर्म	२२	१४	"	१०	३
"	२३	२	सेन्धववंश	८	१९
"	२६	१५, ३०	सेन्य	१०	१२
"	२७	६	सेन्य	२२	१८
सृष्टिकर्मकला	२२	१	"	२३	११, २४
सृष्टिका	२६	२९	"	२६	५
सृष्ट	१५	३२	"	७२	२६
"	१६	२१	"	७३	१४
"	२२	२८	सेन्यकला	२२	८
"	२३	७	सेन्यबल	७२	१४
"	२५	७, २१, ३५	सोम	९	१५
"	२६	१४, ३०	सोमत्व	११	१३, ३०
"	२७	६	"	१२	११
सृष्टकला	२१	३२	"	१३	१३, २१
सृष्टविनोद	१६	५, ९, १७	सोमवंश	८	१७
सृष्टविज्ञान	२४	९	"	९	१, ८, २१, ३२
सृष्टाविक	६९	१०, १२	"	१०	१
सूर्य	३५	१२	सौम्यशायी	९०	८
सूर्यकीर्ति	३७	१२	सौलंकी	९	२८
सूर्यवंश	८	१७	सौख्य	११	११, २८
"	९	१८, २१, ३२	"	१२	१०, २७
"	१०	१	"	१३	३, १९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सौख्यकारण	३	३	सौसम	२८	२५
सौख्यगुण	१०	१६	"	२९	८
सौख्यम्	३	२	संकुचितशायी	५७	३,७,१०,१३
सौख्ये	६०	२३	संगर्त	६४	६
सौगर्त	६९	८	संगति	१३	४
सौजन्य	११	११,२९	संग्रह	११	१६,३३
"	१२	१०,२७	"	१२	१४,३१
"	१३	३,१९	"	१३	७,२४
"	२५	१६,३०	संग्रहगुण	१०	२३
"	२७	१५	संग्राम	७२	६,१०,१४,१८
सौजन्यगुण	१०	१७	"	७३	१४,१७
सौत्रान्तिक	६९	८,१६,१८	संग्रामशौर्य	७१	२३
सौभाग्य	११	१२,२९	संग्रामिक	१६	३५
"	१२	१०,२७	"	१७	२,६,१०,१४
"	१३	३,२०	संग्राम्य	६३	३६
"	२२	१४,२९	संततव्यय	४०	१४
"	२३	८,२१,३१	"	४१	१४
"	२५	१६,३०	संततव्ययी	४१	२०
"	२६	९,२५,३९	संताने	७०	२५,२६
"	२७	१५	संतुष्टा (इतुष्य)ति	४६	२२
सौभाग्यकला	२२	२	संतुष्टा	४६	३०
सौभाग्यगुण	१०	१७	संतोष	१७	३
सौभाग्यविज्ञान	२५	२	"	३८	२५
सौभाग्यहीनता	५७	१८,२०,२३,२५,२८	संतोषवाञ्छित	५९	२१
सौमल्य	१३	४	संदर्भ(ईर्थ)	६३	१२
सौम्यत्वगुण	१०	१९	संरीपन	२६	५
सौम्यशायी	६०	८	संधि	१४	३१
सौम्यावयव	६०	४,५,१५	संधिपात्र	१४	२७,२४
सौम्यावयवशायी	६०	१,१०,१३	"	१५	४
सौरसेन	२८	१६,३०	संधिपात्रं	१४	१
"	३०	१६	संपन्न	१८	२
सौरसेनं	६५	२१,२३,२५,२७	संपूर्ण	१३	४
सौराष्ट्र	२८	१७,३१	सर्पिल	११	१३,३०
"	२९	१३,२१	"	१२	११,२८
"	३०	४,१७	"	१३	२१
सौराष्ट्रदेश	२७	२६	संरुन्तव्यगुण	१०	१९
सौवीर	२८	१९	संरुर्ण	६२	१५
"	२९	१,१५,३०	"	६३	६,२०,२७,३४
"	३०	५,१९	"	६४	३
सौवीरदेश	२८	२	संरुषशायी	६०	६,११,१४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सुखरं	६३	४, ११, १८, २५, ३२	सुरसेन	२९	१२, २६
"	६४	१	"	६५	३, २९
सुखरत्न	६६	२५	सुरसेनदेशः	२७	२४
सुखरत्नं	६६	१६	सुरसेनं	६६	१
सुखादमक्षभोज्यं	५८	१२	सुरिमा	९	३८
सुपाभक्ष्यं (सुभापाभक्ष्यं)	६३	२०	सेना	१४	३२
सुपिरं	६४	९, १२	सेनापात्र	१४	१७, २५
सुश्रूपा	६१	२०	"	१५	११
सुशिष्टं	६२	१४	सेनापालपात्र	१५	११
"	६३	१३, ३४	"	१४	१०, १८
सुहर्षं	६३	२६	सेनापात्रं	१४	३
सुहृद	४१	१७	सेमट	९	१९
"	७२	२५	सेरटक	२८	१९
"	७३	१६	"	२९	१
सुहर्षी (३५)	६३	३३	"	३०	१९
सूचि	२५	३५	सेरटकदेश	२८	१
सूचिकर्म	२३	७, २०	सेवकपात्र	१४	२७
"	२५	८, २१	सेन्धव	९	३, ९, २२, ३३
सूचीकर्म	२२	१४	"	१०	३
"	२३	२	सेन्धववंश	८	१९
"	२६	१५, ३०	सेन्य	१०	१२
"	२७	६	सेन्य	२२	१८
सूचिकर्मकला	२२	१	"	२३	११, ३४
सूचिका	२६	२९	"	३६	५
सूत्र	१५	३२	"	७२	२६
"	१६	२१	"	७३	१४
"	२२	२८	सेन्यकला	२२	८
"	२३	७	सेन्यबल	७२	२४
"	२५	७, २१, ३५	सोम	९	१५
"	२६	१४, ३०	सोमत्व	११	१३, ३०
"	२७	६	"	१२	११
सूत्रकला	२१	३२	"	१३	१६, २१
सूत्रविनोद	१६	५, ९, २७	सोमवंश	८	१७
सूत्रविज्ञान	२४	९	"	९	१, ८, २१, ३३
सूत्रादिक	६९	१०, १२	"	१०	१
सूर्य	३५	१२	सौम्यशायी	९०	८
सूर्यकीर्ति	३७	१२	सौलंकी	९	२८
सूर्यवंश	८	१७	सौष्य	११	११, २८
"	९	१८, २१, ३३	"	१२	१०, २७
"	१०	१	"	१३	३, १९

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
सौख्यकारण	३	३	सौसम	२८	२५
सौख्यगुण	१०	१६	,"	२९	८
सौख्यम्	३	२	संवृत्तितरायी	५७	३,७,१०,१३
सौख्ये	६०	२३	संगतं	६४	६
सौगर्त	६९	८	संगति	१३	४
सौजन्य	११	११,२९	संग्रह	११	१६,३३
"	१२	१०,२७	"	१२	१४,३१
"	१३	३,१९	"	१३	७,२४
"	२५	१६,३०	संग्रहगुण	१०	२३
"	२७	१५	संग्राम	७२	६,१०,१४,१८
सौजन्यगुण	१०	१७	"	७३	१४,१७
सौत्रान्तिकं	६९	८,१६,१८	संग्रामशौर्यं	७१	२२
सौभाग्य	११	१२,२९	संग्रामिक	१६	३५
"	१२	१०,२७	"	१७	२,६,१०,१४
"	१३	३,२०	संग्राम्यं	६३	३६
"	२२	१४,२९	संततव्यय	४०	१४
"	२३	८,२१,३१	"	४१	१४
"	२५	१६,३०	संततव्ययी	४१	२०
"	२६	९,२५,३९	संताने	७०	२५,२६
"	२७	१५	संतुष्टा (शुभ्य)ति	४६	२२
सौभाग्यकला	२२	२	संतुष्टा	४६	३०
सौभाग्यगुण	१०	१७	संतोष	१७	३
सौभाग्यविज्ञानं	२५	२	"	३८	२५
सौभाग्यहीनता	५७	१८,२०,२३,२५,२८	संतोषवाञ्छित	५९	२१
सौमल्य	१३	४	संदर्भ(ईशं)	६३	१२
सौम्यत्वगुण	१०	१९	संदीपन	२६	५
सौम्यशायी	६०	८	संधि	१४	३१
सौम्यावयव	६०	४,५,१५	संधिपान	१४	२७,२४
सौम्यावयवशायी	६०	१,१०,१३	"	१५	४
सौरसेन	२८	१६,३०	संधिपानं	१४	१
"	३०	१६	संपन्न	१८	२
सौरसेनं	६५	२१,२३,२५,२७	संपूर्ण	१३	४
सौराष्ट्र	२८	१७,३१	संज्ञैतल	११	१३,३०
"	२९	१३,२१	"	१२	११,२८
"	३०	४,१७	"	१३	२१
सौराष्ट्रदेश	२७	२६	संज्ञैतलगुण	१०	१९
सौवीर	२८	१९	संज्ञैतल	६२	१५
"	२९	१,१५,३०	"	६३	६,२०,२७,३४
"	३०	५,१९	"	६४	३
सौवीरदेश	२८	२	संज्ञैतलशायी	६०	६,११,१४

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
संभाषिता हृष्यति	४६	१७	संगल	१३	२१
संभाषणेन हृष्यति	४६	२३	सिंघ	३३	१५
संभाषिता हृष्टा भवति	४६	११	सिंधु	२८	१९
संभाषिता हृष्यति	४६	८	"	२९	३, १६, ३१
"	४५	२०	"	३०	६, २४
संभाषिताद् हृष्यति	४६	३०	सिंधुदेश	२८	३
संभोगकामतः	५८	४	सिंह	३४	११, २७
संभोगवती	४३	१५	"	३५	५, २३
संभोगसुखं न वाञ्छति	४८	१	"	३६	२०
संभोगं न वद(ईवाञ्छं)ति	४८	९	सिंहल	३०	८
संभोगार्थिनी	४६	२, ९, २१, २९, ३५	सिंहलदेश	२८	७
संभोगे सुखं न वाञ्छति	४७	१३	सिंहिलंक	९	२७
संभोगेषु सुखं न वाञ्छति	४७	२५	सींदा	९	३६
संभोगे सुखं नावगच्छति	४७	१८	रकुन्द	३३	४
संमुखशायी	६०	१३	"	३४	१, १७, ३३
संयोग	११	१३, २९	"	३५	२८
"	१२	११, २८	"	३८	९
"	१३	२०	स्तनयोः पीडनं	४६	२३
"	२२	१३, २८	स्तनोपपीडनं	४८	१९
"	२३	१९, २९	स्तम्भन	२६	३५
"	२६	१२	स्तम्भविनोद	१५	२६
सयोगकला	२१	३२	स्तंभ	३८	३, १३, २९
सयोगगुण	१०	१८	"	३९	६, १४
संरक	३५	३४	स्तंभन	२५	१२, २५
संवाद	७०	१३	"	२६	५
संवृतमंत्रा	४३	२९	स्तंभनविज्ञानं	२४	१७
संवेशनं	५९	२	स्तंभनं	३६	२३
संस्कार	४४	२०	स्त्री	२७	११
संस्कार	४५	८	"	३१	८, १३, १८, २९
"	६८	४, ६, १०, १२, १४, १६, २६	स्त्रीकाम	२६	६
संस्कारशौचं	४४	१८	"	२५	१२, २६
संस्त्रयं	६५	२०, २२, २४, २६, २८	स्त्रीकामविज्ञानं	२४	१९
"	६६	१	स्त्रीपुत्र	३५	२४
संस्थान	११	११, २८	स्त्रीपुत्रप	३५	७
"	१२	१०, २६	स्त्रीपुत्रपुत्र	३६	४
"	१३	२, १९	स्त्रीपुत्र	३५	२४
संगितं	६९	१४	स्त्रीराज्य	३०	१०
संगल	११	१३, ३०	"	२९	३०
"	१२	११, २८	स्त्रीलक्षणं	३१	३, २४
			स्त्रीसपुत्रा	३४	१, २, २८

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
खीसपुत्रा	३६	२१	खेहवती	४६	२,९,१४,२१,२९, ३४
खीसवत्सा	३३	१७	"	४७	५
खलदेशा	३०	४	स्पर्श	२०	३,१३,२१,२९
स्थान	६६	२१	"	२१	७,१५
"	६७	१४	"	७५	३
"	७२	५,९,१७	स्पर्शन	११	२४
स्थानप्रभुत्व	७४	४,५,८	"	१२	६,२२,२९
स्थानबलं	७२	२३	"	१३	१६,३२
स्थानशौर्यं	७१	२१	"	२०	३,१३,३०
स्थाने	४४	१०	"	२१	१५
स्थापन	७४	६	स्पर्शा	७५	६
स्थापना	७४	७	स्पर्शाः	७५	२
स्थितं	६३	२२	स्फुटं	६२	१७
स्थैर्यं	११	१८,३५	"	६३	१,८,१४,२१, २८,३६
"	१२	१६,३३	"	६४	४,१२
"	१३	९,२६	स्मृति	११	२२
स्थैर्यगुण	१०	२५	"	१२	४,२०,३७
सन्मुखं न पश्यति	४८	३	"	१३	१३,३०
ज्ञान	७२	१३	"	३८	६,१९,२१
मानवास	४४	८	"	३९	२,९,१९
ज्ञानशौच	४४	२३	"	४५	१२,१४
"	४५	३,५	स्मृतिगुण	११	४
ज्ञानशौचं	४४	१७	म्वकीया	४१	३४
"	४५	७	स्वर्ग	३१	१०,१५
ज्ञानाधिवासः	४४	६	स्वर्गलक्षणं	३०	२९
ज्ञाने	४४	१५	स्वर्गलक्षणं	३१	५,२०,२६
श्लिष्य	१६	२९	स्वजन	४१	१६
"	१७	१,५,९	स्वजनत्व	१२	२९
श्लिष्यस्थान	१६	३३	स्वजनप्रियः	४१	२३
"	१७	१३	स्वतंत्र	४१	१,७
श्लेह	२२	१९	स्वपनं ददाति	४६	१,१३
"	२३	२९	"	४६	७,१९,१७,३३
"	१४	३१	"	४७	४
श्लेहकला	२२	१	स्वप्न	३८	२३
श्लेहपात्र	१४	२४	"	३९	४,११
"	१५	३	स्वभावजा	६१	१४,१६,१७
"	२२	१४	स्वभावजाता	६१	१२
श्लेहपात्र	२३	८,२०	स्वयंभू-	२६	५,१८
श्लेहमती	४२	१६			
श्लेहवती	४३	२,९,१५,२१,२८			



शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
स्वयंभूविज्ञानं	२४	१८	हरिणवंश	८	२६
स्वरगतं	६२	२,३,४	हरित	९	१९
"	६३	३२	हरितट	९	१३
स्वरमेद	३८	३,१७,२९	हरितठ	९	७
"	३९	१७	"	१०	७
स्वरमेदाः	३९	६	"	३५	२२
स्वर्ज्योतिष	३५	१४	"	३६	१८
स्वरूप	३	१८	हरियटा	९	३६
"	११	२९	"	३१	३२
"	१२	१०,२८	हर्म्य	३२	६,११,१६, २१,२६,३१
"	१३	३			
स्वरूपगुण	१०	१७	हल	१८	२,८,१४,२८,३३
"	११	१२	हसनं	४६	२४
"	१३	२०	हस्त	२०	२३
स्वरूपप्रहर्ण	६१	२२	"	२३	१२,२९
स्वरूपा	४३	१७	हस्तकला	२२	९
स्वरोदय	२५	१०,२४	हस्तलाघव	२२	१३,२८
"	२६	४,२२,३४	"	२३	७,२४
"	२७	९	हस्तालाघवकला	२१	३२
स्वरोदयविज्ञानं	२४	१५	हस्ति	२२	१७
स्ववृत्ति	३८	१३	"	२६	१८
"	३९	१४	"	३५	३,२१,३७
स्वसंवेद	६९	१०,१२	"	३६	१७
स्वस्थकर्म	२३	१८	हस्तिकला	२२	६
स्वस्ति	३४	११,२७	हस्तिकाम	२६	१९
"	३६	२०	हस्तिपरीक्षा	२३	२३
स्वस्तिक	३३	१५	हस्तिशाला	३२	८,१३,१८,२४, २९,३३
"	३५	६,३३			
"	३६	२	हस्तिशिक्षाविज्ञानं	२४	१८
स्वागतं	६९	२०	हर्ष	३८	८,२२
स्वाधीनपत्रिका	४२	७	"	३९	३,१०
स्वाभाविक	४५	१०	हर्षगुण	११	८
स्वाधीनभर्तृका	४२	३,९	हर्षता	३८	१४
स्वामी	१०	९,११,१२	"	३९	१५
शेद	३८	३,१३,२९	हंस	३३	१३
"	३९	६,१४	"	३४	१०,२६
हतांशं	६२	२०	हास	६४	२७
"	६३	२,९	हास	१४	२९
"	६४	६	"	३८	१२,२०,३८
हरिश्च	९	१८,२८	"	३९	१५,१३

शब्द	पृष्ठ	पंक्ति	शब्द	पृष्ठ	पंक्ति
हास्य	३७	१९	छुरिका	१७	२८
"	३८	२	क्षेत्रक	२५	३५
हास्यपात्र	१४	८, १५, २३	ज्ञान	२७	१
"	१५	२, ९	"	३१	६, २७
हास्यपात्रं	१३	३७	"	६०	१८, २४
हास्यादि	५८	१५, २१	"	७०	२४
हित	१६	२९	"	७२	६, १०, १३, १८
"	१७	१, ५	"	७३	१४
हितस्थान	१६	३३	"	७४	११, १३, १५, १८
हितस्थानं	१७	३३	"	७५	१३, १५
हिमालय	२८	२१	ज्ञानकृतं	३६	३३
"	२९	४, १३, ३२	ज्ञानकृतं	३७	३
"	३०	७, २१	ज्ञानकृतयस	३७	१, २, ६
हिमालयदेश	२८	६	ज्ञानचरितं	७१	२
हीना	५७	६	ज्ञानचरित्रं	७१	६
हुलिका	१८	३३	ज्ञाननय	२६	२५
हृण	९	६, १३, १८, ३७	ज्ञानपान	१४	२३
"	१०	६	"	१५	२
हृणदेश	२९	२१	"	७३	६
हृणवंश	८	२६	ज्ञानप्रबोधः	६१	६
हेतुविज्ञान	२४	७	ज्ञानप्रभुत्व	७४	२, ४, ८
"	२५	४, ८, ३२	ज्ञानशक्ति	७४	१७, २०, २४
"	२७	३	ज्ञानसौर्यं	७२	१
होम	६८	१०	ज्ञानसत्त्वम्	७३	१२
क्षमावाञ्	४१	१९	ज्ञानं	६०	२२
क्षमी	४०	२१	"	७१	५
"	४१	१२, २५, ३२	ज्ञानं	७५	११

# राजस्थान राज्य द्वारा प्रतिष्ठित राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

सम्मान्य संचालक मुनि जिनविजयजी द्वारा संपादित

## राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान सरकार द्वारा पुरातत्त्वाचार्य मुनि श्री जिनविजयजी के संचालन में पहले जयपुर अवस्थित राजस्थान पुरातत्त्वं मन्दिर को "राजस्थान ओरिएण्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट" अर्थात् 'राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान' के नूतन नाम से, एक पूर्ण शोध-संस्थान के रूप में जनवरी, सन् १९५९ ई० से पुनः संगठित किया गया है और अब इसका भव्य भवन जोधपुर में बनाया जाकर इसकी प्रतिष्ठा बढ़ा की गई है। राजस्थान बहुत प्राचीन कालसे ही भारतीय संस्कृति का एक प्रधान केन्द्र रहा है, जिसके परिणाम-स्वरूप यहाँ संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, गुजराती और हिन्दी आदि भाषाओं में अपार साहित्य की रचना हुई है। खेद है कि हमारी उपेक्षा के कारण बहुत सा साहित्य नष्ट हो गया है। विदेशों में भी हमारा बहुत साहित्य जाता रहा है और वहाँ के विद्वानों ने उसका विशेष अध्ययन और प्रकाशन भी किया है। कलकत्ता, पूना, बम्बई, बड़ौदा, पाटण, अहमदाबाद, काशी आदि के ग्रन्थ भण्डारों में भी राजस्थान का साहित्य प्रचुर मात्रा में सुरक्षित है और एशियाटिक सोसाइटी, कलकत्ता; भण्डारकर ओरिएण्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूना; भारतीय विद्या भवन, बम्बई; गायकवाड़ ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा; गुजरात विद्या सभा, अहमदाबाद; नागरी प्रचारिणी सभा, काशी, आदि सुप्रसिद्ध शोध-संस्थाओं द्वारा राजस्थान के साहित्य को आंशिक रूप में प्रकाशित भी किया गया है।

राजस्थान में आज भी अपरिमित मात्रा में साहित्य-सामग्री, लिखित और मौखिक दोनों रूपों में, प्राप्त होती है। इसके संग्रह, संरक्षण, सम्पादन और प्रकाशन का प्रबन्ध करना हमारा प्रधान कर्तव्य है। राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान में अब तक कोई १४-१५ हजार से ऊपर प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों का संग्रह किया जा चुका है। बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, कोटा, अलवर, जयपुर आदि के व्यक्तिगत ग्रन्थ-भण्डारों में भी हजारों हस्तलिखित ग्रन्थ प्राप्त होते हैं। इन ग्रन्थों में से अधिकांश अप्रकाशित हैं। विद्वत् जगत में राजस्थान के महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों के प्रकाशन की बड़ी उत्सुकता से प्रतीक्षा की जा रही है।

राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान द्वारा "राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला" का प्रकाशन, राजस्थान में संप्रहीत, सुरक्षित एवं प्राप्त संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषा निबद्ध ग्रन्थ-रत्नों को, साहित्य-संसार के सामने सुसम्पादित रूप में, प्रस्तुत करने के उद्देश्य से किया जाता है। प्रस्तुत ग्रन्थमाला के अन्तर्गत अब तक ४०-४५ ग्रन्थ प्रकाशित किये जा चुके हैं और अनेक ग्रन्थ विभिन्न प्रेसों में छप रहे हैं जिनका प्रकाशन यथा समय होता रहता है।

### इस ग्रन्थमाला में इतःपूर्व प्रकाशित कुछ संस्कृत ग्रन्थ

१. प्रमाण मंजरी—तार्किक चूड़ामणि सर्वदेवाचार्य विरचित वैशेषिक दर्शन ग्रन्थ, अनेक व्याख्याओं से समलंकृत; संपादक—श्री पद्मभिराम शास्त्री, भू. पू. प्रिंसिपल महाराजा संस्कृत कालेज, जयपुर।
२. पद्मराजरचना—महाराजा सवाई जयसिंहकारिता। वैद्यशाळाओं में प्रयुक्त यन्त्रनिर्माण विषयक प्रामाणिक ग्रन्थ। संपादक—सू० पंडित श्री केशरनाथजी, भू. पू. अध्यक्ष वैद्यशाळा, जयपुर।
३. महर्षिकुलवैभवं—विद्यावाचस्पति स्वर्गीय मधुसूदन श्रोत्रा, जयपुर द्वारा रचित। ऋषितत्त्व-निरूपणात्मक ब्रह्मविज्ञान विषयक अनुपम ग्रन्थ। संपादक—महामहोपाध्याय पं. श्रीगिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, जयपुर।

४. **तर्कसंग्रह**—पण्डित अरुणमठ विरचित न्यायशास्त्र का प्रसिद्ध ग्रंथ; पं. शमाश्याम रचित पत्रिका से समन्वित । संग्रहक-डॉ. जितेन्द्र जैटली एम्. ए., पी-एच्. डी. प्राध्यापक, रामानन्द आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद ।

५. **कारकसंबंधोद्योत**—पं. रमसनन्दी रचित । संस्कृत व्याकरण का कारकविषयक अर्धे सुबोध ग्रंथ । संग्रहक-डॉ. हरिप्रसाद शास्त्री एम्. ए. पी-एच्. डी. उपाध्यक्ष मो. जे. अध्ययन संशोधन विद्यामवन, गुजरात विद्याप्रभा, अहमदाबाद ।

६. **वृत्तिदीपिका**—पं. मौलिकृष्ण मठ विरचित । व्याकरण, न्याय व साहित्य विषयक वृत्तिविचारका विविष्ट ग्रन्थ । संग्रहक पं. श्री पुरुषोत्तम शर्मा चतुर्वेदी, साहित्याचार्य ।

७. **शाब्दरत्नप्रदीप**—अज्ञात कर्तृक । संस्कृत भाषा का संश्लिष्ट शब्दकोश । संग्रहक डॉ. श्री हरिप्रसाद शास्त्री एम्. ए. पी-एच्. डी. (बम्बई) । उपाध्यक्ष-मो. जे. अध्ययन-संशोधन विद्यामवन, गुजरात विद्या समा, अहमदाबाद ।

८. **कृष्णागीति**—कवि सोमनाथ विरचित । गीतगोविंद के ढंग का एक सुन्दर संस्कृत गीतिकव्य । संग्रहक डॉ. प्रियवाला शाह एम्. ए. पी-एच्. डी. (बम्बई) डी. लिट् (पेरिस); प्राध्यापिक रामानन्द आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद ।

९. **नृत्तसंग्रह**—अज्ञातकर्तृक । नृत्तनाट्य विषयक कलाभ्यासियों के लिए अर्धे रोचक ग्रंथ । संग्रहक-डॉ. प्रियवाला शाह एम्. ए., पी-एच्. डी. (बम्बई) डी. लिट् (पेरिस) ।

१०. **चक्रपाणिविजयमहाकाव्यम्**—मठ लक्ष्मीधर विरचित । उषा और अनिरुद्ध विषयक प्रेमकथा सम्बन्धी अति मनोहर महाकाव्य । संग्रहक-पं. केशवराज काशीराम शास्त्री, क्यूरेटर एवं गुजराती भाषा और साहित्य के प्राध्यापक, मो. जे. अध्ययन-संशोधन विद्या भवन, गुजरात विद्याप्रभा, अहमदाबाद ।

११. **राजविनोदमहाकाव्यम्**—महाकवि उदयराज विरचित । मध्यकाळीन भारतीय इतिहास सम्बन्धी एक महत्त्वपूर्ण काव्य । अहमदाबाद के मुल्तान महमूद बेगडा के जीवनचरित्र का वर्णन । संग्रहक श्री गोपालनारायण बहुल, एम्. ए., प्रवर शोध सहायक, राज्यस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर, जयपुर ।

१२. **शृंगारहारावली**—श्रीहर्ष कवि विरचित शृंगाररस का अर्धे गीतिकव्य । संग्रहक-डॉ. प्रियवाला शाह एम्. ए. पी-एच्. डी. (बम्बई), डी. लिट् (पेरिस) ।

१३. **नृत्यरत्नकोश (प्रथम भाग)**—सेवाक के सुप्रसिद्ध महाराजा कुम्भकर्णेदेव (कुंभा) प्रणीत नृत्य-विषयक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ । संग्रहक-प्रो. रविकुलाल छेटालाल पठीक, अध्यक्ष-मो. जे. उपाध्ययन-संशोधन विद्या मन्दिर, गुजरात विद्याप्रभा, अहमदाबाद तथा डॉ. प्रियवाला शाह, एम्. ए., पी-एच्. डी., डी. लिट्, प्राध्यापिक-रामानन्द आर्ट्स कॉलेज, अहमदाबाद ।

१४. **उत्कितरत्नाकर**—साधुसुन्दर-गणी-विरचित । उत्कित्यविषयक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ । संस्कृत और देशीय भाषा शब्दों के तुलनात्मक अध्ययन में अनुसर्योगी । अज्ञात कर्तृक उत्पीक और औत्कित्यसंग्रह समन्वित । संग्रहक-पुरातत्त्वान्वेषण श्री त्रिनविजय मुनि, सम्मान्य संचालक, राज्यस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जयपुर ।

१५. **दुर्गापुष्पाञ्जलि**—सं. महानहोगापाय पं० दुर्गाप्रसादद्विवेदीरचित । भक्ति-विषयक सुन्दर सुकव्य काव्य । संग्रहक-पं० गंगाधर द्विवेदी, साहित्याचार्य, म्याल्कादा-जहाराज-संस्कृत-कॉलेज, जयपुर ।

१६. **कर्णकुन्डल**—महाकवि श्रीमानाथ विरचित । सरस सुन्दर नाटक । संग्रहक-पं० श्री गोपालनारायण बहुल, एम्. ए., प्रवर शोध सहायक, राज्यस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जयपुर । इसी ग्रंथकार की धीमङ्गावतन में वर्णित भगवान् श्रीहृष्ण की लीलाओं के आधार पर निर्मित पद्मनी रचना 'श्रीहृष्ण-लीलावतन' महित ।

१७. **ईश्वरमिलाम महाकाव्य**—कविचक्राणिच देशीय श्रृंगार मठ विरचित । जयपुर के महापरा ईश्वरमिठ की आशा से निर्मित ऐतिहासिक महाकाव्य । संग्रहक-निर्मित 'विद्याविनी' संस्कृत टीका सहित । संग्रहक-कविचक्राणिच देशीय मठ श्री मनुमानाथ शास्त्री, साहित्याचार्य, जयपुर ।

१८. रसदीर्घिका—कवि विद्याराम प्रणीत । रस अलंकार आदि विवेचनपरक सुबोध रचना । सम्पादक—गोपाल नारायण बहुरा, प्रवर शोध सहायक, राजस्थान प्रा. वि. प्रतिष्ठान, जोधपुर ।

## २. राजस्थानी साहित्य

१९. कान्हड़दे प्रबन्ध—महाकवि पद्मनाभ रचित । स्वधर्म और स्वदेश रक्षा निमित्त जालोर के चौहाण-कुलशिरोमणि महावीर कान्हड़दे ( कान्हड़दे ) के बलिदान की गौरव-गाथा । राजस्थान के प्राचीन इतिहास सम्बन्धी साहित्य की महत्वपूर्ण प्रबन्ध रचना । सम्पादक—प्रो. के. पी. व्यास, एम्. ए., प्राध्यापक—एंग्लिकन कॉलेज, बम्बई ।

२०. क्यामखौं रासा—पतहपुर ( शेखावाटी ) के नवाब अलफ़खौं ( कविवर जान ) रचित ऐतिहासिक काव्य । सम्पादक—डॉ. दशरथ शर्मा और श्री अजरचन्द्र नाहटा ।

२१. लावारासा अपर नाम कूर्मवंशशशप्रकास—वारण कविया गोपालदास विरचित ऐतिहासिक राजस्थानी काव्य । सम्पादक—राजस्थानी के सुपरिचित विद्वान् श्री महताबचन्द्र खारैड़ ।

२२. चौकीदास री ख्यात—जोधपुर के कविवर चौकीदास रचित राजस्थानी साहित्य की सुप्रसिद्ध रचना । सम्पादक—श्री नरोत्तमदास स्वामी, एम्. ए., वाइस प्रिंसिपल एवं प्राध्यापक—महाराणा भूपाल कॉलेज, उदयपुर ।

२३. राजस्थानी साहित्यसंग्रह—' खौंची गवेव नाँबावतरो दो-पहरो ' ' रामदास बेरावतरी आखडी री वात ' तथा ' राजान राउतरो वात-वणाव ' नामक तीन राजस्थानी वार्ताओं का संग्रह । सम्पादक—श्री नरोत्तमदास स्वामी, एम्. ए., प्राध्यापक, महाराणा भूपाल कॉलेज, उदयपुर ।

२४. कवीन्द्रकल्पलता—मुगल सम्राट् शाहजहाँ के समकालीक काशी के सुप्रसिद्ध विद्वान् कवीन्द्राचार्य सरस्वती विरचित मनोहर काव्य ग्रन्थ । सम्पादिका—श्रीमती रानी लक्ष्मीकुमारी चूड़ावत, जयपुर ।

२५. जुगलविलास—बुधलगढ ( राजस्थान ) के भक्त महाराजा पृथ्वीसिंह अपरनाम कवि पीयल विनिर्मित ब्रजभाषा में भगवान् कृष्ण और राधा की ललित-लीला-वर्णन-परक छन्द रचना । सम्पादिका—श्रीमती रानी लक्ष्मीकुमारी चूड़ावत, जयपुर ।

## प्रेसों में छप रहे संस्कृत ग्रंथ

१. शकुनप्रदीप—लावण्य शर्मा रचित शकुनशास्त्र का अत्युपयोगी महत्वपूर्ण ग्रंथ ।
२. लघुस्तव—लब्धाचार्य प्रणीत, सोमविलक सूरी कृत टीका सहित ।
३. करुणामृतप्रपा—ठकुर सोमेश्वर- विनिर्मित, संस्कृत छमापितों का सुन्दर संग्रह ।
४. बालशिक्षाव्याकरण—ठकुर संग्रामसिंह विरचित, संस्कृत व्याकरण का बालोपयोगी सुबोध ग्रन्थ ।
५. पदार्थरत्नमंजूषा—पं. कृष्ण मिश्र रचित, न्याय शास्त्र का महत्वपूर्ण प्राचीन ग्रन्थ ।
६. काव्यप्रकाशसंज्ञेत—अलङ्कार शास्त्र का सुप्रसिद्ध मूर्धन्य ग्रन्थ, सोमेश्वर भट्ट कृत—' संज्ञेत ' सहित ।
७. वसन्तविलास फागु—अज्ञान कर्तृक-फागु काव्य रूप में सरल सुन्दर रचना ।
८. नन्दोपाख्यान—अज्ञात कर्तृक-उपाख्यान रूप में सरल संस्कृत रचना ।
९. चांद्रव्याकरण—आचार्य चन्द्रगोमि विरचित—संस्कृतका प्राचीन व्याकरण ग्रन्थ ।
१०. वृत्तजाति समुच्चय—कवि विरहाङ्क विनिर्मित छन्दःशास्त्र का महत्वपूर्ण ग्रन्थ ।
११. कवि दर्पण—अज्ञात कर्तृक-छन्दोरचना विवेचनपरक प्राचीन ग्रंथ ।
१२. स्वयम्भूच्छन्द—कवि स्वयम्भू विनिर्मित अपभ्रंश छन्दःशास्त्र का प्राचीन ग्रंथ ।
१३. प्राकृतानन्द—रघुनाथ कवि रचित, प्राकृत भाषा का अत्युपयोगी व्याकरण ग्रंथ ।
१४. कविकौस्तुभ—पं. रघुनाथ विरचित, काव्य शास्त्र विवेचनपरक ग्रंथ ।
१५. दशकण्ठघडम्—महामहोपाध्याय स्व. पं. दुर्गाप्रसाद द्विवेदी रचित रामचरित्र विषयक चम्पू काव्य ।
१६. पद्यमुक्तावली—कविचलानिधि श्रीकृष्णभट्ट विरचित सज्जित मुक्तक काव्य ।

